



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



बृ० १७]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26, 1997 (वैशाख 6, 1919)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1997, (VAISAKHA 6, 1919)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate pagings are given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग IV [PART IV]

गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन और सूचनाएँ [Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies.]

नाम परिवर्तन

मैं अब तक गनेशीलाल के नाम से जाता, सूचना श्री हुड्डोलाल कार्यालय बोधिसत्य डा. बाबासाहेब अम्बेडकर सांस्कृतिक विकास सोसायटी एवं "सुजाता स्वशासी संगठन" उत्तर प्रदेश कार्यालय 46/263, भीम नगर कालोनी, जगदीशपुरा, आगरा में प्रान्तीय महामन्त्री के पद पर कार्यरत निवासी वर्तगान पता नं. 75, श्राम-मण्टप, पोस्ट-बिल्डिंग, जिला-आगरा ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात मेरा नाम गनेशीलाल बद्धधर्षण होगा।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी घरों को पूरा कर लिया है।

मैं अब तक बाबूलाल प्रधान जी के नाम से जाता, सूचना स्व. श्री रामपाल कार्यालय बोधिसत्य डा. बाबासाहेब अम्बेडकर सांस्कृतिक विकास सोसाइटी एवं "सुजाता स्वशासी संगठन" उत्तर प्रदेश कार्यालय 46/263, भीम नगर कालोनी, जगदीशपुरा, आगरा में प्रान्तीय उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत निवासी वर्तगान पता नं. 47/3, नाला गोपालपुरा, गढ़ी भद्रोरया, आगरा-282010 (उ. प्र.) ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात मेरा नाम बाबूलाल बौद्ध होगा।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी घरों को पूरा कर लिया है।

गनेशीलाल
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

बाबूलाल प्रधान जी

हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

४८५ परिवर्तन

मैं, गमनशीलाल सुपुत्र श्री हर्ष्णवीलाल द्वार्यालिय बांधिसत्त्वा
डा. बाबाशाहबें अम्बेडकर सांस्कृतिक विकास सोसाइटी एवं
“सूजाता स्वशासी संगठन” उत्तर प्रदेश कार्यालय 46/263,
भीम नगर कालोनी, जगद्विपुरा, आगरा में प्रान्तीय महामन्त्री
के पद पर नियुक्त। निवास स्थान म. नं. 75, ग्राम-मंगलउड़ी,
पौस्ट एवं ब्लाक-दिच्चरै, जिला-आगरा सत्यगीष्ठा पूर्वक
कथ्य लेकर घोषणा करता हूँ कि मैंने बौद्ध धर्म को अपना
लिया हूँ और हिंदू धर्म का पर्याय छार दिया हूँ।

प्रमाणित किया जाता है कि इस संकर्ख में यहाँ अपेक्षित कानूनी कार्रवाई का अनुपालन किया गया।

गनेशीलाल
हस्ताक्षर

वार्षिक लाइन प्रधान जी
हस्तांकिर

वाकूलाल प्रधान जी सुनुअ स्व. श्री शमपाल कार्यालय
की विहित हो गा. वाकूलासाहेब दमोहर संस्कृतिक विकास सोसायटी
एवं "भूजगढ़ा चक्रवर्ती संघठन" उत्तर प्रदेश कार्यालय 46/263,
भीम नगर कालोनी, जगदीशपुरा, आमरा में प्रालीम उत्थक्ष
के पद पर नियुक्त। नियास स्थान म. नं. 47/3, नामा
गोपालपुरा, गढ़ी राज्यीरामा, आमरा-282010 (उ. प्र.)
दरार्पण द्वारा पूर्ण शपथ लेकर सोमाया करता हूँ कि मैंने वौष्टि
गम जो अवश्य किया हूँ और दिल्ली धर्म द्वा एवं शिवाया का
दिया है।

प्राणित किया जाता है कि उस संघर्ष में भैंसे अद्वितीय जानकी कारबाही का उत्तरालं किया है।

卷之三

NO LEGAL RESPONSIBILITY IS ACCEPTED FOR THE PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES IN THIS PART OF THE GAZETTE OF INDIA. PERSONS NOTIFYING THE ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES WILL REMAIN SOLELY RESPONSIBLE FOR THE LEGAL CONSEQUENCES AND ALSO FOR ANY OTHER MISREPRESENTATION ETC.

BY ORDER
Controller of Publication

CHANGE OF NAME

I, hitherto known as DEEPAK KUMAR s/o Sh. O. P. MATHUR, employed as Sr. Assistant in the Indian Oil Corporation Ltd., New Delhi, residing at the B-755, MIG Flats, East of Loni Road, Shahdara, Delhi. I have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK MATHUR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

DEEPAK KUMAR

I, OM PRAKASH s/o Late Shri NARAIN SINGH, employed as Senior Technical Assistant in the Deptt. of Agriculture and Cooperation, residing at the S-130, Pandav Nagar, Delhi-92, have changed my name and shall hereafter be known as OM PRAKASH CHOUDHARY.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

OM PRAKASH
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as POGULAKOLANDA REDDY s/o P S REDDY, employed as a commissioned officer in the Indian Army, residing at 9/69, Manekshaw Marg, New Delhi, have changed my name and shall hereafter be known as POGULAKARIUN REDDY.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

POGULA KOLANDA REDDY
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as RAJBAHADUR MANBAHADUR GURECHA S/o MANBAHADUR DUMBARSINGH GURKHA, employed as Mailman, in the SRO. RMS 'L' Dn. N. Nasik Road, residing at the Sinner-Phata, Nasik Road (Maharashtra State), have changed my name and shall hereafter be known as RAJBAHADUR MANBAHADUR KHATRI.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Business in the Tis Hazari, Delhi,
, Gopal Nagar Phase-II, Najafgarh,
New Delhi-43, have changed my name
known as **BHUPENDER KUMAR**.

have complied with other legal
connection.

कोयम्बटूर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
की
नियमावली
और
संस्था के अंतर्नियम
कंपनी अधिनियम, 1956
प्रत्याभूत द्वारा परिसीमित कंपनी
कोयम्बटूर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
की
संस्था नियमावली

1. कंपनी का नाम कोयम्बटूर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड है।
2. कंपनी का पंजीकृत कार्यालय निम्नलिखित राज्य में स्थित होगा।
3. उद्देश्य

(क) आपने नियमन पर कंपनी (इसमें इसके पश्चात "एक्सचेंज" के रूप में निविष्ट) द्वारा अनुमति दिया गयी शास्त्रीय उद्देश्य प्रकार है:

प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 के अर्थ के अंतर्गत एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के रूप में एक्सचेंज की मन्त्रिता के लिए भारत सरकार के पास आवेदन करना तथा मान्यताप्राप्त करना और दलालों, जारी, व्यापारियों और निवेशक-जनता के हितों की सुरक्षा करने तथा को अप्रसर करने के उद्देश्य से सभी प्रकार की प्रतिभूतियों में व्यापार तथा कारोबार को आसान बनाना, सहायता देना, विनियमित करना और नियंत्रित करना।

(ख) मुख्य उद्देश्यों को प्राप्ति के प्रासंगिक या अनुषंगी उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. धारणियन् रमर्यादा और सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों को बनाए रखना, व्यापार और कारोबार की प्रतिष्ठित प्रणालियों और न्यायसंगत तथा साम्यापूर्ण सिद्धांतों को बढ़ावा देना तथा मन में बैठाना, नादाचार को होतोत्साहित करना तथा रोकना,

2. एक्सचेंज के सदस्यों द्वारा लगाए जाने वाले कमीशन और दलाली का विनियमन करना और उम्मीद उच्चनग सीधा नियम बनाना,

3. व्यापार तथा कारोबार के संचालन में विवादों का निपटारा करना और प्रचलन, प्रणा या शिष्याचार के सभी प्रश्नों का निर्णय करना।

4. विवाचन द्वारा विवादों के निपटान को बढ़ावा देना, ऐसी शर्तों पर तथा ऐसे मामलों में, जो समीक्षीय लगे, विषाक्षणों या अम्पायरों के रूप में कार्य करना या को नामित करना और सदस्यों द्वारा व्याक्तियों, जो सदस्य नहीं हैं, के द्वीप विवादों के विवाचन सहित प्रतिभूतियों में सेन-

देनों से संबंधित सभी लेन-देनों के संबंध में सभी विवादों के विवाचन के लिए व्यवस्था बनाना और विवाचन स्थान-धिकरण की व्यवस्था करना और प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों और उसके अधीन राज्य नियमों के अंतर्गत ऐसे समस्त विवाचन कारबाहियों के संबंध में नियम, उप-नियम और विनियम बनाना और उनके बारे में और पचाईं के प्रश्नों के लिए प्रक्रिया को विनियमित करना,

5. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और उसके संबंध में तत्त्वज्ञान किसी कानून या नियमों के अधीन, ढंग तथा शर्तों जिनके प्रक्रीय एक्सचेंज में कारोबार किया जाएगा, और कारोबार का संब्धान करने वाले व्यक्तियों के आवाजण के संबंध में और सामान्यतः एक्सचेंज के सदस्यों के विनियमन तथा सुधारवस्था के लिए नियम, उप-नियम तथा विनियम बनाना और समय-समय पर ऐसे नियमों, उप-नियमों या विनियमों या उनमें से किसी एक में संशोधन या परिवर्तन करना तथा उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए काउंसिल नियम या अतिरिक्त नियम या विनियम बनाना,

6. ट्रेडिंग हाउस की सुविधा के लिए तथा एक्सचेंज के अन्य प्रयोजनों के लिए तथा उसके सदस्यों के इस्तेमाल के लिए एक उत्कृष्ट भवन का निर्माण करना, उसे विस्तारित करना, मजिजत करना तथा उसका रख-रखाव करना या ऐसे किसी भवन को भवनों को परिवर्तित करना, उनमें परिवर्धन करना या उन्हें हटाना तथा भूमि तथा भवन तथा अन्य यांत्री घर तथा अवल संपत्तियां, जो एक्सचेंज समय-समय पर, एक्सचेंज के प्रयोजनों के लिए अधिप्राप्त करना उचित संभव; क्रप द्वारा या पट्टे पर या अन्य अधिप्राप्त करना,

7. एक्सचेंज की समस्त संपत्ति या उसके किसी भाग को बीमालग करना, बेचना, सुधारना, व्यवस्था करना, विक्रित करना, छद्मना, पट्टे या किराए पर देना, बंधक रखना, निपटना या अन्यथा संब्धान करना,

8. एक्सचेंज के प्रयोजनार्थ आवश्यक या सुविधाजनक कोई चल या अवल संपत्ति तथा कोई अधिकार या प्राधिकार और विशेषकर कोई भूमि, भवन, सुविधा या सुरक्षित जमा वाली क्रप द्वारा या पट्टे पर या अन्यथा खेल कर अधिप्राप्त करना,

9. बैडों के अन्त अलू तथा अन्य खाते खोलना और ऐसे खातों का परिचालन करना,

10. ऐसी शर्तों पर तथा ऐसे ढंग में और प्रतिभूति के साथ या के बिना एक्सचेंज के लिए आवश्यक धन उधार लेना या जुटाना,

11. एक्सचेंज की तरफाल आवश्यक न होने वाली ग्राहीताओं को ऐसों प्रतिभूति में या पर और द्वाज पर या

के बिना या ऐसे अन्य निवेशों में, जो समय-समय पर निर्धारित किए जाएं, निवेश करना या अग्रिम देना,

12. एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों में निर्दिष्ट किसी भी प्रयोजन के लिए कंपनी की निधियों या अन्य चल संबंधित में से भुगतान या संवितरण करना,

13. धर्मदायी या परोपकारी उद्देश्यों के लिए या किसी सार्वजनिक, सामाज्य या उपयोगी उद्देश्य के लिए अभिदान करना या धन की गारंटी देना,

14. एक्सचेंज के सदस्यों या गैर-सदस्यों या निवेशक जनता या कर्मचारियों या भूतपूर्व कर्मचारियों या ऐसे किसी व्यक्ति के आश्रितों या संबंधियों के लाभ के लिए प्रकलिप्त किसी निधि, न्यास तथा सुविधा की स्थापना तथा समर्थन करना या स्थापना तथा समर्थन में सहायता करना और पेंशन उपदान तथा भत्ते मंजूर करना और बीमा लाभ तथा ऐसी अन्य योजनाओं के प्रति भुगतान करना,

15. प्रतिभूतियों में लेन-देन के प्रयोजनार्थ समाशोधन गृह की स्थापना तथा अनुरक्षण करना या स्टाक होलिंग तथा समाशोधन निगम का अनुरक्षण करना तथा उसके कार्यकलाप तथा प्रशासन को नियंत्रित तथा विनियमित करना,

16. नियमावली में निर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किसी भी सरकार के साथ ऐसी व्यवस्था करना जो भी उचित लगे और किसी भी सरकार से ऐसी कोई शक्ति, अधिकार, लाइसेंस, प्राधिकार या रियायत प्राप्त करना जो आवश्यक तथा उचित लगे,

17. आंकड़े तथा अन्य सूचना प्राप्त करना, एकल करना, सुधार रखना तथा प्रत्यारित करना, एक पुस्तकालय रखना, और कोई समाचार पत्र, जर्नल, पत्रिका, पैम्फलेट, सरकारी ईपर बुक, दैनिक या अन्य आवधिक कोटेशन सूचियां या एक्सचेंज के उद्देश्य के संबंध में या के प्रोत्साहन में अन्य कार्य मुद्रित करना, प्रकाशित करना, प्रारंभ करना, प्रबंध करना तथा जारी रखना,

18. किसी अन्य संघ, चाहे नियमित हो या न हो, के लिए अभिदान करना, का सदस्य होना और के साथ सहयोग करना जिसके उद्देश्य एक्सचेंज द्वारा निरूपित हितों को बढ़ावा देना या सामाज्य वाणिज्यिक तथा व्यापारिक हितों को बढ़ावा देना और ऐसे संघ से ऐसी सूचना प्राप्त करना या को ऐसी सूचना संप्रेषित करना जो एक्सचेंज के हितों का संबंधित करे या व्यापार या उसमें किसी हित की सुरक्षा के लिए उपायों को बढ़ावा देना,

19. अपने सदस्यों तथा कर्मचारियों के लाभार्थ भारत/विदेशों में अध्ययन द्वारे आयोजित करना,

20. कोयम्बटूर में प्रतिभूतियों में व्यापार को विनियमित करने वाले संगठनों के वर्तमान कारोबार का अधिनियम करना,

21. ऐसी अन्य चीजें करना जो उपर्युक्त उद्देश्यों पर उनमें से किसी भी उद्देश्य के प्रासंगिक या प्रेरक हैं।

(ग) ऊपर “क” और “ख” में शामिल न किए गए अन्य उद्देश्य इस प्रकार हैं :

1. भैंडारण के प्रयोजनार्थ सेफ डिवाजिट बॉल्ट प्राप्त करना/स्थापित करना, धन प्रतिभूतियों तथा सभी प्रकार के वस्तावेज रखने के लिए तिर्जोरियां, कोष कम और अन्य आधार निःशुल्क या अन्यथा किराए पर प्राप्त करना,

2. व्यापार, वाणिज्य या कंपनी प्रशासन में लगे या लगने वाले अथवा स्टाक, शेयर तथा इसी प्रकार की प्रतिभूतियों में संव्यवहार करने वाले व्यक्तियों की तकनीकी तथा कारोबारी जानकारी प्रदान करना और प्रशिक्षण कार्यक्रम सेमिनार, व्याख्यान तथा कक्षाओं की व्यवस्था करना और ऐसे व्यक्तियों की क्षमता की परीक्षा द्वारा या अन्यथा जांच करना और प्रमाणपत्र तथा डिप्लोमा प्रदान करना और छात्रवृत्तियां, अनुदान तथा अन्य दाता संस्थित या स्थापित करना,

3. प्रतिभूतियों, प्रतिभूति बाजार तथा उससे संबंधित मामलों में अनुसंधान या अध्ययन को बढ़ावा देना,

4. सदस्यों की देयता सीमित है।

5. एक्सचेंज का प्रत्येक सदस्य उसके सदस्य में रह जाने के पूर्व संविदा किए गए एक्सचेंज के शृंणों तथा देयताओं की चुकौती के लिए तथा लागत प्रभार और अधिकतम दस हजार रुपये की ऐसी राशि, जो अपेक्षित की जाए, के लिए उसके सदस्य रहते हुए या उसके सदस्य न रह जाने के बाव एक वर्ष के भीतर एक्सचेंज का समाप्त होने की स्थिति में एक्सचेंज की आस्तियों में अंशदान करने का वचन देता है।

कंपनी अधिनियम 1956

प्रत्याभूत द्वारा परिसीमित कंपनी

कोयम्बटूर स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड

संस्था अंतिम

तालिका “सी” में निहित विनियम निम्नलिखित के अतिरिक्त कंपनी को लागू होगा :

निवेशन

1. इन विलेखों में निम्नलिखित शब्द और प्रभिव्यक्तियां, जब तक विषय या संदर्भ द्वारा अपवर्जित न हो, निम्नलिखित अर्थ रखेंगी :

(क) “एक्सचेंज” से कोयम्बटूर स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड प्रभित्र है।

(ख) “सदस्य” का सातवर्ष स्टाक एक्सचेंज में परिचालन करने के लिए प्राधिकृत और समय-समय पर यथा मांसोद्धित प्रतिभूति उचित (विनियम) मिलम,

1957 के नियम 8 के अनुसार अहित कंपनी और सार्वजनिक वित्तीय निगम सहित एकसचेंज का सदस्य है।

(ग) "कार्यालय" से एकसचेंज का तत्समय पंजीकृत कार्यालय अभिप्रेत है।

(घ) "नियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियम) नियम, 1957 अभिप्रेत है।

(ङ) "उप-नियम तथा विनियम" से तत्समय लागू एकसचेंज के उप-नियम तथा विनियम अभिप्रेत है।

(च) "अधिनियम" से कंपनी अधिनियम, 1956 अभिप्रेत है।

(छ) "रजिस्टर" से अधिनियम की धारा 150 के अनुसरण में रखे जाने वाला सदस्यों का रजिस्टर अभिप्रत है।

(ज) "वर्ष" से एकसचेंज का वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

(झ) "परिषद" से इन अनुच्छेदों में उपबन्धित रूप में तत्समय कार्यरत परिषद अभिप्रेत है और इसमें विधिवत् बुलाई गई और गठित परिषद की बैठक शामिल है, परिषद अधिनियम के अर्थ के अन्तर्गत एकसचेंज का निवेशक मण्डल होगा।

(ट) "मुद्रा" से एकसचेंज की सामान्य मुद्रा अभिप्रेत है।

(ठ) "लिखित रूप में" में मुद्रण, टक्कण, अशममुद्रण, फोटोकॉपी, कंप्यूटर मुद्रण तथा प्रतिकृति का कोई अन्य सामान्य रूप शामिल है।

(उ) "कारपोरेट सदस्य" से समय-समय पर यथा संशोधित नियम 8 की शर्तों को पूरा करने वाली एकसचेंज की सदस्यता के लिए स्वीकृत कंपनी या संगठन या सार्वजनिक वित्तीय निगम अभिप्रेत है।

(इ) "सार्वजनिक वित्तीय निगम" से समय-समय पर यथा संशोधित नियम 8 (4) में उल्लिखित कोई संस्था अभिप्रेत है।

(ण) व्यक्तियों को द्योतित करने वाले शब्दों में निगम, फर्म, संयुक्त परिवार, सार्वजनिक वित्तीय संस्था, कारपोरेट सदस्य या ऐसे अन्य कंपनी निकाय शामिल हैं जिनके लिए केन्द्र सरकार समय-समय पर यथा संशोधित नियम 8 (4) की आवश्यकताओं से छूट के लिए सिफारिश करती है।

(त) पुलिंग धोतित करने वाले शब्दों में स्कीलिंग और विलोमतः और कंपनी, वित्तीय संस्था/निगम के नामों में अनुसार किंग शामिल होंगे।

(थ) एक वचन द्वय लित करने वाले शब्दों में बहुवचन तथा विलोमतः शामिल होंगे।

(द) जब तक इन विलोमों में अन्यथा परिभाषित न किया गया हो या जब तक संदर्भ एक अलग अर्थ अपेक्षित या सूचित नहीं करता है, इन विलोमों में आने वाले किसी भव्य या अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 या नियमों में है।

(ध) "सेबी" से सेबी अधिनियम 1992 के अधीन गठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, उसके उत्तराधिकारी तथा समनुवेशिती अभिप्रेत है।

1(न) "एससो (आर) अधिनियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 अभिप्रेत है।

1(प) "सेबी अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, अधिनियम, 1992 अभिप्रेत है।

1(फ) "सेबी नियम" से सेबो अधिनियम के अधीन रचित अधिनियम अभिप्रेत है।

1(ब) "सेबो विनियम" से सेबो अधिनियम के अधीन रचित विनियम अभिप्रेत है।

सदस्य

2. एकसचेंज में प्रारम्भ में 300 तक सदस्य होंगे और परिषद को सरकार/सेबी से अनुमोदन के अवीन और सरकार/सेबी द्वारा निर्धारित नितिवानों एवं शर्तों पर या एस सी (आर) अधिनियम, नियम, सेबो अधिनियम, सेबो नियम और सेबी विनियम के प्रावधानों के अधीन सरकार/सेबी द्वारा जब भी निर्देश दिया जाए, सदस्यों को साधारण सभा को संदर्भ के बिना समय-समय पर सदस्यता बढ़ाने का अधिकार होगा।

3(क) संस्था नियमावली के अधिवाता, जो केन्द्र सरकार द्वारा नियत प्रक्रिया द्वारा चुने जाते हैं और ऐसे अन्य व्यक्ति जिन्हें परिषद इसमें इसके पश्चात निहित प्रावधानों के अधीन सदस्यता के किए स्वीकृत करे, एकसचेंज के सदस्य होंगे। एकसचेंज समय-समय पर सदस्यता में शामिल किए गए व्यक्तियों के नाम तथा पक्षे केन्द्र सरकार को प्रस्तुत करेगा।

(ख) परिषद केन्द्र सरकार द्वारा यथा विनिश्चित सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं को सदस्यता में शामिल करेंगी जिनमें वे समय-समय पर यथा संशोधित नियम 8 (4) के अनुसार सदस्य होने के लिए पावर हों।

(ग) परिषद् ऐसे वैयक्तिक व्यक्तियों तथा कंपनियों को सदस्यता में शामिल करेगी जो केन्द्र भारतीय द्वारा निर्धारित बानों के अनुसार अंडा प्राप्त करते हैं और समय-समय पर यथा नियम 8 के अनुसार एक्सचेंज सदस्य होने के लिए पात्र हैं।

4. सदस्यता एक्सचेंज के लियाँ, उन्नियाँ तथा विभिन्नों के अधीन संबंधित अधिकारों तथा विभिन्न गाँवों जो प्रतीक करने के लिए एक्सचेंज से एक अनुमति के रूप में होती हैं।

5. कोई भी व्यक्ति या व्यापारी वा उसमें संबंधित किसी अधिकारी वा विदेशी द्वारा करेगा, बंधक, गिरवी या दृष्टिरूप नहीं रखेगा या प्रमाणित नहीं करेगा और ऐसा कोई भी प्रयत्नि उमनुदेशन, बंधक, गिरवी, दृष्टिरूप या प्रभार इसी उद्देश्य के लिए एक्सचेंज के विरुद्ध प्रभावी होगा आर किसी सदस्यता में सदस्यता के व्यक्तिगत अधिकार या हित को एक्सचेंज द्वारा मान्यता नहीं दी जाएगी। परिषद् ऐसे किसी सदस्य को वर्जित कर सकती है जो इस अनुच्छेद के प्रावधानों के उल्लंघन में कार्य करता है या कार्य करने का प्रयास करता है।

6. नियमों के नियम 8 के अधीन भद्रता के लिए अहित आवेदक एक्सचेंज की सदस्यता के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं बशर्ते उन्होंने कम से कम 12वीं कक्षा या उससे समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

7. (क) सदस्य होने के इच्छुक आवेदक एक्सचेंज की सदस्यता में प्रवेश के लिए एक्सचेंज के पात्र आवेदन करेंगे। सदस्यता हेतु सभी आवेदन उस प्रयोगज्ञ के लिए निर्धारित फार्म में लिए जायेंगे। वेयरिक्ट तथा कारपोरेट अधिकारों के लिए अन्तर्ज-अन्तर्ग फार्म ही सकते हैं।

बशर्ते कि किसी कंपनी या सार्वजनिक वित्तीय नियम की ओर से प्रस्तुत कारपोरेट सदस्यता हेतु आवेदन के गान्धी सदस्यता हेतु आवेदन के लिए अनुप्रोद्देश प्रदान के तौहुए और आवेदन पर हस्ताक्षर करने के लिए वाकिनियों को नामित करते हुए वाई संकरण की प्रमाणित प्रति संस्करण होती चाहिए।

(क) कोई भी व्यक्ति/कंपनी/सार्वजनिक वित्तीय नियम एक्सचेंज की सदस्यता में सम्मिलित होने के लिए तब तक पात्र नहीं होता जब तक वह इसमें आर निर्दिष्ट संस्थाएं, नियमों के अधीन उस संघर्ष में निर्धारित आवश्यकताओं या वरकार-रीवी द्वारा समय-समय पर निर्धारित दिशा निर्देशों को पूरा नहीं करती हैं।

(ख) सदस्यता के लिए आवेदन करने वाली कंपनी/सार्वजनिक वित्तीय संस्थान द्वारा विवेदित नियमों में उल्लिखित निवधनों, गाँवों और प्रक्रियाओं

का पालन करेंगे जब तक उन्हें इन अनुच्छेदों द्वारा दिये निर्दिष्ट एवं गाँवों में विभिन्न रूप से छूट प्राप्त न हो।

9. एक्सचेंज को नियमों के लिए आवेदन करने वाला प्रत्येक अधिकारक 1,00,000 (एक लाख रुपये मात्र) या ऐसी उच्चतर राशि, जो परिषद् राज्य-समय पर नियन्त करे, का प्रवेश शुल्क अदा करेगा। इसके अतिरिक्त, वह नूलभूत संरचना विकास के लिए एंग अंशदान भी अदा करेगा जो परिषद् समय-समय पर नियन्त करे। 25% प्रवेश शुल्क आवेदन के साथ एक्सचेंज को अदा किया जाएगा।

10. (क) प्रत्येक सदस्य रु 2000 (रुपये दो हजार मात्र) या ऐसी उच्चतर राशि जो परिषद् द्वारा समय-समय पर नियन्त की जाए, वार्षिक चारे के रूप में अदा करेगा। इन विवेदियों के अधीन निर्धारित ऐसा वार्षिक चारों दरों पर तथा इसके बाद प्रत्येक वर्ष 30 अंते तक पूर्ण देय होगा।

(ख) परिषद आंकड़ा यांसाधन प्रभार, प्रशासनिक खर्च और नूलभूत संरचना विकास पर प्रतिशेष व्यवहार को पूरा करने के लिए न्यूनतम है, 1000 (एक हजार रुपये मात्र) या किसी उच्चतर राशि के अधीन हरेक सदस्य के लेन-देनों की मात्रा का 0.1% सेवा प्रभार लगा तथा बनूल कर सकती है।

11. इन उत्तर-नियमों और नियमितों में यथा उपबंधित का छोड़ना, यदि कोई उद्यम एक्सचेंज द्वारा उसके उपर नियमित रूप से नोटिस तामोचक लर्न के बाद दो महीने के भीतर एक्सचेंज की या समारोधन गृह की अपना वार्षिक चारों शुल्क, प्रभार या देय अन्य धन अदा करने ने नकफल रहता है, वह परिषद् द्वारा तब तक निलंबित रखा जाए सकता है जब तक वह भुगतान नहीं करता है और यदि दो महीने को अनियमित अवधि के भीतर वह ऐसा भुगतान करने में अवकाश रहता है तो वह किसी अतिरिक्त आश्रय के बिना परिषद् द्वारा वर्षास्तु किया जाएगा।

12. सदस्यता हेतु प्रत्येक अविदेन परिषद् द्वारा निर्धारित प्रपत्र, भें नियमित रूप में किया जाएगा और उस पर आवेदक के हस्ताक्षर होंगे। कंपनी नियम/सार्वजनिक वित्तीय नियम द्वारा प्रदस्यता के लिए प्रयोग हेतु आवेदन पर उसके कम से कम दो निवेशकों के द्वारा अदा होने वालिए नियमों से एक निवेशक प्रबंध पूर्णकालिक निवेशक, यदि कोई है, होगा। कंपनी/वित्तीय नियम के निवेशक मण्डल द्वारा पारित और उसके अध्यक्ष या प्रबंध/पूर्णकालिक निवेशक द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित राखत की प्रति आवेदन के साथ संबंध की जानी चाहिए।

बोर्ड-संकाय ऐसे कंपनी नियम/सार्वजनिक वित्तीय नियम के निवेशकों/प्राधिकृत भागीदार (वहाँकों)/प्रतिविधि (प्रति निधियों) को उपकी ओर से कार्य करने, बचन देने तथा संब्यवहार करने का भी अधिकार देगा। उसको संस्था नियमाबली और अंतरिक्ष की प्रति या एक्सचेंज के तदर्य (सदस्यों) के रूप में रटाँक बलाली का व्यापक व्यवसाय

करने के लिए ऐसे कंपनी निकाप/सार्वजनिक नियम निर्गम को पालिंग करते हुए तथा यथा सामूहिक-नियमों और नियमों तथा प्रधिनियमियों सहित उसके संबंधीय की प्रति सक्षित होने निवेशों/प्राधिकृत संस्थान (महानगरों)/प्रतिनिधि (प्रतिनिधियों) के नमूना, हस्ताक्षरों की प्रति भी आवेदन के साथ उत्तर की जाएगी।

13. एकसचेंज की सदस्यता में प्रवेश के बाही आवेदन सचिन या एकसचेंज के अन्य प्राधिकारी यदिनांकी के पास भी जाएंगे जो अधिकृत व्यापार लाइसेंस पर नियम वाले वो तारीख से कम रो कम 15 दिन पूर्व एप्रिल के लाइसेंसट नए आवेदनों के नाम लगाएंगा। कोई भी सदस्य परिषद द्वारा विचार के लिए आवेदक के विस्तृत जानी चाहती, यदि कुछ है, उस संठिये के लगाने के चौदह दिनों के बीतर परिषद कर सकता

14. ऊपर विवरित अवधि के लगान होने के बाद, भी आवेदन से संबंधित भी आपनियों और नियोंटों के मामले आवेदन परिषद के समस्य पर लगा दिया जाएगा।

15. ऊपर अनुचित 13 में लिखा है पंद्रह दिनों की अवधि के समाप्त होने के बाद और किसी नहीं ने जारी किया आवेदन या जांच द्वारा या अन्य को अनुकारी में जारी बाली अन्य आपनियों पर विचार करने के बाद या अन्य अन्य आवेदन के विचारार्थ आवेदन प्रेषिये।

16. एकसचेंज के सदस्य वस्तुनिष्ठ मानदंड तथा बोर्ड सरकार, द्वारा गठित संबीक्षा समिति द्वारा सामाजिक आधार पर चुने जाएंगे।

17. एस सी (आर) अधिनियम तथा नियम के प्रावधानों के अधीन परिषद एकसचेंज की संवेदनों में प्राप्त आवेदकों वो सम्मिलित कर सकती है, फिर भी वर्षते कि ऐसे आवेदक को सेवी अधिनियम की धारा 12 के अधीन पंजीयन प्राप्त करने और एस सी (आर) अधिनियम, नियम और सेवी नियम तथा सेवी विनियम के अधीन समग्र-समय पर यथा नियमित तथा नामून सभी औपचारिकताओं का पालन करने के लिए उसके अनुभन्न-होने के बाद ही शेयरदलान के रूप में बारोबार करने की अनुमति दी जाएगी।

18. परिषद एकसचेंज को प्रस्तुत्याकृति के लिए या से किसी भी समय प्रवेश रद्द और गद्दस्य को वर्णास्त कर सकती है, यदि उसने अपने आवेदन में या इस्यता में प्रवेश के समय या उसके प्रवेश के पहले की गई जाव के दौरान—

1. जान-बूझकर कोई गलत प्रस्तुतीकरण किया है या
2. अपने चरित्र तथा पूर्ववृत्त के संबंध में कोई तानिक जानकारी दबायी है या
3. प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में कोई गलत विवरण या संबन्धी है या गलत वापरण की है।

19. (क) यदि किसी व्यक्ति द्वारा एकसचेंज की सदस्यता में भवेश दिया जाता है तो उसके प्रवेश की सूचना उसे ऐसी जाएगी और एकसचेंज के सूचनापट पर भी लगायी जाएगी।

(द) यदि एकसचेंज की गद्दस्यता में भवित्वित व्यक्ति उसके प्रवेश की सूचना पेंजने की तारीख से 60 दिनों के भीतर इसमें निर्धारित कार्यों और प्रक्रियाओं को पूरा करके सदस्य नहीं बन जाता है तो आवेदन के ताथ उसके द्वारा जमा की गई राशि एकसचेंज द्वारा जब तक नहीं जाएगी।

(ग) यदि नियम आविन को 'सदस्यता' में प्रवेश स्वीकृत किया गया है, ऐसे वैयक्तिक व्यक्ति, सामेत या नियम कंपनी को एकसचेंज में किसी अन्य हैनियम में शेयर दवश। प्रतिभूति कागवार करने की अनुमति नहीं होती।

पूजी पर्याप्त राशि तथा अतिभूति जमा

20. एकसचेंज का प्रत्येक यद्यपि द्वारा निर्धारित पूजी पर्याप्तता भवित्वितों को पूरा करने के लिए सेवी द्वारा निर्धारित आधारभूत न्यूनता पूजी के रूप में एकसचेंज के नाम कम हो कर 2,00,000 (दो लाख रुपये मात्र) या सेवी/परिषद द्वारा राश्य-समन्वय पर निर्धारित अन्य उच्चतर राशि प्रतिभूति जमा के रूप में रखेगा।

उसस्य द्वारा देय प्रतिभूति जमा एकसचेंज के पास नुभा तो जाले बाली नक्की के रूप में या 50% किसी वैकं के पास दीघविधि (3 राशि या ग्राहिक) नीयादी जमा, या उपर एकसचेंज का आधारार्थ और बिना भवन लियन होगा, के रूप में होगा।

बार्टे कि ऐसी प्रतिभूति जमा या पूजी पर्याप्तता मानदंड को पूरा करने के लिए अपेक्षित राशि, जो परिषद द्वारा यथा परिनियमित किसी भी समय नियमी भी सदस्य द्वारा जमा करना अपेक्षित हो, परिषद द्वारा नियत समय के भीतर उसके द्वारा जमा की जाएगी। ऐसी प्रतिभूति जमा या राशि देने में अनफल रहने वाले या सेवकार करने वाले सदस्य को चूह पर एकसचेंज के रिय में ट्रॉडिंग करने से तब तक निर्लिपि रखा जाएगा जब तक वह निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करता है।

21. (क) नियमी सदस्य द्वारा दी गई प्रतिभूति जमा एकसचेंज तथा जमाधोषन बृह को तथा एकसचेंज के अन्य सभी सदस्यों को एक सदस्य द्वारा देय समस्त बृहों और समस्त दायित्वों के उचित शोधन के लिए प्रयोग की जाएगी। एकसचेंज तथा समाजोधन गृह को देय एक सभी अद्य तथा दायित्व प्रथम प्रभार रखेंगे और अन्य सभी दावों पर प्राप्तमिकाता रखेंगे। इसके बाद ऐसे दायस्य द्वारा एकसचेंज के सदस्यों को देय इह समरूप प्रभार रखेंगे और ऐसे सदस्य की प्रतिभूति जमा पर द्वितीय प्रभार के लिए पत्ते होंगे। उनका अवशेष, यदि कुछ है, इन विलेखों तथा किसी उपनियम तथा विनियम के अधीन की गई किसी

बिवाचन कार्यवाही में दिए गये किसी पंचाट के अधीन ऐसे सदस्य द्वारा किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति, जो सदस्य नहीं है, को देय समस्त दायित्वों में प्रयोग किया जाएगा।

(अ) इन अनुच्छेदों, उप-नियमों और विनियमों के अधीन प्रतिभूति जमा देने वाला सदस्य ऐसे प्रत्यक्ष में शोधना पत्र पर हस्ताक्षर करेगा औ परिषद समय-समय पर नियत करे।

(ब) सदस्य को पूँजी पर्याप्तता मानदण्ड पूरा करने के लिए अपने कारोबार की मात्रा पर ऐसे प्रतिबंधों का पालन करना होगा जो परिषद द्वारा नियत किया जाए और सदस्य को ऐसी सूचना भी प्रस्तुत करनी होती जो पूँजी पर्याप्तता मानदण्डों के अनुपालन का अनुवर्तन करने के लिए समय-समय पर परिषद द्वारा अपेक्षित हो।

22. (क) सदस्यता की समाप्ति पर या सदस्य की मृत्यु पर इन अनुच्छेदों, उप-नियम और विनियमों के अधीन अप्रयुक्त समस्त प्रतिभूति जमाएं या तो उसे या जैसा वह निर्देश देगा या ऐसे निर्देश के अधाव में उसके कानूनी प्रतिनिधियों को प्रदा की जाएगी।

(ख) कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार कारपोरेट सदस्यता के समाप्ति पर या सदस्य-निदेशक के दिवालियापन पर, सरकारी परिसमापक या अंतर्रिम परिसमापक या सक्षम न्यायालय द्वारा नियुक्त रिसीवर कंपनी के कामकाज का अधिग्रहण करने और स्टाक दलाल का कारोबार जारी रखने के लिए हकदार नहीं होगा बल्कि सदस्यता एक्सचेंज के पास रहेगी। परिषद अपने पूँज विवेक में उसका संव्यवहार करेगी और वसुल की गई प्राप्तियां यदि कुछ हैं, ऐसे कारपोरेट सदस्य (सदस्यों) की देय राशियों के शोधन के प्रति प्रयोग की जाएंगी। बिक्री पर अंतर्रिम अनुच्छेदों, उप-नियमों और विनियमों के निबंधनों एवं शर्तों द्वारा आबद्ध होता। बश्ते पूँज कि किसी कंपनी निकाय नी कोई प्रस्तावित समाप्ति कार्यवाही एक्सचेंज की जानकारी में लाई जाती है, वह कंपनी निकाय या उसके सदस्य निदेशकों के प्रतिभूति जमा खाते में जमा पड़ी राशि तुरंत समायोजित कर सकता है।

सदस्यों का रजिस्टर

23. एक्सचेंज सदस्यों का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें सभी सदस्यों के नाम, उनके पते तथा उनके प्रबोध की तारीख और त्यागपत्र मृत्यु, अक या निलंबन तथा बर्खास्तगी कुछ भी जाएगी।

साझेदारी

24. (क) एक्सचेंज के दो या अधिक सदस्यों के बीच साझेदारी के सिवाय कोई साझेदारी नहीं बनाई जाएगी।

(ख) कोई भी सदस्य एक ही सभी सदस्यों के एक से अधिक साझेदारी फर्म में साझेदार नहीं होगा।

(ग) किसी ऐसे व्यक्ति को साझेदारी, फर्म के साझेदार के रूप में शामिल नहीं किया जाएगा जो एक्सचेंज का सदस्य नहीं है। ऐसे किसी व्यक्ति के साथ ऐसी साझेदारी में सम्मिलित होने वाला एक्सचेंज का सदस्य, परिषद के समक्ष उसके प्रमाण पर और परिषद के उस आशय के संकल्प पर, एक्सचेंज की सदस्यता से बर्खास्तगी के लिए दायी होगा।

25. (क) कोई सदस्य ऐसी शर्तों पर किसी गैर-सदस्य से धन या प्रतिभूतियां उधार नहीं लेगा कि उधार-दाता लाभ के अनुसार परिवर्तनशील दर पर व्याज प्राप्त करेगा या लाभ का एक हिस्सा प्राप्त करेगा।

(ख) किसी साझेदारी फर्म में साझेदार सदस्य ऐसे साझेदारी फर्म में अपने हित को समनुदेशित नहीं करेगा या किसी तरह से भारप्रस्ता नहीं करेगा।

26. कोई भी सदस्य परिषद की पूँज सूचना तथा अनुमोदन के बिना कोई साझेदारी फर्म नहीं बनाएगा या विद्यमान साझेदारी फर्म में नया साझेदार सम्मिलित नहीं करेगा या विद्यमान साझेदारी फर्म के नाम में परिवर्तन नहीं करेगा।

27. साझेदारी में कारोबार करने या नये साझेदार (साझेदारों) के रूप में किसी सदस्य (सदस्यों) को सम्मिलित करने के इच्छुक सदस्य परिषद द्वारा निर्धारित प्रत्यक्ष में विवरण देते हुए परिषद को सूचित करेंगे और उसका पूँज अनुमोदन प्राप्त करेंगे।

28. सदस्यों की किसी साझेदारी में परिवर्तन से संबंधित ऐसी प्रत्येक सूचना के साथ ऐसी जानकारी दी जायेगी जो परिषद द्वारा अपेक्षित हो। इसके बाद परिषद साझेदारी के संविधान में परिवर्तन दर्ज करेगी।

29. जहां किसी साझेदारी फर्म को भंग कर दिया गया है, फर्म का नाम साझेदारी रजिस्टर से निकाल दिया जायेगा और उसके बाद सदस्य, जो उसके साझेदार हैं, अपने खुद के वैयक्तिक नामों में लेकिन अतिरिक्त जमा, यदि कुछ हैं जो अनुच्छेदों उप-नियमों और विनियमों के अनुसार उसके द्वारा देय हो, के भुगतान के अधीन कारोबार कर सकते हैं।

30. साझेदारी फर्म अलग से कोई व्यापिक अधिवान अद्या करने के लिये दायी नहीं होगा बल्कि फर्म के वैयक्तिक साझेदार परिषद द्वारा समय-समय पर यथा निर्धारित व्यापिक सदस्यता अधिवान अद्या करेंगे।

31. सामेदारी फर्म के मरम्मों को विघटन द्वारा या किसी सामेदार (सामेदारों) की सेवा निवृत्ति या मृत्यु से ऐसी सामेदारी में किसी परिवर्तन की सूचना एकसचेज को सभी सामेदारों या उनरक्षिती सामेदारों, जो एकसचेज के सदस्य हैं, के हस्ताक्षरों के अधीन लिखित रूप में देनी चाहिये।

32. सामेदारी का विघटन सूचित करने हुए एकसचेज के नोटिस में हस्त वारे में एक केवल होना चाहिए कि विघटन सामेदारी फर्म की सभी बकाया संविदाओं और देशनाओं के निपटान का उत्तरदायित्व कौन लेता है किन् उसे अन्य सामेदार या सामेदारों को ऐसी बकाया संविदाओं और देशनाओं के लिए उसके या उनके उत्तरदायित्व से छुटकारा देते नहीं भाना जाएगा।

33. (क) सामेदारी के गठन का नोटिस, सामेदारों के नाम और उसमें प्रत्येक परिवर्तन एकसचेज के सूचनापट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

(ख) सदस्यों के प्रत्येक सामेदारी फर्म को गठन के तुरंत बाद सामेदारी विलेख की प्रमाणित प्रति एकसचेज के पास फाइल करनी चाहिए और जब भी उसमें कोई परिवर्तन किया जाता है, भागीदारों के नए विलेख की प्रमाणित प्रति एकसचेज के पास फाइल की जाएगी।

कंपनी निकाय

34. (क) परियद अधिनियम की धारा 12 या धारा 322 के प्रावधानों के अनुसरण में निर्गमित कंपनीयों या नियमों के नियम 8 के परंतुक में यथा परिभाषित सार्वजनिक वित्तीय नियमों को निम्नलिखित नियंत्रणों एवं शर्तों के अधीन एकसचेज की सदस्यता में सम्मिलित कर सकता है:

34. (ख) अधिनियम की धारा 322 के अनुसरण में निर्गमित कंपनी के मामले में:—

- (1) नियम 8(4) के प्रावधानों का पालन किया गया है।
- (2) कंपनी का कार्यालय कोयम्बतूर शहर की सीमा के भीतर स्थित है।

34. (ग) अधिनियम की धारा 12 के अनुसरण में निर्गमित कंपनी के मामले में—

- (1) नियम 8(4ए) के प्रावधानों का पालन किया गया है।
- (2) कंपनी का कार्यालय कोयम्बतूर शहर की सीमा के भीतर स्थित है।

34. (घ) परियद अपने कारोबार को कंपनी—अस्तित्व में परिवर्तन करने के इच्छुक एकसचेज के एक था अधिक विद्यमान सदस्यों द्वारा गठित किसी कंपनी को कारपोरेट सदस्यता में शामिल कर सकती है और इन विलेखों के प्रावधान ऐसी कंपनियों पर भी व्यावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

(1) एकसचेज के संस्था अंतर्नियम के अनुच्छेद 16 के प्रावधान अपनी सदस्यता को कारपोरेट सदस्यता में परिवर्तित करने वाले आवेदकों पर लागू नहीं होंगे। फिर भी अन्य निदेशक, जैसा कि नियमों के नियम 8 (4ए) के अधीन नियुक्त कर ना आवश्यक है, परियद द्वारा संवीक्षा के अधीन नियुक्त किया जाएगा।

(2) अपने कारोबार को कंपनी अस्तित्व में इस प्रकार परिवर्तित करने वाला सदस्य कारपोरेट सदस्य के रूप में सम्मिलित की गई कंपनी का प्रवर्तक निवेशक होगा।

(3) प्रवर्तक निवेशक अधिनियम की धारा 12 के प्रावधानों के अनुसरण में गठित कंपनी निकाय की प्रदत्त शेयर पूँजी का कम से कम 40% अपने पास रखेगा।

34. (ड) कंपनी की सदस्यता में प्रवेश तथा सदस्य के रूप में उसकी अवस्थिति निम्नलिखित अनिरिक्त आवश्यकताओं और शर्तों के अधीन होगी :

(1) कंपनी या सार्वजनिक वित्तीय नियम ऐसी वित्तीय आवश्यकताओं और मानदंडों को पूरा करने का वचन देता है जो सेवी अधिनियम, 1922 की धारा 12 की उप-धारा (1) के अधीन ऐसी कंपनी के पंजीकरण के लिए सेवी द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

(2) कंपनी निकाय ने ऐसा कोई कृत्ति नहीं किया है जिसके लिए कंपनी विधि के प्रावधानों के अधीन परिसमाप्त के लिए दायी है।

(3) कंपनी के लिए किसी सरकारी परिसमाप्त या अंतर्राम परिसमाप्त या रिसोवर की नियुक्ति नहीं की गई है।

(4) कंपनी के किसी भी निवेशक ने दिवालियेपन का कोई कृत्ति नहीं किया है।

(5) कम्बनो ए० स०० आ०० अधिनियम तथा नियम के अधीन सदस्यता में प्रवेश के लिए समय-समय पर लागू अन्य सभी आवश्यकताओं को पूरा करती है।

(6) ऐसे कम्बनी निकाय के निवेशक मण्डल में नियुक्त किये जाने वाले सभी निवेशक भारतीय नागरिक होंगे।

(7) शामन के उद्देश्य, खण्ड में मुख्य उद्देश्य सिफे स्टॉक वलालों और संबद्ध मामलों तक सीमित होना चाहिये, अर्थात् नियम के हामीदार या दलाल, प्रतिभूतियों के व्यापारी के रूप में कार्य करना, प्रतिभूतियों की खरीदी और विक्री का वित्तपोषण करना, शेयर व प्रतिभूतियां खरीदना और बेचना, मचेन्ट बैंकिंग, मार्केट मेकर, नियम के रॉजस्ट्रार शेयर द्रांसफर एजेंट, निवेश कारोबार, संविधान

प्रबन्ध, निवेश परामर्श, भीयांडी जमा दलाल, वित्तीय परामर्शदाता, वित्तीय तथा डिस्काउंट बोकिंग, निर्गम के सजाहकार तथा निर्गम के परामर्शदाता।

(8) कम्पनी की संस्था नियमावली तथा अन्तर्नियम में एक्सचेंज/सेबी की आवश्यकताओं के निरन्तर अनुपायन की अपेक्षा करते हुए और कारपोरेट सदस्य को अपने खेयरधारकों से हीसी सूचना, जो एक्सचेंज द्वारा समय-समय पर अपेक्षित ही, आप करते और उसे एक्सचेंज की प्रस्तुत करने के लिए प्राप्ति करते हुए प्राप्ति करते होने चाहिए।

(9) कम्पनी की संस्था “वेभावनी और अंतर्नियम के प्राप्तिकारों में, विशेषकर संस्था नियमावली के उद्देश्य खण्ड के सम्बन्ध में किए जाने वाले किसी संशोधन की विधियाँ में, कम्पनी की साधारण शर्त के सम्बन्धित गठितों के रखे भाने के पूर्व एक्सचेंज का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(10) कम्पनी की ही एक वार्षिक साधारण बैठक तारीख को तथा जब भी एक्सचेंज द्वारा अपेक्षित हो, शेयरधारकों की सूची एक्सचेंज को प्रस्तुत की जाएगी। एक्सचेंज या परिपद की पूर्व अनुमति के बिना शेयर-सारिता स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं होगा, एक्सचेंज के पूर्व अनुमोदन के बिना कम्पनी की सदस्यता में किसी भी व्यक्ति की समिलित नहीं किया जायेगा।

परिपद कारपोरेट सदस्यता की स्वीकृति से 5 अवर्षों की अवधि तक ऐसा कोई अनुमोदन नहीं देगी।

(11) भारत में किसी भी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा किसी स्टॉक एक्सचेंज लेन-देन के सम्बन्ध में दूकार्ता घोषित कोई भी व्यक्ति कम्पनी का निवेशक नहीं होगा। ऐसा कोई भी व्यक्ति कम्पनी का निवेशक नहीं होगा जो किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किसी अन्य सदस्य का प्राधिकृत सहायक या एजेंट, चाहे जिस नाम से पुँजारा जाए, हो। अधिनियम की अनुसूची 13 के भाग (1) के खण्ड 1 (क) और (ख) के अधीन अद्योग्य कोई भी व्यक्ति कम्पनी का प्रबन्ध निवेशक या पूर्णकालिक निवेशक नहीं होगा।

(12) संविधान या प्रबन्ध में किसी परिवर्तन या किसी अन्य कम्पनी के साथ उसके सम्बोधन या विलयन या ऐसी कम्पनी में विलयन हित में अन्तरण के लिये परिषद का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा और यह ऐसी गती के अन्तीन होगा जो परिपद बकाया देयों के उभयोन के मामले में या अन्य रूप में उत्तराधिकारी कम्पनी या अन्तर्स्ती के प्रतेश के लिये निर्णय लिया जाएगा।

(18) सदस्य निवेशक को मंजूर सदस्यता-विशेषाधिकार एक्सचेंज की सदस्यता से कारपोरेट सदस्य की व्यापारिता पर यात्रा लिया माना जाएगा।

(19) अनुच्छेद 34(क), 34(ख), 34(ग) और 34(घ) में निर्धारित प्रवेश की आवश्यकताएं कारपोरेट सदस्य द्वारा पूरी की जाती रहती चाहिए। ऐसा न करने पर उन्हें सदस्यता से वर्णित कर दिया जाएगा।

(20) प्रत्येक कारपोरेट सदस्य अपने एक सदस्य निवेशक द्वारा या इन विलेखों के अनुच्छेद 18 में उपलिख्य स्पष्ट में कारोबार के सम्बन्ध में प्रतिनिधित्व किये जाने के लिये हकदार होगा।

34.(च) केंद्र भरकार/सेबी की सिफारिश के अनुसृप्त विगम/कम्पनी/संस्थायें, जैसा कि नियमों के नियम 8(4) के परन्तु क विधिष्ठ है, परिवद द्वारा सदस्यता में सम्मिलित की जा सकती है।

4(छ) (1) किसी कारपोरेट सदस्य के निवेशकों या प्राधिकृत सहायकों या प्रतिनिधियों द्वारा अभी कारोबारी लेन-देन सिफे ऐसे कारपोरेट सदस्य के नाम में किए जाएंगे।

(2) कारपोरेट सदस्य कारोबार तथा स्टॉक एक्सचेंज के अन्य भागों के संबंध में अपने एक प्रवर्तक निवेशक द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाएगा जो कारपोरेट सदस्य के निवेशक मण्डल द्वारा उस प्रयोजन के लिए नामित तथा प्राधिकृत होगा। इस प्रकार से नामित व्यक्ति वो प्रतिनिधि कारपोरेट सदस्य कहा जाएगा और प्राधिकृत सहायकों, नियन्त्रण अद्यतियों की नियुक्ति करने और परिपद, एक्सचेंज की समितियों और साधारण बैठकों में कारपोरेट सदस्य का प्रतिनिधित्व करने सहित कारपोरेट सदस्य के सभी अधिकारों तथा शक्तियों का प्रयोग करने का हकदार होगा।

(3) निवेशक, जिन्हें अनुच्छेद 34(ख) के अनुसार शेयरधारक होना आवश्यक है या जिन्हें अनुच्छेद 34(ग) के अनुसार प्रदत्त शेयर पूँजी का व्यूनतम प्रतिशत छारित करना आवश्यक है, सदस्यता के लिये संबीक्षा समिति द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा और सकात्कार में स्वयं को अहित करेंगे। जिन व्यक्तियों ने इस प्रकार अहित प्राप्त कर ली है, उन्हें कारपोरेट सदस्य के निवेशक-पद से नहीं हटाया जाएगा और उन्हीं परिपद को पूर्व अनुमति के बिना उनकी जेयरधारिता का नियटान किया जाएगा। ऐसे व्यक्तियों को संविधान की धारा 255 के

अनुसार निदेशक के पदों से अधिक कम से निमूल होने की प्रावस्थकता भी नहीं है। परिषद की पूर्व अनुमति से ही ऐसे निदेशकों को बदला जा सकता है। अंतर्गती निदेशकों की भी अनुच्छेद 34 (ब) या अनुच्छेद 34 (ग) के अधीन निर्धारित पालवा मानदण्डों को पूरा करना होगा।

साक्षेदारी/कम्पनी निकाय का रजिस्टर

35. (क) एकसचेज साक्षेदारी फर्मों का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें इन विलेखों के अनुसार एकसचेज द्वारा मान्यता प्राप्त साक्षेदारी फर्मों के नाम, उसके साक्षेदारों के नाम, उनके संबंधित पते, मान्यता* की तारीख और साक्षेदारी तथा नामों में कोई परिवर्तन और उनकी संबंधित तारीखें दर्ज की जाएंगी।

(ब) जब तक फर्म का नाम साक्षेदारी रजिस्टर में दर्ज है, उसके वैयक्तिक साक्षेदार अलग से कारोबार नहीं करेंगे या अपने अलग नामों में संविदा जारी नहीं करेंगे। फर्म के मालिक या फर्म के खाते और साक्षेदारी फर्म के नाम में संयुक्त रूप में कारोबार करेंगे।

(ग) साक्षेदारी फर्म या उसके निसी सदस्य से यह सूचना प्राप्त होने पर कि कोई साक्षेदार फर्म से अलग हो गया है, संविदा में परिवर्तन, परिषद के अनुमोदन के अधीन, साक्षेदारी रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। साक्षेदार न रह गया तदस्य अनुच्छेदों, उन्-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अधीन देय किसी अनिवार्य जमा के भुगतान के अधीन अपने खुद के नाम में कारोबार करने और अपने खुद के नाम में संविदाएं करने का हकदार होगा।

(घ) एकसचेज अनुच्छेद 7 के अनुसार में सदस्य के रूप में मन्त्रिलिंग किए गए कंपनी निकायों/सावंजनिक वित्तीय निगमों का भी एक रजिस्टर रखेगा जिसमें कारपोरेट सदस्य की ओर से कारोबार करने के लिए एकसचेज द्वारा मान्यता प्राप्त निवेशकों और उनके प्राधिकृत महायकों/प्रतिनिधियों के नाम और उनके संबंधित पते, मान्यता की तारीख आदि दर्ज किए जाएंगे।

बचतक कंपनी का नाम कंपनी निकाय के रजिस्टर में दर्ज है, उसके वैयक्तिक निदेशक अलग से कारोबार नहीं करते और अपने अलग नामों में संविदा जारी नहीं करेंगे। कंपनी के निदेशक मिक्के कंपनी के खाते कारोबार करेंगे।

कारोबारी नाम

36. (क) अपने खुद के नाम से भिन्न नाम तथा शैली के अधीन कारोबार करने के इच्छुक सदस्य को ऐसा करने के लिए अनुमति हेतु परिषद के पास आवेदन करना होगा।

(ब) परिषद किसी ऐसे कारोबारी नाम या शैली के अधीन कारोबार करने के लिए सदस्य को अनुमति में इंकार कर सकती है या जिसे वह भ्रामक समझती है।

(ग) किसी साक्षेदारी फर्म का उत्तरजीवी या बहकरार मालिक अनुमति सदस्य परिषद की अनुमति से उस फर्म के नाम में कारोबार जारी रख सकता है जिसका बड़ा प्रभावशार आ।

(घ) उपर्युक्त रूप में कारोबारी नाम के अधीन कारोबार करने वाला प्रयेक सदस्य कारोबार के लेन-देन सम्बन्धी समस्त पत्राचार और सभी संविदा नोटों में कारोबारी नाम के प्रलापा उस सदस्य का नाम उल्लिखित करेगा जो उसका एकमात्र मालिक है।

(ङ) साक्षेदारी फर्म कारोबार के लेन-देन संबंधी समस्त पत्राचार और सभी संविदा नोटों में कंपनी का नाम तथा साक्षेदारों के नाम उल्लिखित करेगा।

(च) कंपनी निकाय के रूप में खेपरों तथा प्रतिभूतियों का कारोबार करने के इच्छुक सदस्यों या अधिनियम के अधीन कंपनी को पंजीकृत कराने के लिए कदम उठाने के पूर्व ऐसा करने के लिए अनुमति हेतु परिषद के पास आवेदन करना होगा। कंपनी को नाम में मंशेपत्र/परिवर्तन करने या ऐसे नाम तथा शैली के अधीन कारोबार करने की अनुमति देने से इंकार करने का अधिकार होगा जिसे वह भ्रामक समझती है।

कारोबारी नाम-रजिस्टर

37. जहां किसी सदस्य ने किसी कारोबारी नाम या शैली के अधीन कारोबार करने के लिए परिषद की अनुमति प्राप्त की है, उसके विवरण कारोबारी नाम-रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे।

सदस्यता का समाप्त

38. कोई व्यक्ति निम्नलिखित रूप में सदस्य नहीं रह जाएगा :

(क) त्यागपत्र पर

(ख) मृत्यु पर

(ग) प्रतिभूतियों में व्यापार के प्रतिश्वम में एकसचेज को या किसी अन्य सदस्य को या अपने ग्राहकों को उसके द्वारा देय व्यवराणि का भगतान न करने पर

(ग) किसी अनुच्छेद, उप-नियम या विनियम के उल्लंघन पर परिषद द्वारा बर्खास्तगी पर।

(घ) अनुच्छेदों, उप-नियमों और विनियमों के अनुसार चूककर्ता घोषित किए जाने पर।

(ङ) सदस्यता के सम्बन्ध में आवश्यक जांच करने के बारे तथा उसे सुनने का प्रवसर देने के बाद केन्द्र सरकार द्वारा सदस्यता समापन पर।

(च) निम्नलिखित कारणों से परिषद द्वारा सदस्यता के समापन पर:

- (1) परिषद द्वारा यथा निर्धारित पंजी पर्याप्तता भान्दण्ड पूरा करने में असफलता।
- (2) ऐसी मूच्चना प्रस्तुत करने में असफलता जो कि पूरी पर्याप्तता का अनुबर्तन करने के लिए अपेक्षित हो।
- (3) सदस्य पर कारोबार की मात्रा के सम्बन्ध में लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में असफलता।

(छ) एक्सचेंज के प्रति सदस्य औसत वार्षिक आवर्त के कम से कम 15% वार्षिक आवर्त पर न पहुंचने के कारण तथा सदस्य को सदस्यता के दो वर्ष पूरा होने के बाद लगातार तीन वर्षों तक किसी भी वर्ष में कम से कम 50% ट्रेडिंग विनों में सक्रिय न रहने के कारण परिषद द्वारा सदस्यता के समापन पर।

39. (क) एक्सचेंज की सदस्यता से त्यागपत्र देने के इच्छुक सदस्य को उस आशय का लिखित नोटिस एक्सचेंज को देना होगा जिसकी एक प्रति एक्सचेंज के सूचनापट पर लगाई जाएगी।

(ख) ऐसे किसी त्यागपत्र पर आपात करने वाले सदस्य को ऐसे नोटिस के लगाने के पांद्रह दिनों के भीतर वह द्वारा परिषद को अपनी प्रापत्ति का आधा सूचित करना होगा।

(ग) परिषद किसी सदस्य के त्यागपत्र को या तो किसी रूप के बिना या ऐसी शर्तों पर, जो वह उचित समझे, स्वीकार कर सकती है या ऐसे त्यागपत्र को स्वीकार करने से इकार कर सकती है और विशेष रूप में ऐसा त्यागपत्र स्वीकार करने से तब तक इकार कर सकती है जब तक वह संतुष्ट न हो कि सभी बकाया नेन-देनों का निपटान हो गया है।

(घ) सदस्य की मृत्यु पर उसके कानूनी प्रतिनिधि और प्राधिकृत सहायक, यदि कोई है, परिषद को लिखित रूप में उसकी सूचना देंगे।

नामांकन

40. प्रत्येक सदस्य इसमें इसके पश्चात वर्णित शर्तों तथा निवंधनों के अधीन एक्सचेंज की सदस्यता के लिए अपने उत्तराधिकारी के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को नामित करने का हकदार होगा।

41. मृतक सदस्य के कानूनी प्रतिनिधि या उसके वारिस मृतक सदस्य के स्थान में एक्सचेंज की सहायता में स्वीकरण के लिए किसी अन्य व्यक्ति को, परिषद को मंजूरी से नामित कर सकते हैं।

42. (क) सदस्य अपने त्यागपत्र के पूर्व या के बाद नामांकन कर सकता है और नामांकन ऐसे प्रूण या प्रूणों में होगा जो कि परिषद समय-समय पर निर्धारित करे।

(ख) अपनी सदस्यता से त्यागपत्र दे चुका सदस्य नामांकन अधिकार का प्रयोग करने के लिए तभी हकदार होगा जब वह कम से कम पांच वर्षों से एकमवें ज का सदस्य रहा हो। बशर्ते कि पृथक पांच वर्षों की सदस्यता से संबंधित यह आवश्यकता सदस्य की मृत्यु के मामले में लागू नहीं होगी।

(ग) स्टॉक एक्सचेंज नामिती को सदस्यता अधिकार अंतरित करने वाले सदस्य से लाभ के 50 प्रतिशत का हकदार होगा। लाभ सदस्य द्वारा सदस्यता प्राप्त करने के मूल्य या अंतरण की तारीख को स्टॉक एक्सचेंज द्वारा यथा निर्धारित बाजार मूल्य, जो भी अधिक हो, के बीच अंतर के रूप में माना जाएगा। बशर्ते कि यह आवश्यकता सदस्य की मृत्यु पर उत्तराधिकार के रूप में नामांकन के मामले में लागू नहीं होगी। फिर भी एक्सचेंज ऐसे उत्तराधिकारी से ऐसा नामांकन शुल्क वसूल करेगा जैसा कि परिषद द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

43. सदस्य द्वारा या नामांकन विधिक प्रतिनिधि द्वारा इस प्रकार नामित व्यक्ति पूर्वोक्त नियमों के अनुसार सदस्यता हेतु अपना अंवेदन भेजेगा और आवेदन का उसके खुद के गुणों के अधार पर निपटान किया जाएगा और कोई नामिती तब तक सिर्फ इस कारण से प्रवेश के लिए पान्न नहीं होगा कि उसे नामित किया गया है जब तक अन्यथा वह इन विवेदों के अनुसार विधिवत अर्हित न हो और वह ऐसे प्रवेश शुल्क और अन्य अंशदान का भुगतान नहीं करता है जो कि परिषद द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

44. जब तक सदस्य या मृतक सदस्य द्वारा एक्सचेंज को देय समस्त राशियों और एक्सचेंज के उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन नामांकनकर्ता सदस्य या मृतक सदस्य द्वारा की गई संविदाओं से उत्पन्न होने वाली सभी देयताओं और सभी दायित्वों का परिषद द्वारा यथा अधिसूचित अतिरिक्त अवधि के भीतर पूर्णतः भुगतान तथा शोधन नहीं हो जाता है, तब तक परिषद सदस्य या मृतक सदस्य के कानूनी प्रतिनिधि द्वारा किए गए नामांकन पर विचार करने से इंकार कर सकती है।

45. परिषद मूतक सदस्य की संपदा के निष्पादक या प्रशासक को इन नियमों के अनुसार नामित करने के लिए हकदार व्यक्ति के रूप में मान्यता देगी बगते कि जहाँ मूतक सदस्य की संपदा का कोई निष्पादक या प्रशासक नहीं है, परिषद धातिर्पति और प्रतिभूति के संबंध में ऐसी शर्तों के अधीन तथा ऐसे साक्ष्य पर, जैसाकि परिषद सतोषप्रद समझे, उपर्युक्त रूप में नामांकन करने के प्रयोजनार्थ मूतक सदस्य का वारिम होने के किसी व्यक्ति के दावे को मान्यता दे सकती है।

चूककर्ताओं का पुनः प्रवेश

46. (क) किसी सदस्य के चूककर्ता घोषित होने के तुरंत बाद उसकी मदम्यता के अधिकार समाप्त हो जाएगी और एक्सचेंज के पास निहित रहेंगे। चूककर्ता घोषित सदस्य एक्सचेंज की किसी संपत्ति या निधियों का उपयोग करने के किसी अधिकार या पर किसी दावे या में किसी हित सहित एक्सचेंज के सदस्य के रूप में अपने सभी अधिकारों तथा विशेषाधिकारों को छोड़ देगा। यदि परिषद द्वारा चूक की घोषणा की तारीख से 6 महीने के भीतर चूक को ठीक कर दिया जाता है तो उसके पुनः प्रवेश पर विचार किया जा सकता है।

(ख) एक्सचेंज या किसी अन्य स्टॉक एक्सचेंज द्वारा चूककर्ता घोषित किसी भी सदस्य को ऊपर (क) के अधीन एक्सचेंज के सदस्य के रूप में शामिल या पुनः शामिल नहीं किया जाएगा।

47. (क) चूककर्ता घोषित किसी सदस्य द्वारा धारित एक्सचेंज में हित के नामांकन का अधिकार ऐसे सदस्य को मृत्यु पर एक्सचेंज के पास निहित रहेगा और इन विलेखों में वर्णित रूप में एक्सचेंज द्वारा प्रोग्राम किया जाएगा।

(ख) सदस्य को चूककर्ता घोषित करने के छह महीने के बाद, एक्सचेंज नीलामी के माध्यम से एक्सचेंज में चूककर्ता के हित तथा सदस्यता की विक्री करेगा और चूककर्ता सदस्य के स्थान पर ऐसे व्यक्ति को सदस्यता के लिए नामित करेगा जिसने उक्त नीलामी में सबसे अधिक बोली लगाई है वशते कि ऐसा सफल विडर एक्सचेंज का सदस्य होने के लिए अन्यथा पात्र हो।

(ग) चूककर्ता सदस्य के हित के सफल विडर द्वारा देय प्रवेश शुरू अनुच्छेद 9 के प्रावधानों के अनुसार होगा।

(घ) इसमें अनुच्छेद 47 (ख) के अनुसार में की जाने वाली नीलामी के निवधन तथा शर्तें परिषद द्वारा निर्दिष्ट तथा निर्धारित की जाएंगी।

(ङ) नीलामी के निवधनों तथा शर्तों को वर्णित करते हुए इसमें अनुच्छेद 47 (ख) के अनुसार में नीलामी का नोटिस नीलामी के लिए नियत दिन से कम से कम दस पूर्ण दिनों पहले एक्सचेंज के सूचनापट पर लगाया जाएगा।

(च) इसमें अनुच्छेद 47 (ख) के अनुसार में नीलामी में एक्सचेंज द्वारा बसूल को गई निवल राशि ऐसे चूककर्ता सदस्य द्वारा एक्सचेंज तथा समाशोधन गृह को और एक्सचेंज के अन्य सभी सदस्यों को और अपने सदस्यों को देय सभी झूणों और उनके

प्रति उसके सभी दायित्वों की सम्यक चुकौती में प्रभारित की जाएगी। ऐसे सभी झूण तथा दायित्व प्रथम प्रभार रखेंगे और अन्य सभी दावों पर प्राथमिकता रखेंगे। इसके बाद ऐसे चूककर्ता सदस्य द्वारा एक्सचेंज के सदस्यों को देय झूण समझप होंगे और इसमें अनुच्छेद 47 (ख) के अनुसार में नीलामी में बसूल की गई निवल राशि पर वित्तीय प्रभार के लिए पात्र होंगे। अवशेष, यदि कठ है, इन विलेखों और उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन किसी विवाचन कार्यवाही में दिए गए पंचाट के अधीन गैर-सदस्य किसी व्यक्ति के प्रति ऐसे चूककर्ता सदस्य के सभी दायित्वों और देय राशियों में प्रयोग किया जाएगा। उपर्युक्त भूगतानों को पूरा करने के बाद चूक की गई राशि चूककर्ता सदस्य को या उसके नामिती को या उसके कानूनी वारिस को, जैसी भी स्थिति हो, अदा की जाएगी।

(छ) साक्षेदारी फर्म द्वारा चूक के मामले में, चूककर्ता फर्म के सभी साक्षेदारों की वैयक्तिक सदस्यता समाप्त हो जाएगी और अनुच्छेद 46 तथा 47 के प्रावधान उन सभी सदस्यों के हित पर लाग होंगे जो चूककर्ता फर्म के साक्षेदार हैं।

प्रतिनिधि

48. नियत अटीनियों की नियुक्ति से संबंधित इन विलेखों के प्रावधानों के अधीन एक्सचेंज का कोई भी सदस्य अपना कारोबार देखने के लिए हकदार होगा। फिर भी, नियत अटीनियों को नियुक्त करने का अधिकार मिर्फ भारत से बाहर रहने या अपना कारोबार देखने में सदस्य/साक्षेदार/प्रतिनिधि/कारपोरेट सदस्य की अस्थायी शारीरिक अक्षमता के मामले में प्रयोग किया जा सकता है और ऐसी नियुक्ति एक समय में 90 दिनों से अधिक तथा किसी विसीय वर्ष में दो बार से अधिक नहीं होगी। नियत अटीनी के रूप में नियुक्त व्यक्ति या तो अधिनियम में परिभासित रूप में संबंधी या ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो सदस्य का पूर्णकालिक कर्मचारी हो और उसके पास वैयक्तिक सदस्य के लिए निर्धारित शैक्षणिक तथा अनुभव योग्यताएं होनी चाहिए।

प्राधिकृत - सहायक

49. एक्सचेंज में कारोबार करने वाले सदस्य को ऐसे मद्दस्य के लिए एक्सचेंज के रिंग में सौदे करने के लिए अपने झुद के रोजगार में प्राधिकृत सहायकों को नियुक्त करने का हक होगा और ऐसे प्राधिकृत सहायकों को सदस्यों का एजेंट माना जाएगा। प्राधिकृत सहायकों के पास परिषद/केंद्र सरकार/सेबी द्वारा समय-समय पर यथा निर्धारित आवश्यक योग्यता होनी चाहिए।

50. परिषद ममत-मनत पर प्राधिकृत भौतिकों की अधिकृतम संदेश नियत करेंगी जो सदस्य नियुक्त करने के लिए हकदार होंगा। अब तक परिषद द्वारा अन्यथा नियत न किया गया हो, किसी भी सदस्य या साक्षेदारी फर्म के लिए प्राधिकृत महायकों की संलग्न अधिकृतम चार होगी।

51. कोई भी सदस्य प्राधिकृत सहायक की अनुपस्थिति में अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए एक वैकल्पिक सहायक के रूप में अगे कार्यान्वय में परिषद की अनुमति से पूर्णकालिक रूपमें नामित कर सकता है। प्राधिकृत सहायक से संबंधित सभी प्रावधान वैकल्पिक प्राधिकृत सहायक पर भी लागू होंगे।

52. कोई भी सदस्य परिषद के पूर्व अनुमोदन के बिना प्राधिकृत सहायक नहीं रहेगा।

53. अट्ठारह वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को प्राधिकृत सहायक के रूप में शामिल नहीं किया जाएगा।

54. कोई भी सदस्य परिषद की विशेष अनुमति के बिना किसी पूर्व सदस्य, जिसे निलंबित या बखिरत किया गया है, के प्राधिकृत सहायक को अपने रोजगार में नहीं लेगा।

55. (क) अपने प्राधिकृत सहायकों के लिए ट्रैडिंग हाल में प्रवेश पाने के इच्छुक सदस्य को ऐसे प्रणा में परिषद की अनुमति के लिए आवेदन करना होगा जेसाकि परिषद समय-समय दर निर्धारित करे।

(ख) किसी प्राधिकृत सहायक, जो पहले दूसरे सदस्य के प्राधिकृत सहायक के रूप में कार्यरत रहा है, को नियोजित करने के लिए किसी सदस्य के आवेदन के साथ दूसरे नियोक्ता या उन्मोचन प्रमाण-पत्र संलग्न होना चाहिए। ऐसा उन्मोचन प्रमाण-पत्र परिषद द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्राप्त में होगा और यह दर्शाएगा कि क्या प्राधिकृत सहायक ने अपने पूर्व नियोक्ता प्रथम नियोक्ताओं को छोड़ दिया है तथा कि क्या उस रोजगार में उसका आचरण संतोषजनक था।

(ग) जब उम्मोचन प्रमाण-पत्र उप खाल (ख) अपेक्षित रूप में आवेदन के साथ संवाद नहीं हुआ गया है, प्रस्तावित प्राधिकृत सहायक उसके लिए आष्टीकरण प्रस्तुत करेगा और इसके बावजूद परिषद यह निर्णय करेगी कि क्या और किन शर्तों पर उन्मोचन से संबंधित आवश्यकता से छुट दी जाए।

56. परिषद स्वविशेषकानुसार प्राधिकृत सहायक की नियुक्ति हेतु किसी आवेदन को स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकती है।

57. जहां परिषद इस प्रात से संतुष्ट है कि प्राधिकृत सहायक ने एकसचेज में लेन-देन से संबंधित किसी मामले में कपपूटक या बेर्कमानी से कार्य किया है, परिषद स्वविशेषकानुसार तथा किसी भी समय उक्त प्राधिकृत सहायक का अनुमोदन समाप्त कर सकती है जिसके बाद सदस्य को प्राधिकृत सहायक के रूप में उक्त व्यक्ति का रोजगार बंद करना होगा। वर्णते कि परिषद अब बार स्थापित करने हुए प्राधिकृत सहायक के विरुद्ध आरोपों की विरचना करने और उसके बारे में उसे सुनवाई का अवसर देने के बाद और आरोपों की जांच करने के बाद ही इस प्रधिकार का प्रयोग करेगी।

58. किसी प्राधिकृत सहायक पो नियोजित करने वाला या नियोजन समाप्त करने वाला या ऐसे सहायक के प्राधिकरण को बापस लेने वाला सदस्य ऐसे सहायक के भाग तथा उसके नियोजन के प्रारंभ या समाप्त या इस प्राधिकरण के बापस लेने की तारीख

की लिखित सूचना एकसचेज का देगा और ऐसे नियोजन, समाप्त या बापसी की सूचना एकसचेज के सूचनापट पर लगाई जाएगी।

59. (क) एकसचेज प्राधिकृत सहायकों का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें सभी प्राधिकृत सहायकों के नाम, उनके प्राधिकरण तथा उन्मोचन की तारीखें और उन्हें नियोजित करने वाले सदस्यों के नाम दर्ज किए जाएंगे।

(ख) परिषद को कोई कारण बताए बिना किसी प्राधिकृत सहायक के पंजीकरण से इकार करने या किसी प्राधिकृत सहायक का नाम रजिस्टर से निकालने का पूर्ण प्रधिकार होगा।

60. (क) प्राधिकृत सहायक को एकसचेज के रिंग में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी और इस प्रकार प्राधिकृत न किए गए किसी सहायक को ऐसे अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ख) प्राधिकृत सहायक को सदृश्यवहार के दोरान ही एकसचेज के रिंग में प्रवेश दिया जाएगा और वह एकसचेज के नियमों, उपनियमों और विनियमों का पालन करने के लिए बाध्य होगा।

(ग) परिषद अपने पूर्ण विवेक में किसी सदस्य के प्राधिकृत सहायक को एकसचेज (ख) रिंग में प्रवेश की अनुमति से इकार कर सकती है और कोई कारण बताये बिना ऐसे प्राधिकृत सहायक के प्रवेश को किसी भी समय निलंबित कर सकती है।

61. (क) प्राधिकृत सहायक अपने नियोक्ता की ओर से ही कारोबार करेगा। यदि वह अपने स्वयं के नाम में या अपने नियोक्ता से भिन्न किसी अन्य नाम में सौंदर्य करता है तो वह परिषद या अध्यक्ष या कार्यालयक निदेशक द्वारा सूरत निर्धारित या बखिरत किए जाने के लिए दायी होगा।

(ख) प्राधिकृत सहायक तब तक न सो अपने स्वयं या किसी अन्य के नाम में संविदा नोटों पर हस्ताक्षर करेगा और न ही वह अपने नियोक्ता की ओर में हस्ताक्षर करेगा जब तक ऐसे नियोक्ता द्वारा उस प्रयोजन के लिए उसे अपना नियत अटर्नी नियुक्त न किया गया हो।

(ग) प्राधिकृत सहायक नियुक्त करने वाले सदस्य को प्रतिभूति सहित या के बिना ऐसे प्राधिकृत महायक द्वारा उधार लिए गए धन के लिए तब तक जब बदेह नहीं माना जाएगा जब तक उन्हें उस प्रयोजन के लिए विशेष प्रधिकार न दिया हो।

62. (क) सदस्य स्वयं द्वारा नियोजित किसी प्राधिकृत सहायक द्वारा आजार में किए गए सभी सौदों के लिए दायी होगा और वह एकसचेज के नियमों, उपनियमों और विनियमों के अनुसार ऐसे सभी सौदों को इकठ्ठे संपूरा करेगा मानों कि ऐसे सौदे स्वयं उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप में किए गए हैं।

(ख) अपने प्राधिकृत सहायक के सौदों के लिए एक सदस्य का दूसरे सदस्य के प्रति उत्तरवाचित्व तब तक बना रहेगा जब तक उसके नियोजन के समाप्त या उसके प्राधिकरण के बापस लेने का नोटिस एकसचेज को प्राप्त हुआ हो और उसके नियोजन के समाप्त या उपर्याके प्राधिकरण के बापस लेने का ऐसा नोटिस एकसचेज के सूचनापट पर लगाया भगया हो।

63. अनुच्छेद 49 से 62 के प्रक्षीन उपबोधित प्राधिकृत सहायक की नियुक्ति से संबंधित निवृत्ति तथा शर्तें कारपोरेट राइट के निवेशकों, प्राधिकृत सहायक (सहायकों) प्रतिनिधि (प्रतिनिधियों) पर आवश्यक संशोधनों के साथ लागू होगी और कंपनी निकाय उसके संबंध निवृत्तिनों और यार्नों द्वारा बाध्य होंगे।

64. (क) किसी सदस्य के लिए अनुगत प्राधिकृत सहायकों की संख्या दोनों विकास के लिए सदस्य द्वारा, किए गए अंशदाता पर निर्भर करेगी।

(ख) परिषद प्राधिकृत सहायक की नियुक्ति हेतु प्रत्येक आवेदन के लिए संसाधन शुल्क नियत वार मंजरी है।

(ग) प्राधिकृत सहायकों को नियोजित करने कामे प्रत्येक उद्देश्य की इस प्रकार नियोजित प्रत्येक प्राधिकृत सहायक के लिए परिषद द्वारा समय-समय पर वह निर्धारित वार्षिक अभियान देना होगा।

(घ) परिषद किसी सदस्य द्वारा नियोजित प्रत्येक प्राधिकृत सहायक के लिए उसके द्वारा एक्सचेंज के पास जमा की जाने वाली प्रतिभूति जमा की प्रमाणा निर्धारित कर दी जाती है।

(ज) प्राधिकृत सहायक जिसकी ओर से सदस्य ने इन अनुच्छेदों, उपनियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के अधीन प्रतिभूति जमा दिया है, इन नियमों में निर्धारित प्रपत्र में या परिषद द्वारा समय-समय पर निर्धारित अन्य प्रपत्र में घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करेगा।

नियत प्रटर्नी

65. (क) कोई भी सदस्य अपना स्टाफ एक्सचेंज कारबार चलाने या उसवा पर्यवेक्षण करने के लिए या प्रतिभूतियों में लेन-देन के संबंधों में अपनी ओर से संविदाओं पर हस्ताक्षर करने के लिए किसी गैर-सदस्य अटर्नी अधिकार दे रक्ता है वहाँ कि इस प्रकार नियुक्त व्यक्ति कम से कम 21 वर्ष की व्यायु का हो और एक्सचेंज की सदस्यता में शामिल किए जाने के लिए अन्य सभी वृच्छियों से पाल तथा योग्य हो और नियत अटर्नी के रूप में उसकी नियंत्रित परिषद द्वारा पहले अनुमोदित हो।

(ख) सदस्य द्वारा दिया गया कोई भी अटर्नी शाखिकार एक्सचेंज को सूचित किया जाना चाहिए और अटर्नी अधिकार की प्रति एक्सचेंज के पाल पालन की जानी चाहिए।

(ग) एक्सचेंज नियत अटर्नीयों का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें नियम प्रटर्नीयों के नाम तथा नियोक्ता

सदस्यों के नाम और प्राधिकार देने या विवरणित करने की तारीखें दर्ज को जाएगी।

(घ) इन नियमों में गोप्ता कोई भी वात अटर्नी अधिकार देने वाले सदस्य को उसके ग्रटर्नी के कुर्त्यों के लिए उत्तरदार्यत्व से मुक्त नहीं करेगी।

(ङ) कोई व्यक्ति यिर्फ इस कारण से एक्सचेंज के रिंग में शब्दों का हक्कादार नहीं होगा कि उसके पास सदस्य का अटर्नी अधिकार है।

66. अनुच्छेद 65 के अधीन उपबोधित नियत अटर्नीयों का नियुक्ति से संबंधित निवृत्ति तथा शर्तें कारपोरेट राइट के निवेशकों या किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि पर आवश्यक संशोधन के साथ लागू की जाएंगी और कंपनी निकाय उन्हीं निवृत्तियों पर जर्नी होना आवश्यक होगा।

67. एक्सचेंज अन्य बैठकों के अन्तर्याम के प्रावधानों के अनुसार तथा अंतरालों पर एक साधारण बैठक जिसे उसकी वार्षिक साधारण बैठक कहा जाएगा, आयोजित करेगा।

68. परिषद किसी भी समय असामान्य साधारण बैठक बुला सकती है।

69. परिषद एक्सचेंज के एसी में सदस्यों, जैसा कि अधिनियम में निर्दिष्ट है, की मांग पर एक्सचेंज की प्रसामान्य साधारण बैठक बुलाने के लिए तुरन्त अधिसर होगी।

70. किसी नाधारण बैठक के लिए कोरम व्यक्तिगत स्वप्न में उपस्थित एक्सचेंज के कुल सदस्यों का 10% प्रतिशत (अंश अगली संख्या तक पुण्यकित) होगा। बोट देने के लिए हफदार व्यक्ति ही कोरम के प्रयोजनार्थी गिने जाएंगे।

71. यदि बैठक के लिए निर्दिष्ट समय से आधे घंटे के भीतर सदस्यों का कोरम उपस्थित नहीं है, बैठक, यदि सदस्यों की मांग पर बुलाई गई है, समाप्त कर दी जाएगी, किसी व्यक्ति मामले में वह अगले भूताह में उसी समय तथा स्थान पर उसी दिन के लिए स्थगित कर दी जाएगी और यदि ऐसी स्थगित बैठक में सदस्यों द्वारा कोरम निर्दिष्ट समय से आधे घंटे के भीतर उपस्थित नहीं है, उपस्थित सदस्य ऐसा कोई सामान्य कारोबार करने के लिए सक्षम होंगे जो कोरम के उपस्थित होने पर किया गया होता लेकिन वे कोई विशेष कारोबार नहीं करेंगे।

72. एक्सचेंज का अध्यक्ष सभी साधारण बैठकों की अध्यक्षता करेगा और उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष अध्यक्षता करेगा और दोनों की अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्य उस बैठक की अध्यक्षता के लिए स्वयं में से किसी का चुनाव करेंगे। यदि किसी संकल्प के पक्ष और विपक्ष में पछ मध्य में बराबर हैं, अध्यक्ष को सदस्य के रूप में अपने मत के अनावा एक निर्णयिक यत्त प्राप्त होगा।

73. अध्यक्ष सदस्यों की सहमति से समय-समय पर तथा स्थान-दर-स्थान बैठक स्थगित कर सकता है, फिन्ट स्थगन होते के समय बैठकों में अपनाप्त रह गए कारोबार से मिन्ट कोई अन्य कारोबार ऐसी स्थगित बैठक में नहीं किया जाएगा।

74. किसी भी सांघारण बैठक में जब तक मतदान की मांग न की गई हो, अध्यक्ष द्वारा यह घोषणा कि संकल्प पारित या पराजित हो गया है और एकसचेंज की कार्यवाही बहिर्भूतों में इस आशय की प्रविधिट संकल्प के पक्ष या विपक्ष में पड़े मतों की संख्या या अनुपात के प्रमाण के बिना तथ्य का निश्चायक साक्ष्य होगी।

75. (क) यदि अध्यक्ष के चुनाव पर मतदान की मांग की गई है तो उसे तुरन्त कराया जाएगा और हाथ उठाकर चुना गया अध्यक्ष उक्त प्रयोजन के लिए अध्यक्ष के सभी अधिकारों का प्रयोग करेग। यदि कोई अन्य व्यक्ति मतदान के फलस्वरूप अध्यक्ष चुना जाता है वह शेष बैठक के लिए अध्यक्ष बना रहेगा।

(ख) यदि स्थगन के बृश्न पर मतदान की मांग की गई है तो उसे तुरन्त कराया जाएगा।

(ग) यदि किसी अन्य प्रश्न पर मतदान की मांग की गई है तो वह ऐसी मांग के समय से शहतालीस घंटे के भीतर ऐसे समय पर कराया जाएगा जैसा कि अध्यक्ष निर्देश दें।

मतदान

76. (क) इसमें इसके नीचे निर्दिष्ट प्रतिवधियों के अधीन प्रत्येक सदस्य के पास चाहे हाथ उठाकर या मतदान पर मिर्फ एकमत होगा सिवाय कि यदि मतदान में अग्रभार मत पड़े हैं तो अध्यक्ष, जो बैठक की अध्यक्षता करता है, को एक निर्णायक मत प्राप्त होगा।

(ख) किसी भी मामले के संबंध में हाथ उठाकर या मतदान में प्रौंकसी द्वारा मत देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) कोई भी निलम्बित, व्यक्तिय या चूककर्ता घोषित सदस्य बैठक में उपस्थित होने के लिए या किसी भी कार्यवाही में भाग लेने के लिए या उसमें मत देने के लिए हकदार नहीं होगा।

77. बगते पुनः कि संस्था के अंतःनियम 8 में निर्दिष्ट सार्वजनिक वित्तीय नियम, सहित कारपोरेट सदस्य कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 187 या 187(क) के अनुसार नामित प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से अपने मत का प्रयोग करेगा और साथ में ऐसे प्राधिकृत प्रतिनिधियों को इस प्रकार नामित करते हुए कंपनी निकाय/सार्वजनिक वित्तीय संस्था के बोर्ड के संकल्प की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करेगा।

परिषद

78. (1) जब तक सेबी द्वारा अन्यथा मंजूर न किया गया हो, परिषद में नामित: 13 सदस्य होंगे और उसका गठन इस प्रकार होगा:

(क) स्टॉक एक्सचेंज के सदस्यों द्वारा चुने जाने वाले स्टॉक एक्सचेंज के छह सदस्य,

(ख) मध्यस्थियम के अनुमार केन्द्र सरकार या सेबी द्वारा नामित किए जाने वाले अधिकतम तीन सदस्य,

(ग) सेबी द्वारा नामित किए जाने वाले तीन जन-प्रतिनिधि।

बगते कि सेबी किसी भी समय तीन से अधिक जन प्रतिनिधियों की नियुक्ति कर सकता है ताकि इस खण्ड और ऊपर खण्ड (ख) के अधीन नामित सदस्यों की कुल संख्या ऊपर खण्ड (क) के अधीन चुने गए सदस्यों की कुल संख्या से अधिक न हो।

(घ) परिषद द्वारा नियुक्त किया जाने वाला एक कार्यपालक निवेशक।

78. (2) (क) खण्ड 1 (क) के अधीन चुने गए एक तिहाई सदस्य हरेक वार्षिक सांघारण बैठक में निवृत्त होंगे और पुनः निवाचन के लिए स्वयं को पेश करने के लिए पाव होंगे। बगते कि वहाँ कोई व्यक्ति परिषद के दो लगातार कार्यकाल के लिए चिर्वाचित सदस्य रहा है; वह उसके तुरन्त बाद दो वर्षों की अवधि तक पुनः निवाचन के लिए स्वयं को पेश नहीं करेगा।

(ख) ऊपर खण्ड 1 (ख) के अधीन नियुक्त किए जाने वाले सदस्य क्रमावर्ती द्वारा निवृत्ति के अधीन नहीं होंगे और केन्द्र सरकार या सेबी, जैसा भी मामला हो, के प्रमादानुमार पद धारित रहेंगे।

79. (क) ऊपर खण्ड 78 (1). (ग) के अधीन नामित किये जाने वाले जन-प्रतिनिधि प्रतिभूति बाजार से संबंधित धैर्यों से आवश्यक व्यावसायिक क्षमता और अनुभव रखने वाले हैमानदार व्यक्तियों में से होंगे।

(ख) जन-प्रतिनिधियों के रूप में नामांकन के प्रयोजनार्थी, परिषद ऐसे नामांकन के लिए सेबी को व्यक्तियों के नाम भेज सकती है। किंतु भी सेबी को ऐसे व्यक्तियों को नामित करने का अधिकार होगा जिनके नाम परिषद द्वारा भेजे नहीं गए हैं।

(ग) परिषद के लिए नामित किए जाने वाले जन-प्रतिनिधि पदभालने की तारीख भी एक वर्ष की अवधि तक या वार्षिक सांघारण आम बैठक तक, जो भी पहले हो, पदभाल गहण करेंगे।

80. कोई भी साधारण बैठक केन्द्र सरकार द्वारा नामित सरकारी सदस्य, परिषद द्वारा नामित जन प्रतिनिधि और इन अनुच्छेदों के अधीन नियुक्त पूर्णकालिक कार्यालय नियंत्रण में नियन्त्रित किसी वार्षिक साधारण बैठक में निवाचित किए जाने वाले परिषद के मदमयों की मंख्या किसी भी समय या समय-समय पर नियन्त्रित करने की क्षमता है।

81. अनुच्छेद 78 (क) के अधीन निर्वाचित परिषद के पहले सदस्य निम्नलिखित होंगे :—

- (1) श्री के० जी० बालकृष्णन
- (2) श्री शी० बालसुन्दरम्
- (3) श्री एस० एन० वरदगजन
- (4) श्री एन० शंकरन
- (5) श्री के० राजामनिकम्
- (6) श्री पी० थी० नाथन्

82. (क) एकसचेंज की पहली वार्षिक साधारण बैठक में परिषद के मध्ये पहले सदस्य नियुक्त होंगे लेकिन पुनर्निवाचित के लिए पांच होंगे।

(ख) प्रत्येक अनुबर्ती वार्षिक साधारण बैठक में खण्ड 78 (1) (क) के अधीन तत्समय परिषद के एक लिहाई निर्वाचित सदस्य अपने पद से निवृत्त हो जाएंगे और यदि उनमें से कोई परिषद के दो भगतार कार्यकाल के लिए निर्वाचित सदस्य रहा है तो वह उसके तुरन्त बाद दो बर्षों की अवधि सक्षम पुनर्निर्वाचित के लिए पात्र नहीं होगा।

83. जिस वार्षिक साधारण बैठक में परिषद के सदस्य उपर्युक्त रूप में नियुक्त होते हैं, उस वार्षिक साधारण बैठक में परिषद अनुच्छेद 78 के प्रावधानों के अधीन परिषद के नियुक्त होने वाले सदस्य या उसमें किसी अन्य सदस्य की नियुक्ति करके रिक्तियां भर सकती हैं।

84. (क) यदि साधारण बैठक में एकसचेंज में नियुक्त किए गए परिषद के किसी सदस्य का पद सामान्य अनुक्रम में उसके पद के कार्यकाल के समाप्त होने के पूर्व रिक्त हो जाता है, परिणामी आकास्मक रिक्त अनुच्छेद 78 के प्रावधानों के अधीन परिषद की बैठक में परिषद द्वारा भरी जाएगी।

(ख) नियुक्त कोई व्यक्ति सिर्फ उस तारीख तक पद धारित करेगा जिस तारीख तक परिषद का सदस्य, जिसके स्थान पर उसे नियुक्त किया गया है, पद धारित करता यदि वह उपर्युक्त रूप में रिक्त न हुआ होता।

85. वार्षिक साधारण बैठक में निर्वाचित किए जाने वाले परिषद के सदस्यों की मंख्या, नियन्त्रित करते हुए साधारण बैठक में एकसचेंज के किसी संकल्प के होने हुए भी, परिषद समय-

समय पर परिषद के अतिरिक्त सदस्यों के रूप में एक या अधिक सदस्यों को नियुक्त कर सकती है बश्यते कि इस प्रकार नियुक्त परिषद के ग्रंथीनियन्त्रित ग्रंथालय ग्रंथीनियन्त्रित ग्रंथालय बैठक की तारीख तक पर धारित करेंगे। बश्यते पूनः कि परिषद के सदस्यों और परिषद के अतिरिक्त ग्रंथालयों की कुल संख्या अनुच्छेद 78 द्वारा नियन्त्रित अधिकतम संख्या से अधिक नहीं होगी।

86. परिषद के मदमयों की नियुक्ति के लिए वैयक्तिक स्वप से मतदान होगा।

87. कोई भी सदस्य परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए मात्र नहीं होगा।

(क) जब तक वह नियमों में निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।

(ख) यदि एकसचेंज का कोई सदस्य ऐसे सदस्य के साथ माझेदार है जो परिषद का पहले से ही सदस्य है, वह परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र नहीं होगा।

(ग) यदि उसे किसी सभग अकास्मी घोषित किया गया है या वह सामान्य अनुक्रम में अपनी देयताओं को पूरा करने में असफल रहा है या उसने अपने लेनदारों के साथ प्रशमन किया है।

(घ) यदि उसे परिषद द्वारा निलंबित या बुखास्त किया गया है।

(ङ) यदि कंपनी निकाय या सार्वजनिक वित्तीय निगम का एक निदेशक परिषद का सदस्य है, उस कंपनी या निगम का कोई अन्य निदेशक परिषद का सदस्य होने के लिए पात्र नहीं होगा।

(च) जब तक ऐसा व्यक्ति ऐसे कंपनी निकाय या सार्वजनिक वित्तीय निगम का प्रतिनिधि है जो एकसचेंज का सदस्य है।

बश्यते पूनः कि कारपोरेट सदस्य परिषद में निर्वाचित व्यक्तियों पूर्वीनियन्त्रित व्यक्ति के लिए पात्र नहीं होगा क्योंकि सिर्फ नियन्त्रित व्यक्ति परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किए जा सकते हैं।

बश्यते कि इस अनुच्छेद के प्रावधान अनुच्छेद 79 (क) केन्द्र सरकार द्वारा नामित व्यक्तियों, अनुच्छेद 79 (ख) के अधीन नामित जन प्रतिनिधियों या अनुच्छेद 99 (क) के अधीन नियुक्त कार्यपालक निदेशक पर लागू नहीं होंगे।

88. अध्यक्ष (प्रोमीटेटर) या उसके न होने पर उस साधारण बैठक के अध्यक्ष, जिसमें परिषद के सदस्य निर्वाचित किए जाते हैं, बैठक की तारीख से सात दिनों की अवधि के भीतर पदाधिकारियों के निर्वाचित के लिए परिषद की बैठक अलाएंगे और

उक्त बैठक की अध्यक्षता करेंगे, किस्तु जब तक वे परिषद के सदस्य नहीं हैं, और उनमें निर्वाचित में भत्तान करने के लिए हक्कार नहीं होंगे।

89. परिषद स्थगित कारोबार का निपटान करने के लिए या अन्यथा अपनी बैठकों तथा कार्यवाहियों को नियोजित करने के लिए जो भी वह उचित समझे, हर को कैलेंडर महीने में कम से कम एक बार बैठक करेगी और कारोबार चलाने के लिए आवश्यक कोरम का निर्धारण करेगी।

90. परिषद की बैठक के लिए कोरम परिषद की कुल संख्या का एक तिहाई (किसी अंश को एक के रूप में पूर्णीकरता) या पांच सदस्यों जो भी अधिक हो, का होगा। बशर्ते कि यदि किसी समय हितबद्ध सदस्यों की संख्या कुल संख्या के द्वे तिहाई से अधिक हो जाती है, तो शेष सदस्यों की संख्या अर्थात् हित न रखने वाले सदस्यों की संख्या बैठक के लिए कोरम होगी।

91. अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या कार्यपालक निवेशक या परिषद के कोई दो सदस्य परिषद की किसी भी समय बैठक बुला सकते हैं।

92. (क) परिषद की किसी बैठक में उत्पन्न होने वाले प्रश्न बहुमत द्वारा विनिश्चित किए जाएंगे, सिवाय ऐसे मामलों में जहाँ इन अनुच्छेदों के किसी प्रावधान के अधीन भौतिक बहुमत की आवश्यकता है। ऐसे मामलों में जो बहुमत द्वारा विनिश्चित किए जा सकते हैं, परमतों की बराबरी के मामले में, बैठक की अध्यक्षता करने वाले अध्यक्ष को एक दूसरा या निर्णायक मत प्राप्त होगा।

(ख) परिषद एकसचेज के संचालन तथा प्रबंध के सभी पहलुओं के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी अनुच्छेदों का पालन करेगी।

93. परिषद की सभी बैठकों में, अध्यक्ष सामान्यतः अध्यक्षता करेंगे और उनकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष अध्यक्षता करेंगे। यदि उपाध्यक्ष बैठक आयोजित करने के लिए निर्विष्ट समय पर उपस्थित नहीं है, परिषद में उपस्थित सदस्य ऐसी बैठक का अध्यक्ष होने के लिए स्वयं में से किसी को चुनेंगे।

94. परिषद की बैठक तत्समय जिसमें कोरम भीजूद है, एकसचेज के अनुच्छेदों द्वारा या के अधीन परिषद में तत्समय निहित या द्वारा सामान्यतः प्रयोक्तव्य सभी या किसी भी प्राधिकार, शक्ति या विवेक का प्रयोग करने के लिए सक्षम होगी।

95. परिषद के सदस्य का पद रिक्त हो जाएगा यदि—

- (१) वह भुगतान आस्थित करता है।
- (२) वह न्यायनिर्णित दिवालिया है।
- (३) वह विवालिया न्यायनिर्णित करने के लिए आवेदन करता है।

(४) उसे किसी अपराध के लिए भारत में न्यायालय द्वारा दोष मिल ठहराया गया है और उसके संबंध में उसे कम से कम छह महीने के कारायाम की सजादी दी है।

(५) वह परिषद से अनुपस्थिति की छुट्टी प्राप्त किए बिना बैठक की तीन लगातार बैठकों से या तीन महीने की लगातार अवधि के लिए, जो भी अधिक हो, स्वयं को अनुपस्थित करता है।

(६) वह कपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कोई अनहृता करता है जिसके द्वारा वह अपना पद रिक्त करता है।

(७) उसकी भूत्यु हो जाती है या वह एकसचेज का सदस्य नहीं रह जाता है या उसे निलंबित या बर्खास्त किया गया है।

(८) वह परिषद को लिखित रूप में संबोधित नोटिस द्वारा द्यागपत्र देता है।

(९) एकसचेज की साधारण बैठक का कोई संकल्प उसे पद से हटाता है।

(१०) वह उस विलेखों में उपर्युक्ति रूप में एकसचेज के पास प्रतिभूति जमा बनाए रखने में असफल रहता है।

(११) वह एकसचेज में प्रतिभूतियों में कारबार बंद कर देता है जिसमें कि यह अप्पे एकसचेज की लंस्था नियमावली तथा अंतिनियम के हस्ताक्षरकर्ताओं को लागू नहीं होगा।

बशर्ते कि इस अनुच्छेद के उप अप्पे (७) से (११) तक के प्रावधान अनुच्छेद ७९ (क) के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा नामित अधिकारी, अनुच्छेद ७९ (ख) के अधीन नामित अनुप्रसिद्धियों या अनुच्छेद ९९ (क) के अधीन नियुक्त कार्यपालक निवेशक को लागू नहीं होंगे।

पदाधिकारी

96. (क) परिषद के निम्नलिखित पदाधिकारी होंगे अर्थात् अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यपालक निवेशक और कोपाध्यक्ष,

(ख) स्टॉक एकसचेज का अध्यक्ष बाधिक साधारण बैठक की समाप्ति के बाद दस दिनों के भीतर परिषद के सदस्यों में से निर्वाचित किया जाएगा और अध्यक्ष के रूप में किसी अधिकारी की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार या सेवी से किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

(ग) उपर्युक्त रूप में नियुक्त अध्यक्ष एक वर्ष तक अपना पद ग्रहण करेगा और पुनर्निर्वाचन के लिए पावर होगा।

बशर्ते कि दो लगातार कार्यकाल के लिए अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित कोई सदस्य पुनर्निर्वाचन के लिए स्वयं को 'पेश' करने के लिए तब तक पात नहीं होगा जब तक उसके ऐसे पद के ग्रहण करने से एक वर्ष की अवधि समाप्त न हो गई हो।

(ब) स्टॉक एक्सचेंज का उपाध्यक्ष वार्षिक साधारण बैठक की समाप्ति के बाद इस विनों के भीतर परिषद के सदस्यों में से निर्वाचित किया जाएगा और उपाध्यक्ष के रूप में किसी व्यक्ति की नियुक्ति के लिए केन्द्र सरकार या सेबी से किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

(द) उपर्युक्त रूप में नियुक्त उपाध्यक्ष एक वर्ष तक अपना पद ग्रहण करेगा और पुनर्निर्वाचित के लिए पात्र होगा। बशर्ते कि दो लगातार कार्यपालक के लिए उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित कोई सदस्य पुनर्निर्वाचित के लिए स्वर्ण की पेश करने के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसके ऐसे पद के ग्रहण करने में एक वर्ष की अवधि समाप्त न हो गई हो।

(च) कार्यपालक निदेशक की नियुक्ति, देवा शर्ते, नियुक्ति का नवीकरण तथा सेवा की समाप्ति सेबी के पूर्व अनुमोदन के अधीन होगी। परिषद के ग्रालावा कार्यपालक निदेशक का यह कर्तव्य होगा कि वह विधि, नियम और विनियम के लागू ग्रावधारों या स्टॉक एक्सचेंज की संस्था नियमाली, विनियमों तथा उप-नियमों को कार्यान्वयित करने के उद्देश्य से सेबी द्वारा जारी नियमों, दिशा-निर्देशों और आदेशों को लागू करे। इन लंबांध में कोई चूक सेबी के पूर्व अनुमोदन से या सेबी के नियंत्रण पर स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सेवा से निष्कासन या सेवा का समाप्ति के लिए उसे शायी बनाएगी, बशर्ते कि संवंधित कार्यपालक निदेशक नो ऐसे ग्रेया-समाप्त के किरदू उसकी गुनवार्द्ध नामने का अवसर दिया गया हो।

(ए) परिषद यपने सदस्यों में भी किसी एक सदस्य को कोषाध्यक्ष चुनेगी।

(ज) मूल्य या त्यागपत्र द्वारा या अन्य रूप में अध्यक्ष के पद की किसी आकस्मिक रिक्ति की स्थिति में, तत्समय उपाध्यक्ष के पद के लिए स्वतः निर्वाचित हो जाएगा। उपाध्यक्ष या कोपाध्यक्ष के पद में उत्पन्न कोई आकस्मिक रिक्ति परिषद के सदस्यों में से निर्वाचित द्वारा भी जाएगी। किसी आकस्मिक रिक्ति में निर्वाचित पदाधिकारी उसी अवधि तक पदाधिकारित करेगा जिन अवधि तक पदाधिकारी, जिसके स्वान पर उसे निर्वाचित किया गया है, पहले ही पद रिक्त न करने की स्थिति में पद धारण किया होता।

अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष

97 (क) अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष परिषद द्वारा नियुक्त किसी समिति के पदवेन सदस्य होंगे।

(ब) अध्यक्ष ऐसे सभी अधिकारों को ग्रहण तथा प्रयोग करेगा तथा ऐसे सभी कर्तव्यों को पूरा करेगा जो एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों में उपबंधित रूप में परिषद द्वारा समय-समय पर उसे प्रत्यायोजित किए जाएं।

(ग) अध्यक्ष की अनुपस्थिति में या कार्य करने में उसकी अवधारणा पर उपाध्यक्ष अध्यक्ष के सभी कार्यों को ग्रहण करेगा

और उसके सभी अधिकारों का प्रयोग करेगा और उसके सभी कर्तव्यों का निर्वाचन करेगा।

(घ) अध्यक्ष तथा उसकी अनुपस्थिति में, उपाध्यक्ष तथा दोनों की अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक परिषद द्वारा प्रयोगकालीन किसी या सभी अधिकारों का उस समय प्रयोग करने के लिए हक्कार होगा जन भी उसकी राय में यह हो कि तुरन्त कार्रवाई आवश्यक है, बशर्ते कि परिषद अगले कार्य विकास की समाप्ति के पूर्व ऐसी कार्रवाई की पृष्ठि करती हो।

कोषाध्यक्ष

98. कोषाध्यक्ष अपने पद के लिए समुचित ऐसे अधिकारों का प्रयोग तथा ऐसे कर्तव्यों का निर्वाचन करेगा जो कि परिषद द्वारा समय-समय पर प्रत्यायोजित किए जाएं।

कार्यपालक निदेशक

99. (क) परिषद केन्द्र सरकार/सेबी के पूर्व अनुमोदन के अधीन एक पूर्णकालिक कार्यपालक निदेशक की नियुक्ति कर सकती है जो परिषद का प्रदेन सदस्य होगा और परिषद द्वारा नियुक्त प्रत्येक समिति या उप-समिति का सदस्य भी होगा। कार्यपालक निदेशक की नियुक्ति के नियंत्रण तथा शर्ते प्रतिभूति संविदा (विनियम) शाखानियम, 1956 के अधीन केन्द्र सरकार/सेबी के पूर्व अनुमोदन के अधीन होगी। कार्यपालक निदेशक के रूप में इस प्रकार नियुक्त व्यक्ति उसके कार्यपालक निदेशक का पद धारण करने की अवधि के दौरान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी भी कार्रवाई में स्वतंत्र को नहीं लगाएगा और यदि एक्सचेंज का कोई सदस्य कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है, वह तुरन्त उसकी समर्थका से त्यागपत्र देगा। इस प्रकार नियुक्त कार्यपालक निदेशक केन्द्र सरकार/सेबी के पूर्व अनुमोदन के विना अपने पद से बर्खास्तगी या निष्कासन के लिए दायी नहीं होगा और वह क्रमार्थन द्वारा नियुक्ति के लिए दायी नहीं होगा।

(ख) एक्सचेंज के कार्यों का समय प्रबंध अनुच्छेद 78 के अनुसार परिषद के पास निहित होने के प्रधीन—

(1) कार्यपालक निदेशक को एकत्रचेंज का दैनंदीन प्रशासन चलाने के लिए और एक्सचेंज के अनुच्छेदों, नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों को प्रवर्तित करने के लिए एक्सचेंज की कार्यपालन शक्तियों से सम्पन्न किया जाएगा और वह ऐसे सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा जो इसके अधीन उपबंधित हैं तथा जो परिषद द्वारा समय-समय पर उसे प्रत्यायोजित की जाएं या सोंपी जाएं।

(2) कार्यपालक निदेशक को अनुच्छेद 72, 73, 74, 75, 88, 92, 93, 97 (क) तथा 97 (ग) में निहित शक्तियों, अधिकारों, कर्तव्यों

तथा कार्यों के विद्याय तथा को छोड़कर एकम-
चेज के अनुच्छेदों, नियमों, उपनियमों तथा वि-
नियमों में यथा उपबंधित अध्यक्ष की शाखाओं,
अधिकारों, कर्तव्यों तथा कार्यों से सम्पन्न किया
जाएगा और उन्हें कार्यपालक निदेशक की
शक्तियां, अधिकार तथा कार्य माना जाएगा।

(3) परिषद के नियंत्रण तथा पर्यवेक्षण के अधीन
कार्यपालक निदेशक ऐसे मामलों में शाक्तया
रखेगा जो सभी दृष्टियों से सदस्यों के अनु-
शासन तथा एकमचेज में सदस्य के ट्रैडिंग कार्य-
कालों तथा प्रतिभूतियों में उसके किसी या
भी कारोबारी लेन-देनों के संबंध में तथा
एकमचेज के अन्य मदस्यों के साथ और दूसरे
स्टॉक एकमचेजों के सदस्यों के साथ उनके
द्वारा प्रतिभूतियों में किए गए सभी लेन-देनों के
निपटान और ऐसे मामलों में प्राधिकार के
साथ एकमचेज के नियमों, संस्था नियमावली,
उप नियमों तथा विनियमों के प्रवर्तन से
संबंधित हैं और उन्हें एकमचेज के किसी नियम,
ग्रनुच्छेद, उप नियम या विनियम के उल्लंघन
के मामलों में वा अपने किसी निर्देश, आदेश
आदि के अपालन के लिए अधिकतम 5000
रु. (पाँच हजार रुपये) का इड लगाने तथा/
या यदस्य या मरणों को किसी समय अधिक-
तम सात दिनों की शब्दावधि के लिए कारोबार
करने से नियंत्रित करने का अधिकार होगा,
बग्डें पैसे दंड लगाने/निलंबन करने के अधिकार
का प्रयोग सदस्य को अपने विभद्ध आरोपों को
स्पष्ट करने के लिए पूर्ण अवसर प्राप्त जाने के
अधीन एकमचेज के अध्यक्ष तथा परिषद के
द्वारा तर मदस्य के परामर्श से किया जाएगा।

(4) कानून के किसी प्रावधान या एकमचेज के
नियमों, उप नियमों तथा विनियमों को
कार्यान्वयित करने के लिए केन्द्र सरकार/सेवी,
जैसा भी मामला हो, के सभी निदशों तथा
आदेशों को कार्यान्वयित करना कार्यपालक
निदेशक का कर्तव्य होगा। यदि कार्यपालक
निदेशक ऐसा करने में अमर्नल रहता है, तो
कार्यपालक निदेशक को सुनवाई का एक
अवश्यर देने के बाद, परिषद को उस पद से
हटाने का निर्देश दिए जाने पर कार्यपालक
निदेशक की सेवा एवं तुरन्त समाप्त कर देगी।

(5) अध्यक्ष तथा/या कार्यपालक निदेशक सभी सार्वजनिक
मामलों में शामलीय रूप से एकमचेज का प्रति-
निधित्व करेंगे।

(6) कार्यपालक निदेशक की अनुपस्थिति में या कार्य-
करने की उसकी असमर्थता की स्थिति में उसके कुत्तों
तथा अधिकारों का प्रयोग सांचब द्वारा तथा सांचब
की अनुपस्थिति में परिषद के निदेशों के अधीन
एकमचेज के किसी विरुद्ध अधिकारी द्वारा किया
जाएगा।

मन्त्रिव

100(क) परिषद एकमचेज के लिए एक सांचब नियुक्त
करेगी।

(ख) सांचब एकमचेज का सदस्य नहीं होगा।

(ग) सांचब एकमचेज में या एकमचेज के किसी सदस्य के
माध्यमिक स्टेवाजी लेन-देन में सहायी नहीं होगा
या से सरोकार नहीं रखेगा।

(घ) मन्त्रिव परिषद तथा एकमचेज की प्रत्येक समितियों
का भी मन्त्रिव होगा।

(ङ) मन्त्रिव ऐसे कुत्तों को पूरा करेगा जो कि परिषद
तथा/या किसी स्थायी या अन्य समितियों द्वारा समय-
मन्त्र पर निर्देशित किए जाएँ।

समितियां

101 अधिनायम की धारा 292 के प्रावधानों के अधीन
परिषद गंठ्या में न्यूनतम दो सदस्यों की ऐसी संख्या, जो परिषद
उचित समझे, में युक्त समितियों को अपनी कोई भी गतिविधि
प्रत्यापोर्जित कर सकती है। इस प्रकार गठित समिति इस प्रकार
प्रत्यायोजित शाक्तयों के प्रयोग में, ऐसे किसी विनियम के अनुसार
चलेगी जो परिषद द्वारा उन पर गमय-समय पर अधिरोपित
किया जाए।

स्थायी समितियां

102 (क) उपर्युक्त खण्ड में संवर्धित परिषद की समितियों,
यदि कुछ ही के भागीरक्त परिषद प्रत्येक वर्ष तथा
प्रत्येक वार्षिक साधारण बैठक के बाद यथा
सुविधाजनक शीघ्रता के साथ निम्नलिखित
समितियों नियुक्त करेगी अर्थात्

(1) विवाचन समिति

(2) चूक समिति

(3) अनुसासनिक समिति

(4) निवेशक गिकायत कक्ष

(5) ट्रैडिंग के पर्यवेक्षण हेतु समिति।

(ख) ऐसी प्रत्येक समितियों की सदस्य संख्या ऐसी होगी
जो तीन से कम नहीं और पांच से अधिक नहीं होगी।

(ग) होक समिति अपनी नियुक्ति के तुरन्त बाद अपने
एक सदस्य को उसका अध्यक्ष भुलेगी। अध्यक्ष
मन्त्रान्वयित समितियों पर मन्त्रीजक होगा।

(प) समितियों के सभी सदस्य अपनी मंबंधित नियुक्तियों की नाशीख में अगली वार्षिक साधारण बैठक के बाद आयोजित परिषद की पहली बैठक तक पद धारण करेगा। बशर्ते कि पदि परिषद की उक्त बैठक में, स्थायी समितियों के नए सदस्य नियुक्त नहीं किए जाते हैं, अंजूदा सदस्य तब तक बने रहेंगे जब तक उनके उत्तराधिकारी परिषद द्वारा नियुक्त कर नहीं दिए जाते हैं।

(छ) परिषद किसी समिति की सदस्यता में किसी रिक्ति को समय समय पर भरेंगी।

(च) एकसचेत का कोई सदस्य, आड़े पारिषद का सदस्य हो या न हो, या परिषद का कोई जन प्रतिनिधि सदस्य समिति में नियुक्ति के लिए पाल होगा।

(छ) पदि समिति का नोई सदस्य एकसचेत का सदस्य नहीं रह जाता है या उसे नियुक्त कर दिया गया है या उक्तकर्ता औपित किया गया है या उसे बर्खाभूत कर दिया गया है तो वह अपना पद छोड़ देगा।

बशर्ते कि इसे कि विधान समिति, चूक समिति और अनुसासनिक समिति ने अधिकतम ३० प्रतिशत सदस्य एकसचेत के सदस्यों से नामित किए ताएँ और शेष ६० प्रतिशत सदस्य में से के पूर्ण अनुमोदन में एकसचेत के सदस्यों में चिन्ह द्यवित्यों हैं तो समिति किए जाएँगे।

103. हरेक समिति के लिए कोरम ऐरी समिति की कुल संख्या का एक निहाई या दो, जो भी विधिक हो, का होगा अग्र पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

104. इन विनेशों में निहित नियमों तथा प्रावधानों के अधीन या एकसचेत के किसी नियम, उप नियम और विनियम के अधीन, समिति की कार्यवाहियां उन्हीं नियमों द्वारा विनियमित होगी जिनमें परिषद की बैठक की कार्यवाहियां विनियमित होती हैं।

105. हरेक समिति ऐसे अधिकारों तथा कृत्यों का प्रयोग करेगी और ऐसे विनियमों, वर्दि कुछ है, के अधीन जो एक एकसचेत के नियमों, उप नियमों तथा विनियमों द्वारा उनके संबंधित आचारों में निर्दिष्ट हैं तथा उप संबंध में प्रबंध परिषद द्वारा समय समय पर विरोचन किए जाने वाले या बनाए गए किसी निर्देश, उप नियम और विनियम के अधीन होंगी।

106. समिति बैठक कर सकती है या उसे स्थगित कर सकती है जो भी वह उचित न माले। समिति की किसी बैठक में उत्पन्न प्रश्न उपस्थित गदस्यों के बहुमत द्वारा अवधारित किए जाएंगे और भलों की समानता के सामने में, अध्यक्ष के पास एक दूसरा या निर्णायक सत होगा।

107. परिषद की किसी बैठक द्वारा या किसी समिति द्वारा या समिति के सदस्य के स्थान में कार्यरत किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सभी कृत्य, उपके बावजूद कि बाद में यह पता चलता है कि परिषद या उपर्युक्त द्वारा में कार्यरत ऐसे सदस्यों या

व्यक्तियों की नियुक्ति में कुछ दोष हैं या कि उन्हें या उनमें से किसी को अयोग्य ठहराया गया है उनमें ही वैध होने मानों कि ऐसे प्रस्थेक अधिकार की विधिवत नियुक्त किया गया था तथा परिषद या समिति का सदस्य होने के लिए योग्य था।

कार्यवृत्त

108. परिषद—

(क) प्रशासिकार्यों जी सभी नियुक्तियों के

(ख) परिषद की नथा किसी समिति की हरेक बैठक में उपस्थित परिषद के सदस्यों के नामों के

(ग) साधारण बैठकों के तथा परिषद और समिति की बैठकों के सभी नामों तथा कार्यवाहियों के तथा

(घ) परिवालव में निहित परिषद के सभी संकल्पों के प्रयोजनार्थ रखो गई बैठियों में कार्यवृत्त विधिवत दर्ज कराएगी तथा परिषद की या किसी समिति की या एकसचेत की बैठक का कोई कार्यवृत्त, यदि ऐसी बैठक के अध्यक्ष द्वारा या श्रगली अनुबर्ती बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्तान्तरित होना नापर्याप्त है, ऐसे कार्यवृत्त सामनों में प्रथम दृष्टशा साक्ष्य के स्थान में प्राप्य होगा।

परिषद के प्रतिकार

109. एकसचेत या एक एकसचेत के कारोबार का नियंत्रण परिषद के पास निहाई होगा जो इन विनेशों द्वारा या अन्य रूप में उन पर प्रकटन, प्रदत्त अधिकारों तथा प्राधिकारों के अनिवार्य, ऐसे सभी अधिकारों का प्रयोग करेंगी तथा ऐसे सभी कृत्य तथा जो एकसचेत द्वारा प्रयोग किए जाएंगा। बशर्ते कि परिषद ऐसी किसी अधिकार का प्रयोग नहीं करेंगी या ऐसा कोई कृत्य या जीवं याहुं करेंगी जो चाहे कंदनी अधिनियम, १९५६ वार्षिकी व्रत अधिनियम आदा या एकसचेत के अन्य आगत द्वारा या यत्नियम द्वारा या अन्यथा साधारण बैठक में एकसचेत द्वारा प्रयोग किए जाने के लिए निर्दिष्ट हो या प्रपेक्षित है। बशर्ते पुनः कि ऐसे किसी अधिकार का प्रयोग करने में गो ऐसा कोई कृत्य या चीज करने में परिषद कंपनी अधिनियम, १९५६ या किसी अन्य अधिनियम में या एकसचेत के जापन या अंतनियम में या साधारण बैठक में एकसचेत द्वारा बनाए गए विनियमों महिल उभके रागत और उभके अधीन विधिवत बनाए गए किसी विनियम में गो संवधान में निहित प्रावधान के अधीन होगी। साधारण बैठक में परिषद द्वारा बनाया गया कोई भी विनियम परिषद के ऐसे किसी पूर्वकृत्य को अविधिमान्य नहीं करेंगी जो यदि साधारण बैठक का वह विनियम बनाया न गया होना तो वैयरहा होना।

110. परिषद समय-समय पर एकसचेत के प्रयोजनार्थ कोई धनराशि जुटा या उधार ले सकती है या स्वयं उधार दे सकती है और उभका भुगतान प्राप्त कर सकती है।

111. प्रतिपथ भी ही मंजूरी से ऐसी धनराशि का भुगतान या चुकौनी ऐमेट्रिंग में तथा ऐसे निवंधनों एवं गतों पर सभी पहलुओं में जैसा भी वह उचित ममझे, और विशेषकर बांड, सतत या प्रतिदेय डिवेचरों या डिवेचर स्टाक के निर्गम वा एक्सचेंज की वर्तमान तथा भावी दोनों संपत्तियों के सभी या किसी भाग पर किसी बीच प्रभार या अन्य प्रतिभूति प्रभारी द्वारा जुटा या प्रतिभूत कर सकती है।

112. डिवेचर, डिवेचर स्टाक तथा अन्य प्रतिभूतियां एक्सचेंज तथा आकितयों, जिन्हें वे जारी की जाती हैं, को बीच किसी मामलों से मुक्त समनुदेशनीय बनाई जा सकती है।

113. कोई भी डिवेचर, डिवेचर स्टाक, बांड या अन्य प्रतिभूतियों वट्ठा प्रीमियम पर या अन्यथा और शोषण, अध्यर्थण तथा आवृण के संबंध में किसी विशेष प्राधिकार के साथ जारी की जा सकती है।

नियम बनाने के अधिकार

114. प्रनिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 और उसके अधीन विवित नियमों के अधीन परिषद एक्सचेंज के कारोबार या संचालन से संबंधित किसी या सभी मामलों के लिए तथा परमार यदस्यों के बीच और उसके सदस्यों तथा व्यक्तियों, जो सदस्य नहीं हैं के बीच कारोबार तथा एन-डेनों के संचालन से संबंधित किसी या सभी मामलों के लिए और स्टाक एक्सचेंज के ऐसे सभी लेन-देनों को नियंत्रित, परिभाषित तथा विनियमित करने के लिए श्रीर निम्नलिखित मामलों में ये सभी या किसी मामले के लिए नियम, उप-नियम और विनियम बनाने के लिए पूरीकृत की व्यापकता पर कोई प्रतिकूल प्रभायात्माले बिना समय-समय पर नियम, उप-नियम, तथा विनियम बनाने के लिए प्रविकृत होगी :—

- (क) एक्सचेंज के कारोबार के संचालन के लिए,
- (ख) एक्सचेंज के अन्य सदस्यों के साथ या व्यक्तियों, जो सदस्य नहीं हैं, के साथ एक्सचेंज के सदस्यों के कारोबार के संचालन के लिए श्रीर सदस्यों और किसी व्यक्ति, जो सदस्य नहीं है, के बीच घोषणों, प्रतिभूतियों डिवेचरों और सभी प्रकार की स्टाक एक्सचेंज प्रतिभूतियों की विक्री तथा खरीदी के लिए सभी संविदाओं और कोयम्बटूर स्टाक एक्सचेंज निमिटेड के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों या प्रथाओं के अधीन की गई सभी संविदाओं से संबंधित मामलों को नियंत्रित करने के लिए,
- (ग) एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के किसी भी प्रावधानों के अधीन निलंबित या बर्खास्त या चूकूकर्ता घोषित किए जा रहे एक्सचेंज के किसी गदस्य पर परिणाम तथा प्रभाव स्वविवेकानुसार विहित और परिनियमित करने के लिए, वशतें कि ११ प्रकार निलंबित, वर्खास्त, चूकूकर्ता घोषित किसी सदस्य को इस संबंध में परिषद द्वारा अपकाई गई

प्रतिया या लिए गए निर्णय पर प्रश्न करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

(घ) विहित तथा उपबंध करना कि किसी सदस्य के निलंबित, बर्खास्त या चूकूकर्ता घोषित किए जाने की स्थिति में ऐसे सदस्य और एक्सचेंज के अन्य सभी सदस्यों के बीच लंबित सभी संविदाएं उक्त संविदाओं के लिए निपादन के मामूलत होने का विचार किए बिना समायोजित तथा बन्द की जाएं, उपबन्ध करना और विनियमित करना तथा परिषद या उसकी किसी समिति को ऐसे मूल्य तथा दरें नियत करने के लिए अधिकृत करना जिन पर ऐसी संविदाएं समायोजित तथा बन्द की जाएगी और उक्त संविदाओं के ऐसे संमायोजित तथा बन्दी से उत्पन्न और अन्य सदस्यों द्वारा देय समस्त धनराशि एक्सचेंज की चूकूकर्ता घोषित को देय होगी और एक “विशेष निष्ठा” में अदा की जाएगी और कि ऐसी “विशेष निष्ठा” प्रभारित हो जाएगी और ऐसे चूकूकर्ता, बर्खास्त या निलंबित मदस्य द्वारा एक्सचेंज के किसी अन्य मदस्य को या उसके ग्राहकों को देय कर्ताओं, दावों तथा वकायों के भुगतान के लिए सभी बास्तु लेनदेनों पर प्रायमिकता के साथ उपयोग की जाएगी।

(छ) एक्सचेंज के प्रत्येक सदस्य को अपने ग्राहकों के नाम के लिए केन्द्र भरकार द्वारा निर्धारित स्थ में एक बीमा पालिसी निकालनी होगी।

115. इन नियमों और अनुचूटों में तथा तत्त्वमय नाम एक्सचेंज के किसी उप-नियम तथा विनियम में निहित सदस्यताकूल किसी बात पर ध्यान दिए बिना, परिषद निम्नलिखित के लिए समय-समय पर आवश्यक समझे जाने वाले कदम उठाने के लिए प्राधिकार, अधिकार और विवेक से गम्भीर होगी और इन द्वारा सम्पन्न की जाती है।

(क) सदस्यों, प्राधिकृत सहायकों, सदस्यों के नियत अटर्नियों को अनुशासित करना,

(ख) एक्सचेंज से सभी प्रतिभूतियों में उनके सभी पहलुओं से सुन्दरस्थित ट्रेडिंग विनियमित करना और प्रतिभूतियों में उनके सभी पहलुओं में बाजार को स्थिर करने के लिए परिषद द्वारा समय-समय पर आवश्यक समझे जाने वाले कदम उठाना या कार्रवाई करना या उपाय करना,

(ग) परस्पर सदस्यों के बीच तथा सदस्यों और उनके ग्राहकों, निवेशक जनता के बीच प्रतिभूतियों में सभी संविदाओं और सुन्दरस्थित कारोबार के संचालन तथा एक्सचेंज के किसी भी लिलालता, सदस्यों के कारोबार, लेन-देनों, संविदाओं और उनसे उत्पन्न बाजार दायित्वों, एक्सचेंज के सदस्यों के बीच, परस्पर तथा एक्सचेंज के सदस्यों भी विशेष या सभी व्यक्तियों,

जो एकसचेंज के सदस्य नहीं हैं, के बीच ऐसे मध्ये मामलों के निपटान पर मंबंधित किसी या सभी मामलों के लिए मध्ये परिणामों तथा अनुचर्ती कार्रवाइयों का पर्यवेक्षण करना, निरीक्षण करना और जारी संविदा की शर्तों के अनुसार डिलीवरी और भुगतान द्वारा व्यवस्थित तथा समय पर निपटान मुनिशित करना और स्टॉक एक्सचेंज के ऐसे सभी लेन-देनों को नियंत्रित तथा विनियमित करना,

(घ) प्रतिभूतियों, चाहे एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों या न हों, त्यूनतम आधार मूल्य नियत तथा विहित करना और प्रतिभूतियों के लिए अधिकतम उच्चतम मूल्य नियत तथा विहित करना या ऐसी किसी स्थिति का सामना करने के लिए कदम उठाना या कर्वाई करना या उपाय करना जब विद्यमान या विद्यमान होने वाली बाजार की अपेक्षाएँ एक्सचेंज की सभावी तथा सुव्यवस्थित क्रियाशीलता के लिए परिषद के पूर्ण तथा व्यापक विवेक में ऐसा उचित सिद्ध करती है।

(ङ) परस्पर सदस्यों के बीच तथा सदस्यों और ग्राहकों तथा व्यक्तियों, जो सदस्य नहीं हैं, के बीच की गई संविदाओं का समापन करना और अनिवार्य निपटान करने का आवेदन देना, हालांकि उपनियमों तथा विनियमों के निवधनों में संविदा के अनुसार डिलीवरी और भुगतान की अवधि समाप्त नहीं हुई है।

(च) लेन-देनों के निपटान के लिए उस समय निर्दिष्ट तारीखों विहित करना जब परिषद की राय में बाजार स्थिति इस प्रकार आवश्यक बनती है।

(ज) किसी समय किसी या सभी बकाया संविदाओं के निपटान के लिए कोई समयबद्ध मा अन्य कार्यक्रम लाभू करना, जब भी परिषद की राय में ऐसी कार्रवाई आवश्यक हो।

(झ) सदस्यों को उनके सभी स्टॉक एक्सचेंज लेन-देनों के संबंध में अनुशासित करना।

(ञ) प्रतिभूतियों में सभी संविदाओं का निपटान सुसाध्य बनाने के लिए कोई कृत्य करने के लिए सदस्यों को अनुबेश तथा निर्देश देना, जैसा कि परिषद स्वविधेक में समय-समय पर विनिश्चित करे कि ऐसा करना उचित तथा आवश्यक है।

(ट) स्टॉक एक्सचेंज भी निवार्ध कार्य प्रणाली के लिए अनहित में तथा सदस्यों के बीच तथा सदस्यों और उनके ग्राहकों के बीच प्रतिभूतियों में किसी या सभी लेन-देनों के निपटान, तमाएन या चुकौती के संबंध में आवश्यक यम्भे ज्ञाने वाले सभी उपाय करना।

116. एक्सचेंज के उपनियमों स्था विनियमों में निहित तत्प्रतिनियम किसी बात पर ध्यान दिए जिन परिषद, प्रतिकूल संविदा (विनियम) याविनियम, 1956 के अधीन, इसमें विहित किसी उप-नियम या विनियम के असारित या के संशोधन या प्रतिवृत्ति में प्रतिभूतियों में कारोबार के लिये तथा प्रतिभूतियों में संविदाओं के निपटान के लिये तथा प्रतिभूतियों में सभी लेन-देनों के संबंध में मद्दयों के अनुशासन सहित स्टॉक एक्सचेंज की सुधारविषयत व्यापकीयता के लिए किसी या सभी मामलों के संबंध में कोई भी उप-नियम या विनियम बना सकती है या किसी भी उप-नियम में संशोधन कर सकती है। इसमें प्रदत्त किसी भी अधिकार के प्रयोग में परिषद आपात, कौर्तव या संकट के समय में या किसी बाजार स्थिति में जिसमें सुधारात्मक उपाय आवश्यक यम्भे जाते हैं, आवश्यक कोई भी कदम उठाने के लिए पूर्ण प्राधिकार से संपन्न माना जाएगा।

नियमों आदि को संशोधित करने का अधिकार

117. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधीनियम, 1956 और उसके अधीन रचित नियमों के प्रावधानों के अधीन परिषद को इन नियमों द्वारा उसे प्रदत्त किसी अधिकार के प्रयोग में रचित नियमों, उपनियमों और विनियमों में समय-समय पर परिवर्तन करने, संशोधन करने या उसे समाप्त करने या परिवर्धन करने का अधिकार होगा। यदि प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधीनियम, 1956 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित सरकारी मंजूरी, यदि कुछ ही, उसके पारित होने के तुरन्त बाद तथा अन्यथा ऐसी मंजूरी के प्राप्त होने के तुरन्त बाद पहले प्राप्त की गई है तो ऐसे सभी नियम, उप-नियम तथा विनियम प्रभावी हो जाएंगे।

118. अंतिम पूर्ववर्ती अनुच्छेद द्वारा प्रदत्त सामान्य अधिकारों और इन विलेखों द्वारा प्रदत्त अन्य अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव ढाले जिन्होंने यह एतद्वारा ध्यक्ततः धोयित किया जाता है कि परिषद के पास निम्नलिखित अधिकार होंगे, अर्थात् :

(क) एक्सचेंज के संबंधन, निर्माण, स्थापना तथा पंजीकरण की प्रारम्भिक तथा आनुबंधित लागतों, प्रभारों तथा खर्चों की अदायगी करना,

(ख) एक्सचेंज के लिए संपत्ति, अधिकार या निशेषाधिकार क्रय करने या अन्यथा अधिग्राप्त करने जिसे एक्सचेंज ऐसे मूल्य पर और सामान्यतः ऐसे निवधनों एवं शर्तों पर जो वह उचित समझे और अधिनियम नीं घारा 293 के अधीन अधिग्राप्त करने लीं एवं ऐसे निवधनों तथा शर्तों पर तथा ऐसे प्रतिफल के लिए जो वह उचित समझे, एक्सचेंज की संपत्ति विशेषाधिकार या वचन को आव्याप्ति रूप से या मार्गसे बेचने, किराए पर देने, बदलने या अन्य रूप में उसका निपटान करने के लिए अधिकृत हैं,

(ग) वंपनी आधिनियम 1956 के प्रावधानों के अधीन एक्सचेंज ने भारी मात्रा में दो बांडी डिवेचरों या ग्रन्ट फार्मालिया लोगों की संपत्ति की संपत्ति या उसके लिए भारी पर विधिवत् रूप से धनां
जीक द्वारा भारी होने वाली गुणता या अवृत्त
प्रशंसनी वाली वार्ता की गणता अधिकार
तथा विविध लाइसेंस या को प्रदान देवाथों के लिए
अदा की है,

(घ) एक्सचेंज द्वारा की गई किसी संविदा या वचनबद्ध पुनिको तत्त्वगत एक्सचेंज की सभी या किसी संपत्ति के बंधक या प्रभार द्वारा या ऐसे ढंग में जो वह उचित समझे जिसमें ३५८ रु ११० से ११३ तक के अनुच्छेदों के अधीन अधेक्षण मंजूरी याद कुछ है के अधीन अतिभूति करना,

(ङ) सचिव नेताजी शंकरचारी, अधिकारी, विधिक तथा पारंपरिक तथा स्थायी अस्थायी या विशेष सेवाएं जैसा भी वह समय-समय पर उचित समझे, नियुक्त करना या स्वविवेकानुसार निलंबित करना या हटाना तथा उनके अधिकार तथा कर्तव्य निर्धारित करना तथा उनके वेतन, तथा परिलंबियां, याद कुछ हैं, नियन्त करना और ऐसे मामले में तथा ऐसी गोष्ठी के लिए, जो वह उचित समझे, प्रतिभूति प्राप्त करना,

(च) किसी अधिकार या अधिकारी (चाहे नियमित हो या न हो) की नियुक्ति करना, एक्सचेंज से अंतर्धित कोई संपत्ति या उसके हेतु ताली कोई संपत्ति को एक्सचेंज के लिए अधिकार करना तथा द्रस्ट में धारित करना तथा ऐसे सभी विजेता, दृष्टावेजों को निष्पादित करना या ऐसी सभी चीजों को करना जो ऐसे किसी द्रस्ट के संबंध में आवश्यक हो और द्रस्टी या द्रस्टों के पारिषद्विक के लिए प्रबंध करना,

(छ) एक्सचेंज द्वारा उसके अधिकारीयों के द्वारा या के विशेष या एक्सचेंज के कारों ने अन्य रूप से संबंधित कोई विधिक कार्यवाही संभवत करना, संचालित करना, प्रतिवाद करना, प्रशमन करना या त्यागना और एक्सचेंज द्वारा या के विशेष किसी दावे या माओं के या देय किसी कानून के शोधन में भूगतान के लिए समय देना या शशमत करना,

(ज) एक्सचेंज द्वारा या के विशेष किसी दावे या माओं को विवाचित करना और पंचाट का पालन नथा निष्पादन करना,

(झ) एक्सचेंज द्वारा या के विशेष किसी दावे या माओं को विवाचित करना और पंचाट का पालन नथा निष्पादन करना,

(झ) एक्सचेंज द्वारा या के विशेष किसी दावे या माओं को विशेष जनिक विवाचित करना और किसी संविधान विवेचित करना तथा परिवर्तित करना और निष्पादित करना तथा ऐसे सभी कृत्य, कार्य तथा चीजें करना जो वह एक्सचेंज के प्रयोजनाद्य उपयुक्त किसी मामले के लिए या के संबंध में या अन्यथा आवश्यक समझे,

(झ) अधिनियम की घास 293 के अधीन सदस्यों की साधारण वैष्णव में संकात द्वारा मंजूरी से किसी पुण्याद्य या भारी जनिक उद्देश्य और किसी संस्था, सीमायटी या कलब्र, जो एक्सचेंज या उसके कर्मचारीयों के लाभार्थ हों या उस कर्मचारी या स्थान से जुड़ा हों जहां एक्सचेंज का कारोबार हो रहा है, की स्थापना करना, अनुरक्षण करना, समर्थन करना और

सहायता करना तथा किसी सदस्य या सदस्यों को या किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को इन्होंने एकसचेज में काम किया है या ऐसे सदस्य या सदस्यों व्यक्ति या व्यक्तियों की पत्तियों, बच्चों सहा आश्रितों को, जैसा भी एकसचेज को न्यायिक गत तथा उचित लगे, ऐसा उपदान या पुण्यार्थ सहायता देना, चाहे ऐसा कोई व्यक्ति, उसकी विधवा, बच्चे या आश्रित एकसचेज पर कोई कानूनी द्वारा रखते हों या न रखते हों,

- (अ) ऐसी किसी निधि को कर्मचारियों या अन्य लोगों तथा एकसचेज के अधिदानों के भुगतान के समय तथा ढंग और उक्त निधि के लाभ के उपचय, नियोजन, निलंबन तथा जब्ती और उसके प्रयोग तथा निपटान के संबंध में तथा उक्त निधि की कार्यप्रणाली तथा प्रबंध के संबंध में जैसा भी परिषद समय-समय पर उचित समझे, नियम तथा विनियम बनाना तथा परिवर्तन करना,
- (ब) किसी मामले के लिए विशेष रूप में या स्थायी काउंसेल के रूप में किसी बकील या अटर्नी की नियुक्ति करना तथा ऐसा पारिश्रमिक प्रवा करना जो वह उचित समझे,
- (च) प्रतिभूति संदिग्दा (विनियम) अधिनियम, 1956 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अधीन और किसी सांविधिक विनियमन या उसके अधीन नियमों के प्रावधानों के अधीन, एकसचेज के कारोबार के संचालन, उपके अधिकारियों तथा कर्मचारियों और एकसचेज के सदस्यों के बीच संबंध के लिए उप नियमों तथा विनियमों को समय-समय पर परिवर्तित करना तथा निरसित करना और सदस्यों द्वारा प्रावर्ती अधिदान, प्रवेश गत्तक और इसी प्रकार के अंशदान के भुगतान के लिए नियम, उप नियम और विनियम बनाना, परिवर्तित करना तथा विरचित करना,
- (द) सदस्यों की वित्तीय स्थिति, बहियों, कारोबारी आचरण तथा लेन देनों की जांच पड़ताल करना,
- (ए) एकसचेज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों तथा प्रधानों के अधीन प्रतिभूतियों में किए गए किसी सौदे के संबंध में परस्पर सदस्यों के बीच तथा सदस्यों तथा व्यक्तियों जो सदस्य नहीं हैं, के बीच उत्पन्न विवादों, शिकायतों, वाकों का-निपटान करना, समय समय पर लागू एकसचेज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अनुसार विवाचन द्वारा निपटान सहित।

119. अधिनियम की धारा 292 के अधीन परिषद या उसकी कोई समिति कारोबार कर सकती है तथा परिचालन में संकल्प पारित कर सकती है जबते कि ऐसे किसी संकल्प को परिचालन

में समिति द्वारा या उसकी किसी समिति द्वारा सब तक विधिवत् परित नहीं माना जाएगा जब तक संकल्प उस समय भारत में परिषद के सभी सदस्यों को या समिति के सभी सदस्यों को (परिषद् या समिति, जैसा भी मामला हो, की बैठक के लिए नियत कोरम से कम संख्या न हो) और अन्य सभी सदस्यों को भारत में उनके सामान्य पते पर आवश्यक कागजात, यदि कुछ है, के साथ परिषालित न किया गया हो और परिषद या समिति के ऐसे सदस्यों द्वारा जो उस समय भारत में हों तथा उन्हें ऐसे बहुमत द्वारा, जो संकल्प पर बोट देने के लिए पात्र है, जनुमोदित न किया गया हो।

120. (क) यदि कोई सदस्य सदस्यता के लिए विहित प्रतिभूति मानदण्ड को पूरा करने में किसी समय असफल रहता है या प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 या नियम द्वारा उस संबंध में विहित किसी आवश्यकता का अतिलंबन करता है तो वह एकसचेज का सदस्य बना नहीं रह पाएगा।

(ख) जहाँ कोई सदस्य इसके खण्ड (क) के प्रावधानों के अधीन सदस्य नहीं रह जाता है तो ऐसा माना जाएगा कि मानो ऐसे सदस्य को परिषद द्वारा बर्बाद किया गया है और ऐसी स्थिति में इन अनुच्छेदों और उप-नियमों तथा विनियमों में निहित बर्बादगी से संबंधित आदान प्रभाने पहुँचों में ऐसे सदस्य पर लागू होंगे।

121. परिषद बहुमत द्वारा या परिषद के उपस्थिति सदस्यों के काग से कम दो-तिहाई सदस्यों, न्यूनतम छह बोटों के अधीन, अंश को एक में पूरी किया, द्वारा पारित संकल्प द्वारा किसी सदस्य को निन्नलिखित मामले में उसकी सदस्यता से बर्बाद कर सकती है :

(क) जहाँ कोई सदस्य एकसचेज द्वारा आपोजित या इन विलेखों के प्रावधानों के अधीन या इन विलेखों के अधीन प्रवत्त किसी अधिकार के अधीन बनाए गए नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन आयोजित विवाचन कार्यवाही में दिए गए किसी पंचाट को ऐसा पंचाट देने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर या ऐसी अवधि के भीतर, जो परिषद प्रभावित पार्टी के लिखित आवेदन पर विस्तारित करे, पूरा करने में असफल रहता है या असफल है।

(ख) जहाँ सदस्य ने विवाचन को ऐसा बाद प्रस्तुत करने से इंकार कर दिया है जो इन विलेखों के प्रावधानों द्वारा विवाचन को प्रस्तुत करना अपेक्षित है और सदस्य इन विलेखों के प्रावधानों के उल्लंघन में कोई बाद या कानूनी कार्यवाही संस्थित करता है।

122. जहाँ अनुच्छेद 19 या किसी नियम, उप-नियम या विनियम के अधीन एकसचेज के पास किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत प्रतिभूति जमा को किसी आपकर प्राधिकारी, राजस्व अधिकारी की ओर से किसी न्यायालय के आदेश द्वारा या तरसमय लागू किसी विधि के अधीन किसी प्राधिकारी या सरकारी अधिकारी के आदेश द्वारा कुर्के किया गया है और यदि सदस्य, जिसकी जमा को इस तरह से कुर्के बा भारप्रस्त किया गया है, एकसचेज पर ऐसे

कुर्की आदेश के तामील को सदस्य को सूचना देते हुए और उससे ऐसे कुर्की आदेश को निरस्त या रद्द करवाने की मांग करते हुए एक्सचेंज द्वारा गोटिस की तारीख से सात दिनों के भीतर ऐसे कुर्की आदेश को निरस्त या रद्द कराने में असफल रहता है, तो परिषद उक्त सदस्य को निलंबित कर देगी बशर्ते कि यदि कोई सदस्य जिसकी जमा उपर्युक्त रूप में कुर्की की गई है, कुर्की की गई राणी के समतुल्य राणी या इस प्रकार कुर्की की गई प्रतिभूति जमा की राणी सात दिनों की उक्त अवधि के भीतर एक्सचेंज को अदा करता है तो परिषद इस खण्ड के अधीन उसे निलंबित करने के अपने अधिकारों का तब तक प्रयोग नहीं करेगी जब तक इस प्रकार प्रस्तुत उक्त अनियन्त्रित जमा किसी कुर्की से मुक्त न हो। इस खण्ड के प्रावधान मूल प्रतिशूलि जमा की तरह ही उक्त अतिरिक्त जमा के विरुद्ध किभी कुर्की पर लागू होंगे।

123. (क) परिषद, प्रतिभूति मंविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 और समय-समय पर उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्राविधानों के अधीन, यह परिभाषित करने के लिए उपर्युक्त तथा विनियम बना सकती है कि कौन-से कुर्की या लोप उसे कर्ता वाले सदस्य को चूकता बनाते हैं या कौन से कुर्की या लोप उसे बखास्तीया, निलंबन, जुर्माने या सदस्यता के अधिकारों तथा विशेषाधिकारों के प्रत्याहार या निलंबन तथा अन्य परिणामों के लिए दायी बनाते हैं।

(ख) यदि कोई व्यक्ति उक्त उप-नियमों और विनियमों द्वारा इस प्रकार परिभाषित अर्थ के भीतर चूकता हो जाता है तो परिषद उसे चूकता घोषित करेगी और उसके बाद उक्त उप-नियमों और विनियमों द्वारा उपर्युक्त रूप में उससे उत्पन्न सभी परिणाम तथा शास्त्रियां अनुसरण करेंगी तथा प्रदान की जाएंगी।

(ग) यदि कोई सदस्य ऐसे आचरण या कुर्की या लोप का दोषी है जो उस संबंध में बनाए गए उक्त उप-नियमों और विनियमों के अधीन उसे निलंबन, बखास्तीया या अन्य परिणामों के लिए दायी बनाता है तो परिषद ऐसे सदस्य को निलंबित या बखास्त कर सकती है या उस पर अन्य परिणाम लगा सकती है जो परिषद उचित समझे।

(घ) उक्त अधिकारों का प्रयोग करने में परिषद उपर्युक्त उप-नियमों तथा विनियमों में उस संबंध में क्रमशः निर्दिष्ट प्रक्रियाओं का पालन तथा अनुसरण करेगी।

124. यदि कोई सदरथ एक्सचेंज के किसी नियम, उप-नियम या विनियम के अधीन एक्सचेंज या परिषद या अध्यक्ष या कार्यपालक निदेशन या उस संबंध में प्राविधिक एक्सचेंज की किसी संवित या अधिकारी के अधीन कारोबार के किरी संचालन, कार्यवाही या ढंग के, जिन्हें परिषद समय-समय पर लागू उप-नियमों तथा विनियमों के अनुसार एक्सचेंज के लिए अपमानजनक अपदीतिकर, तथा अशोभनीय या ध्यापार के न्यायसंगत सिद्धांतों से अवंगत या एक्सचेंज के हितों, सुनाम या कल्पाण के लिए अहितकर या उसके उद्देश्यों तथा लक्षणों पर प्रतिकल प्रभाव डालते वाला

या का ध्वंसक समझती है, उस्तु उन, अप्राप्त, अवज्ञा, अवमनना या वंचन का दोषी है तो परिषद ऐसे सदस्य को बखास्त या निलंबित तथा/या परिनिर्दित कर सकती है तथा या चेतावनी दे सकती है तथा या उसका कोई मदस्यता अधिकार वापस ले सकती है।

बशर्ते कि परिषद, जब वह किसी सदस्य को ऐसे आचरण या कुर्कीयों का दोषी पाती है जो परिषद को उसे बखास्त करने का अधिकार देती है, अपने विवेकानुसार, उसे बखास्त करने के बजाय उसे सदस्यता के सभी या किसी अधिकार या विशेषाधिकार से ऐसी अवधि, जो परिषद उचित समझे, के लिए या तब तक निलंबित कर सकती है जब तक सदस्य ने उस संबंध में परिषद द्वारा अधिरोपित किसी विधिसंगत गति को पूरा न किया हो।

125. (क) सदस्य को बखास्त या निलंबित करने के लिए परिषद का संकल्प तब तक पारित नहीं माना जाएगा अथवा मत नहीं पड़ा माना जाएगा जब तक कि सदस्य को उसके अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों के बारे में स्पष्टीकरण देने का एक अवसर प्रदान नहीं किया जाता। ऐसा सदस्य ऐसी बैठक में उपस्थित हो सकता है या दूसरे सदस्य के माध्यम से अपना पक्ष निरूपित कर सकता है अथवा अपना पक्ष बैठक के अध्यक्ष के समक्ष लिखित रूप में प्रस्तुत करेगा या ऐसी बैठक के समक्ष रखा जाएगा।

(ख) सदस्य को बखास्त या निलंबित करने के लिए परिषद का ऐसा कोई संकल्प अंश को एक में पुण्यकृत करते हुए न्यूनतम छह मर्मों के अधीन परिषद के उपस्थित सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई बहुमत द्वारा पारित किया जाएगा।

126. परिषद ऐसे किसी कुर्की या लोप के लिए किसी सटस्य या उसके अटर्नी, एजेंट, प्राधिकृत सहायक या प्राधिकृत लिपिक या कर्मचारी को बखास्त या निलंबित कर सकती है तथा या जुर्माना लगा सकती है तथा या परिनिर्दित कर सकती है तथा या चेतावनी दे सकती है जो यदि सदस्य द्वारा किया जाता है या करने से छोड़ दिया जाता है तो उस एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों में उपर्युक्त रूप से किसी शास्त्र के अधीन करेगा तो ऐसा सदस्य उसके लिए उसी सीमा तक उसी दंड के लिए दायी होगा मानो ऐसा कुर्की या लोप उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप में किया गया है या करने से छोड़ दिया गया है।

127. सदस्य अपने साझेदारी कर्म के तथा अपने साझेदारों, अटर्नी, एजेंट, प्राधिकृत सहायकों, प्राधिकृत लिपिकों तथा कर्मचारियों के कुर्की और लोपों के लिए पूर्णतः उत्तरवाही होगा और यदि परिषद ऐसे किसी कुर्की या लोप को यह मानती है कि यदि सदस्य द्वारा उसे किया जाता है या करने से छोड़ दिया जाता है तो वह उस एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों में उपर्युक्त रूप से किसी शास्त्र के अधीन करेगा तो ऐसा सदस्य उसके लिए उसी सीमा तक उसी दंड के लिए दायी होगा मानो ऐसा कुर्की या लोप उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप में किया गया है या करने से छोड़ दिया गया है।

128. सदस्य परिषद या अध्यक्ष या कार्यपालक निवेशक के संभक्ष या उस संबंध में प्राधिकृत एक्सचेंज की किसी समिति या अधिकारी, के समक्ष उपस्थित होगा और साक्ष्य देगा।

और अपने सामेदारों अटार्नीयों, एजेंटों, प्राधिकृत सहायकों, प्राधिकृत विधिकों तथा कर्मचारियों को उनके समक्ष उपस्थित करवाएगा तथा नाइप दिलवाएगा और परिषद या श्रद्धालु के समक्ष उत्तर संबंध में प्राधिकृत एक्सचेंज की किसी समिति या अधिकारी के समक्ष ऐसी बहिर्यां, पत्राचार, वस्तावेज, कार्गजात और अभिलेख या उसका कोई भाग प्रस्तुत करेगा या करवाएगा जो उनके या उनके कब्जे में हों तथा जो जांच-प्रश्नाल के अधीन किसी मामले में संगत या के लिए तारिक्क समझे जाएँ या जो परिषद व्यापार के न्यायसंगत हितों में या जनहित में तथा एक्सचेंज तथा उसके स्वयंयों के कल्याण में स्वविकेन्द्रियानुसार आवश्यक समझें।

129(क) परिषद स्वविकेन्द्रियानुसार अनुच्छेद 120

(ख) में सम्मिलित किए गए मामलों को छोड़कर बखर्स्टगी की शास्ति के स्थान पर सदस्य को किसी मामले में निलंबित कर सकती है या निलंबन या बखर्स्टगी की शास्ति के स्थान पर सभी या किसी सदस्य प्रधिकार को वापस ले सकती है या जुमाना लगा सकती है या तथा निवेश के सकती है कि क्षेत्री सदस्य की पर्निदा की जाए या उसे चेतावनी की जाए या ऐसी किसी शास्ति को ऐसी शर्तें पर, जो वह उचित तथा न्यायसंगत अमझे, कम कर सकती है या उससे छूट दे सकती है।

(ख) परिषद अपने खुद के प्रस्ताव पर या संघर्षित सदस्य द्वारा अपील पर पुनर्विचार कर सकती है और सदस्य के सभी या किसी सदस्यता अधिकार को वापस लेने, सदस्य पर जुमाना लगाने, उसकी पर्निदा करने या उसे चेतावनी देने के अपने किसी संकल्प को विखंडित-प्रतिसंहृत या संशोधित कर सकती है। इसी प्रकार से, परिषद किसी सदस्य को बखर्स्ट या निलंबित करते हुए अपने संकल्प को विखंडित-प्रतिसंहृत या संशोधित कर सकती है।

(ग) अंशते इसके खण्ड (क) और (ख) के अधीन परिषद का ऐसा कोई विकल्प अंश को एक में पुण्यकित करने हुए न्यूनतम छह महीने के अधीन परिषद के उपस्थित सदस्यों के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा पारित किया जाएगा।

(घ) अंशते कि जैसे उपर्युक्त रूप में कोई निलंबन या अन्य शास्ति प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 या उसके अधीन संचय नियमों द्वारा सरकार या अन्य प्राधिकारों को प्रदान किए गए प्राधिकारों के प्रयोग में उनके द्वारा जारी निवेशों के अनुसार लगाई जाती है तो परिषद संघर्षित प्राधिकारियों के पूर्व अनुमोदन के बिना उन्हें विखंडित करने प्रतिसंहृत या संशोधित करने के अधिकार का प्रयोग नहीं करेगी।

130. यदि कोई सदस्य एक्सचेंज द्वारा उस पर लिखित नोटिस तामील करने के बाद भी वह विनों के भीतर अधिरोपित जुमानी या शास्ति का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे तब तक के लिए परिषद द्वारा निलंबित किया जा सकता है जब तक वह भुगतान नहीं करता है और यदि तीस दिनों की अविरक्त प्रवधि के भीतर वह ऐसा भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे परिषद द्वारा व्यवस्थित किया जा सकता है।

131. सदस्य के निलंबन के निम्नलिखित परिणाम होंगे, अर्थात् :

- (क) निलंबित सदस्य अपने निलंबन अवधि के द्वारा एक्सचेंज की किसी बैठक में भाग लेने और मत देने के अधिकार सहित सदस्यता के सभी प्रधिकारों तथा विशेषाधिकारों से बंचित तथा अपवृत्त रहेगा। लेकिन परिषद उसके निलंबन के पूर्व या के बाद उसके द्वारा किए गए किसी अपराध के लिए उसके विषद्ध कार्रवाई कर सकती है और परिषद द्वारा सदस्यों द्वारा उसके विषद्ध किए गए किसी दावे का संज्ञान रखने तथा न्याय निर्णय दर्तने या संव्यवहार करने से बंचित नहीं रहेगी।
- (ख) निलंबन ऐसे सदस्यों के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा जो निलंबित सदस्य के लेनदार हैं।
- (ग) निलंबित सदस्य अपने निलंबन के समय व्यापार संविदाओं को पूरा करने के लिए प्रावृद्ध होंगा।
- (घ) निलंबित सदस्य अपनी निलंबन अवधि के द्वारा एक्सचेंज के रिंग में कोई सौदा नहीं करेगा या किसी सदस्य के साथ या के माध्यम से कोई कारोबार नहीं करेगा बशर्ते कि वह परिषद की अनुमति से अपने निलंबन के समय व्यापार लेनदेनीं को सदस्य के साथ या के माध्यम से पूरा कर सकता है।
- (ङ) कोई भी सदस्य परिषद की पूर्व अनुमति से बशर्ता स्थिति को पूरा करने या चुकाने के प्रयोजनात्मक ढोड़ कर निलंबित सदस्य के निलंबन अवधि के द्वारा उसके लिए या उसके साथ कोई कारोबार नहीं करेगा या उसके साथ बलाली नहीं ढाटेगा।

132. सदस्य की बखर्स्टगी के निम्नलिखित परिणाम होंगे, अर्थात् :—

- (क) बखर्स्ट सदस्य एक्सचेंज की किसी संपत्ति या निधि का प्रयोग करने या पर किसी दावे या में किसी हित के किसी अधिकार सहित एक्सचेंज के सदस्य के रूप में अपने सभी प्रधिकारों तथा विशेषाधिकारों और अपने सदस्यता अधिकारों को एक्सचेंज को समप्रहृत कर देगा।

(ख) नामांकन का प्रधिकार एकसचेज के पास नहिं होगा और बर्खास्त सदस्य द्वारा उसका प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(ग) बर्खास्तगी बर्खास्त सदस्य द्वारा धारित किसी पद या ओहडे में रिक्ति उत्पन्न करेगी।

(घ) बर्खास्तगी ऐसे सदस्यों के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगी जो बर्खास्त सदस्य के लेनदार हैं।

(इ) बर्खास्त सदस्य अपनी बर्खास्तगी के समय बकाया लेन-देनों को पूरा करने के लिए आबद्ध होगा और वह परिषद की अनुमति से किसी सदस्य के साथ या के माध्यम से ऐसे बकाया लेन-देनों को पूरा कर सकता है।

(च) कोई भी सदस्य एकसचेज की पूर्व अनुमति को छोड़कर बर्खास्त सदस्य के लिए या के साथ कारोबार नहीं करेगा या इकाली नहीं बढ़िएगा।

133. (क) परिषद या अध्यक्ष या कार्यपालक निदेशक किसी सदस्य से ऐसी कोई अतिरिक्त प्रतिभूति जमा प्रदा करने की अपेक्षा करेंगे जो एकसचेज की किसी नियम, उप-नियम या विनियम के अधीन या अन्य रूप में उससे अपेक्षित हो और किसी सदस्य से उस समय अपना कारोबार निलंबित करने की अपेक्षा करेंगे जब वह इन नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों में यथा विहित अतिरिक्त प्रतिभूति जमा बनाए रखने या प्रदा करने में असफल रहता है और निलंबन तब तक जारी रहेगा जब वह प्रतिभूति जमा के रूप में आवश्यक रूप अवासीन नहीं करता है।

(ख) यदि कोई सदस्य जिससे उप खण्ड (क) के अधीन अपने कारोबार को निलंबित करने की अपेक्षा की गई है, वह स नियम के प्रावधानों के उल्लंघन में कार्य करता है तो परिषद ऐसे सदस्य को बर्खास्त कर देती।

134. सदस्य की बर्खास्तगी या निलंबन का नोटिस या सदस्य द्वारा कारोबार के निलंबन का नोटिस या उसके ऊपर या उसके साझेदारों, अटिनियो एजेंटों, प्राधिकृत सहायकों, प्रधिकृत लिपियों या अन्य कर्मचारियों पर लगाई गई किसी अन्य भास्त का नोटिस एकसचेज के सूचनापट पर लगाकर संबंधित सदस्य को और सामान्य रूप में सदस्यों को सूचना दी जाएगी। परिषद अपने पूर्ण विवेक में तथा ऐसे ठंग में जो वह उचित समझे, एकसचेज के सदस्यों को या जनता को आधिसूचित कर सकती है या आधिसूचित करवा सकती है कि ऐसी आधिसूचना में नामते व्यक्ति को बर्खास्त या निलंबित या दंडित या चूककर्ता घोषित किया गया है या उसने अपना कारोबार निलंबित कर दिया है या वह सदस्य नहीं रह गया है। ऐसी आधिसूचना के प्रकाशन या परिचालन के लिए परिषद या परिषद के किसी सदस्य या कार्यपालक निदेशक या एकसचेज किसी अधिकारी या कर्मचारी के विस्तृत कोई कार्रवाई या कार्यवाही नहीं की जा सकती है और संबंधित व्यक्ति द्वारा सदस्यता के लिए अवैदन या एक साझेदार नियत अटनी या प्राधिकृत सहायक या प्राधिकृत लिपियों के रूप में पंजीकरण हेतु प्रावेदन एक लाइसेंस के रूप में परिचालित होगा और यह नियम ऐसा

विज्ञापन या अधिसूचना छापने प्रकाशित करने या परिचालित करने के लिए इजाजत के रूप में प्रतित होगा तथा तदनुसार अधिवधनीय होगा।

सामान्य मुद्रा

135. परिषद एकसचेज के प्रयोजनार्थ एक सामान्य मुद्रा का प्रबंध करेगी और सामान्य मुद्रा की सुरक्षित अभिरक्षा का भी प्रबंध करेगी और सामान्य मुद्रा पहले से ही दिए गए परिषद के संकलन के प्राधिकार द्वारा तथा परिषद के कम से कम दो मदस्यों की उपस्थिति में ही प्रयोग की जाएगी जो ऐसे प्रत्येक लिखन पर हस्ताक्षर करेंगे जिन पर मुद्रा लगायी जाती है और ऐसे प्रत्येक लिखन सचिव या परिषद द्वारा नियुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रतिहस्ता-क्षरित किए जाएंगे।

लेखा

136. परिषद एकसचेज द्वारा प्राप्त तथा खर्च की गई धन-राशियों और उन मामलों का जिनके संबंध में ऐसी प्राप्तियाँ तथा ध्यय हुए ही प्राप्तियाँ जी की आस्तियों और तथा देवताओं का सही लेखा रखवाएगी।

137. लेखा बहियाँ एकसचेज के पंजीकृत कार्यालय में या ऐसे अन्य स्थानों में रखी जाएंगी जहां परिषद उचित समझे।

138. परिषद समय-समय पर निवारीत करेंगी कि क्या तथा किस सीमा तक, किस समय तथा स्थान पर तथा किन शासी और विनियमों के अधीन एकसचेज के सदस्यों (परिषद के सदस्य नहीं) के निरीक्षण के लिए खुला रहेगा और किसी भी सदस्य (परिषद का सदस्य नहीं) विविध द्वारा यथा प्रदत्त या साधारण बैठक में परिषद द्वारा या एकसचेज द्वारा प्राधिकृत के सिवाय एकसचेज के किसी भी लेखे या बही या दस्तावेज का निरीक्षण करने का प्रधिकार नहीं होगा।

139. (क) परिषद कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अनुसार लेखापरीकरणों की रिपोर्ट और परिषद की रिपोर्ट, के साथ एक तुलनात्मक और लाभ-हानि लेखा या आय-व्यय लेखा एकसचेज की वार्षिक साधारण बैठक के समक्ष प्रस्तुत करेंगी।

(ख) (1) एकमात्र या आय तथा सपाता जब भा प्राप्त हो जापन में यथा निर्दिष्ट उसके उद्देश्यों के संबंधन के लिए ही प्रयोग की जाएगी।

(2) उक्त आय या संपोति का कोई भी भाग व्यक्तियों को जो एकसचेज के सदस्य हों या किसी समय सदस्य रहे या उनमें से किसी एक या अधिक की या उनमें से किसी एक या अधिक के साधारण से दावा करने वाले किसी व्यक्ति को लाभांश, बोनस के रूप में या अन्यथा लाभ के रूप में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में ग्रदा या अन्तरित नहीं किया जाए।

(3) एकसचेंज ग्राहने किसी भी सदस्य को फुटकर खर्च उधार दिए गए धन पर यथोचित व्याज या एकसचेंज को किरण वरदिए गए परिसर पर यथोचित किरण को छोड़कर कोई पारिश्रमिक या अन्य धन लाभ या धन सम्पदा अदा नहीं करेगा।

(4) किसी भी संदर्भ को एकसचेंज के अधीन ऐसे किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा जो बेतन या शुल्क द्वारा या उपखंड (3) द्वारा अप्रस्थानित किसी अध्यष्ठान में पारिश्रमिक के अधीन हो।

(5) इन खण्ड में निहित कोई भी बात एकसचेंज को बस्तुतः प्रदत्त किसी सेवा के लिए प्रतिकल में अमने किसी अधिकारी या कर्मचारी को या किसी अन्य व्यक्ति (जो सदस्य न हो) को उपयुक्त पारिश्रमिक के सद्विष्टवास में एकसचेंज द्वारा भुगतान का निवारण नहीं करेगी।

लेखा परीक्षा

140. प्रत्येक वर्ष कम से कम एक बार एक या अधिक लेखा परीक्षकों द्वारा एकसचेंज के लेखों की जांच की जाएगी और साम-हानि लेखे या आय तथा अव लेखे और तुलनपत्र की परिषुद्धता प्रमाणित की जाएगी। लेखा परीक्षकों के बारे में कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधान लागू होते।

नोटिस

141. एकसचेंज किसी भी सदस्य को या जो व्यक्तिगत रूप में या उसके पंजीकृत पते पर ढाक ढाक नोटिस दे सकता है।

142. यदि नोटिस ढाक ढाक भेजा जाता है तो नोटिस का तामील नोटिस से युक्त पत्र को उचित रूप से संबोधित करके, पूर्ण भुगतान करके तथा ढाक में ढाल करके प्रभावी किया गया माना जाएगा और जब तक तप्तपत्रिकूल कोई बात सिद्ध नहीं होती है, उसे ऐसे समय पर प्रभावी किया गया माना जाएगा जिस समय पर पत्र ढाक के सामान्य अनुक्रम में वितरित किया जाएगा।

शतिष्ठी

143. कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अधीन परिषद के प्रत्येक सदस्य, लेखा परीक्षक कार्यपालक निदेशक, सचिव और एकसचेंज के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी एकसचेंज द्वारा क्षतिपूर्ति किए जाएंगे और परिषद का यह कर्तव्य होगा कि वह एकसचेंज की निधियों में से ऐसी सभी लागतों, हानियों तथा खर्चों, जो परिषद का कोई सदस्य, अधिकारी या कर्मचारी उपगत करे या परिषद के ऐसे सदस्य, अधिकारी या कर्मचारी द्वारा की गई किसी संविदा या उसके द्वारा किए गए किसी कृत्य या काम के कारण या यात्रा खर्च भाहित उसके कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी रूप से देय होते हैं, का भुगतान करे और जिस राशि के लिए क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है वह राशि एकसचेंज की संपत्ति पर एक लियन के रूप में तुरन्त शामिल की जाएगी और सदस्यों के बीच सभी दावों पर प्राथमिकता रखेगी।

144. कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अधीन परिषद का कोई भी सदस्य लेखा परीक्षक, कार्यपालक निदेशक या

एकसचेंज का अन्य अधिकारी परिषद के किसी अन्य सदस्य, कार्यपालक निदेशक या अधिकारी के कृत्यों, प्राप्तियों उपेक्षाओं या खर्च के लिए किसी प्रतिभूति जिसमें या जिस पर एकसचेंज का कोई धन निवेश किया गया हो, की अपर्याप्तता या कमी के माध्यम से एकसचेंज को होने वाली किसी हानि या खर्च के लिए या किसी व्यक्ति, जिसके पास कोई धन, प्रतिभूति या अल संपत्ति जमा की जाएगी, के विवालियेन या कुटिल कृत्य से उत्पन्न किसी हानि, नुकसान आदि के लिए या उसकी ओर से निर्णय में किसी त्रौटि, लोप, खर्च या अमावधानी से उत्पन्न किसी हानि के लिए या किसी अन्य हानि, नुकसान या दुर्भाग्य के लिए जो उसके अपने पद के कार्यों के निष्पादन के संबंध में या उसके संबंध में घटित हो जब तक वह उसकी खुद की वैद्यमानी से धारित न हो, वायी नहीं होती।

परिसमाप्त

145. एकसचेंज के समाप्त या विष्टटन या किसी अन्य स्टाक एकसचेंज, व्यापारिक या वाणिज्यिक निकाय में विलयन या समामेलन के मामले में, सभी देयताओं तथा समाप्त या विष्टटन या विलयन या समामेलन के खर्चों को पूरा करने के बाद एकसचेंज की नियम अधिशेष प्राप्तयां एकसचेंज के सदरथों को श्रदा या में वितरित नहीं की जाएगी बल्कि एकसचेंज के समान ही उद्देश्य रखने वाले किसी अन्य निकाय या संगठन या कंपनी को या जी०, वाणिज्य की उन्नति में मुख्यतः जनता के बाहर के लिए या किसी अन्य सार्वजनिक उपयोगिता की उन्नति तथा उद्योग, व्यापार तथा काम के संबंधन के लिए लाभकर उद्देश्यों के साथ गठित किसी निकाय को हस्तांतरित की जाएगी या सौंपी जाएगी।

क० हस्ताक्षरकर्ताओं के नाम, पद,

हस्ताक्षर

म० व्यवसाय तथा व्यौग

1 2

1. क० जी० बालकृष्णन

पुत्र गोविंदमानी

134, रेस कोर्स

कोयम्बतूर-641 018

(ह०/-) क० जी० बालकृष्णन

उद्योगपति

अध्यक्ष

भारतीय उद्योग तथा

वाणिज्य मण्डल,

कोयम्बतूर

2. डी० बालसुंदरम

पुत्र वी० दोराई स्वामी नायक

139, रेस कोर्स

कोयम्बतूर-641 018

(ह०/-) डी० बालसुंदरम

क्र०	हस्ताक्षरकर्ताओं के नाम, पते,	हस्ताक्षर
सं०	अधिकारीय तथा अधीकारी	
3.	एस० एन० वरदराजन पुत्र नरसिंहन 239, एलेंगेसन रोड, कोयम्बतूर-641 011	(ह०/-) एस० एन० वरदराजन उपाध्यक्ष भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मण्डल, कोयम्बतूर
4.	एन० शंकरम पुत्र नामरत्नम् अय्यर, 129, प्रोजेक्टी इंस्टीट, रामनगर कोयम्बतूर-641 018	(ह०/-) एम० शंकरम शेयर इलाल
5.	के० राजमणिकम पुत्र कृष्णासामी 76, एल० एम० एस० स्ट्रीट, पप्पानायकेनपालयम्, कोयम्बतूर-641 037	(ह०/-) के० राजमणिकम शेयर इलाल
6.	पी० वी० नाथन पुत्र परमेश्वरन, 241, एलेंगेसन रोड, कोयम्बतूर-641 011	(ह०/-) पी० वी० नाथन शेयर इलाल
7.	पी० कृष्णमूर्ति पुत्र पी० कुपुरुमैंका, 334-ए, थाडगाम रोड, जी० सी० टी० पोस्ट, कोयम्बतूर-641 013	(ह०/-) पी० कृष्णमूर्ति अधिकारीय सचिव भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मण्डल कोयम्बतूर
तारीख उन्नीस जुलाई, 1991, स्थान : कोयम्बतूर (ह०/-) पी० आर० विट्टेल पुत्र पी० एन० राधवेंद्र राय, सनदी लेखाकार, 33, देशबंधु स्ट्रीट, रामनगर, कोयम्बतूर-641 009		

कोयम्बतूर स्टॉक एक्सचेंज
के
उप-नियम
एक्सचेंज में लेन-देन
कारोबार-दिवस

1. स्टॉक एक्सचेंज परकार्य लिखित अधिनियम, 1881
वे अंतर्गत सर्वेजनिक छुट्टियों और प्रबंध परिषद द्वारा समय-
समय पर पहले ही से चोपित एक्सचेंज छुट्टियों को छोड़कर मध्यी
दिनों खुला रहेगा।

एक्सचेंज छुट्टियों को बदलना या रद्द करना

2. प्रबंध परिषद इन प्रावधानों के अनुसार नियत किसी
भी एक्सचेंज छुट्टी को बदल या रद्द कर सकती है।

बाजार बंद करना

3. प्रबंध परिषद छुट्टियों से भिन्न या के अतिरिक्त दिनों
को संकल्प द्वारा या अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से बाजार
बंद कर सकती है।

बाजार के केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना किसी भी समय
लगातार तीन दिनों से अधिक अवधि के लिए इस तरह से बाजार
बंद नहीं किया जाएगा।

बाजार के केन्द्र सरकार की अनुमति के बारे में सूचना इस तरह
में भेजी जाए कि वह सामान्य अनुक्रम में चौबीस घंटे के अंदर केन्द्र
सरकार के पास पहुंच जाती हो तो प्रबंध परिषद केन्द्र सरकार
की अनुमति के बिना तीन दिन से अधिक अवधि के लिए उपर्युक्त
रूप में लगातार बाजार ऐसे समय तक बंद कर सकती है जब तक
केन्द्र सरकार का निर्णय एक्सचेंज को सूचित नहीं किया जाता
है।

अध्यक्ष द्वारा बाजार बंद करना

4. अध्यक्ष किसी भी समय चौबीस घंटे के लिए बाजार
बंद कर सकता है।

एक्सचेंज के रिंग में ट्रेडिंग सेशन

5. लेन-देन प्रयोजनों के लिए सबस्थों की बैठकें, जिन्हें
ट्रेडिंग सेशन कहा जाएगा, संबंधित विनियम में नियत दिनों को
या घण्टों के बीचारा या ऐसे अन्य दिनों को या ऐसे अन्य घण्टों के
दौरान आयोजित की जाएंगी जो प्रबंध परिषद उसके अलावा
या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर नियत
करे।

ट्रेडिंग सेशन के समय में परिवर्तन

6. प्रबंध परिषद या अध्यक्ष किसी भी दिन एक्सचेंज में
किसी भी ट्रेडिंग सेशन (सेशनों) में कमी या वृद्धि या अन्यथा
परिवर्तन कर सकता है।

ओवर-द-काउंटर कारोबार

7. सदस्य इन प्रावधानों के अनुसार नियत ट्रेडिंग समाना के घंटों के पहले या बाद में ऑफ-द-फ्लोर (ओवर-द-काउंटर) सौदे कर सकते हैं।

नियत घंटों के परे ट्रेडिंग सेशन और सङ्क पर कारोबार की मनाही

8. ट्रेडिंग प्रयोजनों के लिए सहस्रों की बैठकें इन प्रावधानों के अनुसार नियत ट्रेडिंग सेशनों के घंटों के पहले या बाद में या तो सदन (हाउस) के रिंग में या से पृथक आयोजित नहीं की जाएंगी और सङ्क पर या स्टॉक एक्सचेंज के प्रवेश द्वार पर या के आम-पास किसी भी प्रकार का दाम लगाने या बोली लगाने या प्रस्ताव करने या ट्रेडिंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसे प्रवेश दिया जाएगा

9. सदस्य, मदन के रिंग में प्रवेश के लिए हक्कदार होगा। सदस्य द्वारा नियुक्त प्राधिकृत सहायक को भी प्रबंध परिषद की अनुमति से प्रवेश दिया जाएगा। जब तक प्रबंध परिषद अन्यथा अनुमति नहीं देती है, किसी अन्य व्यक्ति को एक्सचेंज के रिंग में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसे प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती है

10. ऐसे सदस्य, जिसने पूंजी पर्याप्तता मानदण्ड पूरा नहीं किया है या परिषद द्वारा अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है या अपने कारोबार की मात्रा पर परिषद द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का पालन नहीं किया है या जिसे निलंबित या निष्कासित किया गया है या चूककर्ता घोषित किया गया है और उसके भागीदारों, प्राधिकृत सहायकों, रिमीसीरों को एक्सचेंज के रिंग में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शांगतुक

11. किसी आंगतुक को अध्यक्ष या एक्सचेंज के अधिकारी की अनुमति से सदन के रिंग में जाने की अनुमति दी जाएगी।

सदन के रिंग में प्रवेश

12. किसी भी व्यक्ति को सदन के रिंग में प्रवेश की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक वह संबंधित विनियम में नियत आवश्यकताओं या ऐसी अन्य आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है जो प्रबंध परिषद उसके अनिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में ममग-समय पर नियत करें।

अच्छे व्यवहार के दौरान प्रवेश

13. किसी सदस्य को अच्छे व्यवहार के दौरान ही एक्सचेंज के रिंग में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी और वह सदन के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों का पालन करने के लिए बाध्य होगा। सदन किसी भी व्यक्ति को स्विवेकानुसार सदन में प्रवेश की अनुमति देने से इकार कर सकता है और कोई कारण बताए बिना ऐसे किसी व्यक्ति के प्रवेश के अधिकार की किसी भी समय नियंत्रित या समाप्त कर सकता है।

एक्सचेंज के रिंग में प्रबंध

14. सदन के रिंग में प्रबंध और उसमें प्रवेश के विनियम सचिव के प्राधिकार के अधीन कार्यरत सदन के कर्मचारियों के प्रभार में होंगे।

ट्रेडिंग इकाई

15. हरेक प्रतिभूति में ट्रेडिंग इकाई ऐसी संस्था या ऐसी राशि के लिए होगी जो प्रबंध परिषद समय-समय पर निर्दिष्ट करे और जब तक ऐसा निर्दिष्ट नहीं किया जाता है, ट्रेडिंग इकाई संबंधित विनियम में नियत लाठों में या ऐसे अन्य लाठों में होगी जो प्रबंध परिषद उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर नियत करे।

विषम लॉट

16. जब तक सौदा करते समय विषम लॉट नियत न हो तब तक सभी सौदे ट्रेडिंग इकाई के गुणजों में होंगे।

कोटेशन

17. सदन में संघवाहार की जाने वाली प्रतिभूतियों के मूल्य प्रतिदिन एकत्र किए जाएंगे और सचिव के प्राधिकार के अधीन अभिलिखित किए जाएंगे। किसी भी सौदे के लिए किसी कोटेशन की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक वह मियमित अनुक्रम में न किया गया हो और प्रतिभूति की विक्रेय मात्रा में कारोबार उस वरपर वास्तविक क्रय और विक्रा द्वारा या प्रतिभूति की विक्रेय मात्रा बेचने के प्रस्ताव या खरीदने की बोली द्वारा न किया गया हो। विशेष या विषम लॉट के कोटेशनों को इस तरह से अंकित किया जाएगा।

विषणन कब निकाला जा सकता है

18. अंकित किए गए मूल्य को प्रबंध परिषद या अड्यक्ष के अधिकार के सिवाय निकाला नहीं जा सकता है जो सौदा करने वाले सहस्रों का नाम मांगने और आवश्यक जाँच करने के बाद ऐसे कोटेशन को वापस ले सकता है जिसे प्रतिभूति के बाजार मूल्य से असंगत माना जाता है या वास्तविक सौदे का परिणाम नहीं माना जाता है।

दैनिक सरकारी सूची

19. मूल्यों की दैनिक सरकारी सूची एक्सचेंज द्वारा जारी की जाएगी।

प्रतिभूतियों में लेन-देन

अनुमति लेन-देन

20. इन उप-नियमों और विनियमों में उपबंधित रूप में एक्सचेंज में प्रतिभूतियों में लेन-देन की अनुमति दी जाएगी।

प्रबंध परिषद लेन-देन निषिद्ध कर सकती है

21. प्रबंध परिषद किसी भी कारण से किसी भी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में लेन-देन निषिद्ध कर सकती है।

घराते कि पूंजी की प्रस्तावित बूढ़ि या कमी अथवा मांग या अन्य घनराशि के भुगतान अथवा प्रतिभूतियों के परिवर्तन या उप-विभाजन या समेकन अथवा संबंधित कंपनी के पुनर्गठन अथवा

ऐसी या इसी प्रकार की अन्य परिस्थितियों के मामलों को छोड़कर लेन-देन केंद्र सरकार के अनुमोदन के पिकाप किसी भी समय लगातार तीन दिन से अधिक के लिए इस प्रकार निषिद्ध नहीं किया जाएगा। बायते पुनः कि जब लेन-देन के निषेध के बारे में सूचना इस तरह से सूचित की जाती है कि केंद्र सरकार के पास सामान्य अनुमति में चौबीस घण्टे के अंदर फूच जाती हो तो प्रबंध परिषद केंद्र सरकार की अनुमति के लिए लगातार तीन दिन से अधिक अवधि के लिए उपर्युक्त रूप में ऐसे समय तक लेन-देन निषिद्ध कर सकती है। जब तक केंद्र सरकार का निर्णय एक्सचेंज को सूचित नहीं किया जाता है।

सरकारी प्रतिभूतियाँ

22. (क) सरकारी प्रतिभूतियों में लेन-देन की अनुमति है जिसका इन उप-नियमों और विनियमों के प्रयोगनार्थ भारत सरकार, राज्य सरकारों, पत्तन न्यासों, नगरपालिकाओं और इसी प्रकार के अन्य निकायों द्वारा जारी प्रतिभूतियाँ हैं।

सरकारी प्रतिभूतियों को जारी करने की तारीख से लेन-देन के लिए अनुमति माना जाएगा।

(ख) सरकारी प्रतिभूतियों को उनके जारी करने की तारीख से एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत माना जाएगा।

एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत प्रतिभूतियाँ (सरकारी प्रतिभूतियों से भिन्न)

23. ऐसी प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों से भिन्न) में लेन-देन की अनुमति है जिन्हें इन उप-नियमों और विनियमों में नियत आवधानों के अनुसार प्रबंध परिषद द्वारा एक्सचेंज में लेन-देन के लिए समय-पर स्वीकृत किया जाता है।

अनंतिम दसवारेजों में लेन-देन

24. प्रबंध परिषद स्वविवेकानुसार और एक्सचेंज में लेन-देन के लिए अनुमति देने के पूर्व अन्तिम दसवारेजों में लेन-देन की अनुमति दे सकता है जिसका इन उप-नियमों और विनियमों के प्रयोगनार्थ ऐसी कानी द्वारा जारी या जारी किए जाने वाले कूपन, अंशीय प्रमाणपत्र, परिष्कार पत्र या हस्तांतरणीय आवंटन पत्र, रक्षीकृत या आवेदन या विकल्प या प्रतिभूतियों में अन्य अधिकार या हित या इसी प्रकार के अन्य दसवारेज हैं जिनकी प्रतिभूतियों लेन-देन के लिए स्वीकृत हैं या जिनकी प्रतिभूतियों में एक्सचेंज में लेन-देन स्वीकृत है।

अन्य स्टाक एक्सचेंजों में लेन-देन की जाने वाली प्रतिभूतियों में लेन-देन

25. प्रबंध परिषद स्वविवेकानुसार और ऐसी जर्ती के अधीन जो वह उचित समझे, अन्य स्टाक एक्सचेंजों में लेन-देन के लिए स्वीकृत या ऐसे अन्य स्टाक एक्सचेंजों में नियमित रूप से लेन-देन की जाने वाली किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में लेन-देन की अनुमति दे सकती है।

विशिष्ट सौदे

26. प्रबंध परिषद एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत न की गई सार्वजनिक कागियों या कपनी निकायों की प्रतिभूतियों के मामले में विशिष्ट सौदे करने की अनुमति दे सकती है।

नए नियमों या विशी प्रस्तावों के संबंध में आवेदन

27. किसी विशिष्ट मामले में प्रबंध परिषद द्वारा अन्यथा अनुमति को छोड़कर और उसके द्वारा लगाई जाने वाली शर्तों के अधीन, किसी नए नियम प्रथवा किसी प्रतिभूति के बिक्री हेतु प्रस्ताव के संबंध में अभिवान या क्रय हेतु निविदाएं या आवेदन सदस्यों द्वारा या के माध्यम से तर तक प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे यदि तक निर्मकर्ता या प्रस्तावक अथवा ऐसे निर्मकर्ता या प्रस्तावक द्वारा लगाए गए हामीदार या दलाल अभिवान या क्रय के लिए सभी यो उचित तथा समान अवसर प्रदान नहीं करते हैं और एक्सचेंज के सभी सदस्यों को एक ही दर से दलाली नहीं देते हैं और तब तक यह प्रावधान नहीं किया जाता है कि अभिवान या क्रय हेतु सभी निविदाएं और आवेदन आवटन या बिक्री के लिए एक समान रूप से होंगे जाहे वे दलाली या रमीशन के अधीन होंगे था न हों।

हामीदारी, विनियोजन और प्रारंभिक व्यवस्था

(क) ऐसी विशिष्ट मामले में प्रबंध परिषद द्वारा अन्यथा अनुमति को छोड़कर और उसके द्वारा लगाई जाने वाली शर्तों के अधीन कोई सदस्य न तो हामीदारी संविदा करेगा और न ही वह अभिवान करने या खरीदने के लिए या प्रधान करने के लिए प्रधान या एजेंट के रूप में संविदा करेगा जाहे बाजार के माध्यम से या अन्यथा अभिवानात्मक या क्रेताओं के माध्यम से और न ही वह पांच लाख रुपये से अधिक अंकित मूल्य की किसी प्रतिभूति के नियम के संबंध में दलाल या हामीदार के रूप में तब तक कार्य करेगा या कार्य करने के लिए सहमत होगा यदि तक निर्मकर्ता इन उप-नियमों और विनियमों में नियत सुनीवदता आवश्यकताओं के अनुसार नहीं चलता है या के प्रनुसार चलते के लिए महत्व नहीं होता है और एक्सचेंज में लेन-देन के लिए ऐसी प्रतिभूति की स्वीकृति हेतु आवेदन करने का बचन नहीं देता है।

लेन-देन से भिन्न विनियोजन (एसेसिंग)

(ख) उप खाड़ (क) में यथा उपबंधित रूप में किसी प्रतिभूति के लिए अभिवान करने या खरीदने या जाहे बाजार या अन्यथा अभिवानात्मक या क्रेता के माध्यम से अधिप्राप्त करने के लिए या तो प्रधान या एजेंट के रूप में की गई व्यवस्था को “लेन-देन” से पृथक रूप में “विनियोजन” माना

जाएगा जो इस प्रावधान के प्रयोजनार्थ एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृति मिलने के बावजूद घोषित करगा है।

स्वीकृति के अधीन लेन-देन की अनुमति नहीं।

(ग) "लेन-देन की स्वीकृति के अधीन" लेन-देन अथवा लेन-देन के लिए व्यवस्था की अनुमति नहीं है।

विनियोजन का प्रकाशन न किया जाए।

(घ) इन उप-नियमों और विनियमों में यथा उप-बंधित रूप में प्रबंध परिषद या अध्यक्ष की अनुमति से किए गए विशिष्ट सत्रों को छोड़कर विनियोजित प्रतिभूतियों एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति मिलने के पूर्व किसी भी रूप में पूनः विनियोजित या प्रकाशित नहीं की जाएगी।

अन्तररपण

29. किसी प्रतिभूति या प्रतिमूलियों के संबंध में प्रबंध परिषद द्वारा लागू जाने वाले किसी नियम के अधीन ऐसी प्रतिभूति में अन्तररपण अनुमति है जिसमें लेन-देन की अनुमति है। इस प्रावधान के प्रयोजनार्थ "अन्तररपण" शब्द बाजारों के बीच मूल्य अस्तर का लाभ उठाने के उद्देश्य से एक बाजार में प्रतिमूलियों को खरीद या बेचकर दूसरे बाजार में ऐसे सौदे को उलटने-पलटने का कारोबार द्योतित करता है। यह कारोबार आकस्मिक नहीं होता है बल्कि उसमें निरंतरता का तत्व निहित होता है।

भारी लाभांश में लेन-देन शुम्य

30. भारी लाभांशों में लेन-देन की अनुमति नहीं है और भारी लाभांश के क्रय तथा विक्रय के लिए सभी संविधान शुम्य सानी-जाएंगी।

प्रतिमूलियों के विकल्प प्रवैध

31. प्रतिमूलियों के विकल्प की अनुमति नहीं है और ऐसे सभी लेन-देन प्रवैध हैं।

लेन-देन के लिए स्वीकृति हेतु आवेदन

32. एक्सचेंज में लेन-देन के लिए प्रतिमूलियों की स्वीकृति हेतु अधेदन संबंधित विनियम में नियत फाम में या ऐसे अन्य फार्म या फार्मों में, जो प्रबंध परिषद उसके प्रतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर नियन करे एक्सचेंज में किए जाएंगे।

लेन-देन के लिए स्वीकृति हेतु आवेदन का नोटिस

33. एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृति हेतु किसी आवेदन या नोटिस प्रबंध परिषद द्वारा उत्तर पर विचार करने से पूर्व एक संज्ञाहपूर्व सदस्यों की सूचना के लिए एक्सचेंज के सूचनाटट पर प्रशंसित किया जाएगा।

लेन-देन के लिए स्वीकृति की मान्यता या नामंजूरी।

34. प्रबंध परिषद एक्सचेंज में लेन-देन के लिए कंपनी की प्रतिभूतियों की स्वीकृति हेतु किसी आवेदन पर विचार करती ओर विविधकाग्र उत्तर ऐसी शर्तों के अधीन मान्यता या नामंजूर करेगी जो वह उक्त नियम वा उत्तराधिकार या नामंजूर कर सकती है।

सूचीबद्धता शर्तें और आवश्यकताएं

35. प्रबंध परिषद किसी कंपनी की प्रतिभूतियों को एक्सचेंज में लेन-देन करने की स्वीकृति तब तक नहीं दे सकती है जब तक वह संबंधित विनियम में नियत सूचीबद्धता शर्तों और आवश्यकताओं या ऐसी अन्य शर्तों और आवश्यकताओं का पालन नहीं करती है जो प्रबंध परिषद उपर्युक्त विनियम में सम्मिलित प्रतिभूति संविदा (विनियम) नियम, 1957 में नियत सूचीबद्धता आवश्यकताओं के अतिरिक्त उसके अतिरिक्त अथवा उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर नियन करे।

बाशतें कि किसी विशिष्ट मामले में प्रबंध परिषद प्रतिभूति संविदा (विनियम) नियम, 1957 में नियत सूचीबद्धता आवश्यकताओं को कड़ाई से लागू करने से उक्त नियमों में यथा उपर्युक्त सीमा तक संकल्प द्वारा छूट दे सकती है या अभिमुक्त कर सकती है और उपर्युक्त विनियम में नियन किसी या सभी अन्य सूचीबद्धता शर्तों और आवश्यकताओं को कड़ाई से लागू करने से संकल्प द्वारा छूट दे सकती है या अभिमुक्त कर सकती है।

भारत के बाहर पंजीकृत कंपनियां

36. (क) भारत के बाहर पंजीकृत निकाय कंपनी द्वारा जारी प्रतिमूलियों के एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति तब तक नहीं दी जा सकती है जब तक :

- (1) भारत में ऐसी प्रतिमूलियों में पर्याप्त लोकान्वय न हो,
- (2) निकाय कंपनी भारत में एक कारोबारी स्थान न रखता हो और
- (3) निकाय कंपनी भारत में सदस्यों का रजिस्टर रखने के लिए गहरमत न हो।

सूचीबद्धता शर्तों और आवश्यकताओं की प्रयोज्यता

(ख) भारत के बाहर पंजीकृत निकाय कंपनी की मामले में प्रबंध परिषद उपर्युक्त (क) में नियत सूचीबद्धता शर्तों और आवश्यकताओं को कड़ाइकर छन उप-नियमों और विभिन्न शर्तों में नियन किसी भी सूचीबद्धता शर्त और आवश्यकता को कड़ाई से लागू करने से संकल्प द्वारा छूट दे सकती है या अभिमुक्त कर सकती है। बाशतें कि ऐसे निकाय कंपनी की प्रतिमूलियों भारत के बाहर किसी स्टाइल एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत हों या प्रबंध परिषद अन्यथा सहमत हो।

विकेता की प्रतिभूतियाँ

37. कंपनी द्वारा विकेताओं को जारी और पूर्णतः या अंशतः प्रदत्त जमा प्रतिभूतियों को जारी करने की तारीख से 6 महीने तक एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृति नहीं प्रदान की जाएगी। इस प्रावधान के प्रयोजनार्थ, संपर्क या कारोबार की बिक्री या हस्तांतरण के प्रतिफल में अथवा कंपनी के निर्माण या संवर्धन में प्रदत्त सेवाओं के प्रतिफल में किसी व्यक्ति या व्यक्तियों या फर्म या नियम को पूर्णतः या अंशतः प्रदत्त रूप में जारी प्रतिभूतियाँ विकेता की प्रतिभूतियों मात्री जाएंगी।

शुल्क

38. जिन कंपनियों की प्रतिभूतियाँ एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत की जाती हैं, वे प्रबंध परिषद द्वारा समय-समय पर निर्धारित रूप में शुल्क आदा करेंगी।

एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति का आस्थगत

39. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 और प्रतिभूति संविदा (विनियम) नियम, 1957 के प्रावधानों के अधीन प्रबंध परिषद किसी प्रतिभूति की एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति को किसी भी समय ऐसी श्रवणीय या श्रवणियों के लिए आस्थगत कर सकती है जो वह निर्धारित करे।

प्रतिवान या प्रतिवर्तन पर लेन-देन की स्वीकृति वापस लेना

40. प्रबंध परिषद यदि आवश्यक हुआ, ऐसी प्रतिभूतियों को मंजूर लेन-देन की स्वीकृति वापस ले सकती है जो पूर्णगठन या पुनर्नियम की किसी योजना के फलस्वरूप अन्य प्रतिभूतियों में बदली या परिवर्तित की जाने वाली है अथवा जो प्रतिवेद्य या प्रतिवर्तीय प्रतिभूतियाँ हैं या प्रतिवान या परिवर्तन के लिए देय होने वाली हैं।

परिसमापन या विलयन पर लेन-देन की स्वीकृति वापस लेना

41. यदि कोई कंपनी अंतिम या अनंतिम परिसमापन में रखी गई है या दूसरी कंपनी में विलय या समायोदित होने वाली है तो प्रबंध परिषद उसकी प्रतिभूतियों को मंजूर एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति वापस ले सकती है। प्रबंध परिषद ऐसे साक्ष्य को स्वीकार कर सकती है जो वह ऐसे परिसमापन, विलयन या समामेलन के लिए पर्याप्त समझे। यदि कोई विलयन या समामेलन नहीं हो पाता है या अनंतिम परिसमापन में रखी कोई कंपनी पूँँ़ स्थापित हो जाती है और एक्सचेंज में लेन-देन के लिए प्रतिभूतियों की पूँ़़ स्वीकृति हेतु आवेदन किया जाता है तो प्रबंध परिषद को ऐसे आवेदन को अनुमोदित, स्वीकृत या आस्थगित करने का अधिकार होगा।

एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति वापस लेना

42. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 और प्रतिभूति संविदा (विनियम) नियम, 1957 के प्रावधानों के अधीन प्रबंध परिषद सकल्प द्वारा और अहों तक आवश्यक नमस्का जाना है, वह कंपनी को स्पष्ट करने का अवसर देने के बाद, किसी भी सूचीबद्ध शर्त या आवश्यकता के उल्लंघन या अपालन के लिए या कार्यवृत्त में दर्ज किए जाने वाले किसी अन्य कारण के लिए उसकी प्रतिभूतियों को मंजूर एक्सचेंज में लेन-देन की स्वीकृति वापस ले सकती है।

एक्सचेंज में लेन-देन की पूँ़़ स्वीकृति

43. प्रबंध परिषद स्विकेकानुसार ऐसी कंपनी की प्रतिभूतियों को एक्सचेंज में लेन-देन के संकल्प द्वारा पूँ़़ स्वीकृत कर सकती है जिनकी लेन-देन की स्वीकृति पहले वापस ले ली गई है।

सौदे

सौदे, लेन-देन, कारोबार तथा संविदाएं

44. इन उप-नियमों तथा विनियमों के प्रयोजनार्थ, “सौदा” “लेन-देन”, “कारोबार” तथा “संविदा” शब्द तब तक एक ही अर्थ रखेंगे जब तक न दर्श अन्यथा सूचित नहीं करता है।

सूचीबद्ध और अनुमत प्रतिभूतियाँ

45. सौदों के प्रयोजनार्थ एक्सचेंज में लेन-देन के लिए अनुमत प्रतिभूतियों को निम्नलिखित रूप में अलग किया जाएगा :

- (1) सूचीबद्ध प्रतिभूतियाँ अर्थात् एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत और प्रबंध परिषद द्वारा सूचीबद्ध प्रतिभूतियों की सूची में रखी प्रतिभूतियाँ, और
- (2) अनुमत प्रतिभूतियाँ अर्थात् सूचीबद्ध प्रतिभूतियों से भिन्न प्रतिभूतियाँ लेकिन कम से कम किसी एक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं।

सूचीबद्ध प्रतिभूतियों की सूची में शामिल करने की शर्तें

46. प्रबंध परिषद एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकार की गई प्रतिभूतियों को समय-समय पर निर्दिष्ट करेंगी जिन्हें सूचीबद्ध प्रतिभूतियों की सूची में शामिल किया जाएगा लेकिन जब तक निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं की जाती हैं तब तक किसी प्रतिभूति को शामिल नहीं किया जाएगा, अर्थात् :

- (1) प्रतिभूतियाँ बैंकिंग कंपनी से भिन्न कंपनी की पूर्णतः प्रदत्त शेयर हैं।
- (2) प्रतिभूतियाँ प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी स्टॉक एक्सचेंज में कम से कम तीन वर्षों में लेन-देन के लिए स्वीकृत हैं या विलयन कंपनी के

मामले में मूल विवरित कंपनियों की प्रतिभूतियां विलयन की तारीख से कम में कम तीन वर्ष पूर्व लेन-देन के लिए इस प्रकार स्वीकार की गई हैं।

- (3) प्रतिभूतियों प्रतिभूति संविदा (विनियम) आधिनियम, 1956 के अधीन मान्यताप्राप्त किसी अन्य स्टॉक एक्सचेंज की समाशोधित प्रतिभूति सूची में शामिल न की गई हैं।
- (4) कंपनी पर्याप्त परिमाण और गारंजनिक महत्व की हो तथा प्रतिभूतियों के अनुगम आने वाली प्रदत्त पूँजी कम से कम 35 लाख रुपये हो और वर्तमान बाजार मूल्य पर उनका कुल मूल्य कम से कम एक करोड़ रुपये हो।
- (5) कंपनी में पर्याप्त सार्वजनिक हित हो और प्रतिभूतियों के अन्तर्गत आने वाली पूँजी का कम से कम 49% जबता द्वारा धारित हो और ऐसी धारिता कुछ व्यक्तियों के हाथों में किसी अनावश्यक सकेन्द्रण के बिना बड़ी मात्रा में शेवरधारकों में व्यापक और समान रूप से वितरित हो।

स्पष्टीकरण इस प्रावधान के उपर्युक्त (5) के प्रयोजनार्थ “सार्वजनिक” शब्द में निदेशक, प्रबंध नियेशक, प्रबंध अधिकारी, सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल नहीं माने जाएंगे और जहां प्रबंध अधिकारी या सचिव और कोषाध्यक्ष एक साझेदारी कर्म या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, ऐसे कर्म के साझेदार और ऐसी कंपनी के भेदस्य, नामित और उपरोक्त व्यक्ति के पति, पत्नी, भाई या नहिन और ऊँड़ प्राइवेट या गटिले क लिमिटेड कंपनी जिनमें ऐसे व्यक्ति नियबंक हित रखते हैं या जो उनके प्रबंध या पर्यवेक्षण के अधीन हैं।

समाशोधित प्रतिभूति सूची में शामिल करना या न करना या निकालना

47. प्रबंध परिषद समाशोधित प्रतिभूति सूची में किसी प्रतिभूति को संकल्प द्वारा समय-समय पर सम्मिलित कर सकती है और इसी प्रकार किसी प्रतिभृति को सूची से किसी भी समय नियन्त्रित या निकाल सकती है।

सौदे

48. यथा उपबंधित को छोड़कर, प्रतिभूतियों में सौदे निम्ननियत प्रकार के होंगे :

- (1) “हाजिर सुपुर्दगी” के लिए अर्थात् संविदा की तारीख को हो या अगले दिन सुपुर्दगी और भुगतान के लिए।
- (2) “दस्ती सुपुर्दगी” के लिए अर्थात् सौदा करते समय नियत समय के अन्दर या तारीख को सुपुर्दगी और भुगतान के लिए, जो समय या तारीख संविदा की तारीख से 14 दिन से अधिक नहीं होगी।

“फिर भी, बारते कि ऐसे शेयरों के मामले में जिन्हें संचालक मंडल द्वारा विशिष्ट शेयरों के रूप में निर्धिष्ट किया जाए, संचालक मंडल सुपुर्दगी और भुगतान हरेक के लिए 14 दिन की और अवधि के लिए बढ़ा या स्थगित कर सकता है जिससे समग्र अवधि संविदा की तारीख से 90 दिन में अधिक न हो।”

- (3) “समाशोधन” के लिए अर्थात् इन उप-नियमों और विनियमों में निर्धारित ढंग में समाशोधन ग्रह के माध्यम से समाशोधन संघों निपटान के लिए।
- (4) “विशेष सुपुर्दगी” के लिए अर्थात् इन उप-नियमों और विनियमों में यथा उपबंधित रूप में जब तक प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा समब बढ़ाया न गया हो, संविदा की तारीख से 14 दिन के भीतर किसी भी समय लेकिन दो महीने के भीतर मुद्रादेशी और भुगतान के लिए।

सभी प्रतिभूतियों में हाजिर सुपुर्दगी, दस्ती सुपुर्दगी और विशेष सुपुर्दगी हेतु सौदे

49. हाजिर सुपुर्दगी, दस्ती सुपुर्दगी और विशेष सुपुर्दगी हेतु सौदे एक्सचेंज में लेन-देन के लिए अनुमति किसी भी प्रतिभूति में किए जा सकते हैं।

अमाशोधित प्रतिभूतियों में समाशोधन हेतु सौदे शून्य

50. समाशोधन हेतु सौदे मिर्च समाशोधित प्रतिभूतियों में किए जाएंगे। किसी अन्य प्रतिभूति में समाशोधन हेतु सभी गोदे शून्य माने जाएंगे।

सरकारी प्रतिभूतियों और डिकेचरों में सौदे

51. (क) एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत सरकारी प्रतिभूतियों और वाहक तथा पंजीकृत डिकेचरों में सौदे हाजिर सुपुर्दगी के लिए या दस्ती सुपुर्दगी के लिए या विशेष सुपुर्दगी के लिए होंगे।

सरकारी प्रतिभूतियों और डिकेचरों में सौदे दस्ती सुपुर्दगी के लिए माने जाएंगे

(ख) सौदा करते समय जब तक अन्यथा नियत न हो, एक्सचेंज में लेन-देन के लिए स्वीकृत सरकारी प्रतिभूतियों और वाहक तथा पंजीकृत डिकेचरों में सभी सौदे संबंधित विनियम में निर्धारित समय के अन्दर या विन या दिनों को या ऐसे समय के अन्दर या ऐसे दूसरे विन या दिनों को जो प्रबंध परिषद उसके अनिवार्य या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, सुपुर्दगी और भुगतान के लिए देय होने वाली दस्ती सुपुर्दगी के लिए माने जाएंगे, बारते कि ऐसा समय या दिन को कारोबारी विभीं के पूर्ण और संविदा की तारीख के बाद तीव्र विभीं से अधिक नहीं होगा।

समाशोधित प्रतिभूतियों में सीदे चालू समाशोधन के लिए माने जाएंगे।

52. (क) समाशोधित प्रतिभूतियों में सीदे हाजिर सुपुर्दगी के लिए या दस्ती सुपुर्दगी के लिए हाजिर सुपुर्दगी के लिए या समाशोधन के लिए हो सकते हैं किन्तु जब सक. सीदा करते समय अन्यथा नियत न हो, समाशोधित प्रतिभूतियों में सभी सीदे चालू समाशोधन के लिए माने जाएंगे। फिर भी, बारों कि जब समाशोधन प्रतिभूतियों में सीदे किसी विशेष घट्ट के अधीन हैं या निर्मार्चित ट्रेडिंग थॉनट या उसके गुणजों से अन्तर्गत हों तो ऐसे सीदे दरक्ती सुपुर्दगी के लिए माने जाएंगे।

समाशोधन दिवस

(ख) प्रबंध परिषष्ट हरेक समाशोधन का पहले तथा अंतिम कारोबार दिवस और विभिन्न समाशोधन दिनों को पहले ही नियत करेंगी समाशोधन का पहला कारोबार दिवस पूर्ववर्ती समाशोधन के अंतिम कारोबार दिवस से तथा साहूत वो कारोबार दिवस से अधिक नहीं होगा।

आगामी समाशोधन के पर्यामी शून्य

(ग) चालू पर्यामी आगामी समाशोधनों से परे अवधि के लिए समाशोधित प्रतिभूतियों में किया किया गया कारी भी गिरा मान्य नहीं होगा, और ऐसे सभी सीदे शून्य माने जाएंगे।

अप्रेनीत सीदे पूरक मूल्य पर माने जाएंगे

(घ) किसी भी समाशोधित प्रतिभूति में अप्रेनीत सीदे चालू समाशोधन के लिए प्रतिभूति के लिए नियत पूरक मूल्य पर माने जाएंगे।

समाशोधित प्रतिभूतियों में सोदी को पूरा करना

(ङ) किसी समाशोधन के दौरान समाशोधित प्रतिभूतियों में किए गए सीदे समाशोधन के दौरान या अनुवर्ती समाशोधन में अप्रेनीत करके खरीद या बिक्री द्वारा पूरे किए जा सकते हैं। समाशोधन के दौरान किए गए और अन्तिम कारोबार दिवस वो कारोबार की समाप्ति पर बकाया रहने वाले सभी सीदे इस प्रयोजन के लिए नियत दिनों को सुपुर्दगी और भुगतान द्वारा पूरे किए जाएंगे।

विशिष्ट घेयर में सीदे

52. क. जब सक. सचावक मंडल द्वारा अन्यथा निर्धारित न किया गया हो, विशिष्ट घेयरों में सीदे नियन्त्रित दंग में पूरे किए जाएंगे :

(क) सभी सीदे सुपुर्दगी और भुगतान द्वारा हरेक दिन में, इसके पहले पश्चात, "निपटान अवधि" कहा गया है, या ऐसे समय में निपटाए जाएंगे जो संचालक मंडल उसके प्रतिरिक्षित या उसके संशोधन में समय-रामय पर निर्धारित करे।

(ख) संचालक मंडल हरेक निपटान अवधि के लिए पहला और अंतिम कार्य दिवस पहले ही नियत करेगा।

(ग) सीदे हाजिर सुपुर्दगी के लिए सांकेती सुपुर्दगी के लिए या विशेष सुपुर्दगी के लिए या निपटान के लिए हो सकते हैं किन्तु जब तक सीदा करते समय अन्यथा नियत न हो, सभी सीदे चालू निपटान के लिए माने जाएंगे।

(घ) निर्धारित ट्रेडिंग इकाई या उसके गुणजों से भिन्न रूप में सीदे उप नियम 48 (2) में यथा परिभ्राष्टित रूप में दस्ती सुपुर्दगी के लिए माने जाएंगे।

(ङ) चालू और प्रागामी निपटान अवधियों के परे अवधि के लिए किए गए सीदे शून्य होंगे।

(च) एक निपटान से दूसरे निपटान में लाए गए सीदे कार्यपालक निदेशक या उक्तकी अनुपस्थिति में संचित द्वारा किसी प्रतिभूति के लिए नियत घूरक घूरव पर होंगे।

(ट) निपटान अवधि के दौरान किए गए सीदे खरीद या बिक्री द्वारा या अगले निपटान अवधि में आगे ले जा करके पूरे किए जाएंगे। बकाया अन्य सभी सीदे इस प्रयोजन के लिए नियत दिनों को सुपुर्दगी और भुगतान द्वारा पूरे किए जाने चाहए।

(ज) इन उन-नियमों तथा विनियमों में सभी प्रावधान, जो संपत्ति समाशोधित प्रतिभूतियों में सौंदर्यों के निपटान के लिए लागू हैं और जो उपर्युक्त विवेचन में नहीं हैं, विशिष्ट घेयरों में सौंदर्यों के निपटान में आवश्यक संशोधन के साथ लागू होंगे।

असमाशोधित प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेचरों से भिन्न) में सीदे

53. (क) एकसचेज में लेन-देन के लिए स्कीकृत असमाशोधित प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों और बाहक तथा वंजीकृत डिबेचरों से भिन्न) में सीदे हाजिर सुपुर्दगी के लिए या दस्ती सुपुर्दगी के लिए होंगे। दस्ती सुपुर्दगी के लिए माने जाने वाले सीदे जब तक सीदा करते समय अन्यथा नियत न हो, एकसचेज में लेन-देन के लिए स्कीकृत असमाशोधित प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों और बाहक

तथा पंजीकृत (डिकेंचरों से भिन्न) में सभी सौदे संबंधित विनियम में निर्धारित समय के अंदर या दिन या दिनों को अथवा ऐसे समय के अंदर या ऐसे दूसरे दिन या दिनों को, जो ब्रह्मण्ड परिषद उसके अंतिरिक्ष या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय समय पर निर्धारित करे, सुपुर्दगी और भूगतान के लिए देय होने वाली वस्ती सुपुर्दगी के लिए माने जाएंगे बल्कि किंवदन्ति के ऐसा समय दो कारोबार दिवस पूर्व और संविदा की तारीख से छोटह दिन से अधिक नहीं होगा।

प्रतितिम दस्तावेजों में सौदे

54. अनंतिम दस्तावेजों में सौदे प्रबंध परिषद द्वारा हरेक मामले में समय-समय पर निर्धारित रूप में किए तथा निपटाए जाएंगे।

एकसचेज में लेन-देन के लिए स्वीकृत अनंतिम दस्तावेजों और प्रतिभूतियों से भिन्न असमाशोधित प्रतिभूतियों में सौदे

55. एकसचेज में लेन-देन के लिए स्वीकृत अनंतिम दस्तावेजों और प्रतिभूतियों से भिन्न असमाशोधित प्रतिभूतियों में सौदे प्रबंध परिषद द्वारा समय-समय पर निर्विष्ट होग में और सीमा तक और संशोधनों के अधीन एकसचेज में लेन-देन के लिए स्वीकृत असमाशोधित प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों और डिकेंचरों से भिन्न) ते संबंधित प्रावक्षणों के अनुमान किए गये निपटाए जाएंगे।

विशेष सुपुर्दगी हेतु सौदे

56. विशेष सुपुर्दगी हेतु सौदे नये नियमों के मामले में विए जा सकते हैं या तथा प्रतिभूति नकीरण, उपविष्टान, समेकन, परिवर्तन, विनियम या पंजीकरण के लिए भेजी जाती हों या जब प्रतिभूतियां ध्याज, लाभांश, बोनस या राइट्स के लिए जमा की जाती हों या जब प्रतिभूतियां विदेश में प्राप्त होनी हों या जब प्रतिभूतियां संविदा की तारीख से 14 दिनों के अन्दर किसी अन्य कारण से परिवर्तन नहीं की जा सकती हों वशसे के सुपुर्दगी की अवधि, जब तक प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा अन्यथा विस्तारित न हो, दो महीने से अधिक न हो। ऐसे सभी सौदे संबंधित विनियम में निर्धारित रूप में या ऐसे अन्य रूप में, जो प्रबंध परिषद उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, एकसचेज को सूचित किए जाने चाहिए।

विवाह सौदे

57 (क) प्रबंध परिषद या अध्यक्ष की अनुमति से विशेष सौदे किए जा सकते हैं और ऐसी अनुमति हेतु आवेदन संबंधित विनियम में निर्धारित रूप में या ऐसे अन्य रूप में किए जाने चाहिए जो प्रबंध परिषद उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे।

हाजिर सुपुर्दगी के लिए माने जाने वाले विवाह सौदे

(म) इन प्रतिवानों के अधीन किए गए सभी विवाह सौदे हाजिर सुपुर्दगी के लिए माने जाएंगे।

कारोबार दिवस से भिन्न विवाह को देय होदे

58. समाशोधन से भिन्न सभी सौदे, जो कारोबार दिवस से भिन्न दिवस को देय होते हैं, जब तक अन्यथा सहमति न हो, अनुबंधी कारोबार दिवस को देय होगे।

प्रबंध परिषद द्वारा संविदा को विस्तार या स्थगन

59. इन उप नियमों द्वारा विनियमों में निर्हित संप्रतिकूल किसी बात पर ध्यान दिए जाना, प्रबंध परिषद किसी भी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में संविदा को के निष्पादन द्वेषु समय को संकल्प द्वारा या अधिलिखित किए जाने वाले कारणों से समय-समय पर बढ़ा या स्वार्गत कर सकती है जब भी उसकी राय में ऐसी कारबाई सार्वजनिक हृत में या अवारोप के विधायिक विधानों के लिए आवश्यक हो या जब अधिकारी एक या दोनों पाठ्यों के परे विधायियां ऐसी कारबाई को आवश्यक बना देती हैं।

बायते कि केन्द्र सरकार के अनुभोदन के विवाय, संविदाओं के निष्पादन हेतु समय समाशोधित प्रतिभूतियों के मामले में एक समाशोधन की अवधि से अधिक जवाबदी के लिए और असमाशोधित प्रतिभूतियों के मामले में पहली बार औदह दिन से अधिक अवधि के लिए और उसके बाद सात दिन से अधिक अवधि के लिए किसी भी समय इस तरह बढ़ाया या स्थगित नहीं किया जाएगा।

अध्यक्ष द्वारा संविदाओं का विस्तार या स्थगन

60. इन उप नियमों और विनियमों में निर्हित संप्रतिकूल किसी बात पर ध्यान दिए जाना अध्यक्ष किसी समाशोधित प्रतिभूतियों में किसी एक समाशोधन से आवायी समाशोधन में और असमाशोधित प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में चौदह दिनों से अधिक अवधि के लिए संविदा के निष्पादन के लिए स्वावधिकानुसार किसी विवाह सौदे में समय बढ़ा या स्थगित कर सकता है।

समाशोधन और समाशोधन दिवसों का परिवर्तन

61. प्रबंध परिषद किसी या सभी समाशोधित प्रतिभूतियों के संबंध में समूचे समाशोधन या किसी या सभी वा विविध समाशोधन विवाहों को संकल्प द्वारा या प्रभिलिखित किए जाने वाले कारणों से समय-समय पर कब या बढ़ा या परिवर्तित या स्थगित कर सकती है।

बायते कि केन्द्र सरकार के अनुभोदन के विवाय, ऐसा विस्तार या स्थगन किसी भी समय-एक समाशोधन की अवधि से अधिक अवधि के लिए नहीं होगा।

ब्रिटेन पूँजी: कि यदि समाशोधन प्रतिभूतियों के मामले में, किसी समाशोधन के लिए ग्राधिमूखित ते-डन-डे एक सप्ताह से अधिक अवधि के लिए बढ़ाया या स्थगित किया जाता है तो प्रबंध परिषद् पूर्ववर्ती समाशोधन के तथगत शुल्क के आधार पर ऐसी प्रतिभूतियों के लिए विशेष। द्वारा क्रेता को देय स्थगत शुल्क नियन्त करेगी।

पूँजी पर्याप्तता और मार्जिन आवश्यकताएँ के अधीन

मौद्रि

मार्जिन आवश्यकता

62. किसी भी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में सौदे संबंधित विनियम में निर्धारित मार्जिन आवश्यकताओं या ऐसी अन्य आवश्यकताओं के अधीन होंगे जो प्रबंध परिषद् उसके प्रतिरिक्षण या उसके संगोष्ठन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करें।

मार्जिन जमा का रूप

63. इन उप नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला मार्जिन नकदी जमा द्वारा दिया जाएगा या यह परिषद् द्वारा समय-समय पर लगाई जाने वाली शर्तों और निवन्धनों के अधीन प्रबंध परिषद् द्वारा अनुमोदित वैक की जमा रक्कीद के रूप में या प्रबंध परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियों में प्रदान किया जा सकता है। नकदी जमाओं पर कोई द्याव नहीं मिलेगा और विधान बाजार मूल्य पर मूल्यांकन सदस्य द्वारा जमा की गई प्रतिभूतियों उनके द्वारा तत्समय प्रतिमूल मार्जिन राशि में इन्हें प्रतिशत तक अधिक होंगी जैसा प्रबंध समिति समय-समय पर निर्धारित करें।

मार्जिन जमा का मूल्य बनाए रखना

64. प्रतिभूतियों के रूप में मार्जिन जमा करने वाले सदस्य को प्रबंध परिषद् जो उक्त मूल्य का रूपेशा निर्धारण करेंगे और जिसका मूल्यांकन समय-समय पर पूरा की जाने वाली किसी कमी की राशि का निणायिक रूप में नियन्त्रण करेगा, की संसुटि तक अतिरिक्त प्रतिभूति प्रदान करके उनका मूल्य उनके द्वारा तत्समय प्रतिमूल मार्जिन राशि के नीचे सबैव नहीं आने देना चाहिए।

समाशोधन गृह द्वारा रखी जाने वाली मार्जिन जमाराशियां

65. मार्जिन जमाराशियां समाशोधन गृह द्वारा रखी जाएंगी और जब वे बैंक जमा रखीद या प्रतिभूतियों के रूप में हों तो ऐसी रसीद और प्रतिभूतियों एक्सचेंज के न्यासियों के नामों में या एक्सचेंज द्वारा अनुमोदित वैक के नाम में हस्तांतरित की जाएंगी। सभी मार्जिन जमाराशियां जमाकर्ता सदस्य की ओर से या ऐसे विवेक के प्रयोग पर प्राप्त करने का अधिकार रखने वालों की ओर से किसी अधिकार के बिना एकमात्र एक्सचेंज के लिए तथा के खाते समाशोधन गृह द्वारा तथा/या एक्सचेंज के न्यासियों द्वारा तथा/या अनुमोदित वैक द्वारा धारित की जाएंगी।

घोषणा पत्र

66. इन उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत मार्जिन जमा करने वाला सदस्य संबंधित विनियम में निर्धारित रूप में या ऐसे अन्य रूप या रूपों में, जो प्रबंध परिषद् उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय समय पर निर्धारित करे, घोषणा पत्र पर उस समय हस्ताक्षर करेगा जब उससे ऐसी अपेक्षा की जायेगी।

मार्जिन जमाराशिया पर लियन

67. इन उप नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अधीन मार्जिन के रूप में सदस्य द्वारा जमा किया गया धन, वैक जमा रक्कीदें तथा अन्य प्रतिभूतियों और आस्तियां उसके द्वारा या सांकेदारी प्रतिष्ठान, जिसका यह सदस्य है, द्वारा एक्सचेंज या समाशोधन गृह को देय राशि के लिये और एक्सचेंज के नियमों, उप नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत किये गये या उनके अनुपालन में किये गये किसी सौदे, संबंधित लेन देन, या संविदा में उत्पन्न या से प्राप्तिगिक उसकी या सांकेदारी, प्रतिष्ठान, जिसका वह सदस्य है, की वचनबद्धताओं दायित्वों और देयताओं को विधिवत पुरा करने के लिये प्रथम तथा सर्वोपरि लियन के अधीन होंगी।

जमा मार्जिम/पूँजी की चूक पर स्थगन

68. (क) इन उप नियमों और विनियमों में यथा उपबंधित रूप में मार्जिन/पूँजी जमा करने में न्यूक करने वाले सदस्य को परिषद् या अध्यक्ष या कार्यपालक निदेशक या सचिव के आदेश पर अपना कारोबार तुरन्त बन्द करना पड़ेगा। परिषद् द्वारा यथा निर्धारित रूप में पूँजी मार्जिन में चूक करने वाले या अपने कारोबार की निर्धारित मात्रा के 80% तक पहुंचने या अपनी पूँजी की तुलना में निर्धारित कारोबार मात्रा से अधिक पर पहुंचने की सूचना देने में चूक करने वाले सदस्य को एक्सचेंज के आदेश पर अपना कारोबार तुरन्त बन्द करना पड़ेगा और उसे एक्सचेंज के रिंग में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिलेगी।

ऐसे स्थगन की सूचना एक्सचेंज के सूचनापट पर तुरन्त लगाई जायेगी तथा स्थगन तब तक जारी रहेगा जब तक इस सम्बन्ध में चूक बनी रहती है।

निर्धारित कारोबार मात्रा के 80% पर पहुंचने पर सूचना देने में चूक या पूँजी पर्याप्तता/मार्जिन आवश्यकता का पालन करने में चूक हेतु दण्ड

(ख) जिस सदस्य को उप-नियम 68(क) के अनुसार किसी वित्तीय वर्ष में अपना कारोबार तीन बार बन्द करना पड़ा है, उसे कही अनुशासनिक

कार्रवाई और दण्ड के लिये अनिवार्यतः अनुमानिक समिति को सुपूर्दि किया जायगा।

माजित प्रायश्यकानामों में वंचन भी मनाही

69. कोई भी मदरथ उन उप-नियमों और विधियों के अधीन निर्धारित माजित श्रावश्यकताओं के वंचन करने या वंचन में सहायता करने के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में कोई व्यवस्था नहीं करेगा या कोई प्रक्रिया अपनायेगा।

आपात के अधीन सौदे

आपात के अधीन प्रतिभूतियों में सौदे

70. प्रतिभूतियों में सभी सौदे इन उप नियमों तथा विधियों में निहित आपात से संबंधित प्रावधानों के अधीन माने जायेंगे।

आपातों का सामना करने के उपाय

71. यदि प्रबन्ध परिषद की राय में कोई आपात विद्यमान है या उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने वाला है या यदि उसकी राय में स्थितियाँ ऐसी हैं कि प्रतिभूतियों में सुकृत रूप में कार्रवार करना बहुत कठिन है, प्रबन्ध परिषद संकल्प द्वारा ऐसी कार्रवाई कर सकती है जो वह बाजार को स्थिर करने के लिये उचित समझे। इस प्रावधान की व्यापकता को किसी भी रूप में सीमित या कम किये बिना प्रबन्ध परिषद इसमें इसके पश्चात् उपबन्धित ढंग में ऐसे मामलों में आगे कार्रवाई कर सकती है।

कानून

72. (क) यदि भी प्रबन्ध परिषद की राय है कि किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में कानून बना दिया गया है या कि कोई अकेला हित या समूह किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में ऐसा नियंत्रण प्राप्त कर सिया है कि वह ऐसे हित या समूह द्वारा मनमाने ढंग से लगाये जाने वाले मूल्यों या शर्तों के मिथाय विद्यमान लंबिदाओं पर सुपूर्दगी के लिये प्राप्त नहीं किया जा सकता है, प्रबन्ध परिषद इन उप-नियमों तथा विधियों में निहित तत्प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी ऐसे प्रतिबन्धों के अधीन, जो भी वह निर्धारित करे, ऐसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में वर्तमान संविदाओं को बन्द करने या परिसमाप्त करने के लिये लेन देन का अनुमति देते हुए ऐसी प्रतिभूति में संकल्प द्वारा और आगे लेन देन निषिद्ध कर सकती है। बशर्ते कि और आगे लेन देन केन्द्र सरकार के अनुमोदन के सिवाय किसी भी समय लगातार मान दिन से अधिक अवधि के लिये इस प्रकार निषिद्ध नहीं किया जा सकता है।

बशर्ते पुनः कि जब लेन-देन के निषेध के बारे में सूचना इस तरह भेजी जाती है कि केन्द्र सरकार के पास सामान्य अनुक्रम में 24 घण्टे के भीतर पहुंचने जल्दी ही यो प्रबन्ध परिषद केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बिना लगातार नीन दिन गे अधिक किसी भी अवधि के लिये उपयुक्त स्वयं में लेन देने का तब तक निषेध कर सकती है जब तक केन्द्र सरकार का निर्णय एकमेंज को मूलित नहीं किया जाता।

खरीदी का स्थगन

(ख) यदि सुपूर्दगी और भुगतान को देय तारीख आपात अनुधि के दौरान पड़ती है, प्रबन्ध परिषद ऐसी प्रतिभूत या प्रतिभूतियों की खरीदी संकल्प द्वारा स्थगित कर सकती है जिनमें और आगे लेन देन उप ढंग (क) के अधीन निषिद्ध है।

यदि ऐसी स्थिति में, इन उप नियमों और विधियों में यथा निर्धारित संकट प्रैकिया या ऐसी प्राप्ति, जो प्रबन्ध परिषद निर्धारित करे, ऐसी प्रतिभूत या प्रतिभूतियों में सभी विद्यमान संविदाओं में साझू होगी।

आपात समाप्त होने तक खरीदी का स्थगन आदेश जारी

(ग) प्रबन्ध परिषद आपात के समाप्त होने तक संकल्प द्वारा समय समय पर खरीदी स्थगित कर सकती है जिसके बाद ऐसी प्रतिभूत या प्रतिभूतियों में ऐसे प्रतिबन्धों के अधीन सुर्जिर या वस्ती सुपूर्दगी के लिये अनुमति दी जायेगी जो प्रबन्ध परिषद लगाना उचित समझे।

बशर्ते हैं कि योऽपेक्षी कोई प्रतिभूति समाप्तीधत प्रतिभूति है तो उसे समाप्तोद्धित प्रतिभूति सूची से अलग किया जायगा और यदि तक उचित वितरण नहीं है, उसे समाप्तोद्धित प्रतिभूति सूची में पुनः सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

(घ) यदि भंचालक मण्डल की राय में अपर निषिद्ध प्रकार का आपात किसी प्रतिभूति में उत्पन्न हो गया है, वह विभेता द्वारा केता को देय मूल्य बदला प्रभार विशेष संकल्प द्वारा विमियाप्त कर सकता है।

संकट

73. (क) संकट में यो अवश्यहृष्टपूर्ण या गंगरत बाजार के मामले में यो अवश्यकुञ्ज भारी विश्री के मामले में यो यदि तक यह लगे कि कीमत अरप्तिक विश्री लुई है या कि संकट नजदीक है या कि उचित या सामान्य बाजार नहीं रख गया है, प्रबन्ध परिषद ऐसी अवधि (अवधियों) के लिये, जो वह समय-समय पर निर्धारित करे

जो प्रवासी (अवासिया) केन्द्र सरकार के अनु-
भवों को लोड़कर किसी भी समय लाता है।
लेकिं मैं आधिक नहीं होगा, भवित्व प्राप्ति इसमें
प्रतिष्ठित उत्तर पक्ष लगती है।

(1) किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में अल्पकालीन विकी पर रोक लगा सकती है, तथा/या

(2) न्यूनतम भूल्य नियत कर सकती है जिसके नीचे किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों की खारीदी या बिक्री नहीं की जायेगी, तथा/या

(3) याजार पूरी तरह से या आंशिक रूप से बन्द कर सकती है, तथा/या

(4) इन उप नियमों तथा विनियमों में निहित किसी प्रतिकूल क्रात पर ध्यान दिये बिना ऐसे प्रतिबन्धों के व्याधीन, जो वह समय-समय पर निष्परित करे, ऐसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में समापन या परिसमापन या विचारण विधियों के लिये लेन-देन की अनुमति देते हुए किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में और लेन देन पर रोक लगा सकती है।

इसके एक भ्रष्टकालीन विद्वान् के सिवेश
या-मृत्युतम् मूल्य नियत करके या बाजार
की अन्ती या आधे लेन-देन के निषेच
के अपरे में सूचना इकलाह से भेजी जाती
है जिस केन्द्र सरकार के पास समाध्य
शब्दोंमें खींची स छटे में पहुँच जानी
हो तो प्रबन्ध पारिषद केन्द्र सरकार के
अनुमोदन के बिना तीन दिन से ग्राहक
किसी भी ग्रविंदि के सिये उपरोक्त
लूप में ऐसे समय तक भ्रष्टकालीन विद्वान्
पर होक लगा सकती है या मृत्युतम् मूल्य
नियत कर सकती है या बाजार बद्ध कर
सकती है या और लेन-देन पर होक लगा
सकती है जब तक केन्द्र सरकार का नियंत्रण
एससेंज को सुधार नहीं किया जाता
है।

विश्वी संगमन

(क) वर्ष मुपुर्यो और भूमतान की देय सारीके
देशी अवधि में पड़ती है। इसके द्वारा उप खण्ड
(फ) में यही उपर्यन्तत रूप में किसी भी
भौतिकीय या प्रांतभूतियों में और सेम-देन दोकः
विधा गया है। मा बाजार पूर्णतः या अंतत
कम्ब रहता है, जबकि पर्याप्त बाजार के पूर्ण:

खुलने तक विचारादीन प्रतिभूति या प्रातिभूतियों में सभी विषयों के नम्बराल में विकी रखिए गए सकती है। फिर भी जोना शुद्धिर्दग्ध प्रबोध करने के लिए लक्ष्यार होगा। यदि विचारादीन प्रतिभूति या प्रातिभूतियों सभी विकी रखिए गए हैं, तिम्हासिध्यन अतिरिक्त प्रायोगिक लायू होंगे:

(1) प्रबन्ध परिषद विकारी के स्थगन के द्वारा ऐसे समय तक समाशोधन से समाशोधन तक भुगतान के लिये समय बढ़ायेगी जब तक बाजार पुनः खुलता नहीं है और मध्यस्थों की देयताएं विकारी के स्थगन के द्वारा जारी रहेगी। केता सदस्य ऐसे किसी भी समाशोधन में सुपुर्द्धी प्रवक्तित करने के लिये हकदा छोगा और उस प्रयोजन के लिये, इन उप नियमों और विनियमों में यथा निर्धारित टिकट प्रक्रिया या ऐसी अभ्य प्रक्रिया सामूहिक होगी जो प्रबन्ध परिषद निर्धारित करे। यदि केता सदस्य सुपुर्द्धी की मांग करने के बाद देय तारीख और सुपुर्द्धी लेने और भुगतान करने में जूक करता है तो वह किसी अभ्य देयता के बायोड दो प्रतिशत द३० लेने के लिये दायी होगा।

(2) प्रबन्ध परिषद हरेक समाशोधन में ऐसी प्रतिभूति प्राप्ति भूतियों के लिए पूरक मूल्य और विद्यमान बाजार आज दर और पूर्व समाशोधन के स्थगन मूल्क के आधार पर ऐसी प्रतिभूति प्राप्ति भूतियों को समाशोधन से समाशोधन तक आगे ले जाने के लिए स्थगन मूल्क नियत करेगा। पहले समाशोधन के लिए पूरक मूल्य कारोबार के स्थगन के पूर्व बाजार में विद्यमान ऐसी प्रतिभूतियों के मूल्यों से घोड़ा अधिक होगा हरेक अनुकर्ती समाशोधन के लिए प्रबन्ध परिषद हरेक प्रतिभूति के मामले में जैसा उचित समझे, पूरक मूल्य कम कर सकता है। हरेक समाशोधन के अंत में निपटान न हो पाई सभी संविदाएं ऐसे पूरक मूल्यों पर अनुकर्ती समाशोधन में आगे ले जाधी जाएंगी। सभी आते ऐसे पूरक मूल्यों पर समाशोधन के लिए इस प्रकार नियम या विस्तारित प्रै-इन-डे को दें देंगे।

(3) यदि किसी सदस्य को बंदी के दौरान चुककर्ता घोषित किया जाता है, उसके साथ लेन-देन रखने वाले अन्य सभी सदस्य समाशोधन या प्रम्यथा कारोबार के लिए बाजार के पुनः खुलने के दिन को प्रबंध परिषद द्वारा नियमित

मूल्यों पर उसके विशुद्ध कलोजिंग आउट द्वारा सभी बकाया संविदाओं को निर्धारित करेंगे।

(4) यदि ग्राहक अपने सदस्य दलाल को देय अंतर वे-इन-डे को प्रदा करने में चुक जाता है, उसका मदस्य दलाल समाशोधन के लिए या अन्यथा कारोबार के लिए बाजार के पुनः खुलने पर या के बाद खुले बाजार में ग्राहक के विशुद्ध कलोजिंग आउट द्वारा सभी बकाया संविदाओं को निर्धारित करेगा। ऐसा कलोजिंग आउट समाशोधन की प्रक्रिया में सुपूर्वगी की शर्त के अधीन होगा और ऐसे कलोजिंग आउट पर देय शेष राशि ऐसे ग्राहक द्वारा अपने मदस्य दलाल को तुरन्त देय होगी।

(5) यदि कोई सदस्य चूककर्ता घोषित किया जाता है या निपटान दिवस के बाद अगले दिन को अपने ग्राहक देय अंतर का भुगतान करने में चुक करता है तो ग्राहक बाजार के पुनः खुलने पर या के बाद या तो समाशोधन के लिए या अन्यथा चूककर्ता सदस्य के चुक में रहने की अवधि के दौरान किसी भी समय लिखित रूप में उसे नोटिस देने के बाद उसके विशुद्ध खुले बाजार में सभी बकाया संविदाओं को समाप्त करके उन्हें निर्धारित करेगा। ऐसा समाप्त समाशोधन की प्रक्रिया में सुपूर्वगी की शर्त के अधीन होगा और ऐसे समाप्त पर देय कोई शेष राशि चूककर्ता सदस्य द्वारा अपने ग्राहक को तुरन्त देय होगी।

सौदों का मिलान

संविदाओं का मिलान

74. ग्रन्तियों को रोकते के उद्देश्य से यादस्यों का यह कार्य द्वौगा कि सौदे के अगले कारोबार दिन की ह्रेक संविदा का मिलान करे। लेविन इस प्रावधान में निहित कोई भी बात सौदे के दिन को ही यथोचित थण्टों के दौरान पार्टी के कार्यालय में सौदे का मिलान करने, यदि दूसरी पार्टी ऐसा चाहती है, से पार्टी द्वारा इंकार को न्यायोचित मानी जाएगी।

मिलान करने का कार्य

75. संविदा की दोनों में से प्रत्येक पार्टी का यह कार्य होगा कि वह ऐसे हरेक लेन-देन की जांच पढ़ाल करे जिसका यथोचित समय में मिलान न किया गया हो।

मिलान की पद्धतियां

76. संविदाओं का मिलान लेन-देन या संविदा बुक में प्रविष्टियों पर हस्ताक्षर करने की पद्धति द्वारा अथवा संबंधित विनियम में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मिलान या पुष्टि ज्ञापनों की पद्धति द्वारा या ऐसी अन्य पद्धतियों द्वारा, 6-40 GI/97

जो प्रबन्ध परिषद द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, जैसा प्रबन्ध परिषद दोनों में से प्रत्येक पार्टी को निर्देश दे, किया जाएगा।

मिलान की प्रक्रिया

77. संविदाओं के मिलान के लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया और उससे संबंधित सभी मामलों का नियमन संबंधित विनियम में उसके बारे में निहित प्रावधानों या ऐसे अन्य प्रावधानों, जो प्रबन्ध परिषद उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, के अनुसार होगा।

मिलान करने में चुक

78. यदि कोई सदस्य इन उप-नियमों तथा विनियमों में उपबंधित रूप में अपनी संविदाओं का मिलान करने में चुक करता है या यह कोई अंतर, जिसका ऐसे मिलान पर पता लगाया जाना चाहिए था, बाद में पता चलता है चूककर्ता सदस्य लेन-देन की दूसरी पार्टी की विहितों में प्रकट रूप के सिवाय संविदा के निष्पादन की सांग लेने का हकारार नहीं होगा।

सौदों में विसंगतियां

79. यदि मिलान के दौरान ऐसा कोई विवाद उठता है कि सौदा किया गया है या नहीं अथवा यदि पार्टियों की संबंधित संविदाओं में अंतर का पता चलता है तो यदि ऐसा विवाद या अंतर पारस्परिक सहर्मात द्वारा तुरन्त समायोजित नहीं किया जाता है, दूसरी पार्टी के विशुद्ध दावा करने का दरावा रखने वाली पार्टी को खरीदी या बिक्री, जैसा भी मामला हो, द्वारा खुले बाजार में लेन-देन तुरन्त पूरा करना चाहिए जिससे दावा की जाने वाली हानि की राशि का निर्धारण किया जा सके और इसके बाद विवाद या अंतर को विवाचन समिति को उसके निर्णय के लिए सुपूर्द किया जाएगा।

सौदों के निपटान हेतु प्रक्रिया

वस्ती सुपूर्वगी द्वारा निपटान

80. समाक्षोधन से भिन्न प्रतिभूतियों में सभी सौदे संबंधित विनियम में उसके बारे में निहित प्रावधानों या ऐसे अन्य प्रावधानों, जो प्रबन्ध परिषद उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, के अनुसार संविदागत पार्टियों के बीच सुपूर्वगी और भुगतान द्वारा समाशोधन गृह के बाहर निपटाये जाएंगे।

प्रति सुपूर्वगियां

81. बिक्रीकर्ता, सदस्य जिसने इन उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अधीन प्रतिभूतियों बेची है, को लेता को उसे परिदृत करना है जो इस प्रकार की प्रतिभूतियों की सुपूर्वगी उससे प्राप्त करने के लिए इन उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन हकदार है।

समाशोधन गृह के माध्यम से निपटान

82. समाशोधित प्रतिभूतियों में समाशोधन हेतु सभी सौदे संबंधित विनियम में निर्धारित पूरक-मूल्य की प्रक्रिया द्वारा या ऐसी अन्य प्रक्रिया या प्रक्रियाओं द्वारा, जो प्रबंध परिषद्, उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, समाशोधन गृह के माध्यम से निपटाये जाएंगे। समाशोधन का एक भाग माने जाएंगे।

समाशोधन गृह के माध्यम से सुपुर्देगी तथा भुगतान

83. समाशोधन और समाशोधित प्रतिभूतियों के लिए सभी सौदों के संबंध में सुपुर्देगी तथा भुगतान समाशोधन गृह के माध्यम से किया जाएगा।

एकसचेज के रिंग में किये गये सभी सौदे परिषद् द्वारा अनुमोदित निपटान प्रोग्राम के शतुमार परिवर्तन तथा अदा किये जाने चाहिए।

फिर भी, बास्ते कि कोई ऐसा सदस्य, जो एक ही समाशोधन में विक्री और खरीदी दोनों के लिए अपने विभिन्न ग्राहकों की संविदाओं का हिसाब रखता है जो एक-दूसरे को समंजित करता है, ऐसी संविदाओं को समंजित करने का हकदार होगा और ऐसे मामले में वह समाशोधन-गृह के बाहर सुपुर्देगी देने और लेने का हकदार होगा।

समाशोधन-गृह के बाहर समाशोधित प्रतिभूतियों में सुपुर्देगी और भुगतान

84. प्रबंध परिषद् को यह आदेश देना उचित होगा कि किसी भी समाशोधित प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में किए गए या किए जाने वाले सभी सौदों के संबंध में सुपुर्देगी तथा/या भुगतान समाशोधन-गृह के बाहर किया जाएगा।

पूरक मूल्यों में परिवर्तन

85. जब पूरक-मूल्यों की प्रक्रिया प्रवर्तित है, प्रबंध परिषद् किसी सदस्य के चूककर्ता घोषित होने की स्थिति में या विशेष परिस्थितियों में, जिसे कार्यवृत्त में पूरी तरह से निर्दिष्ट किया जाएगा, पूरक-मूल्यों को परिवर्तित कर सकती है जिस पर समाशोधित प्रतिभूतियों में सभी खातों को अस्थायी रूप से पुनः समायोजित करना होता है और भुगतान देना या प्राप्त करना होता है। जब पूरक मूल्यों को इस तरह परिवर्तित किया जाता है, सभी खातों को पुनः समायोजित किया जाएगा और भुगतान परिवर्तित पूरक मूल्यों पर किया या प्राप्त किया जाएगा। फिर भी, चूक के मामले में, खातों का ऐसा पुनः समायोजन चूककर्ता के पास लेन-देन रखने वाली पाठियों के बीच ही होगा।

निपटान प्रक्रिया में परिवर्तन

86. प्रबंध परिषद् को किसी भी समय यह आदेश देना उचित होगा कि किसी भी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में कोई या कोई जने वाली पर्सी संविशाइं दस्ती सुपुर्देगी के बजाय समाशोधन गृह और विषयेन माध्यम से किसी उपयुक्त प्रक्रिया द्वारा निपटायी जाएगी।

टिकट प्रक्रिया

87. जब खरीदी या विक्री बद कर दी गई है और या सुपुर्देगी स्थिरित कर दी गई है या किसी अन्य परिस्थिती में जब प्रबंध परिषद् स्विवेकानुसार ऐसा निर्धारित करती है, प्रबंध परिषद् को यह आदेश देना उचित होगा कि किसी समाशोधित तथा असमाशोधित प्रतिभूतियों में सभी सौदे संबंधित विनियम में उसके बारे में निहित प्रावधानों या ऐसे अन्य प्रावधानों, जो प्रबंध परिषद् उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, के अनुसार टिकट प्रक्रिया द्वारा निपटाए जाएंगे।

निपटान उपनियम और विनियम संविदा के भाग हैं।

88. सौदों के निपटान हेतु किसी प्रक्रिया से संबंधित "समाशोधन गृह और समाशोधन-गृह" के माध्यम से सौदों के निपटान से संबंधित समय-समय पर लागू एन-नियम और विनियम तथा हस्तमय लागू और एक्सचेज के सूचनाएँ पर प्रदर्शित उसके अधीन प्रबंध परिषद् या अधिकारी के संकल्प, नोटिस, निर्देश और निर्णय किसी भी समाशोधित या असमाशोधित प्रतिभूतियों में प्रत्येक संविदा के निष्पादनों तथा शर्तों का एक भाग होंगे।

संविदाएँ निपटान प्रक्रिया में परिवर्तन के अधीन

89. प्रबंध परिषद् किसी भी समाशोधित या असमाशोधित प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में किए गए या विए जाने वाले संदो के संबंध में किसी निपटान प्रक्रिया में या किसी समाशोधन प्रक्रिया में या उसके लिए नियत समय या रूप में किसी परिवर्तन या संशोधन या लोप या परिवर्धन या प्रतिरथापन लासवती है और उस आवश्यकता नोटिस एक्सचेज के सूचनाएँ पर प्रदर्शित किया जाएगा।

नियत समय में परिवर्तन

90. समाशोधित तथा असमाशोधित प्रतिभूतियों में सौदों के समाशोधन और निपटान के संबंध में पालन किया जाने वाला नियत समय तथा घण्टा संबंधित विनियम में निर्धारित रूप में होगा या ऐसा समय और घण्टा होगा जो प्रबंध परिषद् उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर अधिसूचित करे।

संशोधन गृह

समाशोधन गृह के कार्य

91. एकसचेज एक समाशोधन गृह बनायेगा जो प्रबंध परिषद् के नियन्त्रण में होगा। समाशोधन-गृह सदस्यों के बीच संविदाओं का समाशोधन करने के लिए और सदस्यों को प्रतिभूतियां परिदृष्ट करने और प्राप्त करने के लिए और किसी भी संविदा के संबंध में ऐसे सदस्यों को देय या द्वारा देय किसी राशि को प्राप्त करने या का भुगतान करने के लिए सदस्यों के सामान्य एजेंट के रूप में कार्य करेगा और पूर्वोक्त प्रयोजनों को पूरा करने के लिए आवश्यक तथा उचित सब कुछ करेगा।

समाशोधन-गृह की देयता

92. समाशोधन-गृह किसी प्रतिभूति, हस्तान्तरण विलेख या समाशोधन गृह से गुजरने वाले किसी अन्य दस्तावेज के हक, स्वामित्व, वास्तविकता, वैधता या नियमित की गारंटी नहीं देगा और इस मामले में समाशोधन गृह का एकमात्र दायित्व सदस्यों के बीच प्रतिभूतियों, हस्तान्तरण विलेखों या अन्य दस्तावेजों के संबंध में सुपुर्दगी और भुगतान आसान बनाना होगा।

एक्सचेंज की देयता

93. समाशोधन गृह द्वारा अपने परिचालनों के अनुक्रम में किए गए किसी कृत्य के कारण या की गई किसी त्रुटि के कारण या तो एक्सचेंज पर या प्रबंध परिषद् या प्रबंध परिषद् के किसी सदस्य पर कोई देयता नहीं आयेगी और न ही एक्सचेंज या प्रबंध परिषद् या प्रबंध परिषद् का कोई सदस्य समाशोधन गृह से गुजरने वाली किसी प्रतिभूति, हस्तान्तरण विलेख या अन्य दस्तावेजों के हक, स्वामित्व वास्तविकता, नियमितता या वैधता के लिए किसी भी रूप में उत्तर देने के लिए दायी होगा और न ही ऐसे प्रतिभूतियों, हस्तान्तरण विलेखों और अन्य दस्तावेजों के संबंध में किसी भी रूप में एक्सचेंज, प्रबंध परिषद् या प्रबंध परिषद् के किसी सदस्य पर कोई देयता आयेगी।

सदस्य की देयता

94. समाशोधन गृह की ओर से उसके परिचालनों के अनुक्रम में किसी विलेख के लिए एक्सचेंज के किसी सदस्य पर कोई देयता नहीं आयेगी।

समाशोधन विवरण

95. एक्सचेंज हरेक समाशोधन के बाद निश्चालिकित में से सभी या कोई भी विवरण जैसाकि केन्द्र सरकार समय-समय पर अवेक्षा करे, यथासंभव शीघ्र केन्द्र सरकार को प्रस्तुत करेगा अर्थात् :

- (1) हरेक समाशोधन से दूसरे समाशोधन में अप्रतीत हरेक श्रेणी को प्रतिभूतियों को कुन संख्या,
- (2) हरेक श्रेणी की प्रतिभूतियों की कुल संख्या जिनके संबंध में संविदाएं हरेक समाशोधन के प्रक्रम के दौरान निपटा दी गई है।
- (3) हरेक समाशोधन में वस्तुतः परिदत्त की गयी हरेक श्रेणी को प्रतिभूतियों को कुन संख्या।

एक्सचेंज समय-समय पर केन्द्र सरकार के निर्देशों के अनुसार उपर्युक्त में से सभी या किसी भी विवरण के प्रकाशन की व्यवस्था करेगा।

समाशोधन गृह स्वविवेक पर प्रतिभूतियां परिदत्त करेगा

96. (क) समाशोधन गृह इन उन-नियमों और विनियमों के अन्तर्गत एक सदस्य से प्राप्त प्रतिभूतियों को उसी प्रकार की प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी प्राप्त करने के लिए इन उप-

नियमों और विनियमों के अन्तर्गत हकदार द्वारे सदस्य को स्वविवेक पर परिदत्त करने (अथवा प्रतिभूतियों की सीधी सुपुर्दगी, जिसे उसे परिदत्त करना है, देने के लिए सदस्य को निर्देश देने) का हकदार है।

(ख) उप खण्ड (क) में उपबंधित रूप में सुपुर्दगी देने या प्राप्त करने वाले सदस्यों को, इस तथ्य के बावजूद कि उनके बीच कोई सीधी संविदा विद्यमान नहीं है, विक्रेता और क्रेता के रूप में एक-दूसरे के साथ संविदा किया हुआ माना जाएगा। फिर भी अपने निकटतम संविदागत पाठ्यों की तुलना में ऐसे सदस्यों के अधिकार तथा देयताएं उसके द्वारा प्रभास्ति नहीं मानी जाएंगी, सिवाय कि विक्रेता सदस्य, जो प्राप्तकर्ता सदस्य की निकटतम संविदागत पाठी है, (जब तक वह स्वयं परिदाता सदस्य न हो) प्राप्तकर्ता सदस्य द्वारा प्राप्त दस्तावेजों के हक, स्वामित्व, वास्तविकता, नियमितता और वैधता के संबंध में और उससे उत्पन्न हानि या क्षति के संबंध में सभी उत्तरवाचित्वों से मुक्त रहेगा जिस पर दस्तावेजों और पंजीकरण से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सदस्यों का उन्मोचन

97. यदि कोई सदस्य समाशोधन गृह के बाहर प्रतिभूतियों परिदत्त करता है, सिवाय कि जब इन उप-नियमों और विनियमों में ऐसा उपबंधित हो या प्रबंध परिषद् द्वारा ऐसी निर्देश दिया गया हो, ऐसी सुपुर्दगी देने वाले और स्वीकार करने वाले सदस्य सभी निकटतम पाठ्यों को सभी देयताओं से मुक्त करें। प्रवाता प्राप्तकर्ता के लिए अकेले उत्तरदायी रहेगा।

प्रबंध न्यासियों की परिषद्

98. प्रबंध परिषद् किसी सदस्य के खाते समाशोधन गृह में प्रदत्त समस्त धनराशि और समाशोधन गृह की बहियों में प्रकट समस्त जमा, जिनका वह हकदार है, ऐसे सदस्य के लिए न्यास में और एक्सचेंज की ओर से एजेंट के रूप में धारित करेंगी। ऐसा भुगतान या जमा प्रविष्ट करना ऐसे सदस्य के लिए भुगतान या जमा के रूप में लिया जाएगा। कोई भी अन्य सदस्य उस पर कोई कुर्की या विवाद लगाने के लिए हकदार नहीं होगा और न ही एक्सचेंज या उसके किसी सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति को तत्समय लागू कानून के अधीन ऐसे किसी धन या जमा में या पर अधिकार, हक या हित रखता माना जाएगा।

गिरवी रखने का प्राधिकार

99. (क) प्रबंध परिषद् को किसी सदस्य जो पे इन-डे को प्रतिभूतियां लेने और भुगतान करने में ज़ुक करता है, के खाते समाशोधन गृह द्वारा धारित सभी प्रतिभूतियों या उनके एक भाग की गिरवी के प्रति धन उधार लेने का प्राधिकार होगा।

ग्रहण राशि

(ख) राशि, जिसके लिए प्रतिभूतियाँ उप खण्ड (क) उपबन्धित रूप में गिरवी रखी जाती हैं, विभाग बाजार मूल्य पर उनके मूल्य से अधिक नहीं होनी चाहिए और वह इन उप-नियमों और विनियमों के अनुसार समाशोधन गृह में ऐसी प्रतिभूतियाँ परिदृष्ट करने वाले सदस्यों को अवश्य की जाएंगी।

बिक्री

(ग) ग्रहण और भुगतान न की गई प्रतिभूतियाँ समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार प्रबंध परिषद् द्वारा देची जाएंगी।

ग्राहक की प्रतिभूतियों पर कोई लियन नहीं

100. जब किसी सदस्य को चूककर्ता घोषित किया जाता है तो न तो एकसचेज और न ही चूककर्ता के लेनदार मपने ग्राहकों के खाते समाशोधन गृह को उसके द्वारा परिदृष्ट प्रतिभूतियों-पर किसी लियन के हकदार होंगे। कोई ग्राहक, प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष द्वारा संतोषप्रद समझे जाने वाला यह प्रमाण प्रस्तुत करने पर कि ऐसी प्रतिभूतियाँ उसकी ओर से इस प्रकार परिदृष्ट की गई थीं, चूककर्ता को उसके द्वारा देय राशि, यदि कुछ है, के भुगतान या कटौती के अधीन या तो ऐसी प्रतिभूतियाँ या प्रतिवर्तित पूरक मूल्य पर उसका मूल्य, जैसा भी प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष निर्देश देता है, समाशोधन गृह से प्राप्त करने का हकदार होगा।

प्रमाण-पत्रों का उप-विभाजन, विभक्त रसीदें और प्रमाणित हस्तान्तरण विलेख

101. प्रबंध परिषद् द्वारा इस प्रकार विशिष्ट रूप से निर्विष्ट प्रतिभूतियों के संबंध में समाशोधन गृह उप-विभाजित प्रमाण-पत्र या अनन्तिम दस्तावेज या विभक्त रसीदें या प्रमाणित हस्तान्तरण विलेखों पर उप-विभाजन के लिए कार्य करेगा और ऐसे मामलों में, जहाँ कंपनी हस्तान्तरण विलेखों को प्रमाणित करने के लिए सहमत है, अपनी खुद की विभक्त रसीदें जारी कर सकता है।

उप-विभाजन

102. जब परिदृष्ट सदस्य परिदृष्ट की जाने वाली प्रतिभूतियों की राशि से बड़े मूल्य वर्ग का प्रमाण-पत्र या अनन्तिम दस्तावेज अथवा यो या अधिक हस्तान्तरण विलेखों द्वारा हस्तान्तरण प्रतिभूतियों का घोतक सिर्फ एक प्रमाण-पत्र रखता है तो प्रमाण-पत्र या अनन्तिम दस्तावेज समाशोधन गृह में जमा किया जाएगा। इसके बाद, समाशोधन गृह जमाकर्ता के जोखिम पर उन्हें कंपनी के कार्यालय में भेजेगा और या तो उस आशय के लिए हस्तान्तरण विलेखों को प्रमाणित करेगा या कंपनी से उप-विभाजित प्रमाण-पत्र या अनन्तिम दस्तावेज या विभक्त रसीदें या प्रमाणित हस्तान्तरण विलेख प्राप्त करेगा।

समाशोधन गृह विभक्त रसीदें

103. (क) इस प्रकार विशिष्ट रूप से निर्विष्ट प्रतिभूतियों के संबंध में, समाशोधन गृह किसी सदस्य के बड़े मूल्यवर्ग का प्रमाण-पत्र या अनन्तिम दस्तावेज जमा करने पर संबंधित विनियम में निहित रूप में या ऐसे अन्य रूप या रूपों में, जो प्रबंध परिषद् उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, अपनी खुब की समाशोधन गृह विभक्त रसीदें जारी करेगा।

समाशोधन गृह विभक्त रसीदें पर हक

(ख) समाशोधन गृह विभक्त रसीदें पर हक मूल प्रमाण-पत्रों या अनन्तिम दस्तावेजों के मामले की तरह ही हस्तान्तरणीय है।

समाशोधन गृह विभक्त रसीदें की प्रक्रिया-बदली

(ग) जिन सदस्यों को समाशोधन गृह विभक्त रसीदें जारी की गई हैं, समाशोधन गृह उन सदस्यों द्वारा विधिवृत्त उन्मोचित समाशोधन गृह विभक्त रसीदों के प्रस्तुतीकरण तथा अम्बर्धण पर कंपनी द्वारा जारी नये प्रमाण-पत्र या अनन्तिम दस्तावेज या विभक्त रसीदें या प्रमाणित हस्तान्तरण विलेख परिदृष्ट करेगा।

प्रबंध परिषद् द्वारा निर्धारित की जाने वाली प्रक्रिया

104. प्रबंध परिषद् दस्तावेजों के उप-विभाजन, हस्तान्तरण विलेखों के प्रमाणन और समाशोधन गृह विभक्त रसीदें जारी करने के लिए प्रदान किया जाने वाला शुल्क और अपनायी जाने वाली प्रक्रिया समय-समय पर निर्धारित करेगी।

उप-विभाजन और प्रमाणन के बारे में कोई उत्तरदायित्व नहीं

105. एकसचेज, प्रबंध परिषद्, समाशोधन-गृह और उनके अधिकारी विभक्त रसीदें जारी करने या हस्तान्तरण के प्रमाणन के संबंध में किसी कर्तव्य के उचित या परिणुद्ध निष्पादन के लिए अथवा उप-विभाजन या प्रमाणन के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के सत्यापन के लिए अथवा कंपनी को प्रमाण-पत्रों या अन्य दस्तावेजों के प्रेषण के संबंध में किसी कर्तव्य के लिए अथवा जाली हस्तान्तरणों के प्रमाणन से या समाशोधन गृह विभक्त रसीदें जारी करने से या जाली प्रमाण-पत्रों या जाली दस्तावेजों के विरुद्ध हस्तान्तरणों के प्रमाणन से उत्पन्न होने वाली किसी हानि के लिए या विचाराधीन कर्तव्यों के निष्पादन, मिथ्या-निष्पादन या अनिष्पादन के लिए दायी या उत्तरदायी नहीं होंगे।

सिर्फ सदस्यों द्वारा निपटान

106. सिर्फ सदस्य समाशोधन गृह के माध्यम से सविदाओं का समाधान तथा निपटान करने के लिए हकदार होंगे।

समाशोधन सदस्य बैंकों के माध्यम से सुपुर्दी और भुगतान

107. समाशोधन गृह प्रबंध परिषद् द्वारा अनुमोदित बैंकों, न्यास कंपनियों तथा अन्य फार्मों की पक्ष मूच्छी (इसमें इसके पश्चात् समाशोधन सदस्य बैंक कहा गया है) रखेगा जो प्रतिभूतियों, हस्तांतरण विलेखों तथा किसी अन्य वस्तावेज की सुपुर्दी देने और लेने में और इन उपनियमों तथा विनियमों में निर्धारित ढंग में उनके लिए भुगतान करने या स्वीकार करने में सहस्रों तथा अपने ग्राहकों के लिए कार्य करेगा।

समाशोधन सदस्य बैंक द्वारा उपनियमों तथा विनियमों का पालन

108. समाशोधन सदस्य बैंक समाशोधन गृह के माध्यम से या द्वारा निर्देशित रूप में सुपुर्दी, भुगतान तथा लेन-देनों के समाशोधन और निपटान से संबंधित उपनियमों तथा विनियमों और उसके अधीन प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष के संकल्पों, आदेशों, नोटिसों, निर्देशों और निर्णयों का पालन करने के लिए सहमत होने चाहिए।

अनुमोदित सूची में सम्मिलित करना या निकालना

109. प्रबंध परिषद् समाशोधन सदस्य बैंकों की सूची में समय-समय पर स्वविवेकानुसार¹ नाम जोड़ सकती है और उससे नाम हटा सकती है।

नोटिस और निर्देश

110. सभी सदस्य और समाशोधन सदस्य बैंक समाशोधन गृह के परिचालन से संबंधित सभी मामलों में प्रबंध परिषद् के ग्रन्तियों, संकल्पों, आदेशों, नोटिसों, निर्देशों और निर्णयों का अनुपालन करें।

प्रबंध परिषद् द्वारा समाशोधन गृह

प्रक्रिया का निर्धारण

111. समाशोधन गृह के परिचालन से संबंधित सभी मामलों में सम्पादन के लिए आवश्यक समस्त कारोबार या लेन-देन और अदा किये जाने वाले शुल्क, जुमति और दंड के लिए सदस्यों और समाशोधन सदस्य बैंकों द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया संबंधित विनियम में निर्धारित प्रावधानों या ऐसे अन्य प्रावधानों, जो प्रबंध परिषद् उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, के अनुसार होगी।

निर्धारित बैंक

112. प्रबंध परिषद् समय-समय पर बैंक निर्धारित करेगा जिनके साथ सभी सदस्य समाशोधन परिचालनों के प्रयोजनार्थ खाते रखेंगे।

समाशोधन फार्म निर्धारित किये जाएंगे

113. समाशोधन गृह के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त सभी समाशोधन फार्म (जिसमें समाशोधन सूची, सुपुर्दी और प्राप्ति आदेश, विवरण पत्रक, तुलन पत्र, आवा नोट, वाउचर तथा अन्य फार्म

और दस्तावेज शामिल है) संबंधित विनियम में निर्धारित फार्म में या ऐसे अन्य फार्म या फार्मों में होंगे जो प्रबंध परिषद् उसके अनियन्त्रित या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे।

दण्ड

114. प्रबंध परिषद् या अधिक समाशोधन गृह से संबंधित उपनियमों और विनियमों आंदर समाशोधन गृह के माध्यम से लेन-देनों के समाशोधन तथा निपटान और उसके अधीन प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष के संकल्पों, आदेशों, नोटिसों, निर्देशों और निर्णयों के अनुग्रहन में किसी सदस्य द्वारा चूक के हरेक मामले में और समाशोधन गृह द्वारा अपने परिचालन प्रक्रम में अपेक्षित फार्मों या अन्य वस्तावेजों को अर्ने में किसी गलती या त्रुटि या अस्पष्ट प्रविष्टि के लिए या समाशोधन गृह को ऐपा कोई फार्म या दस्तावेज प्रस्तुत करने में किसी विलंब के लिए लगाये जाने वाले दाग का समय-समय पर निर्धारण करेंगे।

मिथ्या या भ्रामक विवरण

115. प्रबंध परिषद् ऐसे किती समय की दंड लगा सकती है, निलंबित या वबस्ति कर मज़बूत है और अधिक ऐसे किसी सदस्य की दंड नगा सकता है परन्तु निलंबित कर यकृता है जो इन उपनियमों और विनियमों या उसके अधीन प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष के किसी संकल्प, आदेश, नोटिस, निर्देश या निर्णय के अनुरूप प्रस्तुतीकरण अपेक्षित समाशोधन फार्मों में कोई मिथ्या या भ्रामक विवरण देता है।

संमाशोधन प्रभार

116. प्रबंध परिषद् समाशोधन गृह के माध्यम से लेन-देनों के समाधान और निपटान के लिए समय-समय पर समाशोधन प्रभार का नाम निर्धारित करेगी।

समाशोधन गृह विल

117. समाशोधन गृह तबस्यों द्वारा एकसचेंज को देय प्रभार, शुल्क, दंड तथा अन्य देयों और समाशोधन गृह के माध्यम से समाशोधित तथा निपटाये गये कारोबार के बाबत देय प्रभार, दंड या अन्य देयों हेतु आवधिक रूप से ब्रिन देगा और सदस्यों द्वारा देय राशि उनके खातों में नाम लिखेगा। ऐसे सभी विल उनके देने की तारीख से एक सप्ताह के भीतर अदा किये जाएंगे।

व्याज, लाभांश, राष्ट्रदूत और रूपैल

क्रेता और विक्रेता

118. इन उपनियमों तथा विनियमों के प्रयोजनार्थ, जब तक संदर्भ अन्यथा सूचित नहीं करता है “क्रेता” शब्द में क्रय ग्राहक और उसके दलाल या एजेंट के रूप में कार्यरत क्रय-सदस्य शामिल है और उस समय का सदस्य को चौतित करता है जब वह एक “मालिक” के रूप में अपने खुद के खाते पर संब्यवहार कर रहा है। इसी प्रकार, जब तक संदर्भ अन्यथा सूचित नहीं करता है, “विक्रेता” शब्द में विक्री ग्राहक और उसके दलाल या एजेंट

के रूप में कायंरत विकी सदस्य शामिल है और उस समय विकी सदस्य को द्वितित करता है जब वह एक "मालिक" के रूप में अपने खुद के खाते पर संव्यवहार करता है।

व्याज, लाभांश, तथा राइट्स.

119. केता बाउचर-सहित, कूपन सहित, लाभांश सहित, नकदी बोनस सहित, बोनस सहित, राइट्स सहित आदि तरीकी गई प्रतिभूतियों से संबंधित समस्त बाउचर, कूपन, लाभांश, नकदी बोनस, बोनस निर्गम, राइट्स तथा अन्य प्राधिकार पाने का हकदार होगा और विकेता एक्स-बाउचर, एक्स-कूपन, एक्स डिविडेंड, एक्स कैश बोनस, एक्स बोनस, एक्स राइट्स आदि रूप में बेची गई प्रतिभूतियों से संबंधित समस्त बाउचर, कूपन, लाभांश, कैश बोनस, राइट्स तथा अन्य प्राधिकार पाने का हकदार होगा।

सरकारी प्रतिभूतियों और डिवेंचरों में सौदों में उपचित व्याज शामिल नहीं होगा।

120. (क) सरकारी प्रतिभूतियों और बाहक या पंजीकृत डिवेंचरों में सौदे मूल्य में उपचित व्याज न शामिल किये दुएँ माने जाएँगे, और ऐसे सौदे केता और विकेता के बीच उपचित व्याज के हिसाब के अधीन नहीं होंगे।

बताते कि जब जारीकर्ता ने किसी बाहक या पंजीकृत डिवेंचर पर व्याज देय तारीख से तीस दिन के अंदर या देय तारीख से ऐसी अन्य अल्प-अवधि में, जो प्रवंध परिषद निर्धारित करे, अदा नहीं किया गया है तो ऐसे डिवेंचरों के सौदों के मूल्य में उपचित व्याज शामिल माना जाएगा और विकेता चालू अवधि के लिए या अप्रवत्स रहने वाली पूर्व अवधियों के लिए, केता से व्याज का दावा करने के लिए तब तक हकदार नहीं होगा जब तक वह सौदा करने समय अन्यथा स्पष्ट रूप से नियत न हो।

उपचित व्याज का भुगतान

(ख) जब उपचित व्याज सौदे के मूल्य में शामिल नहीं माना गया है तो विकेता स्रोत पर काटे जाने वाले अधिभार, यदि कृष्ण है, सहित आकर की राशि घटाकर भुगतान की तारीख तक उपचित व्याज केता से पाने का हकदार होगा।

उपचित व्याज जब देय न हो

(ग) जब विकेता सुपुर्दगी की देय तारीख को प्रतिमूलियों परिदृश करने में चूक करता है तो व्याज बंद हो जाएगा और केता उस तारीख के बाद उपचित व्याज अदा करने के लिए दायी नहीं होगा जिस तारीख को सुपुर्दगी की गई होगी।

उपचित व्याज या बैंक दर व्याज

(घ) जब केता संविवा की देय तारीख को प्रतिभूतियों के लिए भुगतान करने में चूक करता है, तो विकेता या तो अस्तुत भुगतान करने की तारीख तक उपचित व्याज या जिस दिन को भुगतान किया गया होता उस दिन और अस्तुत भुगतान करने के दिन के बीच दिनों के लिए बैंक दर पर व्याज, दोनों में से जो भी अधिक हो, का दावा करने का हकदार होगा।

सरकारी प्रतिभूतियों और बाहक प्रतिभूतियों जब

"कम" तथा "एक्स" बाउचर या कूपन हों

121. सरकारी प्रतिभूतियों और बाहक प्रतिभूतियों में सौदे एक्स बाउचर तथा एक्स कूपन होंगे जब, सौदे के समय ऐसा नियत हो। ऐसी किसी शर्त के अमाव में ऐसे सौदे व्याज देय होने की तारीख से एक्स-कूपन माने जाएंगे।

जब सदस्य बाउचरों और कूपनों के लिए दायी हो

122. सरकारी प्रतिभूतियों और बाहक प्रतिभूतियों में बाउचर-सहित या कूपन-सहित सौदों के संबंध में केता अनाहरित अवधि के लिए देय व्याज सहित सरकारी प्रतिभूतियों और संलग्न कूपन प्रक्रियों सहित बाहक प्रतिभूतियों विकेता से प्राप्त करने का हकदार होगा। यदि ऐसी प्रतिभूतियों अवधि के लिए व्याज एकत्र करने के बाद या बाउचरों के बिना या नकदोकरण के लिए देय कूपनों के बिना परिदृश्ट की जाती है, बाउचरों या कूपनों पर काटे गये आय कर की पूरी राशि अप्राप्त बाउचरों या कूपनों के बदले में विकेता द्वारा केता को अदा की जाएगी।

सौदे जब "कम" तथा "एक्स" डिविडेंड या कैश बोनस हों

123. (क) "संकल्प किया जाता है कि 1 जनवरी, 1968 से, जब तक अन्यथा अधिसूचित न किया गया हो, असमाशोधित प्रतिभूतियों में सभी सौदे उस तारीख से एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस होंगे जिस तारीख को सदस्यों का रजिस्टर इस प्रयोजन के लिए बंद रखा जाता है या जब सदस्यों का रजिस्टर इस प्रकार बंद नहीं किया गया है, उस प्रयोजन के लिए नियत रिकाउं तारीख से एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस होंगे और समाशोधित प्रतिभूतियों में सभी सौदे ऐसी तारीख से या के बाद शुरू होने वाले समाशोधन के पहले दिन से एक्स डिविडेंड या एक्स-बोनस होंगे।"

विस्तृत जब सूचना उपलब्ध न हो

(ख) यदि उप-खण्ड (क) में उपबन्धित रूप में प्रतिभूति के एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस होने के लिए एक्सचेंज को डिविडेंड या कैश बोनस के बारे में सूचना नहीं है तो असमाशोधित प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों और डिवेंचरों में भिन्न) में सभी सौदे उस तारीख के बाद की तारीख से एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस होंगे जिस तारीख को डिविडेंड या कैश बोनस का पता चलता है और समाशोधित प्रतिभूतियों में सभी सौदे ऐसी तारीख से या ऐसी तारीख के बाद शुरू होने वाले समाशोधन के पहले दिन से एक्स डिविडेंड या एक्स-कैश बोनस होंगे।

एक्स-डिविडेंड या एक्स कैश बोनस सौदों के संबंध में

समायोजन हेतु उत्तरदायी सदस्य

124. डिविडेंड या कैश बोनस की घोषणा रद्द या परिवर्तित करते हुए एक्सचेंज को सरकारी सूचना मिलने पर, ऐसी तारीख के पूर्व किये गये सभी एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस सौदे संशोधन के अधीन होंगे। यदि डिविडेंड या कैश बोनस की घोषणा रद्द की जाती है तो एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस मूल्य डिविडेंड या एक्स कैश बोनस मूल्य तदनुरूपी राशि से बढ़ या घट जाएगा। ऐसी तारीख के पूर्व किये गये सभी एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस सौदों के संबंध में अंतर क्रेता और विक्रेता के बीच तुरन्त समायोजित किया जाएगा और सदस्य ऐसा समायोजन करते के लिए स्वयं के बीच और अपने ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। ऐसी तारीख के पूर्व किये गये लेकिन निपटान न किये गये एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस सौदे संशोधित मूल्य के आधार पर पूरे किये जाएंगे।

जब सौदे एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस होना

बन्द हो जाएगे

125. डिविडेंड या कैश बोनस की घोषणा रद्द करते हुए एक्सचेंज को सरकारी सूचना मिलने पर उसके बाद सभी सौदे इस प्रकार से किंगे जाएंगे मानो प्रतिभूति एक्स डिविडेंड या एक्स कैश बोनस नहीं हुई है।

सह-लाभांश या सह-नकदी बोनस क्य मूल्य से कटौती

126.(क) सह-लाभांश या सह-नकदी बोनस लेन-देन के संबंध में क्रेता अनुशंसित या घोषित लाभांश या नकदी बोनस, जिसका वह हकदार है, क्य मूल्य से काट सकता है बशर्ते कि प्रतिभूतियाँ भारत में स्थित पंजीकृत कार्यालयों वाली कंपनियों के मामले में लाभांश या नकदी बोनस के प्रयोजनार्थ रिकार्ड तारीख या अंतरण बही के बंद होने की तारीख में 5 दिन से कम समय में और भारत के बाहर स्थित पंजीकृत कार्यालय कर्त्ता कंपनियों के मामले में ऐसी तारीख से चाँदह दिन से कम समय में विक्रेता द्वारा या विक्रेता की ओर से समाशोधन गृह द्वारा क्रेता की परिदल्त की जाती है। जब लाभांश या नकदी बोनस मालूम न हो तो क्रेता कंपनी द्वारा अनुरूपी पूर्व अधिक के संबंध में प्रदत्त लाभांश या नकदी बोनस की राशि या ऐसी अन्य राशि, जो प्रबंध परिषद या अध्यक्ष हमके बारे में निधन और अधिसूचित करे, क्य मूल्य ने अनन्तिम रूप में काट सकता है।

सह-लाभांश या सह-नकदी बोनस सौदों के संबंध में समायोजन हेतु उत्तरदायी सदस्य

(ख) यदि जिन प्रतिभूतियों के संबंध लाभांश या नकदी बोनस की राशि क्रेता द्वारा सह-लाभांश या सह-नकदी

बोनस मूल्य से काटा गई है, ये प्रतिभूतियाँ लाभांश या नकदी बोनस के प्रयोजनार्थ कंपनी की रिकार्ड तारीख या अंतरण बही के बंदी की तारीख के पूर्व कंपनी के पास पंजीकरण के लिए प्रस्तुत की जाती है यदि कंपनी द्वारा बाद में घोषित या प्रदत्त वास्तविक लाभांश या नकदी बोनस सह-लाभांश या सह-नकदी बोनस क्य मूल्य से काटी गयी राशि से भिन्न हो तो लाभांश या नकदी बोनस या अंतरण (जैसी भी स्थिति हो) क्रेता और विक्रेता के बीच तुरन्त समायोजित किया जाएगा और सदस्य ऐसा समायोजन करने के लिए स्वयं के बीच और अपने ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

जार महीने के अन्दर दाया

127. वाउचरों, कूपनों, व्याज, लाभांश या नकदी बोनस के संबंध में सभी दावे व्याज, लाभांश या नकदी बोनस के भुगतान की तारीख से चार महीने के अन्दर उसमें उपबंधित रूप से समायोजित किए जाएंगे और सदस्य उसके बाद स्वयं के बीच और अपने ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं होंगे।

समाशोधित प्रतिभूतियों में महं तथा एक्स बोनस या राइटस सौदे

128. समाशोधित प्रतिभूतियों में सभी सौदे ऐसी तारीख में एक्स बोनस या एक्स राइटस होंगे जो प्रबंध परियद या अध्यक्ष उसके बारे में नियत और अधिसूचित करे। उस तारीख के पूर्व सभी सौदे सह-बोनस और मह-राइट्स माने जाएंगे।

असमाशोधित प्रतिभूतियों में सह तथा एक्स बोनस या राइटस सौदे

129. (क) असमाशोधित प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों तथा छिवेचरों से भिन्न) में सभी सौदे कंपनी द्वारा बोनस निर्गम या राइटस की घोषणा या जहाँ आवश्यक हो, उसके लिए मानविक रूप संजूरी की प्राप्ति की तारीख से अथवा बोनस निर्गम या राइटस के प्रयोजनार्थ के बाद बंदी कंपनी की अंतरण बहियों के पुनः खुलने की तारीख से अथवा इस प्रयोजन के लिए नियत रिकार्ड तारीख के बाद की तारीख से, जो भी बाद में हो, एक्स बोनस या एक्स राइटस होंगी, बशर्ते कि प्रबंध परियद या अध्यक्ष कोई अन्य तारीख नियत तथा अधिसूचित कर सकते हैं जिस तारीख से सौदे एक्स बोनस या एक्स राइटस होंगे। ऐसी तारीख के पूर्व सभी सौदे मह-बोनस या मह-राइट्स माने जाएंगे।

जब एक्स बोनस या राइट्स के बारे में सूचना उपलब्ध न हो

(ख) यदि उप खण्ड (क) में उपबंधित रूप में प्रतिभूति के एक्स बोनस या एक्स राइट्स होने के लिए एक्सचेंज के पास बोनस निर्गम या राइट्स के बारे में सूचना नहीं है तो असमाशोधित प्रति

भूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों तथा डिवेलरों से भिन्न) में सभी सौदे एकसचेंज को ऐसी यात्रा भितने जी तारीख के बात की तारीख से एकम-बोनस या एकम राइट्स होंगे।

अस्थायी निपटान

130. (क) मह-बोनस या सह-राइट्स लेन-देन के संबंध में जब प्रतिभूतियाँ बोनस निर्गम या राइट्स के प्रयोजनार्थे रिकार्ड तारीख या अंतरण बनी के बंद होने भी तारीख को या के बाद विकेता द्वारा या विकेता की ओर भासाशोधन गृह द्वारा क्रेता की परिदृश्य की जाती हैं तो क्रेता बोनस निर्गम या राइट्स, जिसका वह हकदार है, के समानुपातिक मूल्य के समतुल्य राशि या ऐसी अन्य राशि, जो प्रबंध परिषद या अध्यक्ष उसके बारे में नियंत तथा अधिसूचित करे, क्य मूल्य से काट सकता है और असमाणोधित प्रतिभूतियों के मामले में ऐसी राशि जमा के रूप में अपने पास रख सकता है या समागोषित प्रतिभूतियों के मामले में एकसचेंज के पास जमा कर सकता है। क्रेता भी ऐसी कटौती कर सकता है तथा समागोषित और असमागोषित दोनों प्रतिभूतियों के संबंध में, जब प्रतिभूतियाँ भारत में स्थित पंजीकृत कार्यालय वाली कंपनियों के मामले में बोनस निर्गम या राइट्स के प्रयोजनार्थे रिकार्ड तारीख या अंतरण बनी के बंद होने की तारीख के पूर्व पांच दिन की अवधि के द्वारा या भारत के बाहर स्थित पंजीकृत कार्यालय वाली कंपनियों के मामले में ऐसी तारीख के पूर्व चौधूह दिन की अवधि के द्वारा उसे परिषद की जाती है तो वह समाशोधन गृह या एकसचेंज में राशि जमा करेगा।

जमाराशि या भुगतान

(ख) उप छण्ड (क) में उपबंधित रूप में देय राशि स्वरूप क्रेता द्वारा जमा के रूप में धारित या एकसचेंज या समाशोधन गृह में जमा की राशि विकेता को उस समय अदा की जाएगी जब वह हस प्रयोजन के लिए प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा नियंत तारीख को या के बाद किसी भी समय बोनस निर्गम या राइट्स परिदृश्य करता है।

खरीद

(ग) यदि विकेता निर्धारित समय के भीतर बोनस निर्गम या राइट्स परिदृश्य करने में चुक करना है तो क्रेता समाप्ति से संबंधित उप-नियमों और विविधमों के अनुसार उसके विकृद्ध खरीदी करने का हकदार होगा।

परित्याग-पत्र

131. बोनस निर्गम तथा राइट्स उभय समय परित्याग-पत्र होंगे जब ऐसे पत्र कंपनी द्वारा आरोपित किए जाते हैं। जब उचित परित्याग-पत्र कपनी द्वारा आवेदन की प्राप्ति के लिए नियम तारीख के पूर्ववत् पांचवें दिन को या उसके पूर्व अवधि या अन्य तारीख के पूर्व, में जो प्रबंध परिषद या अध्यक्ष उसके लिए नियंत तथा अधिसूचित करे, क्रेता को परिदृश्य या प्रलृति किए जाते हैं तो विकेता ऐसे बोनस निर्गम और राइट्स से संबंध में जारी की देयता से मुक्त हो जाएगा। कोई भी सदस्य निर्धारित समय के भीतर प्रस्तृत न किए गए परित्याग-पत्रों को स्वीकृत करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

परित्याग-पत्र की अनुपूर्दी

132. यदि निर्धारित समय के भीतर परित्याग-पत्रों को परिदृश्य करने में विकेता की विफलता के कारण परित्याग-पत्रों द्वारा बोनस निर्गम या राइट्स के दावों का निपटान नहीं होया जा सकता है तो विकेता बोनस निर्गम तथा राइट्स प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी होगा और क्रेता पहले से ही राइट्स के लिए भुगतान करने के किसी दायित्व के अधीन नहीं होगा। विकेता अंतरण के लिए अतिरिक्त खर्च, यदि कूल है, के लिए भी जोका के प्रति उत्तरदायी होगा।

राइट्स हेतु आवेदन

133. (क) राइट्स संहित लेन-देन के संबंध में जब क्रेता पुरानी प्रतिभूतियों के संबंध में जारी नई प्रतिभूतियों के लिए हकदार है तो क्रेता, जब तक प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा अन्यथा आवेदन न दिया गया हो, कंपनी द्वारा आवेदन की प्राप्ति के लिए नियंत तारीख के पूर्ववर्ती पांचवें दिन की या उसके पूर्व विकेता से लिखित रूप में विशेष रूप में उनका दावा करेगा।

विकेता की देपता तथा कर्तव्य

(ख) उप छण्ड (क) में निहित बात के होते हुए भी यदि विकेता के पास नई प्रतिभूतियाँ हैं तो उन कंपनी द्वाये आवेदनों की प्राप्ति के लिए नियंत अंतिम दिन के बाद की तारीख को क्रेता द्वारा दावा किए जाने पर नई प्रतिभूतियों के लिए क्रेता के प्रति उत्तरदायी होगा। यदि विकेता के पास नई प्रतिभूतियों नहीं हैं तो वह उनका पता लगाने में क्रेता की हर संभव सहायता करने के लिए बाध्य होगा।

राइट्स के संबंध में भुगतान

134. (क) जब परित्याग-पत्र जारी न किए गए हों तो राइट्स के संबंध में कंपनी द्वारा भास्त्र-समय पर अोक्ता भुगतान क्रेता द्वारा विकेता को अप्रिम दिए जाने चाहिए।

विक्री-प्राहक कर-प्राहक के लिए दृस्टी

(ख) राइट्स के संबंध में राशि कंपनी को अदा करने के लिए पर्याप्त समय पहले क्रेता द्वारा विकेता को अदा को जाएगी और क्रेता उसके लिए रसीद की भी सांग कर सकता है। ऐसे सामनों में सदस्य व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं होगे और विक्री प्राहक ऐसे भुगतानों के संबंध में अप-प्राहक के लिए यक दृस्टी माना जाएगा।

क्रेता अंतरण खर्च अहत करेगा

(ग) जब परित्याग-पत्र कपनी द्वारा जारी नहीं किए गए हैं तो क्रेता के नाम में राइट्स अंतिम करने का खर्च क्रेता द्वारा अहत किया जाएगा।

सिविडेंड या राइट्स के लिए सदस्य कब धारी होंगे

135. (क) सह-डिविडेंड, सह-फ़सी बोनस या सह-बोनस या सह-राइट्स सीदों के संबंध में, सदस्य प्रतिभूतियों

पर डिविडेंड, नकदी बोनस निर्गम या राइट्स के लिए व्यक्तिगत रूप से तभी उत्तरदायी होंगे जब ऐसी प्रतिभूतियां डिविडेंड, नकदी बोनस निर्गम या राइट्स के प्रयोजनार्थ रिकार्ड तारीख या अंतरण यही के बांद होने की तारीख से पांच दिनों से कम समय के पहले विक्रेता द्वारा या विक्रेता की ओर से समाशोधन—गृह ढारा जैसा को परिदृश्य की जाती है।

अब और विक्री ग्राहकों और अंतरणकर्ताओं के अधिकार और वायित्व

(क) सदस्य उप लाइफ (क) के उपबंधित रूप के सिवाय डिविडेंड, नकदी बोनस, बोनस निर्गम, या राइट्स के लिए स्वयं के बीच या अपने ग्राहकों के लिए वायी नहीं होंगे लेकिन इसमें मिहिल कोई भी आत "प्रमुख" के रूप में क्रम तथा विक्री ग्राहकों (जिसनी अभियक्षित में "प्रधान" के रूप में अपने बुद्धि के बाते पर संबंधवहार करने वाले क्रम सदस्य तथा/या विक्री सदस्य शामिल हैं) के बीच उनके अधिकारों तथा उत्तरदायित्वों अथवा ऐसे डिविडेंड, नकदी बोनस, बोनस निर्गम या राइट्स के संबंध में अंतरणकर्ताओं की देशता को प्रभावित नहीं करेगी।

जहां विक्रेता द्वारा कॉल का भुगतान अनिवार्य हो

136. यदि प्रतिभूतियां इस शर्त पर खरीदी गई हैं कि वे किसी विशिष्ट काल (व्याज या अन्य प्रभार, यदि कुछ है, सहित) के संबंध में प्रदत्त होनी चाहिए और विक्री-ग्राहक ने उसका भुगतान नहीं किया है तो उक्ता इस प्रकार देय कॉल मनी का विक्रेता द्वारा कार सकता है और वह मूल्य के प्रति ऐसे कॉल मनी को समंजित करने का हकदार होगा।

जहां विक्रेता द्वारा कॉल का भुगतान मैक्युल क्लूप हो

137. (क) अंशतः प्रदत्त प्रतिभूतियों का विक्रता प्रतिभूतियों पर किए गए किसी कॉल का भुगतान सुपुर्दगी के पूर्व कर सकता है, हालांकि ऐसे कॉल के भुगतान के लिए नियत अंतिम तारीख अत्यन्त नहीं होती है। विक्रेता जैसा से इस प्रकार अदा किए गए मांग धन (कॉल मनी) का दाता करने का हकदार होगा और उसे क्रम मूल्य में जोड़ सकता है।

विक्रेता अनिवार्य स्टाम्प शुल्क वहन करेगा

(ख) जब विक्रेता ने भुगतान के लिए नियत अंतिम तारीख की समाप्ति के पूर्व कॉल का भुगतान कर दिया है तो उसके फलस्वरूप अदा किया जाने वाला अनिवार्य स्टाम्प शुल्क विक्रेता द्वारा वहन किया जाएगा और उक्ता क्रम-मूल्य में से काट सकता है।

क्रम-ग्राहक द्वारा काल का भुगतान

138. क्रम-ग्राहक प्रमाण-पत्र की सुपुर्दगी और अंतरण के बद्द देय होने वाले अंशदान पर प्रत्येक कॉल का भुगतान करेंगा। फिर भी, यदि कंपनी लियन के कारण अंतरण दर्ज करने से इंकार करती है तो घर अंशदान पर ऐसे काल का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा। किसी अन्य मामले में, यदि क्रम-ग्राहक ऐसा भुगतान करते में चूक करता है और विक्री ग्राहक को उसका भुगतान करने के लिए बाध्य होता है तो विक्री ग्राहक इस बात के होते हुए भी क्रम-ग्राहक से उसकी वसूली करने का हकदार होगा।

कि उक्ता ग्राहक ने शेयरों का अंतरण करने के लिए कंपनी के पास आवेदन किया और कि कंपनी के निदेशकों ने अंतरण करने रूप में इकार कर दिया।

सदस्य कॉल के लिए वायी नहीं

139. इन उप-नियमों तथा विनियमों में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी सदस्य वो दलाल के रूप में ग्राहक की ओर से उसके द्वारा किए गए किसी समझौते के संबंध में कंपनी द्वारा किए गए कॉल के भुगतान के लिए किसी भी पार्टी के प्रति व्यक्तिगत रूप में वायी या उत्तरदायी नहीं माना जाएगा।

परिसमाप्त में कंपनी

140. यदि संविवा की तारीख में या संविवा और सुपुर्दगी की देय तारीख के बीच कंपनी का समाप्त किया जाता है तो उक्ता जिस पर भी क्रम धन विक्रेता को अदा करेगा और विक्रेता अदा किया जाने वाला कोई भी अंशदान या कॉल जैसा से वसूल करने का हकदार होगा, भले ही परिसमाप्त अंतरण के लिए सहभाग देने से इकार करता है। यदि जैसा या उसका नामिती अपने नाम में प्रतिभूतियों अंतरित नहीं करा पाता है तो विक्रेता, यदि क्रेता द्वारा और जैसा की लागत पर ऐसा करना अवश्यक होता है, जैसा या उसके नामिती को प्रतिभूतियों में अंतरणकर्ता के हक और अधिकार के समानुदेशन के लिए जैसा और उसके नामिती के पक्ष में एक प्रतिवर्तीय मुक्तानामे के निष्पादन के लिए व्यवस्था करेगा जिससे वह खरीदी गई प्रतिभूतियों के संबंध में संविवा की तारीख के बाव देय हो रहे किसी पूँजी प्रतिफल लाभाश की वसूली कर सके।

समतुल्य प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी

141. पुनर्गठन की योजना के अधीन की गई या अन्य प्रतिभूतियों के लिये विनियमें होने वाली या विनियम प्रतिभूतियों में संविवा के संबंध में विक्रेता प्रबंध समिति के निर्देशों के अनुसार जैसा को या तो संविवागत प्रतिभूतियों या समतुल्य प्रतिभूतियों तथा या पुनर्गठन योजना के अधीन त्राय नकदी तथा/या अन्य संपत्ति परिदृश्य करेगा।

प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी (डिलिवरी)

सुपुर्दगी और भुगतान का स्थान

142. इन उप-नियमों और विनियमों के सार्वज्ञ होने वाली सभी संविवाओं के सम्बन्ध में सभी दस्तावेजों तथा कागजात की सुपुर्दगी और भुगतान को योग्यतृ शहर के अधिकार के भीतर होगा और पार्टीयां को योग्यतृ में सुपुर्दगी देने और लेने के लिये बोध्य होंगी।

कॉल से दस्तावेज अच्छी सुपुर्दगी होंगे।

143. संबंधित विनियमों में निर्दिष्ट दस्तावेज या ऐसे अन्य दस्तावेज, जो प्रबंध पाठ्यक उसके अंतरिक्ष या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय समय पर निर्दिष्ट करे, उस समय अच्छी सुपुर्दगी संधारित करेंगे जब इन उप-नियमों और

विनियमों के नाम होने वाली संविदाओं की पूर्ति में प्रस्तुत किये जाते हैं।

निर्धारित लॉट में सुपुर्दंगी और नवीकरण शुल्क

144. संविदाओं के निपटान में परिदृष्ट किये जाने वाले दस्तावेजों के लॉट और दस्तावेजों के नवीकरण के लिये ऋता को विक्रेता द्वारा देय नवीकरण शुल्क संबंधित विनियम में उसके बारे में निहित प्रावधानों या प्रबन्ध परिषद द्वारा उसके प्रतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित, अन्य प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किये जाएंगे।

अंतरण, स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क

145. जब तक प्रबन्ध परिषद द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया गया हो, सरकार को देय अन्तरण स्टाम्प शुल्क और प्रतिभूतियों का अंतरण बर्ज करने के लिये कार्यनियों द्वारा प्रस्तावित और अन्तरण शुल्क के नाम से प्रत्येक शुल्क ऋता द्वारा अदा किया जाएगा लेकिन जहाँ अंतरण विलेख निर्धारित लॉटों से भिन्न लॉटों में अदा किये गये हैं, उसके फलस्वरूप अदा किये जाने वाला प्रतिरिक्त स्टाम्प शुल्क, अन्तरण शुल्क और समेकन प्रभार विक्रेता द्वारा ऋता को अदा किया जाएगा।

आंशिक सुपुर्दंगी

146. यदि सौदे के निष्पादन में प्रस्तुत दस्तावेज नियमित, असली और वैध न हों तो ऋता प्रतिभूतियों के लिए इकार करने और अदायगी न करने का हकदार है किन्तु वह प्रतिभूतियों का ऐसा भाग स्थीकार करेगा जो उचित हो, बर्णन वह ट्रेडिंग इकाई के लॉट में ही और समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार प्रतिरिक्त, भाग अन्तर्दृढ़ सकता है।

सुपुर्दंगी स्थीकार करने से इकार पर समापन

147. जब नियमित, वास्तविक तथा वैध दस्तावेज सौदे के निष्पादन में विवित प्रस्तुत किए जाते हैं और ऋता द्वारा स्थीकार नहीं किये जाते हैं, विक्रेता को समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार उसके विरुद्ध उनकी विक्री करने का हक होगा।

विवादप्रस्त दस्तावेज

148. (क) जब संविदाओं के निपटान में सुपुर्दंगी के लिये प्रस्तुत दस्तावेज ऋता द्वारा हक, स्वामित्व, वास्तविकता, नियमितता या वैधता में दोषपूर्ण समझे जाते हैं या किसी कारण से अवस्थित नहीं हैं और विक्रेता अपनी स्थीकार नहीं करता है तो दस्तावेज ऋता द्वारा विक्रेता को वापस कर दिये जाएंगे और उससे संबंधित विवाद संबंधित विनियम में उसके बारे में निहित प्रावधानों या प्रबन्ध परिषद द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित अन्य प्रावधानों के अनुसार होगा। यदि पंजीकरण या सुपुर्दंगी निर्धारित छंग से पूरी नहीं होती है तो विक्रेता को समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार ऋता के प्रति प्रतिभूतियों की विक्री करने का हक होगा।

सुपुर्दंगी कब पूरी होगी

(ख) यदि विवादप्रस्त दस्तावेज सही रूप में विवाचकों द्वारा धारित हैं तो ऋता उन्हें अच्छी सुपुर्दंगी के रूप में स्वीकार करेगा और ऐसी स्वीकृति न करने पर विक्रेता को समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार ऋता के विरुद्ध उनकी विक्री करने का हक होगा।

सुपुर्दंगी कब पूरी नहीं होगी

(ग) यदि विवादप्रस्त दस्तावेज दोषपूर्ण रूप में विवाचकों द्वारा धारित है, तो सुपुर्दंगी पूरी नहीं होगी और जब ऐसे दस्तावेज समाप्तिरूप गृहके माध्यम से परिदृष्ट किये गये हों तो विक्रेता विद्यमान बाजार मूल्य के बाजार के तुरन्त (इस बात पर ध्यान देये बिना कि वह अपील करना चाहता है या नहीं) वापस करेगा। इसके बाद विक्रेता विवाचकों के निर्णय के सात दिन के भीतर या जब कोई अपील की गई है तो अपील में निर्णय के सात दिन के भीतर या प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर अनुमत प्रतिरिक्त अवाद्ध या अवाधियों के भीतर दोष दूर करेगा या विकल्पतः दोषपूर्ण दस्तावेजों के स्थान में अन्य नियमित वास्तविक तथा वैध दस्तावेज ऋता को परिदृष्ट करेगा।

खरीदी

(घ) यदि विक्रेता उप खण्ड (ग) में निर्धारित अवधि के भीतर दोष दूर नहीं कर पाता है या विकल्पतः दोषपूर्ण दस्तावेजों के बदले में क्रेता को अन्य नियमित, वास्तविक तथा वैध दस्तावेज नहीं दे पाता है तो क्रेता को समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार विक्रेता के प्रति ऐसी प्रतिभूतियों की खरीदी करने का हक होगा।

आंशिक रूप से प्रदत्त प्रतिभूतियों की सुपुर्दंगी

149. आंशिक रूप से प्रदत्त प्रतिभूतियों के लिए इस शर्त के अधीन कि ऋता अंतरिती के नाम में प्रतिभूतियों पंजीकृत कराएगा, किए गए सभी सौदों में सुपुर्दंगी और पंजीकरण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया संबंधित विनियम में उसके बारे में निहित प्रावधानों या प्रबन्ध परिषद, द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित अन्य प्रावधानों के अनुसार होगा। यदि पंजीकरण या सुपुर्दंगी निर्धारित छंग से पूरी नहीं होती है तो विक्रेता को समापन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार ऋता के प्रति प्रतिभूतियों की विक्री करने का हक होगा।

दस्तावेज और पंजीकरण

दस्तावेज कब दोषपूर्ण माने जाएंगे

150. इन उप-नियमों तथा विनियमों के प्रयोगनाथ दस्तावेजों को उस समय दोषपूर्ण माना जाएगा जब उनके हक, स्वामित्व, वास्तविकता नियमितता, या वैधता में कोई दोष हो या जब वे अन्तरणकर्ता के किसी अृण या देयता के बाबत किसी लियन के अधीन हों या जब वे ऐसे किसी कुकी

या व्यादेश या अन्य कानूनी कार्यवाही या न्यायालय या किसी अन्य सांविधिक प्राधिकारी के आदेश के अधीन हैं जिसके लिए विकेता को उत्तरदायी माना जाता है और दोष को उस समय दूर किया गया माना जाएगा जब हक निर्बन्ध हो तथा/या दस्तावेजों का स्वामित्व, वास्तविकता तथा वैधता प्रमाणित हो तथा या अनियमितता दूर की गई हो तथा/या दस्तावेज लियन, कुर्की, व्यादेश या अन्य कानूनी कार्यवाही या न्यायालय या अन्य सांविधिक प्राधिकारी के आदेश से मुक्त हों।

दोषपूर्ण सरकारी और वाहक प्रतिभूतियों के लिये सदस्य कब दायी नहीं होगे।

151. दलालों के रूप में कार्यरत सदस्य सरकारी और वाहक प्रतिभूतियों, जिन पर ये उप नियम और विनियम लागू होते हैं, में संविदाओं के संबंध में परिदृश दोषपूर्ण दस्तावेजों के लिये समय किसी भी रूप में अविकल्प रूप में उत्तरदायी नहीं होंगे जब दस्तावेज सुपुर्दगी के समय उनके हाथों से नहीं गुजरते हैं बल्कि विक्री ग्राहक या उसके एजेंट द्वारा क्रय प्राहक या उसके एजेंट को नीचे परिदृश, किये जाते हैं। लेकिन इसमें निहित कोई भी बात न्यायालय में किसी कार्रवाई में या किसी अन्य कार्यवाही में ‘प्रधान’ के रूप में स्वयं क्रेता तथा विकेता मदस्यों के बीच उनके अधिकारों तथा वायिसों को प्रभावित नहीं करेगी और क्रय तथा विक्री सदस्य न्यायालय में ऐसी किसी कार्रवाही या अन्य कार्यवाही में अन्य-वाहक को हर संभव सहायता देने के लिये आवश्यक होंगे जो वह दोषपूर्ण दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर भुगतान पाने वाले विक्री-वाहक के विरुद्ध शुल्क कर सकता है।

दोषपूर्ण सरकारी और वाहक प्रतिभूतियों के लिये सदस्य कब दायी होंगे।

152. संविदाओं की पूर्ति में परिदृश सरकारी और वाहक प्रतिभूतियों जिन पर ये उप नियम तथा विनियम लागू होते हैं, के सम्बन्ध में, दलाल के रूप में कार्यरत विक्री सदस्य, जिसे दोषपूर्ण दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर भुगतान मिलता है, क्रेता, जिसे वे परिदृश की जाती है, के प्रति उनके लिये अविकल्प रूप से उत्तरदायी होंगे, बशर्ते जब सुपुर्दगी की जाती है तब दस्तावेज विक्री मदस्य या उसके एजेंट के हाथों से गुजरते हों और बशर्ते पुनः कि क्रेता विक्री सदस्य द्वारा या विक्री सदस्य की ओर से समाशोधन गृह द्वारा उसे दस्तावेज परिदृश करने की तारीख से इकीकरण दिनों के भीतर विक्री सदस्य को सिखित रूप में सूचना देता है और विवाचन समिति (जिसके निर्णय से प्रबन्ध परिषद को कोई अपील की जा सकती है, की सन्तुष्टि तक यह प्रमाणित करता है कि दस्तावेज दोषपूर्ण है।

दोषपूर्ण प्रतिभूतियों (सरकारी तथा वाहक प्रतिभूतियों से मिल) के लिये मूल-विक्री सदस्य कब दायी होगा।

153. (क) संविदाओं की पूर्ति में परिदृश सरकारी और वाहक प्रतिभूतियों से भिन्न प्रतिभूतियों, जिन पर ये उप नियम

तथा विनियम लागू होते हैं, के सम्बन्ध में, दलाल के रूप में कार्यरत मूल विक्री सदस्य (अर्थात् सदस्य या व्याज, साझांश, बोनम, राठडम शेयर थारकों को उपचित हो रहे किसी अन्य लाभ के प्रयोजनार्थ अथवा कम्पनी की वायिक साधारण बैठक के प्रयोजनार्थ रिकार्ड तारीख या कम्पनी की अन्तरण वहियों की बंकी की तारीख को या के बाद या से पाँच दिन से कम समय पहले बाजार में दोषपूर्ण दस्तावेज परिदृश करने वाला पहला व्यक्ति है) जिसे दोषपूर्ण दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर भुगतान प्राप्त होता है क्रेता, जिसे वे परिदृश की जाती है, या किसी परवर्ती क्रेता के प्रति उनके लिये अविकल्प रूप से उत्तरदायी होगा, बशर्ते कि निम्नालिखित एक गत पूरी होती हो, अर्थात् :

- (1) दस्तावेज मूल विक्री सदस्य, द्वारा या मूल विक्री सदस्य की ओर से समाशोधन गृह द्वारा दस्तावेजों के परिदृश करने की तारीख से छोरे दिन के बाद (उपरोक्त प्रयोजनों के लिये) पहली रिकार्ड तारीख या कम्पनी के अन्तरण वही की बंकी की तारीख के पहले किसी भी समय पंजीकरण के लिये कम्पनी के पास जमा किये जाते हों और श्रेता या कोई अनुवर्ती श्रेता उस समय मूल सदस्य को उस समय लिखित रूप में सूचित करता है जब उसे पता चलता है कि कंपनी इस आधार पर अन्तरण दर्ज करने से इकार करती है कि दस्तावेज दोषपूर्ण है।
- (2) पदि दस्तावेज मूल विक्री सदस्य द्वारा या मूल विक्री सदस्य की ओर से समाशोधन-गृह द्वारा दस्तावेजों के परिदृश करने का तारीख के बाद इकीकरण दिन या उसके पूर्व रजिस्ट्रेशन के लिये कम्पनी के पास प्रस्तुत किये जाते हैं और वही के पुनः खुलने की तारीख के बाद दूसरे कार्य-दिवस को या उसके पूर्व रजिस्ट्रेशन के लिए दस्तावेज प्रस्तुत किये जाते हैं और श्रेता या कोई अनुवर्ती श्रेता या मूल विक्री सदस्य को उस समय लिखित रूप में सूचना देता है जो ही उसे पता चलता है कि कम्पनी इस आधार पर अन्तरण दर्ज करने से इकार करती है कि दस्तावेज दोषपूर्ण हैं, अथवा
- (3) श्रेता या कोई अनुवर्ती श्रेता मूल विक्री सदस्य द्वारा या मूल विक्री सदस्य की ओर से समाशोधन गृह द्वारा दस्तावेजों के परिदृश करने की तारीख के बाद छोरे दिन के बाद या दस्तावेजों के इस तरह परिदृश करने की तारीख के बाद इकीकरण दिन के भीतर किसी भी समय, दोनों में से जो भी अवधि, लम्बी हो, (उपरोक्त प्रयोजनों के लिए) पहली रिकार्ड तारीख या कम्पनी की अन्तरण वही के बन्द होने की तारीख

के पद्धति किसी भी समय मूल विक्री सदस्य को लिखित रूप में सूचना देता है और विवाचन समिति (जिसके निर्णय से प्रबन्ध समिति को अपील की जा सकती है) की सत्तुष्टि तक सिद्ध करता है कि वस्तावेज दोषपूर्ण है।

दोषपूर्ण प्रतिभूतियों (मरकारी तथा बाहक प्रतिभूतियों से भिन्न)
के लिए अनुवर्ती विक्री सदस्य कब दायी होगा

(ब) मधिकारीयों की पूर्ति में परिवहन की गई सरकारी प्रतिभूतियों तथा बाहक प्रतिभूतियों से भिन्न प्रतिभूतियों, जिन पर ये उप-नियम तथा विनियम लागू होते हैं, के सम्बन्ध में, यदि मूल विक्री सदस्य, जो कि उप खण्ड (क) में उपर्युक्त रूप में दोषपूर्ण वस्तावेजों के लिये उत्तरदायी है, अपनी देयता पूरी नहीं करता है तो दलाल के रूप में कार्यरत कोई भी अनुवर्ती विक्री सदस्य जिन ऐसे वस्तावेजों की सुपुर्देशी पर भुगतान प्राप्त हुआ है, उस क्रेता जिसे वे वस्तावेज परिवहन किये जाते हैं या किसी अनुवर्ती क्रेता के प्रति उनके लिये अविक्षित रूप में उत्तरदायी होगा, बशर्ते कि निम्नलिखित दो में से एक शर्त पूरी होती हो, अर्थात् :

(1) यदि वस्तावेज अनुवर्ती विक्री सदस्य द्वारा या अनुवर्ती विक्री सदस्य की ओर से समाशोधन गृह द्वारा वस्तावेजों के परिवहन करने की तारीख के बाब इक्कीसवें लिये विन या उसके पूर्व राजस्वदेशन के लिये कम्पनी के पास प्रस्तुत किये जाते हैं या यदि कम्पनी की अन्तरण बही ऐसे इक्कीसवें लिन को बन्द हो तो अन्तरण बही के पुनः खुलने की तारीख के बाब दूसरे कार्य विवर को या उसके पूर्व राजस्वदेशन के लिये वस्तावेज प्रस्तुत किये जाते हैं, क्रेता या कोई अनुवर्ती क्रेता अनुवर्ती विक्री सदस्य को उस समय लिखित रूप में सूचना देता है उथो ही उसे यह पता चलता है कि कम्पनी इस आधार पर अन्तरण दर्ज करने से इक्कार करती है कि वस्तावेज दोषपूर्ण है अथवा

(2) क्रेता या कोई अनुवर्ती क्रेता अनुवर्ती विक्री सदस्य द्वारा या अनुवर्ती विक्री सदस्य की ओर से समाशोधन गृह द्वारा वस्तावेजों के परिवहन करने की तारीख के इक्कीस दिन के भीतर ऐसे अनुवर्ती विक्री सदस्य को लिखित रूप में सूचना देता है तथा विवाचन समिति (जिसके निर्णय से प्रबन्ध समिति को अपील की जा सकती है) की सत्तुष्टि तक सिद्ध करता है कि वस्तावेज दोषपूर्ण है।

सदस्य कब दायी नहीं होगा

154. यदि वस्तावेज निर्धारित अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं किये जाते हैं या यदि इन उप-नियमों या विनियमों में उपर्युक्त रूप में क्रेता द्वारा मूल या अनुवर्ती विक्री सदस्यों को इस आग्रह की लिखित सूचना नहीं दी जाती है कि

दस्तावेज दोषपूर्ण है तो बोखावडी या उन पर कुधिचार के मामले को छोड़कर ऐसे विक्री सदस्य या तो अय सदस्यों के प्रति या अय सदस्यों के ग्राहकों के प्रति दोषपूर्ण वस्तावेजों के लिये अविक्षित रूप में दायी नहीं होगे और क्रेता के प्रति विक्री सदस्यों की देयता तथा अपने ग्राहकों के प्रति अय सदस्यों की भी देयता सभी दुष्टियों से समाप्त हो जाएगी।

अप्रस्थानित परिस्थितियों की स्थिति में देखता

155. इन उप-नियमों और विनियमों द्वारा विशिष्ट रूप से सुरक्षित न की गई परिस्थितियों में प्रबन्ध परिषद् सामियक प्रतिफलों पर पाठियों की देयता निर्धारित कर सकती है।

अय और विक्री ग्राहकों के अधिकार तथा देयताएं

156. इन उप-नियमों और विनियमों में निर्हित कोई भी बात स्थायासम में किसी कारबाई में या किसी अन्य कार्यवाही में 'प्रधान' के रूप में स्वयं अय तथा विक्री ग्राहकों के बीच अय तथा विक्री ग्राहकों (जिसकी अधिकारित में प्रधान के रूप में अपने खुद के खाते लेन-देन किये अय सदस्य तथा/या विक्री सदस्य गामिल है) के अधिकारों तथा वायिहों को प्रभावित नहीं करेगी और अय तथा विक्री सदस्य ऐसी निसी विधिक कार्यवाई या अन्य कार्यवाहीयों में अय ग्राहकों की हुर संभव सहायता करने के लिये आवश्यक रहेंगे जो वे दोषपूर्ण वस्तावेजों की सुपुर्देशी के लिये प्रति भुगतान प्राप्त करने वाले विक्री ग्राहकों के विरुद्ध गुरु करते हैं।

विक्री सदस्यों के प्रति विक्री ग्राहकों की देयता

157. विक्री ग्राहक, जिसे दोषपूर्ण वस्तावेजों की सुपुर्देशी पर भुगतान मिलता है, सभी पहलुओं में उत्तरके लिये दायी होगा और जब विक्री सदस्य इन उप-नियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के अधीन ऐसे वस्तावेजों के लिये अविक्षित रूप से उत्तरदायी है तो वे प्रधान की ओर से कार्यरत एजेंटों के रूप ऐसे ग्रहकों द्वारा पूरी तरह से शातपूरित होंगे।

दोषपूर्ण वस्तावेजों का सुधार या प्रतिस्थापन

158. दोषपूर्ण वस्तावेजों के लिये उत्तरदायी विक्री-सदस्य आपत्ति की सूचना की तारीख से पन्नह दिनों के भीतर दोष पूर करेगा या लिकलप रूप में क्रेता को उत्तरके ववले में अन्य नियमित, वास्तविक और वैध वस्तावेज परिवहन करेगा। फिर भी, बशर्ते कि प्रबन्ध परिषद् स्वविवेक से और ऐसी घटी, जिसे वह लगाना उचित समझे, के अधीन समय-समय पर संकल्प द्वारा विशेष परिस्थितियों में पन्नह दिन की उत्तर अवधि बढ़ा सकती है और विशेषकर वह निम्नलिखित दंग से ऐसा कर सकती है अर्थात्—

(1) वह वस्तावेज जाली संदिग्ध या आरोपित है अथवा चुराये गये सूचित या आरोपित हैं अथवा जांच-पड़ताल के प्रयोगभारी पुलिस अभिरक्षा में पड़े हैं हैं तो समय उस समय तक बढ़ाया जा सकता है

जब तक यह न्यूयर्क परिषद की सन्तुष्टि तक निश्चायक रूप से प्रमाणित या न्यायालय में सिद्ध नहीं हो जाता है कि दस्तावेज आमी गा चूर्चा गई संपत्ति है।

(2) जब न्यायालय या अन्य सांविधिक प्राधिकारी का कुर्की या आदेश या इसी प्रकार का अन्य अदेश दस्तावेजों का अन्तरण करने से रोकते हुए प्रतिभूति के निर्गमकर्ता पर तामील किये गये हों तो समय उस समय तक बढ़ाया जा सकता है जब तक ऐसे आदेश को निरस्त करने हेतु आधिकारी उचित प्राधिकारी द्वारा अन्तिम रूप से नामंजूर नहीं कर दिया जाना है।

(3) जब प्रतिभूति किसी विशेष कानून द्वारा या के अनुसरण में उसी नियम की अन्य सभी प्रतिभूतियों को न लागू किसी नियमध्यता के अधीन छूपतः रखी गई है और दस्तावेज ऐसी दृश्यतः नियमध्यता के आधार पर अन्तरित नहीं किये गये हैं अथवा जब प्रतिभूति निर्गमकर्ता या प्रतिभूति के ऐसे निर्गमकर्ता का एंजेंट उसी नियम की प्रतिभूतियों की तुलना में उस प्रतिभूति के लिये किसी विशिष्ट कारण ने दस्तावेजों का अन्तरण करने से इनकार करता है तो उचित प्राधिकारी द्वारा कानूनी विन्दु का नियंत्रण करने तक समय बढ़ाया जा सकता है।

ऐसे तथा इसी प्रकार के मामलों में, जब समय बढ़ाया जाता है तो विक्री सदस्य प्रबन्ध परिषद द्वारा लगायी जाने वाली ग्राहकों का पालन करने के लिये बाध्य होगा और एक्सचेंज में जमा के रूप में ऐसी राशि (यदि कुछ है) भी रखेगा जैसा प्रबन्ध परिषद क्रेता के आवेदन पर या अपनी ही इच्छा से निर्देश दे।

धन की वापसी

159. यदि दोषपूर्ण दस्तावेजों के लिये उत्तरदायी विक्री सदस्य बोष दूर नहीं कर पाता है या विकल्पतः इन उपनियमों और उपनियमों में उपबंधित रूप में क्रेता को उनके बदले अन्य नियमित धारालिक और वैध दस्तावेज परिदृत करता है तो क्रेता को विक्री सदस्य से उस समय विद्यमान बाजार मूल्य पर उनके मूल्य की वापसी का दावा करने का हक होगा।

वापसी पर लौटाये जाने वाले दस्तावेज और निष्पादित किया जाने वाला मुक्तारमामा

160. वापसी का दावा करते समय क्रेता विक्री सदस्य को दोषपूर्ण दस्तावेज, यदि उन्हें परिवर्तन नहीं किया गया है, वापस करेगा और विक्री सदस्य के लिये तथा विक्री सदस्य के खर्च पर विक्री सदस्य या उसके नामिती के पक्ष में अन्तरित द्वारा निष्पादित अपरिवर्तनीय भुक्तारमामा प्राप्त करेगा जिसमें विक्री

सदस्य या उसके नामिती को अन्तरिती की ओर से और के नाम में कोई आदेश या कानूनी कार्यवाही संस्थित करने और विवाद पर मुकवामा छलाने और हक या दस्तावेजों पर आपति को दूर कराने और विचाराधीन दस्तावेजों की वापसी यदि वे उसे वापस नहीं किये गये हैं, प्राप्त करने और सभी अन्तरण विलेखों और अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने तथा उन्हें निष्पादित करने और ऐसे अन्य सभी कृत्य करने, जो विक्री सदस्य या उसके नामिती को दस्तावेजों के प्रभावी रूप से अन्तरित करने के लिये आदेशक हों, यदि वे आदेश में प्रतिज्ञाति निर्गमकर्ता द्वारा अन्तरिती के नाम में दर्ज की जाती हैं, अधिकार प्राप्त होगा।

वापसी के बाद सुधार या प्रतिस्थापन

161. दोषपूर्ण दस्तावेजों से संबंधित धन वापसी संविदा के निरसन के रूप में प्रवर्तित नहीं होगी। विक्री सदस्य ऐसी वापसी की तारीख में 30 दिनों के भीतर या प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर अनुमत अतिरिक्त समय के भीतर दोष दूर करेगा या विकल्प रूप में क्रेता को दोषपूर्ण दस्तावेजों के बदले में अन्य नियमित धारालिक तथा वैध दस्तावेज परिदृत करेगा और क्रेता मूल संविदा की पूर्ति में ऐसे सुधरे या प्रतिस्थापित दस्तावेज स्वीकार करने और उसे वापस किया गया धन विक्री सदस्य को धारासंकेत के लिये आवश्यक होगा।

लाभांश बोनस और राइटस के लिये विक्री सदस्य का उत्तर दायित्व

162. यदि विक्री सदस्य दोषपूर्ण दस्तावेजों को परिशोधित या प्रतिस्थापित नहीं कर पाता है और ब्याज, लाभांश, बोनस, राइटस या कम्पनी के शेयरधारकों को उचित होने वाले किसी अन्य लाभ के प्रयोगनार्थ रिकार्ड तारीख या कम्पनी की अन्तरण बड़ी की बन्दी की तारीख से कम से कम पाँच दिन पूर्व क्रेता को उन्हें परिवर्त नहीं कर पाता है तो विक्री सदस्य कम्पनी द्वारा घोषित ब्याज, लाभांश, बोनस, राइटस या अन्य लाभ के लिये और ब्याज, लाभांश या नकदी बोनस के सम्बन्ध में आयकर कटौती प्रमाण पक्ष यदि कुछ है, के लिये या स्वतंत्र पर काटे गये आय कर की राशि, यदि कुछ है, के सम तुल्य नकद के लिये क्रेता के प्रति उत्तरदायी होगा। विक्री सदस्य अन्तरण के अतिरिक्त खर्च, यदि कुछ है, के लिये भी क्रेता के प्रति उत्तरदायी होगा।

खरीदी

163. यदि विक्री सदस्य निर्धारित अवधि के भीतर धन वापस करते या दोषपूर्ण दस्तावेजों का दोष दूर करने या उन्हें प्रतिस्थापित करने में चूक करता है तो क्रेता समाप्त से संबंधित उपनियमों और विनियमों के अनुसार उसके प्रति प्रतिभूतियों की खरीदी करने का हक्कवार होगा।

हानि और नुकसान का प्रभाजन

164. दोषपूर्ण दस्तावेजों के लिये उत्तरदायी विक्री सदस्य धन वापस करने तथा/या कम्पनी द्वारा घोषित ब्याज, लाभांश, बोनस, राइटस या अन्य लाभ और आय कर कटौती प्रमाण

पत्र, यदि कुछ है, या स्क्रोत पर काटे गये आय कर की राशि के समतुल्य नकद राशि सौपने तथा/या इन उप-नियमों और विनियमों में वयथा उपबोधन्धत रूप में कटी खरीदी से उत्पन्न नुकसान, यदि कुछ है, का भुगतान करने में चूक करता है तो उसे चूककर्ता घोषित किया जा सकता है। समांशोधन गृह से गुजरे हुए दोषपूर्ण दस्तावेजों की स्थिति में, समांशोधन गृह मूल संविदगत पार्टीयों, जिनके साथ ऐसा चूककर्ता समांशोधन फार्म में दर्शाये गये रूप में ऐसी प्रतिभूतियों में बकाया बिक्री कारोबार रखता है, के विरुद्ध समानुपातिक आधार पर ऐसी हाँनि या नुकसान का मूल्यांकन करेगा। ऐसी हरेक पार्टी ऐसे निर्वाचन की राशि का नोटिस मिलने पर समांशोधन गृह के भाड़यम से छेता को हाँनि और नुकसान की राशि का भुगतान करेगा। यदि संविदागत पार्टी समानुपातिक हाँनि या नुकसान के अपने हिस्से का भुगतान नहीं कर पाती है तो उसे चूककर्ता घोषित किया जायगा और उसके बाद अपनायी जाने वाली प्राक्रिया वही होगी मानो वह बिक्री सदस्य है जिसे चूककर्ता घोषित किया गया है। जब तक हाँनि और नुकसान की पूरी तरह वसूली नहीं हो जाती है तब तक यह प्राक्रिया छूटबद्ध प्रत्येक अनुबर्ती पार्टी के विरुद्ध उतनी बार बोहराई जायेगी जितनी बार आवश्यक होगी।

अन्तरण पर संशर्त बिक्री नहीं

163. प्रतिभूतियों की बिक्री शेतों के नाम में प्रतिभूतियां अन्तर्कृत करने के लिये कम्पनी पर संशर्त बिक्री नहीं है। प्रतिभूतियों की बिक्री पर, विक्रेता का एक माल दायित्व ऐसे दस्तावेज देने हैं जो दोषपूर्ण न हों और वह यह गारंटी नहीं देगा। कि कम्पनी शेतों के नाम में प्रतिभूतियां अन्तर्कृत करेगी और न ही वह ऐसा करने से कम्पनी के इनकार के कारण कोई देयता बहन करेगा।

कम्पनी के इन्कार करने पर नया अन्तरण

164. यदि कम्पनी किसी अन्तर्कृती पर आपत्ति करती है और ऐसी आपत्ति के आधार पर अन्तरण वर्ज करने से इनकार करती है तो अन्तरणकर्ता अनुरोध पर और उसके हस्ताक्षर के निरसन के लिये उसे मूल अन्तरण प्रस्तुत करने पर नवे अन्तरण पर हस्ताक्षर करेगा।

पंजीकरण के बाद विवाद

167. जब कम्पनी ने अन्तरण स्थीकार कर लिया है और कम्पनी ने अन्तरिती के पक्ष में प्रमाण-पत्र या पक्षकी अन्तरण यदि या प्रेषण रसीद के रूप में सरकारी रसीद या ऐसी ग्रन्थ रसीद जारी की है तो न तो आय सदस्य और न ही बिक्री सदस्य ऐसे दस्तावेजों के हक, स्वामित्व, वास्तविकता, वियामित्ता और वैधता के बारे में बाद में किसी विवाद के लिये आय ग्राहक या अन्तरिती के प्रांत तब तक अधिकतर रूप में उत्तरदायी नहीं होगे जब तक ऐसे सदस्य के विरुद्ध असदृभाव या धोखाधड़ी सिद्ध न की। लेकिन इसमें निहित कोई बात किसी भी कानूनी कार्रवाई में या किसी

ग्रन्थ कार्यवाही में अन्तरणकर्ता की या बिक्री ग्राहक, जिसे प्रतिभूतियों की मुपुर्वगी के प्रांत भुगतान मिला है, की देवता को प्रभावित नहीं करेगी। इसमें निहित प्रावधान सिर्फ सदस्यों के अधिकारों और दायित्वों पर लागू होगे।

संविदाओं का समाप्ति

समाप्ति (क्लोजिंग आउट)

168. (क) एकसचेत के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन प्रतिभूतियों में की गई संविदा सोबै की मुपुर्वगी, भुगतान तथा निपटान से संबंधित किसी भी प्रबंधन का पालन करने में सबस्थ प्रारंभ और चूक पर यो सीधे के निवधनों और यातीं को पूरा करने में किसी चूक पर सदस्य के विरुद्ध खरीदी या बिक्री द्वारा समाप्त की जा सकती है।

समाप्ति कब प्रभावी होगा

(ख) उप खण्ड (क) में निहित प्रावधान की सामान्यता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, समाप्ति संविधित विनियम में निर्दिष्ट मामलों में या ऐसे अन्य मामलों में लागू होगा जो प्रबंध परिषद उसके आंतरिकत या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

समाप्ति हेतु आवेदन

169. (क) कोई भी सदस्य या तो चूक की तरीके को या उसके बाद किसी अन्य तारीख का लेकिन ऐसी चूक की तारीख से 15 दिन के भीतर चूकमापार्टी के विरुद्ध परिसमाप्ति वैतु एकसचेत के पास आवेदन करने का हकदार होगा।

वसूली अधिकार का सम्पर्क

(ख) यदि समाप्ति को उप खण्ड (क) में निर्धारित अवधि के भीतर प्रभावशील नहीं किया गया है और समाप्ति के लिये हकदार सदस्य बाद को तारीख में खरीदी या बिक्री करता है और विवाचन समिति को सन्तुष्ट करता है कि उसके द्वारा समाप्ति करने के पहले समाप्ति करना असंभव था तो विवाचन समिति उन दरों के आधार पर जिन पर प्रतिभूतियां खरीदी या बेची गयी थीं या ऐसी अन्य दरों पर, जो विवाचन समिति उचित समझें नुकसान की अनुमति देसकती है।

निर्धारित अवधि के बाद समाप्ति

(ग) यदि समाप्ति को उप खण्ड (क) में निर्धारित अवधि के भीतर प्रभावशील नहीं किया गया है और समाप्ति के लिये हकदार सदस्य बाद को तारीख में खरीदी या बिक्री करता है और विवाचन समिति को सन्तुष्ट करता है कि उसके द्वारा समाप्ति करने के पहले समाप्ति करना असंभव था तो विवाचन समिति उन दरों के आधार पर जिन पर प्रतिभूतियां खरीदी या बेची गयी थीं या ऐसी अन्य दरों पर, जो विवाचन समिति उचित समझें नुकसान की अनुमति देसकती है।

चूककर्ता सदस्य के साथ संविदाओं का समापन

170. यदि किसी सदस्य को चूककर्ता घोषित किया जाता है, तो किसी भी प्रतिभूति में उसके साथ लेन-देन रखने वाले सभी सदस्य चूक से संबंधित उप-नियमों तथा विनियमों के अनुसार उसके विरुद्ध समापन द्वारा सभी बकाया संविदाओं का अवधारण करेंगे।

मृतक सदस्य के साथ संविदाओं का समापन

171. किसी भी प्रतिभूति में बाजार में बकाया लेन-देन रखने वाले किसी सदस्य की मृत्यु पर प्रबन्ध परिषद् उसके वारिसों या उसके कानूनी प्रतिनिधियों को ऐसे लेन-देनों का उनके निवंधनों के अनुसार निपटान करने की अनुमति दे सकती है। ऐसी अनुमति नागू या मंजूर न करने की स्थिति में सदस्य को तबनुसार सूचित किया जायगा और वे या तो खुले बाजार में या प्रधान, के रूप में तत्समय विद्यमान बाजार मूल्य पर मृतक सदस्य के विरुद्ध समापन द्वारा सभी बकाया संविदाओं का तुरन्त अवधारण करेंगे। ऐसे समापन पर हानि, यदि कुछ है या दावा मृतक सदस्य के वारिसों या कानूनी प्रतिनिधियों से किया जायगा, और लाभ, यदि कुछ है, प्रबन्ध परिषद् की मंजूरी प्राप्त करने के बाद उन्हें अदा किया जाएगा यदि मृतक सदस्य के वारिस या कानूनी प्रतिनिधि दावा की गई राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो यह ऐसा होगा मानों ऐसे मृतक सदस्य को चूककर्ता घोषित किया गया है और ऐसी स्थिति में चूक से संबंधित उप-नियम तथा विनियम लागू होंगे।

चूककर्ता या मृतक सदस्य या ग्राहक के विरुद्ध समापन

172. कोई सदस्य या तो स्वयं खुले बाजार में प्रतिभूतियों की खरीदी या बिक्री करके या "प्रधान" के रूप में अपने खुद के खाते पर देसी प्रतिभूतियों की खरीदी या बिक्री करके चूककर्ता घोषित सदस्य या मृतक सदस्य या चूककर्ता या मृतक ग्राहक के विरुद्ध समापन प्रभावी कर सकता है। बश्तु मूल्य बाजार को दशा के अनुसार न्यायसंगत तथा उचित ही सदस्य के उत्तरदायित्व पर समापन

173. अन्यथा उपबन्धित रूप के सिवाय, खरीदी या बिक्री द्वारा समापन सचिव के प्राधिकार के तहत किया जायगा किन्तु जिस सदस्य के अनुरोध पर खरीदी या बिक्री की जाती है, वह सदस्य अपनी ओर से की गई संविदा के लिए उत्तरदायी होगा। समापन के लिए किसी अवेदन के अनुसरण में की गई किसी संविदा के लिए एक्सचेंज या उसके कम्पनियां फर कोई देयता या उत्तरदायित्व नहीं आएगा।

समापन का नोटिस

174. किसी सदस्य द्वारा समापन हेतु आवेदन किये जाने पर और उसके प्रबन्ध में प्रबन्ध परिषद् द्वारा समय-समय पर निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर एक्सचेंज उस सदस्य को प्रस्तावित खरीदी या बिक्री का नोटिस देगा जिसके विरुद्ध समापन प्रभावी किया जाना है और इसके बाद प्रतिभूतिया अगले बिन खरीदी या बेची जाएंगी।

नोटिस का पुनः पारेषण

175. (क) जहाँ क्रम संख्याओं से युक्त आवश्यक समापन नोटिस एक्सचेंज द्वारा ट्रेडिंग यूनिट के लॉटों में जारी किए जायेंगे, ऐसे नोटिस सदस्य से सदस्य तक, जिनके विरुद्ध समापन प्रभावी किया जाना प्रस्तावित है, निपटान कक्ष (सेटलिंग रूम) में पारित किये जायेंगे और ऐसे नोटिसों का पारण ऐसे दिन को तथा ऐसे समय पर शुरू होगा जो एक्सचेंज के सूचना-पट्ट पर नोटिस द्वारा उस सम्बन्ध में नियत किया जाए। क्रमण-हरेक मध्यवर्ती नियम, जिसे समापन का नोटिस पारेषण किया जाता है, अक्सी पार्टी का नाम उप पर पृष्ठा-क्रित करेगा और उसका नाम तथा नोटिस की संबंधित क्रम संख्या गोट कर लेने के बाद उसे स्थानांतरित कर देगा। ऐसे नोटिसों को उस समय तक इस प्रकार परिवालित किया जाएगा जब तक वे उस मूल सदस्य के पास पहुंच नहीं जाते हैं जिसके विरुद्ध समापन प्रभावी किया जाना प्रस्तावित है या ऐसे समय तक जो अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में सचिव द्वारा नियत किया जाए।

स्वतः समापन

(ख) उप-खण्ड (क) में निहित प्रावधान के अनुसरण में संविदा का समापन हरेक अनुवर्ती पार्टी, जिन्हें नोटिस पारेषण किया जाता है, के खाते और देयता के लिए होगा और ऐसा समापन उन सभी संविदाओं के लिए खरीदी या बिक्री दर पर स्वतः समाप्त हो जायगा जिनके सम्बन्ध में ऐसे पुनः ही पारेषण नोटिस पारित किये गये हैं।

समाशोधन गृह के जरिये या टिकट प्रक्रिया द्वारा निपटाये गये सौदों का समापन

176.(क') समाशोधन गृह के जरिये या टिकट प्रक्रिया द्वारा निपटाये गये सौदों के सम्बन्ध में, समाशोधन गृह या टिकट जारीकर्ता, जैसी भी स्थिति हो, को सलाह पर समापन को प्रभावी किया जायगा। ऐसे मामलों में उस सदस्यों को समापन नोटिस नहीं दिया जाना चाहिये जिनके विरुद्ध समापन प्रभावी किया जाना है लेकिन खरीदी या बेची जाने वाली हरेक प्रकार की प्रतिभूति की कुल मात्रा दर्शाते हुए एक नोटिस एक्सचेंज से सूचना-पट्ट पर लगाया जायगा।

नोटिस के बिना समापन

(ख) उप-खण्ड (क) में निहित प्रावधानों की व्यापकता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, नोटिस के बिना समापन संबंधित विनियम में निर्दिष्ट मामलों में या प्रबन्ध परिषद् द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्दिष्ट अन्य मामले में प्रभावी होगा।

(ग) जब एक ही समाशोधन में बिक्री और खरीदी दोनों के लिये अपने विभिन्न ग्राहकों की संविदाओं का हिसाब रखने वाले सदस्य में ऐसी संविदाओं को समंजित किया है तब चूककर्ता ग्राहक के विरुद्ध ऐसी संविदाओं का समापन समाशोधन गृह के बजाय सदस्य द्वारा सीधे किया जाये। ऐसे मामलों में

सदस्य या तो खुले बाजार में खरीदी या बिक्री कर सकता है या प्रधान के रूप में अपने थुद के खाने पर चूककर्ता आहक में प्रतिभूतियां खरीद सकता है या को प्रतिभूतियां बेच सकता है बशर्ते कि मूल्य बाजार की दशा के अनुसार न्यायसंगत तथा उचित हो।

समापन के पूर्व निविदाम्

177. यदि जिस सदस्य के विश्वद्व समापन प्रभावी किंगा आना है, वह सदस्य संविधाओं की मुपुर्दी, मुगलान और निपटान से संबंधित उप नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अनुसार या निवंधनों और शर्तों, जिनके अधीन प्रतिभूतियों के व्यवस्थाएँ खरीदने या बेचने, जैसा भी मामला हो, के पूर्व किसी भी समय सौदा किया गया है, के अनुसार पालन करता है तो समापन के लिए हक्कदार सदस्य उसे स्वीकार करेगा और अपने दायित्वों को पूरा करेगा।

समापन कीसे किया जाता है

178. (क) इन उप-नियमों में यथा उपधारिता के मिवाय खरीदी और बिक्री द्वारा समापन खुले बाजार में किया जाएगा किन्तु जब एक ही प्रकार की प्रतिभूतियां खरीदी तथा बेची जानी हैं तो समापन उस दिन ऐसी प्रतिभूतियों के लिए श्रीकृष्ण श्रीसत समाप्ति दर पर एक दूसरे के प्रति समायोजित करके किया जा सकता है या जब ऐसा कोई समापन नहीं हुआ है तो उस दिन खुले बाजार दर पर एक के प्रति उन्हे समायोजित करके किया जा सकता है। चूककर्ता के मामले में या जब भी प्रबंध परिषद या अध्यक्ष ऐसा आदेश देता है, समापन खुले बाजार में नहीं, बहिक निविदाएँ श्रामसंचित करके या किसी अन्य पद्धति जो प्रबंध परिषद या अध्यक्ष उचित समझे, द्वारा किया जाएगा।

खोली तथा प्रस्ताव

(ख) जिन सदस्यों के विश्वद्व समापन प्रभावी किया जाता है, उन सदस्यों से भिन्न सदस्य ऐसे समापन के द्वारान खोली या प्रस्ताव दे सकते हैं। प्रबंध परिषद या अध्यक्ष दी गई ऐसी किसी खोली या प्रस्ताव की स्वविदेकानुसार अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र होगा।

अध्यक्ष द्वारा स्थगन

179. जब समापन के खोरान उस मूल्य पर प्रतिभूतियों को ऐसी विकेता या ओता नहीं है जो संबंध पर अध्यक्ष को उचित लगता है या जब अध्यक्ष को संदर्भ पर उसे ऐसा लगता है कि ऐसी प्रातिभूतियां खुले बाजार में प्राय या बिक्री नहीं हैं तो समापन अग्रें दिन के लिए स्थगित कर दिया जाएगा और दोनोंदिन इस तरह तब तक स्थगित किया जाएगा जब तक कोई विकेता या

ओता नहीं मिल जाता है और ऐसा आस्थगत चूककर्ता पार्टी की किसी परिणामी नुकसान से मुक्त नहीं करेगा।

जब धरमाशोधित प्रतिभूतियां खरीदी नहीं जाती हैं

180. जब निरंतर प्रयासों के बावजूद कोई असमाझोधित प्रतिभूति खरीदी नहीं जा सकी है तथा जब प्रबंध परिषद संतुष्ट है कि ऐसी प्रतिभूति मनमाने मूल्य के सिवाय प्राप्त नहीं की जा सकती है तो प्रबंध परिषद संकल्प द्वारा एक मूल्य (जो पूर्ववर्ती छह मध्यीनों के द्वारा किसी भी समय पर पहुंचे उच्चतम मूल्य से कम नहीं होगा) निर्धारित करेगी जिस पर ऐसी असमाझोधित प्रतिभूति पर लकाया लंबिवा समाप्त मानी जाएगी। इसके बाद चूककर्ता पार्टी खरीदी करने के लिए हक्कदार पार्टी को संविदा मूल्य और समापन मूल्य के बीच अंतर अदा करेगा।

प्रबंध परिषद द्वारा स्थगन

181. प्रबंध परिषद किसी विश्वद्व मामले में उस समय समापन स्थगित कर सकती है, यदि उसकी रुप में समापन के लिए उचित बाजारउपलब्ध नहीं है या यदि वह संतुष्ट है कि प्रतिभूतियों काल के गुणतान या ध्याज, लाभांश, बोनस या राइट्स की प्राप्ति के लिए विक्रेता के नियंत्रण के पारे हैं या यदि वह निर्धारित करते हैं कि चक्र विगेषित्यान की विद्यमानता के कारण है कि किन्तु ऐसा कोई भी आस्थगत चूककर्ता पार्टी को किसी 'परिणामी' नुकसान से मुक्त नहीं करेगा या मध्यवर्ती पार्टियों द्वारा उनकी देशताओं से मुक्त नहीं करेगा।

समापन का निर्लंबन या स्थगन

182. प्रबंध परिषद संकल्प द्वारा तथा इसे जाने वाले कारणों से किसी भी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों के संबंध में खरीदी या खिलौने निर्लंबित या स्थगित कर सकती है और ऐसे विस्तार या स्थगन की प्रबंध समय-समय पर उस समय बढ़ा या स्थगित कर सकती है जब परिषद्वारा उसके विचार में सामान्य हित में ऐसा निर्लंबित या स्थगन के लिए उचित लगती हो। समायोजन गृह के माध्यम से निपटाई गई ऐसी प्रतिभूतियों के संबंध में मध्यवर्तीयों की देशता ऐसे निर्लंबन या स्थगन की अवधि के द्वारा बनी रहेगी।

बगर्ते एक कोइ घरकार की अनुमति के मिवाय, खरीदी या बिक्री समयोधित प्रतिभूतियों के मामले में एक समायोजन की अवधि से अधिक अवधि के लिए और असमाझोधित प्रतिभूतियों के मामले में पहली लौह दिन से अधिक अवधि के लिए और उसके बाद सात दिन से अन्यधिक अवधि के लिए किसी भी समय निर्लंबन या स्थगित नहीं की जाएगी।

अदोरी गाड़ी निर्करित प्रतिभूतियां

183. खरीदी गई श्रीर अगले कारोबार दिवस को परिदृत न की गयी प्रातिभूतियों किसी अतिरिक्त नोट्स के बिना तुरंत सुरुई होते पुनः खरीदी जा सकती है और उससे उत्पन्न कोई हानि या नुकसान ऐसी पुनः खरीदी उत्पन्न करने वाले सदस्य द्वारा अदा किया जाएगा।

बेची गई लेकिन भुगतान न प्राप्त प्रतिभूतियाँ

184. बेची गई और छगले कारोबार दिवस को भुगतान न प्राप्त प्रतिभूतियाँ किसी आंतरिक नोटिस के बिना तुरंत भुगतान के लिए पुनः खरीदी जा सकती है और उससे उत्पन्न कोई हानि या नुकसान ऐसी पुनः बिक्री उत्पन्न करने वाले सदस्य द्वारा अदा किया जाएगा।

सदस्य के अनुरोध पर समापन

185. (क) जिस सदस्य के अनुरोध पर समापन कार्य किया जाता है, वह सदस्य समापन के दो दिनों के भीतर चूकता सदस्य को सूचना देगा और उससे उत्पन्न हानि और नुकसान, यदि कुछ है, का दावा करेगा।

पुनः प्रेषित समापन-नोटिसों के मामले में बाबे

(ख) जब समापन नोटिस इन उप नियमों और विभिन्नों में यथा उपर्युक्त रूप में सदस्य-दर-सदस्य प्रेषित की गई है, समापन नोटिस और नुकसान हेतु बाबे हरेक पार्टी द्वारा अनुर्ध्वां पार्टी, जिसके मामले में समापन नोटिस पुष्टांकित की गई है, को तुरंत दिए जाएंगे। धन-अंतर और नुकसान, यदि कुछ है, के विवरण भी तुरंत प्रस्तुत किए जाएंगे और वाबे विधिवत् निपटाए जाएंगे।

चूकता पार्टी द्वारा की लिए छक्कदार

जिस पार्टी के विवर समापन प्रभावी किया थया है वह पार्टी, इस बात पर ध्यान दिए रखिए कि वह चूक में है, उसके विवर समापन से उत्पन्न होने वाले अंतर या लाभ के लिए छक्कदार होगी।

विसंगति के कारण समाशोधन गृह की सलाह पर समापन पर हानि

186. (क) यदि किसी सदस्य द्वारा समाशोधन गृह के पास जमा किए गए समाशोधन फर्मों में किसी विविधति के फलस्वरूप समाशोधन गृह की सलाह पर समापन प्रभावी किए जाने पर कोई हानि होती है तो विसंगति के लिए उत्तरवायी सदस्य समाशोधन गृह को उसका तुरंत-भुगतान करेगा।

समापन से उत्पन्न अंतर

187. (क) समाशोधन गृह के पास सदस्य द्वारा जमा किए गए समाशोधन फर्मों के अनुसार सभी या किसी प्रतिभूति की सुपुर्देशी देने या लेने में सदस्य के चूक करने के कारण समाशोधन गृह की सलाह पर समापन प्रभावी किया जाता है तो ऐसे सदस्य द्वारा देय परिणामी अंतर, यदि कुछ है, समाशोधन गृह की उसके द्वारा

तुरंत अदा किया जाएगा और ऐसे सदस्य को देय अंतर, यदि कुछ है, समाशोधन गृह द्वारा उसके बाते में जमा किया जाएगा।

चूकता के लिए उप समापन

(ख) जब समापन उप दण्ड (क) में यथा उपर्युक्त रूप में प्रभावी किया जाता है और संबंधित सदस्य को चूकता घोषित किया जाता है तो समापन से उत्पन्न अंतर उन पार्टियों से बसूल या में वितरित किया जाएगा जिनके साथ ऐसा चूकता चूक से संबंधित उप नियमों और विनियमों के अनुसार लेन-देन रखता था।

समापन हेतु प्रभावी

188. जब समापन समाशोधन गृह की सलाह पर प्रभावी किया जाता है तो जिस सदस्य के विवर समापन प्रभावी होता है, वह सदस्य प्रबंध परिषद द्वारा समय-समय पर निर्वाचित वर पर समाशोधन गृह को कमीशन अदा करेगा।

सुपुर्देशी देने या लेने में चूक के लिए उप

189. जब समाशोधन गृह के पास सदस्य द्वारा जमा किए गए समाशोधन फर्मों के अनुसार सभी या किसी प्रतिभूति की सुपुर्देशी देने या लेने में सदस्य के चूक जाने के कारण समाशोधन गृह भी सलाह पर समापन को प्रभावी किया जाता है तो प्रबंध परिषद स्विवेकानुसार ऐसे सदस्य पर ऐसी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य से अधिकतम 2% दण्ड लगा सकता है। ऐसा उप ऐसे समापन के कारण ऐसे सदस्य को दूर किसी द्वानि की अतिरिक्त होगा और उसके लिए प्रभावी कमीशन के अलावा होगा।

चूक देय समापन हानि या नुकसान का भुगतान नहीं किया जाता है

190. यदि ऐसे सदस्य जिसके विवर इन उप नियमों और विभिन्नों के प्रावधानों के अधीन लेन-देन को समाप्त किया गया है, संविदा मूल्य या पूरक मूल्य (जैसा भी मामला हो) समापन मूल्य के बीच धन अंतर और नुकसान, यदि कुछ है, का उसके लिए नोटिस मिलने के बीतर भुगतान नहीं कर पाता है तो उसे चूकता घोषित किया जाए।

लदल्ली द्वारा लेन-देन

सौदे की पार्टियों सिर्फ सदस्य

191. एकत्रेज अपने द्वादश के सदस्यों से भिन्न पार्टियों की बाजार में किसी सौदे के लिए पार्टी के रूप में मान्यता नहीं देता है और प्रत्येक सदस्य एकत्रेज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अनुसार सौदों को उचित रूप से पूरा करने के लिए प्रत्येक द्वासेरे सदस्य, जिसके साथ वह सौदा करता है, के प्रति प्रत्यक्षतः और मुख्यतः दायी है जाहे देसा सौदा उसे करने वाले सदस्य के बाते के लिए ही वा प्रभावी के बाते के लिए हो।

सभी सौदे नियमों, उप-नियमों और विविधमों
के अधीन

192. प्रतिभूतियों, जिनमें 'लेन-देन' अनुमत है, में सभी सौदे सभी मामलों में एकमत्ते के नियमों, उप-नियमों और विविधमों के अधीन किए गए माने जाएंगे जो ऐसे सौदों के निम्नधारों एवं गतीयों का एक भाग होंगे और वे एकमत्ते के नियमों, उप-नियमों और विविधमों द्वारा प्रबंध परिषद और अधिकार में उनके संबंध में निहित अधिकारों के उनके द्वारा प्रदोष के अधीन होंगे।

सौदे की अलंबनीयता

193. (क) प्रबंध परिषद सौदे में 'द्वोषाधीया' या जात-वृक्ष कर गलत प्रस्ताविकरण के विशिष्ट आगे या सौदे में ऐसी तात्पत्ति गलती के प्रथम-दृष्टया साक्ष्य, जो प्रबंध परिषद के निर्णय में मामले को उसके अधिनिर्णय के लिए उपयुक्त बताता है, को छोड़कर एकमत्ते में सौदे को रद्द करने संबंधी किसी आवेदन पर विचार नहीं करेगी।

संकल्प द्वारा अभिष्ट्यन्

(द) उप अंडे (क) के अधीन सौदे का अभिष्ट्यन् सिर्फ प्रबंध परिषद के संकल्प द्वारा होगा और इस प्रकार पारित संकल्प अंतिम होगा और तब तक लागू होगा।

सदस्यों द्वारा सौदे

194. एकमत्ते में कारोबार करने वाले सदस्य अपने खद्द के नाम में द्वारा में सौदे करने के लिए द्वारा होंगे।

गैर-सदस्यों के शीन नियम गण कारोबार

195. जब किसी सदस्य के पास एक ही प्रकार की प्रतिभूति व्यक्ति द्वारा और वे उन दोसों का आदेश है तो वह संवधित गैर-सदस्यों के बीच लेन-देन पूरा दायर रहता है और यह विशेष सदस्य से उसे प्राप्त होने वाली प्रतिभूतियों स्वतंत्रता नहीं या तो क्यात्राहक जो ऐसी प्रतिभूतियों के संबंध में भीतर संविधान नहीं है, या किसी अन्य केता जो उसी प्रकार की प्रतिभूतियों की सुपुर्दग्धी उससे प्राप्त राते के लिए इन उप-नियमों और विविधमों के अधीन हकदार है, वो परिवर्त्त कर सकता है।

शारे ने गाए तो वामी लेन-देन

196. धारे ने अपने जाने वाले लेन-देन दो गैर-सदस्यों के बीच निष्पादित लिए जा सकते हैं किन्तु उन्हें लिया निष्पादित लिए जाते हैं तो वामी, विकेता द्वारा दायर परिवर्त की गई समान प्रतिभूतियों की वापरी का दावा उन्होंने वह हकदार नहीं होगा।

प्रधान के रूप में सदस्य

197. कोई आदेश निष्पादित करने समय तदस्य "प्रधान" के रूप में अपने स्वयं के खाते के लिए प्रतिभूतियों व्यक्ति या वेत्र सहता है, वहाँते कि यदि ऐसा ग्राहक प्रतिभूति संविदा (यित्तियम) अधिनियम, 1956 के अधीन सम्बन्धी प्राप्त स्टाक एकमत्ते के सदस्य से भिन्न व्यक्ति हो तो उसे शपते ग्राहक की भहमती और प्राधिकार प्राप्त किया हो और वहाँते कि मन्त्र वाजार की दणा के अन्तरार उचित और साध्यगंगा होगा।

वहाँते पुनः कि जहाँ सदस्य ने ऐसे ग्राहक की महमति या प्राधिकार विवित स्पष्ट से भिन्न रूप में प्राप्त किया है, उसे संविदा की तात्त्विक में तीन दिन के भीतर ऐसे ग्राहक से ऐसी महमति या प्राधिकार की विवित पष्ठि प्राप्त करना होगा।

वहाँते पुनः कि इन उप-नियमों और विविधमों के प्रावधानों के अनुसार ऐसे ग्राहक द्वारा वही गई विशीकाया संविदा का समाप्त करने के लिए ऐसे ग्राहक वही ऐसी विवित महमति या प्राधिकार आवश्यक नहीं होगी।

हवाला

198. जब किसी नदस्य को दूसरे रद्द करा या गैर-सदस्य या वही प्रतिभूति की सुपुर्दग्धी ने उसे देने के लिए हमसे सदस्य द्वारा या गैर-सदस्य द्वारा अनुदेश लिया है और सभी पार्टियों द्वारा प्रकार सहमत हैं या गुपुर्दग्धी देती या लेती है (जैसा भी मामला हो)। सदस्य ऐसे प्रतिभूतियों के अनुभाय द्वारा संविदा कर सकता है। ऐसी संविदाएं ऐसे देने-देनों के निष्पादन के स्पष्ट में परिचालित होंगी जिनके संबंध में ऐसी हक्कादारी संविदाएं की गई है और उनका वही प्रभाव होगा जो विशीकायी व्यक्तियों की किसी सामान्य संविदा का होता है।

ग्राहकों के लिए हवाला

199. प्राप्ती लेन-देन या संविदा वहियों में संबंधित प्रतिभूतियों पर हस्ताक्षर करके या पृष्ठि लायनों का शादान-प्राप्त करके सहमत दर पर ग्राहक की ओर ये दोनों सदस्यों द्वारा पृष्ठि की गई हवाला संविदाएं ग्राहक की किसी अनुवर्ती चूक द्वारा रद्द या संशोधित नहीं की जाएगी विशेष हक्के सदस्य संविदाओं की उचित पूर्ति के लिए दूसरे के पनि उत्तरदाती होगी।

ग्राहकों के लिए हवाला में संशोधन

200. (क) किसी यात्रक की ओर से डकान या संविदाएं इस विशिष्ट ग्रन्त के अधीन की जो जो सकती है कि ग्राहक द्वारा बाद में चूक पर मूल्य संशोधन लिया जाएगा। ऐसी चूक की स्थिति में दोनों पार्टियों द्वारा दोनों पृष्ठि ये लिए संविदा के देने, दोनों वही नवीनता को वाजार में विकास के अधीन लिया जाएगा। जो समानोदीय प्रतिभूतियों के मामले में विकास स्थिति होगी और लगानोधित प्रतिभूतियों में हवाला

संविदाओं के मामले में ऐसा कोई संशोधन समझौतन गहराया निपटान दिवसको भगतान करने के पूर्व किसी भी समय एक पाठी द्वारा दूसरी, पार्टी पर नोटिस तामील उठके किया जा सकता है।

नाम और नम संमिलित किया जाए

(अ) जब उप खण्ड (क) में उपर्युक्त स्थ में हवाला संविदाएँ संशोधित की गई हैं, एक ग्राहक के पात्र ग्राहक के खाते में परिणामी जमा (वदि कुछ है) और दूसरे ग्राहक के पात्र ग्राहक के खाते में परिणामी नहीं (यदि कुछ है) को संशोधित हवाला मूल्य और संबंधित हवाला मूल्य के बीच अन्तर से प्रत्यक्षिक दिवाव एक दूसरे के प्रति संबंधित किया जाएगा। नमा धारित करने वाले सदस्य दूसरे सदस्य के समझौतन में ऐसा भगतान ग्राहक की ओर से करेगा और ग्राहक सिर्फ शेष राशि, यदि कुछ है, आ वाया करने का हावाहार होगा।

सदस्य की चूक के मामले में हवाला के लिए ग्राहक का उत्तरवायितव

201. जहां कोई सदस्य अपर्याप्त ग्राहक की ओर से हवाला स्वीकार करता है तो वह, वह तक उत्तरके द्वारा निश्चित स्थ में कोई अन्यथा सहमति नहीं हो, ग्राहक के जीवित और खाते पर होंगा जो दूसरे सदस्य की चूक के कारण उनमें से किसी को भी ही हानि के विषय ऐसा हवाला ज्वीकार करने वाले सदस्य को अनिवार्य करेगा। ऐसी चूक नो स्थिति में सदस्य द्वारा ग्राहक से प्राप्त की जाने वाली जगायोजनागत राशि समझौतित प्रतिभूतियों के संबंध में हवाला के मामले में परिवर्तित पूरक मूल्यों पर और असमाझौदित प्रतिभूतियों के संबंध में हवाला के मामले में चूक की तारीख के अन्वर्ती दिन को बाजार में विद्यमान प्रारंभिक मूल्यों पर निर्धारित की जाएगी।

सदस्यों के बीच हवाला

202. समझौतित प्रतिभूतियों में स्वयं सदस्यों के बीच हवाला के लिए संविदाएँ सिर्फ पूरक मूल्य पर होंगी। चूक की स्थिति में, समाझौदित प्रतिभूतियों में हवाला संविदाएँ परिवर्तित पूरक मूल्य पर और असमाझौदित प्रतिभूतियों के संबंध में चूक की व्यापणा के तृतीय बाद प्रारंभिक बाजार मूल्य पर की गई मानी जाएगी।

दलाली और संविदा नोट

दलाली

203. अन्यथा उपर्युक्त को छोड़कर सदस्य खरीदी या बिक्री या वायदा प्रतिभूतियों के संबंध में गंर-नदस्यों के लिए सभी आड़गे के निष्पादन पर दलाली लगायेगा और बगून करेगा। सदस्य संवर्धित विनियम में निर्धारित अधिकतम

सरकारी दर पर या प्रधान परिपद द्वारा उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित ऐसे अन्य मान पर इतनी लगाने के लिए हकदार है।

सदस्य स्वयं और गंर-सदस्यों के बीच निष्पादित संविदा नोट में लगायी गई दलाली और प्रतिभूतियों की खरीदी या बिक्री (जैसा भी मामला हो) दरे ग्रन्त-ब्लग मूल्यित करेंगे।

अनिवार्य केरी ओवर के मामले में दलाली

204. जब किसी लेन-देन को इन उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अन्तरार एक समाझौदन से दूसरे समाझौदन में अनिवार्यतः आगे ले जाया जाना पड़ता है तो भदस्य सरकारी मान के अधिकतम एक ग्राहकी दर पर दलाली लगाने के लिए हकदार है।

काल पर दलाली

205. विक्रेता द्वारा पूर्वदत्त काल वाली प्रतिभूतियों की खरीदी करने वाले सदस्य ऐसे काल की राशि जोड़कर क्रम मूल्य पर दलाली लगाएगा।

गंर-सदस्यों के बीच साथों पर दलाली

206. कोई सदस्य दो गंर सदस्यों के बीच सीधे किए गए लेन-देन पर एक से अधिक ग्राहक पर दलाली लगा सकता है।

अनारणन नेन-देनों की दागनी

207. सदस्य गंर-सदस्य के अनारणन खाते पर दलाली लगा सकता है।

नए नियमों और बिक्री हेतु प्रस्तावों पर हामीदारी, कमीशन और दलाली

208. जब तक प्रबंध परिपद द्वारा अन्यथा निर्धारित न किया गया हो, सदस्य किसी भी प्रतिभूति के नए नियम या विक्री हेतु प्रस्ताव के संबंध में हामीदारी या एक दलाल के स्थ में कार्य करने या कोई प्रारंभिक व्यवस्था करने के लिए स्वाधिकारनुसार ऐसी दलाली या कमीशन लगा सकता है जैसा निर्गमकर्ता या प्रस्तावक के साथ या ऐसे निर्गमकर्ता या प्रस्तावक द्वारा रखे गए प्रधान हामीदारों या दलालों के साथ उसका समझौता हुआ है।

आवेदनों पर दलाली

209. जब तक प्रबंध परिपद द्वारा अन्यथा निर्धारित न किया गया हो, किसी भी प्रतिभूति के नए नियम या विक्री हेतु प्रस्ताव के संबंध में प्रस्तुतीकरण या क्रय हेतु सदस्यों द्वारा या के माध्यम से सभी निविदाओं या आवेदनों पर दलाली या कमीशन निर्गमकर्ता या प्रस्तावक द्वारा या ऐसे निर्गमकर्ता या प्रस्तावक द्वारा रखे गए हामीदारों या दलालों द्वारा प्रस्तुत शर्तों और निवेदनों पर दोगा।

छूट की अनुमति नहीं

210. सदस्य किसी सौदे के संबंध में किसी प्राहृक को या ऐसे किसी आवेदक को जिसकी अभिवान या क्रय हेतु निविवा या आवेदन उसके द्वारा या उसके माध्यम से प्रस्तुत किया गया है या किसी अन्य व्यक्ति को इसमें इसके पश्चात उपबंधित रूप के सिवाय किसी भी प्रकार या स्वरूप में कोई छूट या दलाली या कमीशन की वापसी या अंटचारी नहीं करेगा।

कोई विशेष या असामान्य लाभ नहीं

211. इन प्रावधानों के प्रयोजनार्थ कोई भी सदस्य प्रधान के रूप में कार्य नहीं करेगा या किसी गैर-सदस्य कोई करार या व्यवस्था नहीं करेगा जिसके द्वारा अपने व्यापार वा कारोबार को सुरक्षित करने के प्रयोजनार्थ ऐसे मेर-सदस्य को विशेष या असामान्य लाभ देने के इरावे से विशेष या असामान्य दरें प्रदान की जाती है।

परोपकार के मामले में दलाली नहीं

212. कोई सदस्य परोपकार के मामले में अपनी दलाली छोड़ सकता है।

दूसरे स्टाक एक्सचेंज के सदस्यों की दलाली

213. कोई सदस्य दूसरे स्टाक एक्सचेंज के सदस्यों के साथ दलाली बांट सकता है जिनके संबंध में एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अधीन कारोबार अनुमत है।

सदस्यों के बीच लेन-देन पर दलाली प्रावधान लागू नहीं

214. इसमें निहित दलाली से संबंधित प्रावधान सदस्यों के बीच लेन-देनों पर लागू नहीं होते हैं या कोई प्रतिबंध नहीं लगते हैं।

किनके साथ दलाली बांटी जा सकती है

215. (क) कोई सदस्य अपने खुद के अनन्य रोजगार में रेमिजियर, प्राधिकृत सहायक और कर्मचारी के साथ उप खण्ड (ख) में उपबंधित रूप में दलाली बांट सकता है। इसी प्रकार वह प्राहृक लाले वाले किसी अन्य व्यक्ति के साथ दलाली बांट सकता है, बशर्ते ऐसा व्यक्ति :—

(1) वह व्यक्ति नहीं है जिसके लिए या जिसके साथ सदस्यों को एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अधीन कारोबार करने से मना किया गया है।

(2) दूसरे सदस्य के रोजगार में रेमिजियर, प्राधिकृत सहायक या कर्मचारी नहीं है।

(3) किसी सार्वजनिक प्रेस में या किसी अन्य रूप में यह विज्ञापन नहीं देता है कि वह एक दलाल के रूप में कार्यरत है।

(4) कोइम्बतूर शहर के 50 मील की दूरी के भीतर दलाल के रूप में कार्य नहीं करता है।

(5) यदि कोयम्बतूर शहर से 50 मील की दूरी के पारे दलाल के रूप में कार्यरत है तो वह प्रतिभूतियों में कारोबार के संबंध में अपने स्वयं के नाम में संविदाएं पारित न करता हो या मूल्य सूची या प्रेफ़लेट या परिपत्र जारी न करता हो।

(6) यदि कोयम्बतूर शहर से 50 मील की दूरी के पारे एक दलाल के रूप में कार्यरत है तो अपने खुद के प्राहृकों से भिन्न व्यक्तियों को प्रतिभूतियों में सौदों के संबंध में मूल्य सूची या प्रेफ़लेट या परिपत्र जारी न करता हो।

दलाली का प्रतिशत हिस्सा

(अ) सदस्य अपने रेमिजियर या प्राधिकृत सदस्य को उसके द्वारा लाए गए प्राहृकों को लगाई गई दलाली का अधिकतम 50 प्रतिशत और उपखण्ड (क) में उपबंधित रूप में दलाली में हिस्सा बटाने वाले किसी अन्य कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को अधिकतम 40 प्रतिशत हिस्सा दे सकता है।

छूट या वापसी की अनुमति नहीं

(ग) दलाली में हिस्सा बटाने वाला रेमिजियर प्राधिकृत सहायक कर्मचारी या अन्य व्यक्ति स्वयं द्वारा लाए गए प्राहृक को या किसी अन्य व्यक्ति या एजेंट को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसी दलाली में कोई छूट नहीं देगा या दलाली वापस नहीं करेगा।

अतिपूर्ति

(घ) तत्प्रतिकूल लिखित रूप में किसी करार के अभाव में, दलाली में हिस्सा बटाने वाला रेमिजियर प्राधिकृत सहायक कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को अपने दायित्वों को पूरा करने में स्वयं द्वारा लाए गए प्राहृक (बण्टे ऐसा प्राहृक एक्सचेंज का सदस्य न हो) की चूक से सदस्य जिसके साथ वह दलाली में हिस्सेदारी लेता है को होने वाली किसी हानि के लिए सदस्य को पूरी तरह से अतिपूर्ति करने के लिए सहमत माना जाएगा।

प्राहृक द्वारा चूक

(ङ) प्राहृक द्वारा किसी चूक की स्थिति में, वेयराइट्रॉकर्ट आहुक लाने वाले रेमिजियर प्राधिकृत

सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति द्वारा सदस्य को तुरन्त श्रद्धा की जाएगी।

रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की देयता

(c) यदि दलाली में हिस्सा बटाने वाला रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति स्वयं द्वारा लाए गए चूककर्ता ग्राहक द्वारा देय राशि का भुगतान नहीं कर पाता है तो उसके जोखिम और लागत पर सदस्य चूककर्ता ग्राहक के विलङ्घ ऐसी कार्यवाही करने तथा/या उसके साथ ऐसा निपटान या समझौता करने के लिए हकदार होगा जो उसके विवेक में उचित प्रभीत हो। चूककर्ता ग्राहक से देय पूरी या अधिक राशि के लिए उससे वचन पत्र को द्वीपुत्र दलाली में हिस्सा बटाने वाले रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को चूककर्ता ग्राहक से देय मूल राशि सदस्य को ग्रदा करने की उसकी देयता से भुक्त नहीं करेगी, और न ही चूककर्ता ग्राहक के साथ कोई निपटान या समझौता दलाली में हिस्सा बटाने वाले रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की देयता कम नहीं करेगा और वह चूककर्ता ग्राहक से देय मूल राशि की दमूल न हुई रेष्ट राशि और दमूली के अनुक्रम में उपगत समस्त लागत और व्यर्ज सदस्यों को ग्रदा करेगा।

विवाचन

(d) किसी भी मामले में, जब पर उप खण्ड (अ), (इ) और (च) लागू होते हैं, के संबंध में सदस्य और उसके साथ दलाली में हिस्सा बटाने वाले रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति के बीच कोई विवाद विवाचन को सौंपा जाएगा और सदस्यों के बीच विवादों से भिन्न विवादों के विवाचन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुसार निर्णय किया जाएगा। उनके बीच अन्य सभी विवाद भी उसी ढंग से विवाचन को सौंपे जाएंगे। किंतु यदि दलाली में हिस्सा बटाने वाला रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति चाहता है तो ऐसे विवाद प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष की अनुमति से विवाचन को सुपुर्द किए जाएंगे और सदस्यों के बीच विवादों के विवाचन से संबंधित उप-नियमों और विनियमों के अनुमार विनिष्चित किए जाएंगे।

संविदा नोट

216. सदस्यों द्वारा गैर-सदस्यों को दिए गए संविदा नोटों में यह प्रलेख होता है। चाहिए कि संविदा एकसचेज के नियमों, उप-नियमों, विनियमों और व्यवहार के अधीन तथा

एकसचेज के नियमों, उप-नियमों, और विनियमों में उपर्युक्त स्पष्ट में विवाचन के अधीन तथा कोयम्बतूर में न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र के अधीन होती है। संविदा नोटों में एकसचेज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों से असंगत कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए। सदस्य या सदस्यों, जो किसी फर्म के आगीदार या अपेक्षा मालिक हैं, का/के नाम संविदा नोटों पर मुक्ति होगा/होगे। संविदा नोट इस रूप में होंगे कि उसमें "कोयम्बतूर स्टाक एकसचेज का सदस्य" शब्द हस्ताक्षर के तुरन्त बाद आए।

एजेंट के रूप में सदस्यों द्वारा संविदाएं

217. गैर-सदस्य के खाते के लिए या की ओर से किए गए सौदों के संबंध में सदस्यों द्वारा ऐसे गैर-सदस्य को दिए गए संविदा नोट संबंधित विनियम में निर्धारित प्ररूप में वा प्रबंध परिषद् द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित अन्य प्ररूप या प्ररूपों में होंगे। ऐसे संविदा नोटों में उल्लेख होना चाहिए कि दलाली के सरकारी मान से अधिक, दलाली नहीं लगाई गई है और वह मूल्य के लिए अनुमत दलाली में है।

प्रधान के रूप में सदस्यों द्वारा संविदाएं

218. (क) इन उप-नियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपने ग्राहकों को प्रतिभूतियां "प्रधान" के रूप में स्वयं के लिए खाते के समय या अपने ग्राहकों को अपनी खुद की प्रतिभूतियां बताते समय सदस्यों द्वारा गैर-सदस्यों को दिए गए संविदा नोट संबंधित विनियम में निर्धारित प्ररूप में या प्रबंध परिषद् द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके या संशोधन प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित अन्य प्ररूप या प्ररूपों में होंगे। ऐसे संविदा नोट यह प्रकार करेंगे कि सदस्य प्रधान के रूप में कार्य कर रहा है।

लिखित सहमति या प्राधिकार आवश्यक

(ख) सदस्य प्रतिभूति संविदा (विनियम) 1956 के अधीन मान्यता प्राप्त स्टाक एकसचेजों के सदस्यों से भिन्न व्यक्तियों के साथ प्रधान के रूप में संविदाएं तब तक नहीं करेंगे जब तक उन्होंने ऐसे व्यक्तियों की सहमति या प्राधिकार प्राप्त न किया हो और जब ऐसे व्यक्ति की सहमति या प्राधिकार लिखित रूप में नहीं है तो उन्हें संविदा की तारीख से तीन दिन के भीतर ऐसी सहमति या प्राधिकार की ऐसे व्यक्तियों द्वारा लिखित पुष्टि प्राप्त करनी होगी।

बारें फिर भी कि इन उप-नियमों और विनियमों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों द्वारा की गई किसी बकाया संविदा को समाप्त करने के लिए ऐसी लिखित सहमति या प्राधिकार की आवश्यकता नहीं होगी।

कैरी-ओवर संविदाएँ

219. (क) कैरी-ओवर लेने—देनों के संबंध में सदस्यों द्वारा गैर-सदस्यों को दिए गए संविदा नोट संवंधित विनियम में निर्धारित प्रूपों में से किसी एक प्रूप में या प्रबंध परिषद द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या परिवर्तन में भवय-समय पर निर्धारित अन्य प्रूप या प्रृष्ठों में हो सकते हैं।

(ख) इन उप-नियमों और विनियमों में यथा उपवंधित को छोड़कर, सदस्यों द्वारा अपने ग्राहकों को दिए गए संविदा नोट संवंधित विनियम में निर्धारित रूप में नियत विशेष पूरक मूल्य पर इस बात के बाबजूद होंगे कि अनुच्छी संदेश में विशेष पूरक मूल्य से भिन्न मूल्य पर किया गया है। यातो प्रदान के प्रृष्ट के रूप में या प्रदान के रूप में सदस्यों और उनके ग्राहकों के बीच कैरी-ओवर संविदाओं, जिनके संबंध में नंविदा नोट इसमें निर्धारित रूप में प्रदान नहीं किया गया है, को गूच्छ माना जाएगा।

संविदा नोटों पर हस्ताक्षर करना

220. संविदा नोट पर नस्त्वय या इसके मंस्तिधन अटर्नी के हस्ताक्षर होने चाहिए।

फर्मी द्वारा जारी संविदा नोट

221. एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त फर्म के माध्यमे प्रत्येक संविदा सिफ़ फर्म के नाम में हजारक्षरित की जाएगी और फर्म के किसी वैयक्तिक साझेदार या एकमात्र मालिक के नाम में कोई संविदा नोट जारी नहीं किया जाएगा।

सदस्यों और ग्राहकों के अधिकार और देवताएँ

सभी संविदाएँ नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अधीन

222. (क) प्रतिमूलियों, जिनमें एक्सचेंज में लेन-देन अनुमत है, की स्वीकीया या विकी के लिए सदस्य द्वारा गैर-सदस्य के लिए या के साथ की गई सभी संविदाएँ सभी मामलों में एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों, विनियमों तथा व्यवहार, जो ऐसी सभी मंविदाओं के निवंधनों एवं शर्तों का भाग होंगे, के अधीन की गई मानी जाएंगी और वे एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों द्वारा प्रबंध परिषद और अध्यक्ष को उसके बारे में प्राप्त उनके अधिकारों के प्रयोग के अधीन होंगी।

कोयम्बतूर में संविदाओं का निपटान

(ख) उप छप्प (क) में निर्दिष्ट सभी संविदाओं के संबंध में सभी दस्तावेजों और कागजात की सुपुर्दगी और उनका भुगतान कोयम्बतूर शहर के

भीतर होगा और सिवाय कि जब इन उप-नियमों और विनियमों में उपवंधित रूप में समाणोदान गद्दी वैकों के मध्यम समाशोधन नहीं से तथा को सुपुर्दगी ली तथा दी जाती है और भुगतान दिया या लिया जाता है, सभी संविदाओं की पाटियां कोयम्बतूर के शहर के भीतर संवंधित सदस्य के कार्यालय में सुपुर्दगी लेने तथा देने और भुगतान करने तथा पाने के लिए बाध्य होंगी।

संविदाएँ कोयम्बतूर अधिकार खेत्र के अधीन

(ग) उप छप्प (क) में निर्दिष्ट सभी संविदाओं से उत्पन्न या के संबंध में सभी दावों (चाहे स्वीकृत ही या न हो), अंतर्गत और विवादों के मामले में संबंधित पार्टियों की इस बात के लिए नहमत माना जाएगा यि ऐसी संविदाएँ कोयम्बतूर शहर के अंदर की गई हैं और विषादित की जानी हैं तथा कि वे इन उप-नियमों तथा विनियमों में निहित सदस्यों के बीच विवाचन से भिन्न विवाचन संबंधित प्रावधानों के अनुसार विवाचन के अधीन हैं तथा कि वे कोयम्बतूर में व्यायालयों के अधिकार खेत्र के अधीन हैं।

द नाय का निपटन

223. (क) जब भी आर शक्तर को ग्राहक किसी सतर्प का अहीं हो, ऐसे ग्राहक द्वारा फैसले के पांच समप्र-समय पर जारी की गई या ऐसे ग्राहक के लिए या की ओर से गद्दी द्वारा धारित सभी प्रतिमूलियों और अन्य आविष्टों और सदस्य के पाय ऐसे ग्राहक के द्वारा या ग्राहक द्वारा एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन किए गए किसी नारी द्वारा के संबंध में ऐसे ग्राहक को देख द्वारे के किसी समय में ग्राहक को देख द्वारे के किसी सामान्य शेष या मार्जिन या अन्य धन के लिए ऐसे सदस्य के लियन के अधीन होंगी और ऐसे समस्त धन (व्याज कमीशन दानाली और अन्य चंच), जो ऐसे हृण में ऐसे ग्राहक द्वारा देय हो, के दो सदस्य को भुगतान के लिए माना जानी जाएगी।

वेचने का अधिकार

(ख) उप छप्प (क) में उपवंधित रूप में नियत या प्रतिमूलि के लिए हवार सदस्य ऐसे वंग में और ऐसी शर्तों पर और ऐसे समय पर जो वह उचित समझे, ऐसी प्रतिमूलि तथा आविष्टों को बेचने, गिरवी रखने या उन पर धन उदार लेने के लिए स्वतंत्र होगा और एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन किए गए कार्यालय के संबंध में ऐसे ग्राहक की ओर उसके द्वारा उने देय या उसके द्वारा देय ऐसी धनरण या स्वयं को या किसी अन्य अविक्षित को अद कर सकत हैं।

ग्राहक क्षतिपूर्ति करेगा

224. किसी प्रतिभूति की खरीदी या विक्री के लिए कोई संविद करने वाला या किसी ग्राहक के अनुदेशों पर नथा ऐसे ग्राहक के बातें या अनुग्रह पर उसके संबंध में कोई कार्य करने वाला प्रत्येक सदस्य प्राप्ति के रूप में कार्यरत एजेंट के रूप में ऐसे ग्राहक हारा अनिपूरित होने वा तकदार है।

प्रधान के रूप में सदस्यों द्वारा मंचिदारः

225. कोई सदस्य किसी ग्राहक [प्रतिभूति संविद (विनियम) अधिनियम, 1956 के अधीन मानवता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य से भिन्न] के साथ एक प्रधान के रूप में प्रतिभूतियों की खरीदी या विक्री हेतु कोई संविद नव तक नहीं करेगा जब तक वह ऐसे ग्राहक की महमति व प्राधिकार प्राप्ति न किया हो तथा खरीदी या प्रियकोंनोट, जापन या करार में यह प्रकट नहीं करता है कि वह एक प्रधान के रूप में कार्य कर रहा है।

बास्तें कि जहां सदस्य ने लिखित रूप से भिन्न रूप से ऐसे ग्राहक सहमति या प्राधिकार प्राप्त किया है, वह संविदा की सारी दिन के भीतर ऐसी सहमति या प्राधिकार की लिखित पुष्टि प्राप्त करेगा।

बास्तें पुनः कि इन उप नियमों तथा विनियमों के अनुसार ऐसे ग्राहक द्वारा की गई किसी बकाया भंडिदा के समाप्त के लिए ऐसे ग्राहक की ऐसी सहमति या प्राधिकार उस समय आवश्यक नहीं होगा जब सदस्य ऐसे समाप्त के संबंध में क्या या विक्री, नोट, जापन या करार में यह प्रकट करता है कि वह एक प्रधान के रूप में कार्य कर रहा है।

सदस्य अनुदेश तथा आदेश स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं

226. सदस्य प्रतिभूतियों की खरीद, विक्री, हवाला या कीरी-ओवर के लिए ग्राहकों के मध्य या किसी भी अनुच्छेद या आदेश को ग्रीकार करने के लिए बाध्य नहीं होगा। वह अपने पूर्ण और व्येशक विवेक में ऐसे किसी अनुदेश या आदेश को पूर्णतः या अंगतः निष्पादित करने के लिए स्वीकार करने से इकार कर सकता है और उसके लिए कोई कारण देने के लिए गाठ नहीं होगा।

बास्तें कि जब कोई सदस्य ऐसे अनुदेशों या आदेशों को पूर्णतः वा अंगतः निष्पादित करने के लिए बाध्य नहीं है, वह अपने ग्राहक को उस आशंका की मूल्यना नहीं करेगा।

मार्गितः

227. सदस्य का जारी वार्षिक समाजित जमा मालाने का अधिकार है जो ऐसे ग्राहक के लिए उपर्युक्त नियम गये कारोबार के संबंध में उन उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन उसे प्रधान करना है। सदस्य को कोई आदेश निष्पादित करने के पूर्व अपने ग्राहक से नक्शी तथा/या प्रतिभूतियों के रूप में प्रारंभिक मार्गित मालाने का भी अधिकार है तथा या उसे यह अनुबंध करने

का अधिकार है कि ग्राहक ऐसे ग्राहकों द्वारा देना होगा या बाजार गृह्यों में परिवर्तनों के अनुसार अतिरिक्त मार्गित प्रस्तुत करना होगा। ग्राहक, जब भी समय-समय पर ऐसा करने के लिए उसे कहा जाता है, संवित तदस्य के तथा उसके द्वारा महाता आदोबार के संबंध में इन उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन आवश्यक मार्गित जमा नहीं प्रधान करेगा तथा/या अतिरिक्त मार्गित प्रस्तुत करेगा।

चूकर्ता ग्राहक

228. (क) सदस्य ऐसे ग्राहक, जो उसकी जानकारी में दूसरे सदस्य का चूकर्ता है, के लिए प्रदत्त या परोक्ष रूप में कोई कारोबार तथा तकनी होने करेगा या आदेश तथा तक निष्पादित नहीं करेगा जब तक ऐसे ग्राहक ने सदस्य, जो उसका लैनदार है, के साथ संतोषप्रद अवश्य नहीं कर ली है।

विवाचन होने तक चूकर्ता ग्राहक के धन और प्रतिभूतियों का जमा

(ख) इन उप-नियमों तथा विनियमों में उपबंधित रूप में चूकर्ता ग्राहक के विश्व अपना दावा विवाचन को सुनुर्द किये या सुनुर्द करते वाले लैनदार-सदस्य के आदेश पर, मनिकार्पचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन किये गये किसी लैन-देन के संबंध में किसी सदस्य या सदस्यों द्वारा देव धन या प्रतिभूतियों को लैनदार-ग्राहक के वावे से अनेक राशि या सूत्य तक चूकर्ता ग्राहकों को देने या परिदृष्ट करने से रोकते हुए ऐसे सदस्य या सदस्यों के विश्व आदेश जारी करेगा। ऐसा आदेश प्राप्त होने पर संबंधित सदस्य एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन किये गये लैन-देनों से उत्तर्व अपनी खुद की देव राशियों को पूरा करने के बाद एक्सचेंज के पास धन तथा प्रतिभूतियों तुरंत जमा करेगा/करेंगे और यह जमा जाएगा कि चूकर्ता ग्राहक ने संबंधित सदस्य या सदस्यों को ऐसा जमा करने के लिए प्राधिष्ठृत किया हुआ है। ऐसी जमा जमाकर्ता सदस्य या सदस्यों को उसके या उसके द्वारा जमा किये गये धन और प्रतिभूतियों के पंबंध में चूकर्ता ग्राहक के प्रति आगे सुमत देयताओं तथा दायित्वों से मुक्त कर देती। लैनदार-सदस्य का आदेश, जिसके अनुसार में धन तथा प्रतिभूतियों एक्सचेंज के पास जमा की जाती है, चूकर्ता ग्राहक के विश्व विवाचन को उसके द्वावे के उपर्युक्त संदर्भ का एक भाग रहा जाएगा। जब तक लैनदार सदस्य और चूकर्ता ग्राहक परस्पर अन्यथा सहमत नहीं होते हैं, जमा किया गया धन और प्रतिभूतियों विवाचन में अधिनियम के अनुसार निपटायी जाएगी।

ग्राहक द्वारा सुपुर्देशी

229. (क) कोयंबतूर शहर में या शहर से बाहर रहने वाले ग्राहक की ओर प्रतिभूतियां बेचने वाले या से प्रतिभूतियां खरीदने वाले सदस्य के संबंध में, कोयंबतूर में बिक्री ग्राहक से या सीधे उपके बैंकों/एजेंटों में ऐसे दस्तावेजों की सुपुर्देशी उसे मिलने की तारीख से बिक्री ग्राहक द्वारा सुपुर्देशी की तारीख मानी जाएगी।

अनिवासी ग्राहक द्वारा सुपुर्देशी

(म) मदि ग्राहक कोयम्बतूर शहर के बाहर रहता है और कोयम्बतूर शहर के बाहर दस्तावेजों की सुपुर्देशी लेने के लिए अनुरोध करता है और सदस्य ग्राहक के अनुरोध का पालन करता है तो दस्तावेजों को उसी समय परिदित किया गया माना जाएगा जब दस्तावेज कोयम्बतूर शहर में प्राप्त होते हैं, इसके आवश्यक कि ग्राहक सदस्य के या सदस्य के बैंक के किसी शाखा कार्यालय या एजेंट को दस्तावेज दे सकता है। यदि डाक से भेजे गये हैं तो दस्तावेजों को उस दिन परिदित माना जाएगा जब दस्तावेज कोयम्बतूर शहर में सदस्य के बास पहुंचते हैं।

ग्राहक को सुपुर्देशी

230. (क) किसी ग्राहक, जाहे वह कोयम्बतूर शहर में रहता हो या उसके बाहर, की ओर से प्रतिभूतियां खरीदने वाले या उसकी प्रतिभूतियां बेचने वाले सदस्य के संबंध में जिस तारीख को वह कोयम्बतूर में सीधे क्रय-ग्राहक को या उसके बैंक या एजेंट को ऐसे दस्तावेज परिदित करता है या किसी बैंक के माध्यम से क्रय ग्राहक पर बिल आहरित करता है या डाक द्वारा यह सूचित करने हुए सूचना भेजता है कि दस्तावेज सुपुर्देशी के लिए तैयार हैं, वह तारीख क्रय-ग्राहक को सुपुर्देशी की तारीख, मानी जाएगी।

अनिवासी ग्राहक को सुपुर्देशी

(म) यदि ग्राहक कोयम्बतूर शहर को सीमा के भीतर निवास नहीं करता है और कोयम्बतूर शहर के बाहर उसे दस्तावेजों की सुपुर्देशी देने के लिए सदस्य से अनुरोध करता है और सदस्य ग्राहक के अनुरोध का पालन करता है तो सुपुर्देशी उस समय पूरी मानी जाएगी जब सदस्य कोयम्बतूर शहर में अपने खुद के या ग्राहक के बैंकरों या एजेंटों को दस्तावेज परिदित

करता है, ऐसे बैंकर या एजेंट को ग्राहक के लिए तथा की ओर से दस्तावेज परिदित करता है, ऐसे बैंकर या एजेंट को ग्राहक के लिए तथा की ओर से दस्तावेज प्राप्त किया माना जाएगा। यदि सदस्य ने देय तारीख के भीतर कोयम्बतूर शहर में बैंकर या एजेंट के माध्यम से उन्हें दस्तावेज परिदित किया है या उनके विद्वान बिल आहरित किया है या ग्राहक को संबोधित करके कोयम्बतूर शहर में उसे डाक से भेजा है या ग्राहक को डाक से सूचित किया है कि दस्तावेज सुपुर्देशी के लिए तैयार है।

ग्राहक वेचो गई प्रतिभूतियां परिदित करेगा

231. ग्राहक, जाहे वह कोयम्बतूर शहर में या बाहर रहता है, कोयम्बतूर शहर में सदस्य को देय तारीख तक ऐसी प्रतिभूतियां परिदित करगा जो सदस्य ने उसके लिए बेचा है या उससे खरीदा है। परिदित दस्तावेज वैध, नियमित तथा उचित है में होने चाहिए। ग्राहक को बेचो गई किसी प्रतिभूति जिसे सदस्य परिदित करने के लिए दायी है, की सुपुर्देशी कोयम्बतूर के..... शहर में सदस्य के कार्यालय में समय पर की जानी चाहिए सदस्य ऐसी सुपुर्देशी से संबोधित हैं उन-नियमों और विनियमों के प्रावधानों का पालन कर सकें।

ग्राहक भुगतान करेगा

232. ग्राहक, जाहे वह कोयम्बतूर शहर में या बाहर रहता है, कोयम्बतूर शहर में सदस्य के कार्यालय में सदस्य को वैयक्त तारीख तक ऐसी सुमात्र राशि अदा करेगा जो ग्राहक अदा करने के लिए जाव है और जब सदस्य ग्राहक की ओर से ऐसी राशि अदा करने के लिए दायी है तो भुगतान कोयम्बतूर के..... शहर में भवस्य के कार्यालय में उस तारीख से कम से कम एक कारोबार दिन पूर्ण किया जाना चाहिए जिस तारीख को सदस्य को ऐसे भुगतान से सम्बन्धित हैं उन-नियमों नक्ता विनियमों के प्रावधानों के अनुपालन में भुगतान करता है।

सुपुर्देशी या अवायरी करने में ग्राहक की छूट :

233. इन प्रावधानों के अनुमान सुपुर्देशी देने या अवायरी करने में छूट करने वाला ग्राहक ऐसी किसी हानि या नुकसान की अवायरी तुरन्त करेगा जो भवस्य को ऐसी छूट के कालान्तर्याम या के कारण उपगत हो।

सदस्य ग्राहक का जाता कब बन्द करेगा :

234. (क) भद्रस्य द्वारा ग्राहक के विद्वान प्रभावी किसे यथे समाप्त या उत्तम हानि या नुकसान का भुगतान करने में या इन उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप देय समय पर अधिक का भुगतान करने में ग्राहक द्वारा छूट पर सदस्य ग्राहक के छूट में रहने की अवधि के द्वारा स्विचिकानुमार या तो तुरन्त या उसके बाद किसी भी समय उपकार जाता बन्द कर सकता है।

छूट के द्वारा बाजार का बन्द होता :

(म) यदि बाजार छूट के समय या के बाद बंद है तो सदस्य या तो भवस्य को लिए या उसकी सुपुर्देशी के लिए ऐसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में जन-देन के लिए बाजार के पुनः बाहर से पर या के बाद छूटकर्ता ग्राहक के विद्वान समाप्त कर सकता है। समाप्तोषित प्रतिभूतियों के माध्यम से, उस पन मसांशोधन के द्वारा सुपुर्देशी की गति के अधीन हो सकता है।

समान का नोटिस और पर भुगतान

(ग) जब चूककर्ता ग्राहक के आते उप छण्ड (क) और (ब) में उपवंशित रूप में बन्द विवाह जाता है, तो सदस्य अपने ग्राहक को ऐसे समापन का नोटिस भुगता भी देगा और ऐसे समापन पर देगा शेष राशि चूककर्ता ग्राहक द्वारा सदस्य नहीं भुगता देय नहीं।

ग्राहक की मृत्यु:

235. सदस्य विवरण ग्राहक के आते पर समस्त लेन-देन बूझत या भगवानीश्वर अवधार्य तारीख को समाप्त करेगा और ऐसे समापन पर देय शेष ऐसी संविदाओं के सम्बन्ध में भुगतान की आगामी देय तारीख को देय होगा।

विवालिया के मामले समापन

236. सदस्य ऐसे ग्राहक के आते पर समस्त खुले लेन-देनों को तुरन्त या अवधार्य यथाशील अवधार्य तारीख को समाप्त करेगा जो विवालिया हो जाता है या अपने लेनदारों से समाप्ती करता है या करने का प्रयास करता है या जिसने इस तथ्य की कोई स्थिति या सूचना या संकेत दिया हो कि वह अपने वाविलियों को पूरा करने में असमर्प होगा और ऐसे समापन पर शेष ऐसी संविदाओं के सम्बन्ध में भुगतान की आगामी तारीख को देय होगा।

ग्राहक के आते का समापन कैसे किया जाता है

237. जब इन उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अधीन ग्राहक के आता का समापन करते समय सदस्य बाजार की दशाओं के अनुसार न्यायसंगत और उचित मूल्यों पर प्रधान के रूप में अपने स्वयं के आते में ऐसे लेन-देनों को मान या प्रहण कर सकता है या वह खुले बाजार में समाप्त कर सकता है और उपगत कोई वज्र या उसके उपर योग्य होनि ग्राहक द्वारा बहुत की जाएगी। जब समापन प्रधान के रूप में किया गया है तो ऐसे समापन के सम्बन्ध में संविदा शोट में यह अस्त होगा कि सदस्य एक प्राप्ति के रूप में कार्य कर रहा है।

सदस्य पंजीकरण या अंतरण वेक्षने के लिए दायी नहीं।

238. सदस्य की ग्राहक के नाम में प्रतिभूतियों का अंतरण या उसका पंजीकरण वेक्षने के लिए किसी वायित्व के अधीन नहीं माना जाएगा। यदि वह सामान्य अनुक्रम में या ग्राहक के अनुरोध, दृष्टा पर या सहजति द्वारा ऐसा काय देखता है तो उसे ऐसे मामले में ग्राहक का एजेंट माना जाएगा और वह सामान्य हानि के लिए या अंतरण करने से कंपनी के हंकार के लिए उत्तरदायी नहीं होगा और न ही इन उप-नियमों और विनियमों द्वारा विस्तृत रूप से निर्धारित देयता या वायित्व से भिन्न किसी अन्य देयता या वायित्व के अधीन नहीं होगा। स्टाम्प गुरु, अंतरण शुल्क और कंपनी को देय अन्य प्रभार, प्रतिभूतियों के पंजीकरण का कार्य वेक्षने के लिए शुल्क और सदस्य द्वारा उपगत दाक अवधि जैसे समस्त प्रामाणिक वज्र ग्राहक द्वारा बहन किये जाएंगे।

239. जब ग्राहकों को उपसद्य समय अंतरण वज्रियों की बंदी के पूर्व अंतरण पूरा करते और पंजीकरण के लिए प्रतिभूतियों जगा करते के लिए उसके लिए पर्याप्त नहीं है तथा जहां विवाह व्याज, लाभांश, नकदी और साथ या राहट्स, जिसकी कंपनी ने घोषणा की हो, के लिए वायी नहीं है तो सदस्य अपने या अपने निमित्तों के नाम में प्रतिभूतियों दर्ज करा सकता है और क्य ग्राहक से अंतरण शुल्क, स्टाम्प शुल्क और अन्य प्रभार वसूल कर सकता है। सदस्य क्य ग्राहक को उसकी सूचना तुरंत देना और ऐसी कार्रवाई से उत्तम सुरुरंगी में किसी विवर के परिणामों के लिए अतिपूर्ति होगा।

संविदा निर्धारित करने में चूक पर ग्राहक द्वारा समापन

240. यदि कोई सदस्य इन उप-नियमों संधा विनियमों के प्रावधानों के अनुसार सुरुरंगी या भुगतान द्वारा किसी संविदा का मिपावन पूरा करने में चूक करता है तो ग्राहक सदस्य को लिखित सूचना देने के बाद

चूक की तारीख से 15 दिनों के भीतर एकसमेत के किसी अन्य सदस्य तो माध्यम से ऐसी संविदा का समाप्त कर सकता है और ऐसे समाप्त के फलस्वरूप उत्पत्ति के बन्द विवाह जाता है या चूकसान चूककर्ता सदस्य द्वारा ग्राहक को तुरन्त देय होगा। यदि इसमें उपवंशित रूप में भगवान ग्राहक को प्रयोग नहीं किया जाता है तो पाणिनों ने वीच नृकमान चूक की तारीख से पंद्रह दिन विवाहान बंद-मूल्यों के आधार पर निर्धारित किया जाएगा हाथा ग्राहक और सदस्य एक दूसरे के विनाश आश्रय के सभी अनिवार्य अधिकार छोड़ देंगे।

ग्राहक आते का समाप्त कर सकता है

241. (क) यदि कोई सदस्य चूककर्ता घोषित किया जाता है या ग्राहक द्वारा उसके विनाश लागू किये गये समाप्त से उत्पत्ति हानि या चूकसान का भुगतान करने या निपटान दिवस के अगले दिन अपने ग्राहक को उसके हारा देय अंतर का भुगतान करने में चूक करता है तो ऐसा ग्राहक विवित रूप में नोटिस दे करके ऐसी संविदाओं को एकसमेत के किसी सदस्य के माध्यम से या तो तुरन्त या ऐसे सदस्य के चूक में रहने के द्वीपान स्वविवेकानुसार उसके बाद किसी भी समय समाप्त कर सकता है।

चूक के दोरान बाजार का बंद होता

(ब) यदि बाजार चूक के समय या के बाद बंद है तो ग्राहक या तो समाशोधन के लिए या वस्ती सुरुरंगी के लिए ऐसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में लेन-देन के लिए बाजार के पूनः खुलने पर या के बाद चूककर्ता सदस्य के विनाश समाप्त कर सकता है। संमाशोधन प्रतिभूतियों के मामले में, समाप्त समाशोधन के द्वीपान सुरुरंगी की मर्त्त के अद्यता होगा।

समाप्त का नोटिस और उस पर भुगतान

(ग) जब चूककर्ता सदस्य का आता उप छण्ड (क) और (ब) में उपवंशित रूप में बंद किया जाता है तो ग्राहक अपने सदस्य के नोटिस तुरंत भेजेगा और ऐसे समाप्त पर देय शेष राशि चूककर्ता सदस्य द्वारा ग्राहक को तुरंत देय होगी।

ग्राहक की प्रतिभूतियों पर कोई लियम नहीं

242. यदि कोई सदस्य अपने ग्राहक के आते पर समाशोधन गृह को प्रतिभूतियों परिवर्त करने के बाद चूककर्ता घोषित किया जाता है तो ग्राहक वाका करते और प्रबंध परिवर्त् या अध्यक्ष द्वारा संतोषप्रद समझे जाने वाले प्रमाण प्रस्तुत करने पर चूककर्ता को उसके हारा देय राशि मरि कृष्ण है के भुगतान या कठीनी के प्रधीन समाशोधन गृह से ऐसी प्रतिभूतियों या गरिवतित पूरक मूल्य पर उनका मूल्य जैसा भी प्रबंध परिवर्त् या अध्यक्ष निर्णय के प्राप्त करने का हक्कराह होगा।

ग्राहक द्वारा शिकायत

243. जब ग्राहक ने प्रबंध परिवर्त् के पास ऐसी शिकायत दर्ज की हो कि सदस्य अपना गैर-सदस्यानी लेन-देन कार्यान्वयित करने में असफल रहा है तो प्रबंध परिवर्त् शिकायत की जांच करती और यदि वह संतुष्ट है कि शिकायत न्यायसंगत है तो प्रबंध परिवर्त् सदस्य को ऐसी भविष्य या अवधियों के लिए निर्धारित कर सकती है या उसके लिए अनुभासनिक कार्रवाई कर सकती है जो वह उचित समझे।

सदस्यों के भीच से भिन्न विवालिय

244. (क) सदस्य और गैर-सदस्यों या गैर-मूल्यों 'गैर-सदस्य' और 'गैर-मूल्यों' शब्दों की अविभागित में रेमिसियर प्राधिकृत सहृदय या कर्मचारी या कोई अन्य अवधियों जिनके साथ सदस्य दस्तावेज़ दांता है) के बीच एकसमेत के नियमों उप-नियमों और विनियमों के अधीन किए गए कार्रवाई कर सकती है जो वह उचित समझे।

जहाँसे प्रासंगिक किसी बात के संबंध में या उसके समुदरण में या उसके प्रचलन्नित या दूरी या वैद्यता में सम्बन्धित या रेमिशियरों, प्राधिकृत लहायदों कर्मचारियों या अथवा व्यक्तियों जिनके साथ समवय ऐसे कारोबार लेने-देने और संविदाओं के सम्बन्ध में ललाली बाटता है, के विविधारों व्यापिक्ति और देवताओं से सम्बन्धित सभी दावे (जहाँ स्वीकृत होने में नहीं होते) मतभेद और विवाद एकसमेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों में उपबंधित रूप में विवाचन को सुपुर्दे और द्वारा निर्णय किए जाएंगे।

संविदा विवाचन करार संस्थापित करती है

(ब) उप अधिक (क) में यथा उप-बंधित रूप में विवाचन के अधीन और उसमें समाधिष्ठ विवाचन हेतु इस प्रयास प्रावधान से मंविदा की व्यक्ति या प्रबगदत मार्गोङ्कुति सदस्य और गैर-सदस्य या गैर-भवदसों के बीच एक कारार संस्थापित करें या संस्थापित करती भाली जाएगी कि मंविदा की तारीख के पूर्व या के बाद समस्त कारोबार, लेन-देनों और संविदाओं के संबंध में उप अधिक (क) में निर्धारित स्वरूप के सभी दावे (जहाँ स्वीकृत होने में नहीं होते) मतभेद और विवाद एकसमेंज के नियमों उप-नियमों और विनियमों में उपबंधित रूप में विवाचन को सौंपे जाएंगे और उस द्वारा निर्णय किए जाएंगे।

विवाचकों की नियुक्ति

245. (क) इन उप नियमों और विनियमों के अधीन विवाचन को सुपुर्दे किए जाने वाले सभी दावे मतभेद और विवाद एकसमेंज की विवाचन संमिति के दो सदस्यों के विवाचन को सुपुर्दे किए जाएंगे जिसमें हरेक पार्टी एक विवाचक की नियुक्ति करेंगी।

संयुक्त रूप से पार्टियों द्वारा या साझेवारी पूर्वद्वारा विवाचकों की नियुक्ति

(ब) जब बाबा मंयुक्त रूप से दो या अधिक पार्टियों के विवाच या साझेवारी फर्म के विवाच हैं या उसके साथ मतभेद है या विवाद है तो ऐसी पार्टियों या साझेवार (जैसा भी मानला जाए) एक विवाचक ही नियुक्ति के बारे में सहमत होंगे और ऐसी सहमति न होने पर उन्हें उप अधिक (क) में व्यवस्थित रूप में नियुक्ति करने में असफल माना जाएगा।

प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा विवाचकों की नियुक्ति

246. दावे, मतभेद या विवाद की किसी पार्टी द्वारा इन उप-नियमों और विनियमों के अधीन निर्धारित विवाचकों की घूनतम भी सर्वांगी व्यवधान रूप में भूगतान करने पर प्रबंध परिषद या अध्यक्ष एक विवाचक की नियुक्ति करेगा :—

- (1) यदि एक पार्टी द्वारा कार्य करने के लिए तंयार और इच्छुक विवाचक की नियुक्ति कर देने के बाद उस नियुक्ति के लियित नोटिस को तारीख करने के बाव सात दिनों के भीतर या दूसरी पार्टी या पार्टियों के आधेन पर प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा अनुमति विस्तारित समय के भीतर एक विवाचक (कार्य करने के लिए तंयार और इच्छुक) की नियुक्ति करने में दूसरी पार्टी या पार्टियों की ओर से अड़क, उपेक्षा या इंकार हो, या
- (2) यदि विवाचकों द्वारा पंचाट देने के पूर्व दोनों में से किसी एक विवाचक की मृत्यु हो जाती है या भोई एक विवाचक कार्य करने में घूक करता है या अवहेलना करता है या इंकार करता है या विवाचक के रूप में कार्य करने में अलग हो जाता है।

247. पार्टियों द्वारा या प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा नियुक्त विवाचकों को एकसमेंज के सदस्य को किसी भी समय एक अध्यायर के रूप में नियुक्त करने का अधिकार होगा और वे ऐसा तब करेंगे जब उनमें अपने निर्णय में मतभेद हो।

प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा अध्यायर की नियुक्ति

248. प्रबंध परिषद या अध्यायर उस समय अध्यायर की नियुक्ति करेंगे :—

- (1) यदि किसी कारण से नियुक्त किए गए विवाचक इन उप-नियमों तथा विनियमों में निर्धारित समय (या विस्तारित समय) के भीतर या तो पंचाट करने में या अध्यायर नियुक्त करते में या अध्यायर की नियुक्ति में सहमत होने में असफल रहते हैं, अथवा
- (2) यदि किसी कारण से नियुक्त किया गया यथा अध्यायर इन उप-नियमों तथा विनियमों में निर्धारित समय (या विस्तारित समय) के भीतर अपना पंचाट देने में असफल रहता है, अथवा
- (3) यदि किसी कारण से नियुक्त किया गया यथा अध्यायर इन उप-नियमों तथा विनियमों में निर्धारित समय (या विस्तारित समय) के भीतर अपना पंचाट देने के पूर्व किसी भी समय विवाच गत हो जाता है या कार्य करने में असफल रहता है या उपेक्षा या इंकार करता है या कार्य करने के लिए असमर्थ हो जाता है।

अध्यायर संदर्भ की सुनवाई कर करेगा।

249. अध्यायर विवाचक के स्थान पर संदर्भ पर तुरंत कार्यारंभ करेगा, यदि विवाचक :—

- (1) अधिनियमित करने के लिए इन उप-नियमों और विनियमों में निर्धारित समय (विस्तारित समय) कोई पंचाट किए विवाच समाप्त होने देते हैं, अथवा
- (2) एकसमेंज को या अध्यायर को यह कबन करते हुए एक नियुक्ति नोटिस देता है कि वे सहमत नहीं हो सकते हैं।

विवाचकों द्वारा पंचाट

250. विवाचक संदर्भ पर कार्यारंभ करने के बाव या किसी भी पार्टी द्वारा लियित रूप में नोटिस द्वारा कार्य करने के लिए कहे जाने के बाव आर महीबे के भीतर या ऐसे विस्तारित समय, जो विवाचक संदर्भ की पार्टियों की सहमति से नियत करें या जो प्रबंध परिषद या अध्यक्ष अनुमत करें, के भीतर अपना पंचाट देंग।

अध्यायर द्वारा पंचाट

251. अध्यायर संदर्भ पर कार्यारंभ करने के दो महीने के भीतर या ऐसे विस्तारित समय, जो अध्यायर संदर्भ की पार्टियों की ३२२२ ति से नियत करे या जो प्रबंध परिषद या अनुमत करें, के भीतर अपना पंचाट देगा।

पंचाट का प्रकाशन

252. पंचाट कार्यों के बाव विवाचक और अध्यायर ऐसे पंचाट पर हस्ताक्षर करेंगे और पार्टियों को पंचाट करने और उस पर हस्ताक्षर करने का लियित नोटिस दिया जाएगा।

पंचाट पार्टियों और उनके प्रतिनिधियों पर आवश्यकर

253. संदर्भ की पार्टियां विवाचकों या अध्यायर के पंचाट का सभी दृष्टियों से पालन करेंगी और बुरान लागू करेंगी। ऐसा पंचाट अदिम होगा और पंचाट के बाव किसी पार्टी की मृत्यु या कानूनी असमर्थता पर द्याव दिया जाएगा और ऐसी मृत्यु या कानूनी असमर्थता संदर्भ या पंचाट के प्रति-संहरण के रूप में व्यवस्थित नहीं होगी।

अतिरिक्त पंचाट

254. जब इन उप-नियमों और विनियमों के अधीन किया गया भोई पंचाट संदर्भ की एक पार्टी द्वारा शास्त्रिय कार्य करने का नियम देता है और ऐसी पार्टी पंचाट का पालन करने में असफल रहती है तो

दूसरी पार्टी ऐसी विकलता के कारण बकाया विवाद या देय नुकसान या अतिपूर्ति की राशि का निर्धारण करने के लिए अतिरिक्त पंचाट हेतु इन उप-नियमों और विनियमों में उपबंधित रूप में विवाचक को फिर से संदर्भ दे सकता है और उस पर पंचाट असंग से या मूल पंचाट के साथ काइल किया जाएगा।

पंचाट काइल करना

255. विवाचक या अम्पायर संदर्भ की किसी पार्टी या ऐसी पार्टी के अधीन दावा करने वाली किसी पार्टी के अनुरोध पर या न्यायालय द्वारा ऐसा निर्देश दिए जाने पर और ऐसे संबंध तथा पंचाट के संबंध में देय शुल्क और प्रशार के और अकाउंट काइल करने की लागत या प्रभार के भुगतान पर किसी अधिसाक्ष्य या दस्तावेजों, जो विवाचकों या अम्पायर के समझ लाए तथा सिद्ध किए गए हों, के साथ पंचाट या उसकी हस्ताक्षरित प्रति न्यायालय में पंचाट या उसकी हस्ताक्षरित पंचाट या उसकी हस्ताक्षरित प्रति न्यायालय में काइल करवाएगा।

पंचाट के अभिशूल्यन पर नया संदर्भ

256. जब भी इन उप-नियमों और विनियमों के अधीन दिया गया पंचाट न्यायालय द्वारा निरत कर दिया जाता है तो मामला इन उप-नियमों और विनियमों में उपबंधित रूप में विवाचन को पुनः संदर्भित किया जाएगा और मतभेद तथा अंतर सिर्फ विवाचन द्वारा निरिक्त किए जाएंगे।

पंचाट करने के लिए समय का विस्तार

257. जब भी पंचाट करने के लिए समय समाप्त हो गया हो या न हुआ हो और जाहे पंचाट किया गया हो या न किया गया हो, प्रबंध परिषद या अध्यक्ष उनित समझते हैं तो वे पंचाट की देय नारीज़ या विस्तारित देय तारीख से अधिकतम एक महीने की अवधि तक पंचाट करने के लिए समय बढ़ा सकते हैं।

सिर्फ एकांशेज के सदस्यों में से नियुक्ति

258. इन उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन नियुक्त विवाचक या अम्पायर सभी मामलों में नियुक्ति के समय एकांशेज के सदस्य होने आहिए।

प्रबंध परिषद विवाचन शुल्क, कार्य तथा प्रतिक्रिया का निर्धारण करेगी

259. इन उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन विवाचन को संदर्भ के संबंध में अका किए जाने वाले शुल्क, प्रयोग किए जाने वाले कार्य और अपनाई जाने वाली प्रक्रिया संबंधित विनियम में निर्धारित रूप में या प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा उसके अतिरिक्त या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित रूप में होगी।

शुल्क तथा प्रभार

260. संबंधित विनियम में निर्धारित विवाचन में शुल्क और संदर्भ में कार्यवाहियों को प्रस्तुत और विनियमित करने हेतु प्रभार अप्रिम रूप में देय होंगे और जब तदनुसार भुगतान करने में पार्टी या पार्टियों की ओर से शुल्क, उपेक्षा या इकार है तो दूसरी पार्टी या पार्टियों की नियुक्त करने के लिए उत्तरवाही होगी किसी थावा करने में शुल्क, उपेक्षा या इकार करने वाली ऐसी पार्टी से राशि बस्तू करने के उसके अधिकार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। किसी संवर्धन की सुनवाई के पूर्व यह शर्त होगी कि निर्धारित शुल्क और प्रभार संदर्भ की पार्टी या पार्टियों द्वारा एकांशेज को अधिम रूप में अदा किए जाएंगे। एकांशेज तेरे गमत शुल्क तथा प्रभार प्राप्त करेगा और आवश्यक भुगतान करेगा, अमां रूप कि जस्तु प्राप्त राशि से अधिक राशि अदा नहीं की जाएगी।

सिद्धित कथनों पर या सुनवाई दावा नियंत्रण

261. विवाचक या अम्पायर पार्टियों के सिद्धित कथनों पर संदर्भ का नियंत्रण करेंगे। फिर भी कोई पार्टी विवाचकों या अम्पायर से यह अपेक्षा कर सकती है कि उसे सुनवाई का मौका दिया जाए। ऐसी हितति में उसकी ऐसी सुनवाई की जाएगी और अन्य पार्टी या पार्टियों को भी इसी प्रकार का प्राधिकार होगा।

कार्यवाहियां

262. विवाचक नियत समय के भीतर लिखित कथन काइल करने में जूक पर ध्यान दिए बिना संबंध पर कार्यारंभ कर सकते हैं और किसी या सभी पार्टियों की अनुपस्थिति जो उचित नोटिस के बावजूद नियत समय तथा स्थान पर उपस्थित होने में असफल, उपेक्षा या इकार करता है, में संबंध पर असर नहीं हो सकता है।

सुनवाई का स्थगन

263. विवाचक या अम्पायर संदर्भ की किसी पार्टी के अधिकार पर या अपने खुद के अनुरोध पर किसी भी सम्प्र सुनवाई स्पष्टित कर सकते हैं, किर भी बताते कि जब स्थगन संबंध की किसी एक पार्टी के अनुरोध पर मजूर किया जाता है, तो विवाचक या अम्पायर, यदि उचित समझते हैं, दूसरी पार्टी द्वारा स्थगित सुनवाई के संबंध में उपराम शुल्क तथा लागत ऐसी पार्टी द्वारा अदा करने की अपेक्षा कर सकते हैं तथा ऐसी पार्टी द्वारा ऐसा करने में असफल रहने पर आगे सुनवाई करने से हंकार कर सकते हैं या उसके मामले को खारिज कर सकते हैं या मामले, ऐसे किसी भूल रूप में कार्रवाई कर सकते हैं जो विवाचक या अम्पायर उचित समझते हैं।

विविक भवानहकार तथा साक्ष्य

264. सुनवाई के द्वारा संबंध की पार्टियों विवाचकों या अम्पायर की अनुमति से काउंसिल, अदानी, बकील या विविकत प्राधिकूल प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होने सकती है तथा जहा किसी भी पार्टी को ऐसी अनुमति है, इसी प्रकार का प्राधिकार दूसरी पार्टी या पार्टियों को दिया जाएगा। किसी कोई भी पार्टी विवाचकों या अम्पायर की अनुमति के बिना इस प्रकार हक्कदार नहीं होगा और न ही वह साथी की सुनवाई करने या जांच करने या विवाचकों या अम्पायर द्वारा आवश्यक समझे जाने वाले नायक से भिन्न कोई भीक्रिया या प्रलेखी साक्षय प्राप्त करने के लिए विवाचकों पर जोर दे सकती है या से अपेक्षा कर गाती है।

अधिलिखित कार्यवाहियों और साक्ष्य का प्रसिफल

265. यदि विवाचकों या अम्पायर ने पंचाट करने के लिए इन उप-नियमों और विनियमों से निर्धारित समय को कोई निर्णय किए बिना बीत जाने विद्या है या यदि किसी विवाचक या अम्पायर की मृत्यु हो जाती है या कोई विवाचक या अम्पायर कार्य करने में असफल रहता है या उपेक्षा करता है या इकार करता है या विवाचक या अम्पायर के रूप में कार्य करने के सिये अक्षम हो जाता है तो प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा नियुक्त प्रतिस्थानी विवाचक और दूसरा विवाचक या प्रबंध परिषद या अध्यक्ष द्वारा नियुक्त प्रतिस्थानी अम्पायर तस्समय लियमान कर्मांशों के रिकाउंट पर और संबंध में या नए सिरे से संबंध शुल्क करने के लिए उस समय लिए गए माय, यदि कुछ हैं, पर कार्य करने के सिए स्वतंत्र होगा।

न्यायालय को संबंध

266. विवाचक या अम्पायर प्रबंध परिषद की अनुमति प्राप्त किए बिना किसी संबंध से उत्पन्न या से सम्बन्धित किसी मामले पर न्यायालय को संबंध नहीं करेंगे।

सम्बन्धित प्रति-बात

267. एक पार्टी द्वारा विवाचन को संदर्भ पर, दूसरी पार्टी या पार्टीयां पहुँची पार्टी के विषयक सम्बन्ध का बाबा करने या प्रति-दावा करने का हक्कार हुआ है बातें ऐसा सम्बन्ध या प्रति-दावा एक्सेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अधीन और उम्में उपबंधित विवाचन के अधीन किए गए कारोबार, लेन-देन तथा सविदाओं से उत्पन्न होता है या संबंधित है और बास्तव में यह कि सम्बन्ध या प्रति-दावा मध्यम की पहुँची सम्बाहित के समय या के पूर्व, किसी द्वारा में नहीं, जब तक विवाचकों या अम्पायर द्वारा अनुमत न हो, पूर्व विवरण के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

व्याज निर्णय करने के लिए पंचाट

268. जहाँ और जहाँ तक पंचाट घन के भुगतान के लिए है, विवाचक या अम्पायर विवाचन कार्यवाही के संदर्भ होने के पूर्व किसी व्यक्ति के लिए समायोजित मूल राशि पर व्याज किए जाने वाले व्याज का निर्णय पंचाट में कर सकते हैं और विवाचन कार्यवाही के संभित होने की तारीख से पंचाट की तारीख तक की व्यवधि के लिए उपयुक्त समझी जाने वाली मूल धनराशि पर अतिरिक्त व्याज और पंचाट की तारीख से भुगतान की तारीख या किसी की तारीख तक प्रकार समायोजित कुल राशि पर पर उपयुक्त समझी जाने वाली दर पर और व्याज का भी निर्णय कर सकते हैं।

बच्चे

269. लागत, प्रभार, शुल्क तथा अन्य धर्म सहित संबंधी और पंचाट का खर्च विवाचकों या अम्पायर के विवेकानुसार हुआ है जो पंचाट में विनियित कर सकते हैं और नियंत्रण के सकते हैं कि किस तरह में और किस अनुपात में ऐसी लागत प्रभार, शुल्क और अन्य खर्च या उसका कोई भाग पार्टीयों द्वारा बहुत तथा अवा किया जाएगा और इस प्रकार अवा की जाने वाली राशि या उसके किसी भाग का विनियोजित तथा नियटान कर सकते हैं। पंचाट में किसी निवेश के व्यापार में लागत, प्रभार, शुल्क तथा अन्य खर्च संबंध में पार्टीयों द्वारा समान अनुपात में बहुत किया जाएगा। पंचाट का पालन करने से इकार करने वाली पार्टी जब तक सक न्यायालय अन्यथा निवेश नहीं देती है, न्यायालय में पंचाट के लालू करने और उसके प्रबंधन के संबंध में प्रटीनी और ग्राहक के बीच खर्च का भुगतान करेगी।

संविदाओं की संक्षिप्त

270. सभी कारोबार लेन-देन तथा संविदाओं को जो एक्सेंज के नियमों उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन हैं और प्रत्येक विवाचन करार को जिस पर एक्सेंज के निया उप-नियम और विनियम लागू होते हैं सभी पहलुओं में एक्सेंज के नियमों उप-नियमों और विनियमों के अधीन माना जाएगा और कोयन तूर शहर में पूर्णतः गनाया गया किया गया और नियावत किया माना जाएगा और इसी रूप में प्रबंधित माना जाएगा और ऐसे कारोबार लेन-देनों संविदाओं और करारों की पार्टीयों को एक्सेंज के नियमों उप-नियमों और विनियमों के प्रवधानों को लागू करने के प्रयोजनातः कोयन तूर में न्यायालयों के अधिकार-केन्द्रों को प्रस्तुत किया माना जाएगा।

नोटिस और संसूचना के सामील वी जाए

271. किसी सबस्य या गैर-सबस्य को नोटिस और संसूचना नियन्त्रित में से किसी एक या अधिक या सभी छंगों में सामील की जाएगी और नीचे (1) से (5) के अधीन ऐसा कोई नोटिस या संसूचना उसके सामान्य कारोबार परे पर तथा/या उसके सामान्य निवास स्थान के पते पर या उसके अंदिम ज्ञात पते पर सामील की जाएगी :

- (1) उसकी वस्ती सुपुर्वगी द्वारा,
- (2) उसे रजिस्टर्ड डाक से भेजकर,
- (3) उसे डाक प्रमाण-पत्र के अधीन भेजकर,

- (4) उसे लैरिट सुपुर्वगी द्वारा भेजकर,
- (5) सार द्वारा भेजकर,
- (6) अंतिम ज्ञात कारोबारी या आवासनीय पते पर दरवाजे पर उसे विधाकर,
- (7) अध्य व्यक्ति की उपस्थिति में उसकी वैशिक संसूचना द्वारा,
- (8) कोयन तूर में प्रकाशित होने वाले कम से कम किसी एक वैशिक समाचार पत्र में विशेषत देकर,
- (9) यदि कोई पता ज्ञात नहीं है तो एक्सेंज के सूचना पट्ट पर नोटिस लगाकर।

वस्ती सुपुर्वगी द्वारा सामील कब पूरी

272. हृषि से तामील नोटिस या संसूचना को नोटिस या संसूचना सुपुर्वकरते वाले व्यक्ति द्वारा विधिवत हस्तांशित उस आवश्यक प्रमाण-पत्र के प्रस्तुतीकरण पर पार्टी द्वारा प्राप्त माना जाएगा।

डाक या तार द्वारा तामील कब पूरी

273. डाक या तार द्वारा तामील नोटिस या संसूचना को उस समय पार्टी को प्राप्त माना जाएगा जब वे डाक या तार के सामान्य अनुपात में विधित किए गए हों। डाक वर से पुर्व वर्त या रजिस्टर्ड वर या तार के लिए डाक वर तूर या डाक प्रमाण का प्रस्तुतीकरण ऐसे नोटिस या संसूचना को डाक से भेजने का नियन्त्रायक प्रमाण होगा और नोटिस की उपरित तामील भी मानी जाएगी।

सुपुर्वगी लेन से इकार तामील क्षे प्रभावित नहीं करता।

274. नोटिस या संसूचना की सुपुर्वगी लेन से इकार किसी भी मामले में उसकी तामील की वैधता को प्रभावित नहीं करेगी।

विज्ञापन द्वारा या सूचना पट्ट पर नोटिस द्वारा तामील कब पूरी

275. किसी समाचार पत्र में प्रकाशित या एक्सेंज के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित नोटिस या संसूचना उस विनार्टी पर सामील मानी जाएगी जिस दिन वह प्रक वित या प्रशिक्षण की जाती है।

अनसंबीधीय कार्य

276. अपने वाधिकार के अधीन कार्य करते हुए एक्सेंज के संविध या कम्बारी :

- (1) मंदर्भी का एक रजिस्टर रखेगा,
- (2) विवाचन क्रम के पूर्व या के दौरान या अन्यथा उसके संबंध में पार्टीयों द्वारा संबोधित विवाचन हनु सभी आवेदनों, संवर्धी और संसूचनाओं को प्राप्त करेंगे।
- (3) समस्त लागत, प्रभार, शुल्क तथा अन्य खर्चों का भुगतान प्राप्त करेंगे,
- (4) विवाचन क्रम के पूर्व या के दौरान या अन्यथा उसके संबंध में पार्टीयों को मुनबाई के नोटिस और अन्य सभी नोटिसें देना,
- (5) विवाचक या अम्पायर के सभी आदेशों या निवेशों को पार्टीयों को सूचित करना,
- (6) संवर्धी से संबोधित सभी दस्तावेज तथा कागजात प्राप्त और अभिलिखित करना और पार्टीयों द्वारा रखे जाने के लिये अनुमत दस्तावेजों और कागजात को लोडकर सभी दस्तावेजों और कागजात को अभिलिखित में रखना,
- (7) विवाचकों या अम्पायर की ओर से अधिनियम प्रकाशित करना,
- (8) विवाचकों अम्पायर की ओर से अधिनियम काइल करना,

(9) मामातृत्वः ऐसे सभी कार्य करना और उसे सम्भव बनाना जो विवाहक्रिया का उनके कार्यों के निष्पादन में सहायता के लिये आवश्यक हो।

क्रियाक्रम

277. कोई भी पार्टी हन उपनियमों तथा विनियमों के अधीन किये गये तात्पुरता किसी मामले या बात के लिये या के सम्बन्ध में एकसचेज, प्रबन्ध परिवद, अध्यक्ष, सचिव या एकसचेज के किसी कर्मचारी या कर्मचारियों के विश्वास या विवाहक्रिया के किसी भी प्रकार का कई बाद दा कार्यवाही नहीं लायेगी या अप्रसर नहीं करेगी और न सम्भव की अग्र पार्टी या पार्टियों के विश्वास कोई बाद या कार्यवाही (पंचाट के प्रबन्ध के मामले को छोड़कर) लायेगी या अप्रसर करेगी।

सदस्यों के बीच विवाहक्रिया

विवाहक्रिया को सम्भव

278. सदस्यों के बीच एकसचेज के नियमों, उप नियमों और विनियमों के अधीन किये गये कारोबार, लेन-देनों और संविधायों से उत्पन्न या के सम्बन्ध में अद्यता उससे प्रासादिक इसी बात के सन्दर्भ में या उसके अनुसारण में सभी दोष, गिरावट, भत्तेदार और विवाह तथा ऐसे सौदे, लेन-देन या संविधान करने या न करने में संबंधित कोई प्रयत्न या विवाह हन उप नियमों और विनियमों में उपबन्धित रूप में विवाहक्रिया के अधीन होगे और विवाहक्रिया को सुपुर्द किये जायेगे।

प्रबन्ध परिवद की अनुमति से कानूनी कार्यवाही

279. हन उपनियमों तथा विनियमों के अधीन विवाहक्रिया को सुपुर्द किये जाने वाले विवाहक्रिया के अधीन दोष, शिकायत, भत्तेदार या विवाह के सम्बन्ध में कोई भी सम्बन्ध प्रबन्ध परिवद की अनुमति के बिना दूसरे भद्रस्य के विश्वास कानूनी कार्यवाही नहीं करेगा। यदि गदरय जनुमति के बिना ऐसी कार्यवाहीयों गम्भित करता है और कोई राशि या अग्र राहत बहुल करता है तो वह उसे एकसचेज के लिये न्यास में रखेगा और प्रबन्ध परिवद द्वारा निर्दिष्ट दुःख में निपटाने के लिये उसे एकसचेज को आदा करेगा।

विवाहक्रिया हेतु आवेदन

280. जब भी भविष्यों के बीच कोई दावा, शिकायत, मतभेद या विवाहक्रिया जिसे हन उपनियमों और विनियमों के अधीन विवाहक्रिया समिति को सुपुर्द किया जाना चाहिये, उत्पन्न होता है, कोई भी सम्बन्ध, जो ऐसे दोष, शिकायत, भत्तेदार या विवाह की पार्टी है, विवाह में जांच करने और अविनियम करने के लिये विवाहक्रिया को पास आवेदन कर सकती है।

विवाहक्रिया

281. जब भी विवाहक्रिया समिति को कोई सन्दर्भ किया जाता है वह ऐसे सन्दर्भ के सम्बन्ध में विवाहक्रियों के रूप में कार्यरत उसके दो सदस्यों की अध्यक्षता में होगा।

नोटिस

282. अन्यथा उपनियम स्थान के भिन्न भिन्न सुनवाई के लिये नियम भविष्य और स्थान की सुनवाई कम से कम दो दिन पहले सन्दर्भ की दोनों पार्टियों को दो जानी चाहिये।

दोनों पार्टियों जम्मित

283. यदि सन्दर्भ में दोनों पार्टियों नियम समय तथा स्थान पर असहित है तो विवाहक्रिया सन्दर्भ की सुनवाई करने और पंचाट करने के लिये अप्रसर होते हैं।

एकसचेज विवाहक्रिया और संक्षिप्त निपटारा

284. यदि पार्टी जिसके विश्वास सन्दर्भ फलहाल किया, गया है तियत समय पर अप्रसर स्थान पर उपस्थित होती है तो विवाहक्रिया सन्दर्भ की एकपक्षीय सुनवाई कर सकती है और उस पर नियम देसकते हैं और भवि-

सन्दर्भ कोहल करने वाली पार्टी उपस्थित होती है तो विवाहक्रिया सन्दर्भ को संक्षिप्त आरिज कर सकते हैं।

विवाहक्रियों के बीच अप्रसरनि

285. यदि सदस्यों की सुनवाई करने वाले विवाहक्रिया के बारे में सहमत नहीं हैं तो वे विवाहक्रिया समिति के तीसरे सदस्यों में सन्दर्भ की विषय-वस्तु या उसका ऐसा भाग जिसके गन्दर्भ में वे सहमत नहीं हो पाते हैं, विवेचित कर सकते हैं और इसके बाद तीनों प्रदृश्य सन्दर्भ में एक साथ पंचाट करेंगे और उनमें से किसी दो का पंचाट विवाहक्रिया में पंचाट माना जायेगा।

विवाहक्रिया समिति को अपील नहीं

286. विवाहक्रियों के किसी पंचाट में असन्तुष्ट गन्दर्भ को पार्टी ऐसा पंचाट उसे प्राप्त होने की सारी रूप सात दिनों के भीतर ऐसे पंचाट के विलम्ब विवाहक्रिया समिति के पास अपील कर सकती है।

जमा तथा आपत्ति कथन

287. (क) विवाहक्रिया समिति को अपील करने वाली पार्टी विवाहक्रियों के पंचाट पर आपत्तियां लिखित रूप में कथित कर सकती हैं और जब तक प्रबन्ध परिवद या अध्यक्ष हारापूर्णतः या अंशतः छूट ग्राहन न हो, अदा, करने के लिये आशेशित पूरी राशि नकद रूप में या पंचाट में सुपुर्द किये जाने के लिये आशेशित प्रतिभूतियां या विवाहक्रिया वाजार मूल्य पर प्रतिभूतियों का मूल्य एकसचेज में जमा करेगी। जमा रखने वाली पार्टी को इस बात के लिये सहमत माना जायेगा कि ऐसी जमा अपील में तिर्यक के विवरणों के अनुसार एकसचेज द्वारा दूसरी पार्टी को सौंपी जायेगी।

जमा प्रमाणपत्र

(ख) उप-खण्ड (क) में अपेक्षित रूप में जमा प्रत्यक्ष करने की बात दर्शाते हुए एकसचेज से एक प्रभाग पर अपील के माथ भेजेगन क्षिया जायेगा और विवाहक्रिया समिति ऐसी अपील पर विवाह नहीं करेगी जिसके मात्रे ऐसा प्रमाण पाप समझ नहीं है।

अपील की सुनवाई

288. जब अपील के साथ जमा प्रमाण पाप मंलान है तो विवाहक्रिया समिति अधीन की सुनवाई करने और भविष्य में पंचाट करने के लिये स्वयं अप्रसर होती है।

कुछ संक्षय बोट नहीं देसकते

289. विवाहक्रिया समिति के सदस्य, जिनके पंचाट के विकल्प समिति के पास अधीन की गई है, समिति की ऐसी बैठकों में भाग लेसकते हैं जिनमें अधीन पर विवाह किया जाता है तो किंतु बोट देने के लिये हकशार नहीं होते।

विवाहक्रिया समिति का पंचाट द्वारा अन्तिम

290. किसी सन्दर्भ में विवाहक्रिया समिति का पंचाट अन्तिम होगा और विवाह में फंसी राशि एक हजार रुपये से कम है तो सन्दर्भ की पार्टियों पर पंचाट आबद्धकर्ता समाज जाएगा।

प्रबन्ध परिवद का अपील करना

291. यदि विवाहक्रिया राशि एक हजार रुपये या इससे अधिक है, विवाहक्रिया समिति के पंचाट से असन्तुष्ट पार्टी ऐसे पंचाट के उसे मिलने की तारीख से सात दिनों के भीतर ऐसे पंचाट के विलम्ब प्रबन्ध परिवद को अपील कर सकती है।

लिखित आपत्तिया तथा प्रमाणपत्र

292. (क) प्रबन्ध परिवद को अपील करने वाली पार्टी विवाहक्रिया समिति के पंचाट पर आपत्तियों लिखित रूप में कथित कर सकती है और जब तक प्रबन्ध परिवद या अध्यक्ष हारापूर्णतः या अंशतः

छठ प्रात न हो, बद्दा करने के लिये अधेसित मुख्य इति नकद रूप में या पंचाट में सुपुर्व किये जाने के लिये अधेसित प्रतिभूतियों या विवाचन बाजार बाज़ पर प्रतिभूतियों का बूद्ध्य एकपक्षीय में जमा करेगी। जमा रखने वाली पार्टी को इस बात के लिये महमत माना जाएगा कि ऐसी जमा अपील में निर्णय के निवन्धनों के अनुसार एकपक्षीय द्वारा दूसरी पार्टी को तोषी जायेगी।

जमा प्रमाणपत्र

(ख) उप खण्ड (क) में अधेसित रूप में जमा करने की बाहु दृष्टि हुए एकपक्षीय से एक प्रभाणपत्र अपील के, साथ संलग्न किया जाएगा और विवाचन समिति ऐसी अपील पर विचार नहीं करेगी जिसके साथ ऐसा प्रमाणपत्र संलग्न नहीं है।

प्रबंध परिषद् का निर्णय अंतिम

293. जब अपील के साथ जमा प्रमाणपत्र संलग्न है तो प्रबंध परिषद् अपील की मुनबाई करने के लिए अप्रसर होगी और प्रबंध परिषद् निर्णय अंतिम तथा अपील की पार्टियों पर आबद्धकर माना जाएगा।

पंचाट पर हस्ताक्षर करना

294. विवाचकों या विवाचन समिति या प्रबंध समिति द्वारा किया गया पंचाट लिखित रूप में होगा और उस पर विवाचकों या विवाचन समिति की ओर से सचिव या विकल्प में, विवाचन समिति के अध्यक्ष द्वारा और प्रबंध परिषद् की ओर से एकपक्षीय के अध्यक्ष द्वारा, न कि किसी अन्य मदद्य द्वारा, हस्ताक्षर किए जाएंगे और एकपक्षीय के किसी अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किए जाएंगे।

हिंदूद्वारा सदस्य भाग न होने

295. यदि गंदर्भ की पार्टी विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् का सदस्य है तो वह विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् की ऐसी किसी बैठक में भाग नहीं लेगी जिसमें गंदर्भ या अपील में कोई जांच की जाती है या अपील की जाती है या जिसमें सदर्भ या अपील की मुनबाई की जाती है।

स्थगित बैठके

296. विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् के पंचाट पर यह कोई आपत्ति नहीं होगी कि उस बैठक को समय-समय पर स्थगित किया गया या जिसमें सदर्भ या अपील में जांच की गई थी या सदर्भ या कोई किसी सुनबाई की गई थी या किसी जांच की गई थी कि सदर्भ या अपील की एक बैठक में अंतिम रूप से मुनबाई नहीं की गई थी।

संघटन में परिवर्तन

297. विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् के पंचाट पर यह कोई आपत्ति नहीं होगी कि विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् के संघटन में जांच या सदर्भ या अपील के द्वारा उपर्युक्त नहीं हुआ है।

बाहरने, फिर भी कि विवाचन समिति या प्रबंध परिषद्, जैसा भी भासला हो, को ऐसा कोई भी सदस्य अंतिम भिन्नी बैठक में भाग नहीं लेगा जो ऐसी प्रत्यक्ष बैठक में उपस्थित रहा हो जिसमें गंदर्भ या अपील में जांच की गई थी या सदर्भ या अपील की मुनबाई की गई थी।

संक्षिप्त निपटारा

298. यदि किसी पंचाट के विरुद्ध विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् को अपील करने वाली किसी सदर्भ की कोई पार्टी अपील की मुनबाई के लिए नियम समय पर उपस्थित नहीं होती है तो विवाचन समिति या प्रबंध समिति, जैसा भी भासला हो, संक्षिप्त अपील बौद्धि कर सकती है।

एकपक्षीय अपील

299. यदि किसी की कोई पार्टी, जिसके पास में कोई पंचाट किया गया है, एकपक्षीय पंचाट के विरुद्ध मुनबाई के लिए विवाचन समिति या प्रबंध

परिषद् द्वारा नियत समय के अन्तिम तक नहीं होती है तो विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् अपील को एकपक्षीय मुनबाई करने के लिए अप्रसर हो सकती है।

एकपक्षीय पंचाट की पुनः मुनबाई

300. परिषद् कारण विचार द्वारा यह पर विवाचन समिति विवाचकों होता है ताकि एकपक्षीय पंचाट को अपास्त कर सकती है या विवाचन समिति तथा प्रबंध परिषद् किसी एकपक्षीय पंचाट को हसीं प्रकार अपास्त कर सकती है और किसी भी भासले में विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् निर्णय दे सकती है कि सदर्भ या अपील की पुनः प्रांच या मुनबाई की जाए।

पंचाट का परहार

301. प्रबंध परिषद् स्वविवेकानुसार विवाचकों या विवाचन समिति को संदर्भित पंचाट या किसी भासले को पंचाट के पांग्रह रिनों के भीतर ऐसी जाती है पर अपास्त कर सकती है जो वह उचित समझे और इसके बावजूद विवाचक या विवाचन समिति भासले पर पुनर्विचार करेगी और या तो पूर्व निर्णय की पूर्णी करेगी या उसमें संशोधन करेगी।

पंचाट के अवाक न पर भये संदर्भ की कड़ी अनुमति :

302. जब भी कोई पंचाट निर्णय देता है कि संदर्भ की पार्टियों द्वारा कातिपय कृत्य या बातें पूरी की जाए और पार्टी ऐसे निर्णय का पात्रता करने में अपास्त रहती है तो पूर्सी पार्टी ऐसी चूक के कारण देव नुकसान या क्षतिशुरूति की राशि या बकाया विवाद का निपटारण करने के लिए अतिरिक्त पंचाट द्वेषु नवा संदर्भ कर सकती है।

वितरित दावे व विविल

303. विवाचन समिति ऐसे किसी दावे, शिकायत, मतभेद या विवादी सुनबाई महीं करेगी जो उपलब्ध होने की तारीख से तीन महीने के भीतर उसे संदर्भित नहीं किया जाता है।

समय का विस्तार

304. प्रबंध परिषद् विवाच कारणों से समय बढ़ा सकती है जिसके मीडर विवाचन को संदर्भ या विवाचकों या विवाचन समिति के किसी पंचाट के विरुद्ध अपील की जा सकती है जो चाहे उसे करने के लिए समय लगाता हो या समाप्त न हुआ है।

पंचाट देने के लिए समय का विस्तार

305. आहे पंचाट देने के लिए समय समाप्त हो गया हो या समाप्त न हुआ हो और चाहे पंचाट दिया गया हो या न दिया गया हो, प्रबंध परिषद्, यदि उचित समझे, पंचाट देने के लिए समय-समय पर समय बढ़ा सकती है।

विविक उत्तरार

306. विवाचन समिति या प्रबंध परिषद् किसी संदर्भ या अपील पर मुनबाई करने से इकार कर सकती है या कार्यबाही के द्वारा जिसी भी समय किसी संवर्धन या अपील को आरिक कर सकती है और पार्टियों को विविक उत्तरार संदर्भित कर सकती है और वह पार्टियों के संयुक्त अनुरोध पर ही उन्हें ऐसा संदर्भित कर सकती है।

विवाचन में पंचाट को मानने या कापालन करने में चूक पर दंड

307. यदि कोई सदस्य इन उपनियमों और विविक भी में उपशमित रूप में सदस्यों के द्वारा विवाचन में किसी पंचाट को मानने या कापालन करने से इकार करता है तो प्रबंध परिषद् उस उत्तरार कर देगी और इसके बाद दूसरी पार्टी पंचाट लागू करने के लिए या अन्य रूप में अपने अधिकार का प्राविद्यान करने के लिए कोई बात भी कामनी कार्यबाही संरित करने के लिए इन्हाँ द्वौला।

विवाचन शुल्क

308. विवाचन को संबंधी करने या अपील में अपमर हीमो की इच्छुक पार्टीया विविधमें निर्धारित शुल्क या दोसा ग्राम्य अपील के उपर में अदा करनी जो प्रबंध परिवद् उसके संशोधन या प्रतिरिक्षण में समय-समय पर निर्धारित करे।

शुल्क का भुगतान :

309. जब तक पंचाट में अन्यथा निर्वेश न दिया गया हो, तिस पार्टी के विशद् पंचाट अंततः दिया जाता है वह पार्टी विवाचन कार्यालयों के सम्बन्ध में संबंधी की दूसरी पार्टी द्वारा प्रस्तुत समस्त शुल्क अदा करेगी।

विधि सलाहकार :

310. मुन्हाई के द्वीराम संबंधी की पार्टीया विवाचन समिति या प्रबंध परिवद् की अनुमति से कठड़िल, अटरी, बकीम या विविक्त प्रांगिणी त्रिविधि द्वारा उपस्थित हो सकती है। वहाँ एक पार्टी को इस प्रकार की अनुमति दी गई है, वैसा ही प्रांगिकार दूसरी पार्टी या पार्टीया को दिया जाएगा।

गैर-सदस्य द्वारा शिकायत :

311. (क) इन उपनियमों और विविधों में किसी प्रतिकूल वास्तव के होते हुए भी विवेक मामलों में जब प्रबंध परिवद् या अपमर की अनुमति पहले ही प्राप्त की गई हो, किसी सदस्य के विशद् गैर-सदस्य द्वारा शिकायत या गैर-सदस्य और सदस्य के बीच छोर्दा दावा, मतभेद या विवाद गैर-सदस्य के अनुरोध पर सदस्यों के बीच विवाचन से सम्बन्धित उपनियमों और विविधों के अनुसार विवाचन को सुपुर्द किया जाएगा और उक्ते द्वारा सम्बन्धित सदस्य ऐसा विवाचन प्रस्तुत कर सकता है।

संबंध का प्रकार :

(क) प्रबंध परिवद् या अपमर उपर छछ (क) में उपस्थित है ये मानी गई अनुमति स्वविवेकानुसार मंजूर या मार्जूर कर सकता है और इस प्रयोजन हेतु आवेदन पर तब तक विवाच नहीं किया जाएगा जब तक गैर-सदस्य सम्बन्धित विविधमें निर्धारित संबंधप्रकृत या प्रबंध परिवद् द्वारा उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समझ-समझ पर निर्धारित अन्य संबंधप्रकृत पर पहले हस्ताक्षर करके उसे प्रस्तुत नहीं करता है।

शुल्क

शुल्क की बोखणा

312. किसी सदस्य को प्रबंध परिवद् या अपमर के विवेक से या अपमर की अनुस्थिति में प्रबंध परिवद् के किसी दो सदस्यों के विवेश से उस समय शुल्कर्ता घोषित किया जाएगा—

- (1) यदि वह अपनी वचनबद्धता पूरी करने में असमर्थ है, अपमर
- (2) यदि वह अपनी वचनबद्धताओं, वायितों और देयताओं को पूरा या उत्प्रेरित करने में अपनी असमर्थता स्वीकार या प्रकट करता है, अपमर
- (3) परिवद् इन उपनियमों तथा विविधों के अधीन उसके विशद् किए गए समापन पर देय शुल्कान या राशि में अन्तर का निर्विष्ट समय के भीतर भुगतान करने में असकल रहता है या असमर्थ है, अपमर
- (4) यदि वह सदस्य को दावा नोट देने (बहते कि उस समाशोधन के निए नियम पे-इन-डे के पहले दावा नोट प्राप्त न करने वाले सदस्य द्वारा एक्सेंज की तथा सुनिश्चित किया जाता हो) या समाशोधन गृह को देय कोई राशि दावा करने या समाशोधन गृह को देय तारीख को सुपुर्वी तथा प्राप्ति आदेता, अंतरों द्वारा प्रतिशूलियों के विवरण प्रकार, तुलनपर तथा ऐसे अन्य समाशोधन कार्म, जो प्रबंध परिवद् समय-समय पर निर्धारित करे, प्रस्तुत या सुपुर्द करने में असकल रहता है, बहते कि ऐसे किसी भी

बाबते में शुल्क की बोखणा उस समाशोधन के लिए नियत विशद् विवेक तक, जैकिंट उके परे नहीं, यदि उन्हें समझा जाए, विलवित की जा सकती है, अथवा

(5) यदि वह शुल्कर्ता घोषित सदस्य को देय अग्रन धन, इन्हीं भूतियाँ द्वारा अन्य आस्तियाँ ऐसे सदस्य की शुल्क की बोखणा के ऐसे समय के भीतर, जो प्रबंध परिवद् या अपमर निर्वेश है, शुल्क समिति को अदा करने या सुपुर्द करने में असफल रहता है।

गैर-सदस्यों के प्रति धायित्व पूरा करने से असफलता

313. यदि कोई सदस्य स्टॉक एक्सेंज लेन-देन से उपर्यन्त किसी सदस्य या गैर-सदस्य के प्रति वायितों को पूरा करने में असफल रहता है तो प्रबंध परिवद् ऐसे सदस्य को शुल्कर्ता घोषित किये जाने का आवेदन दे सकती है।

दिवालिया एक शुल्कर्ता

314. दिवालिया न्यायनिर्णय किए गए सदस्य को तथ्यतः शुल्कर्ता घोषित किया जाएगा, यद्यपि वह उसी समय एक्सेंज में शुल्कर्ता न हो।

सूचित करना सदस्य का कर्तव्य

315. यदि कोई सदस्य अपनी वेयताओं को पूरी तरह से उन्मोक्षित करने में वक्तव्य रहता है तो सदस्य एक्सेंज को तुरन्त सूचित करने के लिए आवधि होगा।

समझेते वक्त विवेक

316. प्रतिशूलियों में लेन-देन से उपर्यन्त शृणु के निपटान में पूरे और वास्तविक वक्त के भुगतान से विवेक से कम स्वीकार करने के द्वारा सदस्य को ऐसी अवधि के लिए नियंत्रित किया जाएगा जो प्रबंध परिवद् निर्धारित करें।

शुल्क और विवेक का नोटिस

317. किसी सदस्य के शुल्कर्ता घोषित किए जाने पर उस आशय का एक नोटिस एक्सेंज के शुल्कानपट्ट पर कुरन्त संचाया जाएगा।

शुल्कर्ता की विविधा और उस्ताजेज

318. जब किसी सदस्य को शुल्कर्ता घोषित कर दिया गया है, शुल्क समिति उसके कार्यों की वस्तुत्विकता सुनिश्चित करने के लिए उसकी तभी लेना वायितों, दस्तावेजों, कागजातों और बाउचरों को अपने अधिकार में लेनी और शुल्कर्ता शुल्क समिति को ऐसी विविधा, दस्तावेज, कागजात तथा बाउचर संरेख्य करने।

देनदारों और लेनदारों की सूची

319. शुल्कर्ता अपने लेनदारों और लेनदारों तथा प्रत्येक द्वारा देय तथा की प्राप्ति की पूरी सूची से युक्त एक लिखित विवरण अपनी शुल्कर्ता की बोखणा की ऐसी अवधि के भीतर शुल्क समिति के पास फाइल करेगा जैसा प्रबंध परिवद् या अपमर निर्देशित करे।

शुल्कर्ता की सूची देना होगा

320. शुल्कर्ता शुल्क समिति को अपने कार्यों के संबंध में ऐसे लेखा विवरण, जानकारी तथा अपैरे प्रस्तुत करेगा जो शुल्क समिति समय-समय पर अपेक्षा करे और भवि वाहा गया है तो वह अपनी शुल्कर्ता के भंग्रंथ में वायोविल लमिति की बैठकों में समिति के समग्र उपरिक्षण होगा।

जाम

321. शुल्कर्ता शुल्क समिति बाजार में शुल्कर्ता के लेन-देन और लेनों की गहरी जांच करेगी और उसके संबंध में उसकी जानकारी में आने वाली कोई अशुल्कर्ता बाजार, गैर-कारोबारी बाजार या सदस्य न होने वायक बाजार प्रबंध परिवद् को रिपोर्ट करेगी।

चूककर्ता की आस्तियाँ

322. चूक समिति चूककर्ता द्वारा जमा की गई प्रतिभूतियों तथा मालिक धन की मात्र करेगी और उनकी चूकलौटी करेगी तथा एकमेंके नियमों द्वारा विनियमों के अनुरूप हिंदू गण की ओर देश की कागजार में लेन-देन के मबद्दल में इसी अन्य सदस्य द्वारा चूककर्ता को बैये समस्त धन प्रतिभूतियों और अन्य आस्तियों की चूकलौटी करेगी और ऐसी आस्तियाँ लेनदार सदस्यों के लाभार्थी तथा के बाले चूक समिति के पास रहेंगी। ऐसी राशि को "विशेष निधि" कहा जाएगा।

चूक समिति को भुगतान

323. चूककर्ता को देय या मुफुर्द किया जाने वाला समस्त धन, प्रतिभूतियों तथा अन्य आस्तियों चूक की घोषणा के ऐसे समय के भीतर चूक समिति को अदा या मुफुर्द की जानी चाहिए जैसा प्रबंध समिति या अध्यक्ष निर्विण दें। इस प्राप्तिकान का उल्लंघन करने वाले सदस्य को चूककर्ता घोषित किया जाएगा।

प्राप्तिकान अधिभान

324. यदि किसी सदस्य ने किसी बाते या लेन-देन के निपटान के लिए नियत सारांश के पूर्व बाते पर अंतर प्राप्त कर लिया है या लेन-देन में कोई प्रतिफल प्राप्त कर लिया है और यदि उस अधिकता को चूककर्ता घोषित किया जाता है जिसमें उसने ऐसा अंतर या प्रतिफल प्राप्त किया है तो वह लेनदार सदस्यों के लाभार्थी तथा के बाले उसे चूक समिति को बापस करेगा। यदि किसी सदस्य ने ऐसे निपटान विकास के पूर्व किसी अन्य सदस्य को ऐसा अंतर या प्रतिफल अदा किया या दिया होगा तो वह सदस्य ऐसे अन्य सदस्य की चूक की स्थिति में लेनदार सदस्यों के लाभार्थी तथा सेधा के बाले के लिए चूक समिति को उसे पुनः अदा करेगा या देगा।

अधिभानी अंतर

325. यदि किसी सदस्य को उसे देय या उसके बाह्यक को देय अन्तर राशि से मिलने गयी का दाढ़ी नोट या जमा नोट किसी समाशोधन के द्वारा अन्य सदस्य से प्राप्त होता है, जो राशि उस समाशोधन के लिए उस बाह्यक की ओर में तथा के बाले के लिए उसे प्राप्त होने वाली है, यदि अन्य सदस्य को चूककर्ता घोषित किया जाता है तो वह सदस्य निपटान विकास के सात दिन के अन्दर ऐसी राशि बापस करेगा। लेनदार सदस्यों के लाभार्थी तथा के बाले के लिए चूक समिति को ऐसी बापसी की जाएगी और उसे ऐसे लेनदार सदस्यों के बालों के परिमापन में उपयोग किया जाएगा जिनके बाले इन उप-नियमों तथा विनियमों के अनुसार स्वीकृत किए जाते हैं।

वितरण

326. चूक समिति लेनदार सदस्यों के जोखिम तथा व्यवं पर चूकलौटी के अनुक्रम में प्राप्त समस्त आस्तियाँ ऐसे बैक में जमा करेगी तथा/या उन्हें ऐसे नामों में समाशोधन गृह में रखेगी जो प्रबंध परिषद् समय-समय पर निर्देश दे और उसे ऐसे लेनदार सदस्यों में रखने में एक सी नयी पैमंतक, ऐसीन व्याज के बिना, समानांतरिक आधार पर यथार्थीकृति रिटर्न किया जिनके बाले हन उप-नियमों और विनियमों के अनुसार स्वीकृत किए गए हैं।

पुष्ट या परिवर्तित किए गए पूरक मूल्य तथा हैमर मूल्य

327. किसी सक्रिय के चूककर्ता घोषित किए जाने पर प्रबंध परिषद् चूककर्ता के विवरण गमनपत्र, यदि कुछ है, में रिकार्ड किए गए मूल्य के आधार पर तथा/या चूक की घोषणा के बाद बाजार के बालों के आधे छंटे के भीतर बाजार में विद्यमान अोमत मूल्यों के आधार पर हैमर मूल्य नियम करेगी। चालू विमाही, जिसमें सदस्य को चूककर्ता घोषित किया गया है के तर्थं में पूरफ मूल्य हैमर मूल्यों की घास में रखने हृष्ट प्रबंध परिषद् द्वारा पृष्ठ या परिवर्तित किए गए हैं।

पुष्ट या परिवर्तित किए गए पूरक मूल्य तथा हैमर मूल्य

328. (क) चालू विमाही, जिसमें चूककर्ता की चूक घोषित की गई है, में चूककर्ता के साथ लेन-देन रखने वाले सदस्य पूष्ट या परिवर्तित

"पूरक मूल्यों पर अपने लेखों का समायोजन करें।

हैमर मूल्यों पर समाप्त

(ब) आगामी विमाही में प्रथम उम समाशोधन के आगामी इमारों में, जिसमें चूककर्ता ही चूक घोषित यी गई है, चूककर्ता के साथ खुले लेन-देन रखने वाले सदस्यों को हैमर मूल्यों पर ऐसे लेन-देनों को रापात किया जाना जाएगा।

खुले बाजार में समाप्त

(ग) जसमाशोधित प्रतिभूतियों में चूककर्ता के साथ खुले लेन-देन रखने वाले सदस्य चूक की घोषणा के सुरक्षा बाद खुले बाजार में ऐसे लेन-देनों को समाप्त करें।

चूककर्ता के साथ हिंसात का समायोजन

329. चूककर्ता के साथ लेन-देन रखने वाले सदस्य इन उप-नियम और विनियमों में उपद्वितीय रूप में पुष्ट या परिवर्तित पूरक मूल्यों, हैमर मूल्यों और समाप्त मूल्यों पर चूककर्ता के साथ अपने हिंसात का समायोजन करें। ऐसे समायोजन से उत्पन्न शेष, जैसा भी मामला हो, या तो चूककर्ता से याका किया जाएगा या चूककर्ता के लेनदार सदस्यों के लाभार्थी चूक समिति को अदा किया जाएगा।

चूककर्ता के विवरण दाता

330. चूक की घोषणा के ऐसे समय के भीतर जो प्रबंध परिषद् या अध्यक्ष निर्विण करें, एकसर्वेज में कारोबार करने वाला प्रत्येक सदस्य जैसा भी वह करना चाहे, या तो हस उप-नियमों तथा विनियमों भी उपद्वितीय रूप में विविधत समायोजित तथा तैयार किए गए चूककर्ता के नीय अपने लेखों का चूक समिति के लेखों के साथ मिलान करेगा या प्रबंध परिषद् द्वारा निर्वाचित कार्म या कामों में चूककर्ता के साथ अपने ऐसे लेखों का विवरण प्रस्तुत करेगा या ऐसा प्रमोन्योग्य देगा कि वह ऐसा कोई लेखा नहीं रखता है।

लेखों के मिलान या प्रस्तुतीकरण में विलंब

331. निर्धारित समय के भीतर चूककर्ता से संबंधित अपने लेखों का मिलान करने या विवरण या प्रमाणात्मक जंजने में असफल रहने वाले सदस्य को ऐसे अतिरिक्त समय, जो निर्विण किया जाए, के भीतर अपने लेखों का मिलान करने या ऐसा विवरण या प्रमाणपत्र जंजने के लिए कहा जाएगा।

लेखों के मिलान या प्रस्तुतीकरण में असफलता पर दंड

332. प्रबंध परिषद् ऐसे किसी सदस्य को जुर्माना कर सकती है या उसे निलंबित या बखास्त कर सकती है जो चूककर्ता के साथ अपने लेखों का मिलान करने या विवरण या प्रमाणात्मक जंजने में असफल रहने वाले सदस्य को ऐसे अतिरिक्त समय, जो निर्विण किया जाए, के भीतर अपने लेखों का मिलान करने या ऐसा विवरण या प्रमाणपत्र जंजने के लिए कहा जाएगा।

आमक विवरण

333. यदि प्रबंध परिषद् इस बात से मंतुष्ट है कि किसी सदस्य द्वारा भेजा गया चूककर्ता से संबंधित कोई 'मिलान, विवरण या प्रमाणपत्र गलत मा आमक है तो वह ऐसे सदस्य को जुर्माना कर सकती है, जिलंगित या बखास्त कर सकती है।

चूक समिति के लेखे

334. चूक समिति चूककर्ता को देय ऐसे समस्त व्यव, प्रतिभूतियों तथा अन्य आस्तियों के संबंध में एक अग्रण लेखा रखेगी जो, उसे प्राप्त होनी है और ऐसी आस्तियों की चूकलौटी में या के बारे में उपगत या चूक के संबंध में उसके द्वारा शुल्क की गई कार्यवाही में या के बारे में उपगत समस्त लागत, प्रमाण तथा खर्च उससे चूकयेगा।

स्थान

305. चूक समिति प्रबन्ध परिषद् को चूककर्ता की कार्य स्विति के सम्बन्ध में हर लाल महीने में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी और उसमें बसूल की गई आस्तियाँ, उन्मीचित वेयताएँ और विए गए लालांश दर्जाएँ जाएंगे।

लेखों का निरीक्षण

336. इन उप-नियमों तथा विनियमों के अनुसार चूक समिति द्वारा रखे गए सभी लेखों किसी भी लेनदार सदस्य द्वारा निरीक्षण के लिए छुपे रहेंगे।

प्रधार-भान

337. बसूल की गई आस्तियों पर एक्सचेंज को ददा किया जाने वाला प्रधार बसूल किए गए पहले ₹ 5,000 या उसके भाग पर 5 प्रतिशत और ₹ 5,000 से अधिक किसी भी राशि पर 2 प्रतिशत या ऐसा अन्य होता। जो प्रबन्ध परिषद् समय-समय पर निर्धारित करे।

आस्तियों का प्रयोग

338. चूक समिति इन उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन अनुमति सभी लालांशों, प्रधारों और खालों को चूककर्ता के बाद अपने पास लें रहते। वाली आस्तियों को गृहीत एक्सचेंज और समाचारालय में उसके बालों को पूरा करने में और इसके बाद एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अनुसार बाजार में की गई संविदाओं से उत्पन्न चूककर्ता के विरुद्ध सदस्य के स्वीकृत शाखों को अनुपाततः पूरा करने में प्रयोग करेगी।

कानिपक्ष वालों पर विचार न करता

339. चूक समिति चूककर्ता के किंवदं ऐसे किसी वाले पर विचार नहीं करेगी:—

(क) जो ऐसी प्रतिभूतियों में संकेता से उत्पन्न होता है जिनमें लेन-देन की अनुमति नहीं है या जो एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन नहीं किए जाते हैं, अथवा दावेदार में यातो किसी प्रतिशति में देश मार्जिन या सौदों वा लायं भुगतान नहीं किया है या किसी प्रतिभूति में सौदे या देश मार्जिन के सचन में चूककर्ता के साथ साठ्यांठ किया है।

(2) जो ऐसी मविदा से उत्पन्न होता है जिनके मंदिर में इन उप-नियमों तथा विनियमों में सिर्फारित ढंग में लिलान नहीं किया गया है या जहां लिलान नहीं है, यदि ऐसी मविदा के सम्बन्ध में संकेता नोट इन उप-नियमों तथा विनियमों में उपबन्धित रूप प्रस्तुत नहीं किया गया है और उसकी रसीद ऐसे मविदा नोट की दूसरी प्रति पर मा प्रतिपर्ण पर या सदस्यों के बायालियों में जापनों के लिलान द्वारा प्राप्त नहीं की गई है।

(3) जो इन उप-नियमों तथा विनियमों द्वारा निर्धारित समय

के भीतर सुपुर्वंगी और भुगतान द्वारा लिपटाएँ संग्रहीत की जाएँगी से उत्पन्न होता है।

(4) जो ऐसे वालों को देय होमें की तारीख को पूरे घन के बास्तविक भुगतान के बदले वालों के लिपटान हेतु किसी व्यवस्था से उत्पन्न होता है।

(5) जो पूर्व लेन-देनों पर किसी बकाया रोप या किसी बकाया अन्तर से उत्पन्न होता है जिसका इन उप-नियमों तथा विनियमों में निर्धारित ढंग में तथा उचित समय पर दावा नहीं किया गया है।

(6) जो प्रतिभूति युक्त या के बिना शृण ने सम्बन्ध में है।

(7) जो चूक ही वोषां की तारीख से ऐसे समय के भीतर चूक समिति के पास काइल नहीं किया गया है जो प्रबन्ध परिषद् द्वारा निर्धारित किया जाए।

देय अंतर

340. आंलू तमाचोधार में चूककर्ताको या से देय किसी अंतर को आगामी समय (धोधन में उस देय के बिरुद्ध समर्पित करने की अनुमति वी जाएगी।

चूक समिति के पास दावे

341. एक चूककर्ता के विरुद्ध दूसरे चूककर्ता, किसकी संपदा का प्रतिनिधित्व चूक समिति द्वारा किया जाता है, का वाला दूसरे लेनदार सदस्यों के बालों पर कोई प्रावधिकता नहीं रखेगा अन्य दावों के समरूप होगा।

चूककर्ता की संपदा पर दावों का समरूपेश्वर

342. चूककर्ता का लेनदार होने के नाते कोई सदस्य प्रबन्ध परिषद् की सहमति के बिना एसे चूककर्ता की सम्पदा पर अपना दावा नहीं जेवेगा, समनुदेशित नहीं करेगा या गिरफ्ते नहीं रखेगा।

चूककर्ता के नाम में कार्यवालियाँ

343. चूककर्ता के लेनदार सदस्यों की सहमति से चूक समिति चूककर्ता की आस्तियों की बसूली करने के लिए या तो अपने चूक के नाम में या चूककर्ता के नाम में, जैसा भी उसे सूचित किया जाए, व्यापालय में कोई कार्यवाली शुरू करने के लिए हृषदार होगा।

चूक समिति की भुगतान

344. यदि कोई सदस्य किसी चूककर्ता के विरुद्ध उसके चूककर्ता घोषित किए जाने के पूर्व एक्सचेंजों के लियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन बाजार में किए गए किसी लेन-देन या सौदे से उत्पन्न चूककर्ता की संपदा के विरुद्ध किसी वालों का प्रबन्धन करने के लिए याहे उसके चूक में रहने की अवधि के द्वारान या उसके पुनः प्रवेश के बाद अन्यायालय में कोई कार्यवाली चलाया है और इसी प्राप्त करता है और उस पर कोई धन-प्रतिपर्ण पर या बसूल करता है तो वह ऐसे चूककर्ता के विरुद्ध वाले रखने

वाले लेनदार गद्दियों के लाभार्थी तथा के लेनदार चूक समिति को ऐसी राशि या उसका कोई मानवाधार करेगा और प्रबन्ध परिषद तथा नियम किया जाए।

त्रिभाषीय सामाज्य सूचना

३४६. चूक समिति द्वारा घोषित किसी लाभार्थी की सूचना एकसचेत में लेनदार वर्ग नियमी जाएगी।

त्रिभाषीय का भुगतान

३४७. घोषित लाभार्थी लेनदार सदस्य को या तो उमाशोधन नहीं पाया जाने पर वे से जमा करके वा प्रबन्ध परिषद तथा अधिकारी द्वारा निर्दिष्ट अन्य ठंग में अवा किया जाएगा। सुधारोधन यहीं अपना खाता न रखते थाएं लेनदार सदस्यों द्वारा उनके कानूनी पर ऐसी त्रिभाषीय का भुगतान किया जाएगा।

३४८। न किया गया नाभार्थ

३४८. यदि कोई लाभार्थी को चूक समिति द्वारा स्वीकृत दाता पर घोषित किया याहा है तो उनके पात्र सदस्य (मृप्तक हृदय व यापने वाले छोड़कर) दाता करने में असफल रहा है या उनका की है, एक अर्थ से अधिक समय से दाता किए बिना चूक समिति को पात्र ही पड़ा रहता है या जहाँ अंतिम लाभार्थी का भुगतान जाने के बाद, अकर्ता की कुछ आविष्यक अवादत या अविनियत रहती है, उन्हें लेनदार सदस्यों की ओर पर प्रबन्ध परिषद द्वारा निपटाया जाएगा।

मूलक लेनदार

३४९. यदि चूककर्ता के लेनदार किसी संवधन की गूँथ ही नहीं है, ऐसे सदस्य को देन लाभार्थी अवैद्यत पर उसके कानूनी प्रतिनियतों का पारिदिल्लिकों तक किया जाए रहे ही ऐसे सूक्ष्म लेनदार सदस्य के उपर्युक्त संवधन में नाभार्थक अधिकार का प्रयोग किया गया है। किन्तु यदि ऐसा लेनदार बैतूल स्वर्वं चूककर्ता ही हो तो देय भास्त्रांश लेनदार सदस्यों के लाभार्थ के लिए चूक समिति को दाता किया जाएगा।

निषेध तथा दण्ड

गूँथ संविधाएं

३५०. (क) कोई भी गूँथ सदस्य निम्नलिखित संविधाएं नहीं करेगा या इन उप-नियमों तथा विनियमों में निहित सम्बन्धित प्रावधानों के उल्लंघन में जी जहाँ ऐसी कोई संविधाएः—

- (१) समाशोधन प्रतिभूतियों से विष प्रतिभूतियों से समाशोधन के लिए गूँथ संविधा होगी,
- (२) समाशोधन प्रतिभूतियों में जाल तथा आगामी समाशोधन के परे शवपि के लिए गूँथ संविधा होगी,
- (३) इन उप-नियमों और विनियमों में उपबन्धित के सिवाय जोकहु दिनों से परे अवधि के लिए इसी दुपुरांगी हेतु गूँथ संविधा होगी,

(४) ऐसी प्रतिभूतियों की खरीदी तथा बिशी के लिए गूँथ संविधा (विशिष्ट सौदों से मिल) होगी जिनमें एकसचेत में लेनदार की अनुमति नहीं है,

(५) आवी लाभार्थों की अरोदी या बिशी के लिए गूँथ संविधा होगी;

(६) इन उप-नियमों तथा विनियमों में उपबन्धित विशेष पूरक गूँथ पर या तो प्रधान के प्रैट के रूप में या प्रधान से प्रधान के रूप में मदम्य तथा उनके याहकों के बीच गूँथ कौरी-ओवर गंभीरा होगी जिनके सम्बन्ध में विदा नोट राखकों को नहीं दिए जाते हैं।

विकल्प अवैद्य

(अ) मरम्य प्रतिभूतियों में लोइ विकल्प करार नहीं करेगा और यदि ऐसी कोई संविधा की गई तो उसे अवैद्य माना जाएगा।

उप-नियमों तथा विनियमों के उल्लंघन पर दण्ड

३५०. (क) गूँथक सबस्य इनमें से किसी भी उप-नियम या विनियम पर यदा उनके अधीन एकसचेत या प्रबन्ध परिषद या अधिकारी या एकसचेत की किसी समिति या किसी अधिकारी के किसी संकाल्प, आदेश, नोटिस, निर्णय, विनियम या व्यवस्था का उल्लंघन करने, - प्रत्यक्ष करने, अवैलनता करने या जात-बूझकर बचते के लिए अथवा किसी अधिकारी या गूँथ संवधन हो या न हो, के माध्यमिक गूँथिस्तन या कपटपूर्ण नोट-देन या नोट के लिए अथवा कारोबार के किसी संकालन, कार्यवाही या ठंग, जो प्रबन्ध परिषद अपने पूर्ण विवेक से एकसचेत का संशय होने के लिए अशोभातीय या व्यापार के व्यायोंविळायिती से असंगत मानी है, के

लिए बख्खास्तीयों या निलंबन या अपने सभी या किसी भी राष्ट्रस्थान अधिकार के अपनयन के लिए तथा/या पर्वाइट विए जाने, प्रताइट किए जाने या बेताबनी विए जाने) के लिए शायी होगा।

शब्दार, अव्याप्तहारिक आवरण और अव्याप्तसामिक आवरण उन्हें दण्ड

(ब) समाज्य स्पष्ट में तथा उप-दण्ड (क) में प्रावधानों की व्यापकता को किसी भी रूप में सीमित किए या उस पर प्रतिकूल प्रवाद जाने विना इनमें तिहिस प्रावधानों के अभिशाय में किसी भी गूँथकरण, अवादेवारीय आचरण या अव्यावसायिक आवरण के लिए बख्खास्तीयों या निलंबन या अपने सभी या किसी भी संस्थान अधिकार के अपनयन के लिए तथा/या जुमानी के भुगतान के लिए तथा/या पर्वाइट किए जाने, प्रताइट किए जाने या बेताबनी विए जाने के लिए शायी होगा।

अवकाश

३५१. किसी भी सदस्य को निम्नलिखित में से किसी भी हृष्य या चूक या इसी प्रकार के हृष्य या चूक के लिए शब्दार का दोषी माना जाएगा अथवा—

दोषाधारी

(१) यदि जहाँ दोषिक अपराध का दोषी है या कोई दोषाधारी या कपटपूर्ण कार्य करता है जो प्रबन्ध परिषद की राय में उसे सदस्य होने के लिए अनुपयुक्त बनाता है।

अनुचित आचरण

(2) यदि प्रबन्ध परिषद की राय में वह एकमेंज़ में अनावश्यकीय या अधिनायनकारी या विचाल या अनुचित आचरण का या एकमेंज़ के कारोबार में जान-बूझकर व्यवधान आलने का दोषी है।

नियमों, उप-नियमों सथा विनियमों का उल्लंघन

(3) यदि वह ऐसे किसी मदद्य का बचाव या नजायन करता है या रिपोर्ट करने में चूक करता है जिसे वह जानता है कि उसने एकमेंज़ के किसी नियम, उप-नियम या विनियम का अधिका उसके अधीन प्रबन्ध परिषद के या उस सम्बन्ध में प्राधिकृत एकमेंज़ की किसी समिति या अधिकारी के किसी संकल्प, आवेदन, नोटिस, नियंत्रण का उल्लंघन या परिहार किया है।

संकल्पों का पालन करने में असफलता

(4) यदि वह प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष की किसी समिति या अधिकारी के या एकमेंज़ के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अधीन प्राधिकृत किसी अधिकारी के विमी संकल्प, आवेदन, नोटिस, नियंत्रण या अधिकारी का उल्लंघन करता है या का पालन करने या को मानने से इकार करता है या में असफल रहता है।

विवाचन को मानने या पालन करने में असफलता

(5) यदि वह विवाचन को मानने या एकमेंज़ के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन संदर्भ के सम्बन्ध में प्रबन्ध परिषद या विवाचन नामित या विवाचकों के किसी पंचाट, नियंत्रण या आवेदन करने में उपेक्षा करता है या असफल रहता है या इकार करता है।

साक्ष्य और सूचना देने में असफलता

(6) यदि वह प्रबन्ध परिषद को या अध्यक्ष को या एकमेंज़ की इस सम्बन्ध में प्राधिकृत किसी समिति या अधिकारी को ऐसी बहिरात, पत्राचार, दस्तावेज, तथा कागजात या उमड़ा कोई भाग, जो भी प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक हो, प्रस्तुत करने में या प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष या एकमेंज़ की ऐसी समिति या अधिकारी के समझ उपर्युक्त होने और साक्ष्य देने या अपने किसी साक्षेदार, अटर्नी, एजेंट, रेमिसियर, प्राधिकृत सहायक या कर्मचारी को उसके समझ उपर्युक्त करने और साक्ष्य दिलाने में उपेक्षा करता है या असफल रहता है या इकार करता है।

विशेष विवरणियां प्रस्तुत करने में असफलता

(7) यदि वह सम्बन्धित विविधमें निर्धारित प्राप्त में या ऐसे अन्य प्रपत्र में, जो प्रबन्ध परिषद उसके अर्निरिक्त या उसके संशोषण या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे, विशेष विवरणियां और ऐसी अन्य सूचना जो प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष अपक्षा करे, जब भी ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं जो प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष की राय में वह उचित होता है कि ऐसी विशेष विवरणियां तथा सूचना किसी या सभी संस्करणों द्वारा

प्रस्तुत की जानी चाहिए, उस सम्बन्ध में अधिकृति समय के भीतर अध्यक्ष को प्रस्तुत करने में उपेक्षा करता है या असफल रहता है या इकार करता है।

चूककर्ता के पास लेखों के मिलान या प्रस्तुतोक्तरण में असफलता।

(8) यदि वह यूक समिति में अपने भेदों का मिलान करते या चूककर्ता के पास आगे लेखों का एक विवरण या ऐसा कोई लेखा न रखने सम्बन्धी प्रमाण-पत्र उसे प्रस्तुत करने में उपेक्षा करता है या असफल रहता है या यांच वह उसमें वहत या धारणा विवरण देता है।

गलत या भ्रामक विवरणिया

(9) यदि वह इन उप-नियमों या विविधमें के अपीन एकमेंज़ को या भासायोग्य यूक को प्रस्तुत किए जाए ताकि अपने भासायोग्य प्रपत्रों या विवरणियों में कोई दिलाने या आयोजन किया जाए तो उन्हें प्रस्तुत करने में उपेक्षा करता है या असफल रहता है या इकार करता है।

तंग करने वाली विवरणियाँ

(10) यदि वह या उसका एजेंट प्रबन्ध परिषद या अध्यक्ष या एकमेंज़ की किसी समिति या अधिकारी या उन सम्बन्ध में प्राधिकृत किसी व्यक्ति के समक्ष ऐसा आरोप, शिकायत या विवाद लाना है जो प्रबन्ध परिषद की राय में तुष्टनग करते थाला या विडेपूर्ण है।

तंग राशि और शुल्क अदा करने में असफलता

(11) यदि वह अपना अधिकार, शुल्क, विवाचन प्रभार या कोई अन्य धन जो उसके द्वारा देय हों या अपने ऊपर लगाया गया कोई जुर्माना या दण्ड अदा करने में असफल रहता है

अव्यावहारिक आचरण

352. किसी भी संवर्ध्य को निम्नलिखित में से किसी भी भूत्य या नूक या ऐसी प्रकार के कुन्या या चूक के लिए अश्वार का दोषी गरना जाएगा अद्यात्—

कर्जी नाम

(1) यदि वह अपना शुद्ध का कारोबार या अपने ग्राहकों का कारोबार कर्जी मामी में छलाता है।

पर्जी लेन-देन

(2) यदि वह कर्जी लेन-देन करता है या प्रांगमूलियों की खरोंपी या विक्री के लिए ऐसा लादेन देता है जिसके निष्ठान में स्वामित्व का कोई परिवर्तन नहीं है या उसके स्वरूप की जानकारी के साथ ऐसा जांदण निष्पादित करता है।

प्रतिकल प्रभाव लाने कारोबार

(3) यदि वह आजार के सन्तुलन को अस्त-व्यस्त करते या संप्राप्ति की लिपि लाने, जिसमें मूल्य आजार भूत्य उत्तित भूत्य से प्रतिविम्बित नहीं करते, के प्रयोजनार्थ प्रांगमूलियों की कोई खरोंपी

या बिकी करने के लिए या खरीदी या बिक्री का प्रस्ताव करने के निए कोई योजना या स्कीम बनाता है या उनमें में सहायता करता है या ऐसी जानकारी के साथ उसे पूरा करने में सहायता करता है या उसमें एक पार्टी है।

अफवाहें

(4) यदि वह मैटेनशनल स्वरूप की अफवाहें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी अन्य रूप में फैलाता है या फैलाता है।

अनुचित कारोबार

(5) यदि वह बाजार में अन्धाधृत या अनुचित या अव्यावहारिक सेवन देने में लिप्त होता है या अपने ग्राहक के जाते के लिए या जिसमें वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में हित रखता है खरीदी या बिक्री करता है जो खरीदी या बिक्री उसके प्राहृक के या उसके छुट के साथनों और विसीय मन्माधनों की दृष्टि से या ऐसी प्रतिभूति के लिए बाजार की बुनियाँ से अस्थिर है।

अमझेता

(6) यदि वह किंजी असफलता पर आखें मुद्द लेता है या किसी सदस्य को गुप्त सहयोग देता है या प्रतिभूतियों में लेन-देन से उत्पन्न सदस्य द्वारा देय शृण के मिपाटान में पूरे तथा वास्तविक घम भूगतान से कम स्वीकार करता है।

अनादरित बैक

(7) यदि वह किसी अन्य सदस्य को या अपने ग्राहकों को बैक जारी करता है जो नियमितों की कमी के कारण प्रस्तुतीकरण पर असादरित है।

ग्राहकों के साथ लेन-देन पूरा करने में असफलता

(8) यदि वह प्रबन्ध परिषद की राय में अपने ग्राहकों के साथ अपने स्टाकब्रोकिंग सेन-देनों को पूरा करने में असफल रहता है।

अध्यावसायिक आचरण

353. किसी भी सदस्य को निम्नलिखित में से किसी भी कृत्य या चूक या इसी प्रकार के कृत्य या चूक के लिए अध्यावसायिक आचरण का दोषी माना जाएगा अर्थात्—

सङ्क पर कारोबार

(1) यदि वह सङ्क पर या एकसचेज के द्वार पर या के आस-पास मूल्य चिनाता है या खोली लगाता है या प्रस्ताव करता है या अपार करता है।

ऐसी प्रतिभूतियों में कारोबार जिनमें लेन-देन की अनुमति नहीं है

(2) यदि वह ऐसी प्रतिभूतियों में सौचा करता है। जिनमें लेन-देन की अनुमति नहीं है।

चूककर्ता ग्राहक के लिए कारोबार

(3) यदि वह ऐसे ग्राहक के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में लेन-देन दा कारोबार करता है या आदेश नियमावधि करता है जो उसकी

जानकारी में प्रतिभूतियों में सम्बन्धित अपने वायिकों को पूरा करने में असफल रहा है मा दूसरे सदस्य का छूककर्ता है, जब तक ऐसे ग्राहक ने सदस्य, जो उसका लेनदार है, के साथ कोई संतोषप्रद व्यवस्था न की हो।

दिवालिए के लिए कारोबार

(4) यदि प्रबन्ध परिषद की सहमति प्राप्त किए जिना वह प्रत्यक्ष या पारोक्ष रूप में ऐसे व्यक्ति के साथ कारोबार में लूंगी रखता है या में जुड़ा है या उसके साथ या उसके लिए कोई कारोबार करता है जो विवाहिया है, पद्धति ऐसे व्यक्ति ने विवाह न्यायालय से अपना अनितम उन्मोक्त प्राप्त किया है।

निलम्बन के अधीन रहते अनुमति के बिना कारोबार

(5) यदि प्रबन्ध परिषद की अनुमति के बिना वह उस अवधि के द्वारा किसी सदस्य के साथ या के साथ सदस्य से अपने जुदे के जाते पर या प्रशान के जाते पर कारोबार करता है जिस अवधि के द्वारा न प्रबन्ध परिषद ने उससे एकसचेज में कारोबार निलम्बित करने की ओरोका की है।

निलम्बित, बर्कान्स और छूककर्ता सदस्यों के लिए तथा के साथ कारोबार

(6) यदि प्रबन्ध परिषद की विशेष अनुमति के बिना वह उस अवधि के साथ वलाली बांटता है या कारोबार करता है या उसके लिए या उसके साथ कोई सीदा करता है जिसे निलम्बित या व्यवस्थित किया गया है या छूककर्ता ओपित किया गया है।

आज्ञेयारों के लिए कारोबार

(7) यदि वह ऐसे सदस्य के लिए तथा की ओर से कोई कारोबार करता है या कोई सीदा करता है जो अपनी वैयक्तिक हैसियत में किसी माझेदारी कर्म की साजेदार है।

अन्य सदस्यों के कर्मचारियों के लिए कारोबार

(8) यदि वह दूसरे सदस्य की लिखित अनुमति के बिना उसके रेमिनियर, प्राधिकार सहायक या कर्मचारी के लिए या के साथ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में कारोबार करता है या उसके लिए आदेश नियमावधि करता है।

एकसचेज के कर्मचारियों के लिए कारोबार

(9) यदि वह कोई सटूटा कारोबार करता है जिसमें एकसचेज का कोई कर्मचारी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में लूंगी रखता है।

गैर-सदस्य दलाल के लिए तथा के साथ कारोबार

(10) यदि प्रतिभूतियों की खरीदी या बिक्री में वह गैर-सदस्य के साथ वलाली बांटता है या के साथ प्रशान के रूप में कारोबार करता है या उसके लिए दलाल के रूप में कार्य करता है या उसके साथ कोई कारोबार करता है, यदि ऐसा गैर-सदस्य कोपम्बद्ध शहर के पंचासी मील की दूरी के भीतर प्रतिभूतियों में कारोबार करते वाले किसी अन्य संघ का सदस्य या के

मानवता का साम्राज्य, एंडेंट या कर्मचारी हो या परिषेसा गैर—मानवता उस दूरी के भीतर या तो व्यापक के रूप में कार्य करता है या अपनी बुद्धि की सविकारों को हमारी लिखत करता है या ये व्यापक तथा प्रतिभूति कारोबार में दसाल या व्यापारी के रूप में विज्ञापन देता है या किसी कारोबार के सम्बन्ध में मूल्य सूची या परिपत्र जारी करता है या ऐसे विज्ञापन या जारी करने की अनुमति देता है या प्रयोग या परोक्ष रूप में ऐसी किसी कम्पनी, संघ, कर्म या उपक्रम से जुड़ा हुआ है जो इस प्रकार विज्ञापन देता है या बुद्धि या परिपत्र जारी करता है।

विज्ञापन

(11) यदि वह कारोबार प्रयोजनों के लिए विज्ञापन देता है या अपने बुद्धि के ग्राहकों से भिन्न व्यक्तियों, एक्सचेंज के सदस्यों, और मिशन गृही कम्पनियों को नियमित रूप से परिपत्र या अन्य कारोबारी सूचनाएं जारी करता है या अपने नाम के साथ मार्केटिंग प्रकाशनों में स्टाक बाजार के सम्बन्ध में पैम्फलेट, परिपत्र आ कोई अन्य साहित्य मा छिपाएं या गुप्तमा प्राप्तियां करता है।

मार्जिन आवधकता का अपवर्जन

(12) यदि वह इन उप-मियमों तथा विनियमों में निर्धारित भाँजिम आवधकता का जाम-बूझकर अपवर्जन करता है या अपवर्जन करने का प्रयास करता है या अपवर्जन करने में सहायता करता है।

दलाली प्रभार

(13) यदि वह दलाली लाने तथा बांटने से गम्भीरता उप-मियमों तथा विनियमों से जाम-बूझकर विचलित होता है या टाल-मटोन करता है टाल मटोल करने का प्रयास करता है।
सदस्यों के साम्राज्यों, एंडेंटों और कमचारियों द्वारा अपराध प्रबन्ध परिषद जिसी ऐसे कृत्य या चूक के लिए सदस्य या उसके अट्टनी एंडेंट, रेप्रिसियर, प्राइड्हन सहायक या कर्मचारी को बर्बादित या निलम्बित कर सकती है तथा/या नियंत्रित कर सकती है तथा/या नियंत्रित करने की अपेक्षा करने की अपेक्षा करता है जो यदि सदस्य द्वारा किया जाता है तो उसे ऐसी विनियमों के अधीन कर लेगा।

मार्जिन धन देने में असमर्पण पर निलम्बन

354. यदि लोई इन उप-नियमों तथा विनियमों में उपचानिधन धन देने में असफल रहता है तो प्रबन्ध परिषद या अप्रक्ष उससे अपना कारोबार निलम्बित करने की अपेक्षा करते हैं और कारोबार का निलम्बन तब तक जारी रहेगा जब तक वह आवधक मार्जिन जमा प्रस्तुत तरीं करता है। प्रबन्ध परिषद इम प्रावधान के उल्लंघन में कार्यरक्षण योग्य को बर्खास्त कर सकती है।

कारोबार का निलम्बन

356. (क) प्रबन्ध परिषद संचारप द्वारा विसी संदर्भ से उस समय अपना कारोबार अर्णतः या पूछने में निलम्बित करने की अपेक्षा कर सकती है:—

प्रतिभूति प्रभाव डालने वाला कारोबार

(1) यदि प्रबन्ध परिषद की राय में, वह बाजार के सम्बन्ध को अस्त-प्रस्तुत करते या संभालती की स्थिति जाने, जिनमें मूल्य बाजार मूल्य उचित रूप से प्रतिविम्बित

नहीं करेगे के प्रयोजनार्थ प्रतिभूतियों की बरीबी याचिकी करके या प्रतिभूतियों अरीबने या बचने का प्रस्ताव करके एक्सचेंज पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले द्वारा में अपना कारोबार चलाता है, अभ्यास

उन्नुचित कारोबार

(2) यदि प्रबन्ध परिषद की राय में 'वह उन्नुचित कारोबार में लिए हैं या अपने ग्राहक के खाते के लिए या ऐसे खाते के लिए जिसमें वह प्रस्तुत या परोक्ष रूप में हित रखता है, अरीबी या बिक्री करती हैं जो बरीबी या बिक्री उसके ग्राहक के या उसके बुद्धि के माध्यमों और वित्तीय संभागों की दृष्टि से या ऐसी प्रतिभूति के लिए बाजार की दृष्टि से अडायिक है, अथवा

असम्बोध प्रद विसीय स्थिति

(3) यदि प्रबन्ध परिषद की राय में 'वह ऐसी विसीय स्थिति में है कि उसे अपने लेनदानों या एक्सचेंज को बुरका के गाय कारोबार करने की अनियत नहीं दी जासकती है।'

निलम्बन हटाना

(4) उप-प्रधान (क) के अधीन कारोबार का निलम्बन तब तक जारी रहेगा जब तक सदस्य को उसके ऐसी जमा की अदा करने पर, ऐसा हृत्य करने पर या ऐसी ओज़ प्रवान करने पर जो प्रबन्ध परिषद द्वारा संकल्प निर्धारित समय के भीतर अपेक्षा करे, कारोबार पुनः शुल्करहने के लिए प्रबन्ध परिषद द्वारा अनुमति प्रदान की गई हो।

उल्लंघन हेतु दण्ड

(5) यदि कोई गवर्नर, जिससे अपना कारोबार नियंत्रित करने की अपेक्षा की गई है, प्रावधानों के उल्लंघन में कार्य करता है तो प्रबन्ध परिषद उसे बद्धास्त कर सकती है।

प्रतिभूति जमा

सश्यमों द्वारा देय अतिरिक्त प्रतिभूति जमा

357. प्रत्यक्ष सामग्रे में, जहां कोई सदस्य वैश्वितक रूप में या व्यापक नाम में, मालिक के रूप में कारोबार चला रहा है ०कमात्र वह एक्सचेंज के अनुच्छेद २० के अधीन अपेक्षित रु० ५,००० की प्रतिभूति जमा के अलावा रु० ५,००० की अतिरिक्त प्रतिभूति जमा प्रस्तुत करेगा अगर यह किसी समय वह दूसरे सदस्य के साथ सामादार हो जाता है तो ऐसी अतिरिक्त प्रतिभूति जमा उसे बापस कर दी जाएगी।

विनियम

विनियमों में संशोधन

358. इन उप-नियमों द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अनुसार में प्रबन्ध परिषद द्वारा किसी विनियम में किसी गवा कोई संशोधन, परिवर्तन या परिवर्तन उस उप-नियम या उप-नियमों, जिससे ऐसे विनियम सम्बन्धित हैं, के संबंध के राय औरीस शब्दों के भीतर द्वारा केन्द्र सरकार को सूचित किया जाएगा। यदि केन्द्र सरकार द्वारा गवा है तो प्रबन्ध परिषद ऐसे किसी विनियम को तुरस्त संशोधित करेगी या परिवर्तित करेगी या बापस लेगी।

**MEMORANDUM
AND
ARTICLES OF ASSOCIATION
OF
COIMBATORE STOCK EXCHANGE LIMITED**

FORM I R.

CERTIFICATE OF INCORPORATION

No. 181-3327 of 1991

I hereby certify that COIMBATORE STOCK EXCHANGE
LIMITED. *** *** ***

is this day incorporated under the Companies Act, 1956.

(No. 1 of 1956) and that Company is Limited.

Given under my hand at..... COIMBATORE.....

NINTH JULY
this day of
EIGHTEENTH ASADUA

One thousand nine hundred and THIRTEEN. (SAKA)

One thousand nine hundred and THIRTEEN.

(SAKA)

One thousand nine hundred and THIRTEEN.
(B. M. RATHINASAMY)
Registrar of Companies
TAMIL NADU

3

Certified True Copy
For Coimbatore Stock Exchange, Ltd.

V. DEVARAJU,
Secretary

Sd/- ILLEGIBLE
Director

THE COMPANIES ACT, 1956

COMPANY LIMITED BY GUARANTEE
MEMORANDUM OF ASSOCIATION
OF

COIMBATORE STOCK EXCHANGE LIMITED

- (i) The name of the Company is COIMBATORE STOCK EXCHANGE LIMITED.
- (ii) The Registered Office of the Company will be situated in the State of Tamil Nadu.
- (iii) OBJECTS

A. THE MAIN OBJECT TO BE PURSUED BY THE COMPANY HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "EX-CHANGE" ON ITS INCORPORATION IS

To apply for and obtain from the Government of India recognition of the Exchange as a recognised Stock Exchange within the meaning of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and to facilitate, assist, regulate and control the trade and business in all kinds of securities with a view to safeguard and further the interests of brokers, jobbers, dealers and the investing public.

B. THE OBJECTS INCIDENTAL OR ANCILLARY TO THE ATTAINMENT OF THE MAIN OBJECTS ARE

- 1. To maintain high standards of commercial honour and integrity; to promote and inculcate honourable practices and just and equitable principles of trade and business; to discourage and avert malpractices.
- 2. To regulate and fix the upper limit of commission and brokerage to be charged by the members of the Exchange;
- 3. To settle disputes and to decide all questions of usage, custom or courtesy in the conduct of trade and business;
- 4. To encourage the settlement of disputes by arbitration, to act as or to nominate arbitrators or umpires on such terms and in such cases as may seem expedient and to provide for arbitration of all disputes in respect of all transactions relating to transactions in securities, including arbitration of disputes between members and persons who are not members and to provide Arbitration Tribunals, and subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Rules framed thereunder, to make Rules, Bye-laws and Regulations in relation to all such arbitration proceedings and to regulate the procedure with regard to the same and for enforcement of awards;
- 5. Subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Rules framed thereunder and any law and Rules for the time being in force relating thereto, to make Rules, Bye-laws and Regulations regarding the mode and conditions subject to which the business on the Exchange shall be transacted and the conduct of the persons transacting the same and generally for the good order and regulations of members of the Exchange, and from time to time, to amend or alter such Rules, Bye-laws and Regulations for any of them and to make any new amended or additional Rules, Bye-laws or Regulations for the purposes aforesaid;

- 6. To erect, construct, extend, equip and maintain a suitable building for accommodating the Trading Hall and for any other purposes of the Exchange and for the use of its members and to alter, add to or remove any such building or buildings; and to acquire by purchase, taking on lease or otherwise lands and buildings and all other property movable and immovable which the Exchange may, from time to time, think proper to acquire for the purposes of the Exchange;

To insure, sell, improve, manage, develop, exchange, lease or let, sublease or sublet, mortgage, dispose of, turn to account or otherwise deal with all or any part of the property of the Exchange;

- 8. To acquire by purchase, taking on lease or otherwise and develop any property movable or immovable and any rights or privileges necessary or convenient for the purposes of the Exchange and in particular any land, buildings, easements or safe deposit vaults;

- 9. To open current and other accounts with banks and to operate such accounts;

- 10. To borrow or raise any monies required for the Exchange upon such terms and in such manner and with or without securities.

- 11. To invest or advance the monies of the Exchange not immediately required in or upon such security and with or without interest and in such other investments as may from time to time be determined;

- 12. To make payments or disbursements out of the funds or other movable property of the Company for any of the purposes specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange;

- 13. To subscribe or guarantee money for charitable or benevolent objects or for any Public, general or useful object;

- 14. To subscribe or guarantee money for charitable or benevolent support of any funds, trusts and conveniences calculated to benefit members or ex-members or investing public or employees or ex-employees of the Exchange or the dependents or connections of any such persons and to grant pensions, gratuities and allowances and to make payment towards insurance benefit and such other schemes;

- 15. To establish and maintain a Clearing House for the purpose of the trading in securities or maintain a Stock Holding and Clearing Corporation and to control and regulate the working and administration thereof;

- 16. To enter into any arrangement with any Government which may seem desirable and to obtain from any such Government any powers, rights, licences, privileges or concessions which may be deemed necessary and desirable for the purposes set out in the Memorandum;

- 17. To acquire, collect, preserve and disseminate statistical or other information, to maintain a library and to print, publish, undertake, manage and carry on any newspaper, journal, magazine, pamphlet, official year book, daily or other periodical quotation lists or other works in connection with or in furtherance of the object of the Exchange;

- 18. To subscribe for, become a member of and co-operate with any other association whether incorporated or not, whose objects are to promote the interests represented by the Exchange or to promote general commercial and trade interests and to procure from and communicate to such association such information as may further the objects of the Exchange or promote measures for the protection of the trade or any interest therein;

- 19. To conduct study tours in India/abroad for the benefit of its members and employees.

- 20. To take over the existing business of organisations regulating the trading in securities at Coimbatore.

- 21. To do such other things as are incidental or conducive to the above objects or any of them.

C. OTHER OBJECTS NOT INCLUDED IN 'A' AND 'B' ARE

- 1. To acquire/install safe deposit vaults for purposes of storage, gratuitously or otherwise letting on hire of safes, strong rooms and other receptacles, for keeping money, securities and documents of all kinds;

- 2. To provide technical and business knowledge for persons engaged in or about to be engaged in trade, commerce or company administration or dealing in stocks, shares and like securities and to provide for training programmes, seminars, lectures and classes and to test by examination or otherwise the competence of such persons and to award certificates and diplomas and to institute and establish scholarships, grants and other benefactions;

- 3. To promote research in and study of securities, security markets and matter connected therewith.

IV. The liability of the members is limited.

- V. Every member of the Exchange undertakes to contribute to the assets of the Exchange in the event of its being wound up while he is a member or within one year after he ceases to be a member, for repayment of the debts and liabilities of the Exchange contracted before he ceases to be a member and the costs, charges such amount as may be required, not exceeding Rupees ten thousands.

The regulation contained in Table 'C' shall apply to the Company in addition to the following :

INTERPRETATION

1. In these presents, the following words and expressions shall have the following meaning unless excluded by the subject or context.

- (a) The "Exchange" means the Coimbatore Stock Exchange Limited.
- (b) "Member" means a Member of the Exchange including a company and a public financial corporation authorised to operate on the Stock Exchange and qualified in accordance with the Rule 8 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended from time to time.
- (c) "The Office" means the Registered Office for the time being of the Exchange.
- (d) "Rule(s)" means the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.
- (e) "The Bye-laws and Regulations" means the Bye-laws and Regulations of the Exchange for the time being in force.
- (f) "The Act" means the Companies Act, 1956.
- (g) "The Register" means the Register of members to be kept pursuant to Section 150 of the Act.
- (h) "Year" means Financial Year of the Exchange.
- (i) "The Council" means the council for the time being acting in such manner as provided for in these Articles and includes a meeting of the council duly called and constituted, the Council shall be the Board of Directors of the Exchange within the meaning of Act.
- (j) "Seal" means the common Seal of the Exchange.
- (k) "In writing" includes printing, typewriting, lithography, photocopy, computer printing and any other usual mode of reproduction.
- (l) "Corporate Member" means a company or organisation or public financial corporation, admitted to membership of the Exchange satisfying the conditions of Rule 8 of the Rules as amended from time to time.
- (m) "Public financial corporation" means any institution mentioned in Rule 8(4) as amended from time to time.
- (n) Words importing persons include corporations, firms joint families, public financial institution corporate member or such other bodies corporate for which the Central Government makes a recommendation for relaxation of the requirement of Rule 8(4) as amended from time to time.
- (o) Words importing the masculine gender shall include the feminine gender and vice versa and neutral gender in case of Company, financial institutions/corporations.
- (p) Words importing the singular shall include the plural and vice versa.
- (q) Unless otherwise defined in these presents or unless the context requires or indicates a different meaning, any word or expression occurring in these presents shall bear the same meaning as in the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or Rules.
- (r) "SEBI" means Securities and Exchange Board of India constituted under SEBI Act 1992, its successors and assigns.
- (s) "SC(R) Act", means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.
- (t) "SEBI Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992.
- (u) "SEBI Rules" means Rules framed under SEBI Act.
- (v) "SEBI Regulations" means Regulations framed under SEBI Act.

MEMBERS

2. The Exchange may have initially upto 300 members and the Council shall have the power to increase the membership from time to time without reference to the General Body of members subject to approval from the Government/SEBI and on such terms and conditions as may be prescribed by the Government/SEBI or as and when directed by the Government/SEBI subject to the provisions of SC(R) Act, Rules, SEBI Act, SEBI Rules and SEBI Regulations.

3(a) The subscribers to the Memorandum of Association who are selected by the process stipulated by the Central Government and such other persons as the Council shall admit to membership subject to the provisions hereinafter contained, shall be the members of the Exchange. The Exchange shall furnish to Central Government the names and addresses of persons admitted to membership from time to time.

(b) The council shall admit to membership such public financial corporation as decided by the Central Government provided they are eligible to be members of the Exchange according to Rule 8(4) as, amended from time to time.

(c) The Council shall admit to membership such individuals and companies who qualify according to the standards prescribed by the Central Government and are eligible to be the members of the Exchange according to Rule 3 as amended from time to time.

4. The membership shall constitute a permission from the Exchange to exercise the rights and privileges attached thereto subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

5. A member shall not assign, mortgage, pledge, hypothecate or charge his right of membership or any rights or privileges attached thereto and no such attempted assignment, mortgage, pledge, hypothecation or charge shall be effective as against the Exchange for any purpose, no shall any right or interest in any membership other than the personal right or interest of the member therein be recognised by the Exchange. The Council shall expel any member of the Exchange who acts or attempts to act in violation of the provisions of this Article.

6. The applicants who qualify for membership under Rule 8 of the Rules, are eligible to apply for membership of the Exchange provided they have passed atleast 12th standard or equivalent.

7 (a) Applicants desirous of becoming a member shall apply to Exchange for admission to the membership of the Exchange. All applications for membership shall be made in the form prescribed for that purpose. The form may vary between individual and corporate applicants.

(b) Provided an application for corporate membership submitted on behalf of a company or public financial corporation shall be accompanied by a certified copy of the Board Resolution according approval for application for membership and designating the persons to sign the application.

8 (a) No individual/Company/public financial corporation shall be eligible to be admitted to the Membership of the Exchange unless he/the institutions referred to herein above satisfies the requirements prescribed in that behalf under the Rules or such guidelines as may be prescribed by the Government/SEBI from time to time.

(b) A Company/Public Financial Institution applying for membership shall comply with the terms, conditions and procedures mentioned in Article 34 of these presents unless they have been specifically exempted from such terms and conditions by these Articles.

9. Every applicant applying for the Membership of the Exchange shall pay an admission fee of Rs 1,00,000/- (Rupees one lakh only) or such higher amount as the Council may fix from time to time. Further, he/it shall also pay such contri-

bution for infrastructure development as the Council may fix from time to time. 25% of the admission fee shall be paid to the Exchange along with the application.

10(a) Every member shall pay an annual subscription of Rs. 2,000/- (Rupees two thousand only) or such other higher amount as may be fixed by the Council from time to time. Such annual subscription prescribed under these presents shall be payable on admission and thereafter on or before 30th day of April every year for which the subscription is due.

(b) The Council may levy and collect a service charge of 0.1% of the volume of transactions of each member subject to a minimum of Rs. 1,000/- (Rupees one thousand only) per month or any higher amount to meet the data processing charges, administrative expenses and the capital expenditure on infrastructure development.

11. Save as otherwise provided in the Bye-laws and Regulations, if a member fails to pay his annual subscription, fees charges or other monies which may be due by him to the Exchange or to the Clearing House within two months after notice in writing has been served upon him by the Exchange, he may be suspended by the Council until he makes payment and if within a further period of two months he fails to make such payment, he may be expelled by the Council without any further recourse.

12. Every application for membership shall be made in writing in the form prescribed by the Council and signed by the applicant. An application for admission for membership by a corporate body/public financial corporation, shall be signed by at least two of their directors one of whom shall be the Managing/Wholetime Director, if any. The application shall be accompanied by a copy of the Resolution passed by the Board of Directors of the company/financial corporation and certified as a true copy by its Chairman or Managing/Wholetime Director.

The Board Resolution shall also empower the Directors/Authorised Assistant(s)/representative(s) of such Corporate member/public financial corporation to act, engage and deal on its behalf. A copy of the specimen signature of such Directors/Authorised Assistant(s)/representative(s) shall also be furnished along with the application together with a copy of its Memorandum and Articles of Association or a copy of its constitution including the Bye-laws and Regulations and enactments as applicable and authorising such corporate body/public financial corporation to conduct the business and occupation of stock broking as member(s) of the Exchange.

13. All applications for admission to the membership of the Exchange shall be forwarded to the Secretary or such other authorised officials of the Exchange who shall cause the name of the applicant to be posted on the notice board of the Exchange not less than fifteen days previous to the date of the meeting at which the application shall be considered by the Council. Any member may submit to the Council within fourteen days of posting of the said notice, his objection, if any, against the applicant for being considered by the Council.

14. After the expiry of the period prescribed as above, the application together with all objections and reports relating to such application shall be placed before the Council.

15. On the expiry of the period of fifteen days set out in Article 13 above and after considering any objections received from any member or any other objections which may come to the knowledge of the Council by enquiry or otherwise, the Council shall forward the application for consideration of the Screening Committee.

16. The members of the Exchange shall be selected on the basis of objective criteria and interview by a Screening Committee constituted for the purpose by the Central Government.

17. Subject to the provisions of the SC(R) Act and the Rules, the Council may admit eligible applicants to the membership of the Exchange PROVIDED HOWEVER such applicant shall be permitted to carry on business as a Stock Broker only after obtaining registration under Section 12 of the SEBI Act, and agrees to comply with all formalities as prescribed and as applicable from time to time under SC(R) Act, Rules and SEBI Rules and SEBI Regulations.

18. The Council may at any time from the date of admission to the membership of the Exchange cancel the admission and expel a member if he has in his application or at the time of admission to membership or during the course of the inquiry made preceding his admission,

- (i) Made any wilful misrepresentation; or
- (ii) Suppressed any material information as to his character and antecedents; or
- (iii) Has directly or indirectly given false particulars or information or made a false declaration.

19 (a) When a person admitted to the Membership of the Exchange, intimation of his admission shall be sent to him and also posted on the notice board of the exchange.

(b) If the person admitted to the membership of the Exchange and after intimation of his admission is duly sent does not become a member by complying with acts and procedures prescribed herein within 60 days from the date of despatch of the intimation of admission the amount paid by him along with the application shall be forfeited by the Exchange.

(c) Where admission to membership is granted to a person such individual, partner or body corporate is not permitted to carry on the shares and securities business in any other capacity in this Exchange.

CAPITAL ADEQUACY AND SECURITY DEPOSIT

20. Every member of the Exchange shall maintain a Security Deposit of not less than Rs. 2,00,000 (Rupees two lakhs only) with the Exchange forming part of the base minimum capital prescribed by SEBI to meet the capital adequacy norms prescribed by SEBI or such higher amount as may be determined by SEBI/the Council from time to time.

The Security Deposit payable by a member shall be in the form of cash to be deposited with the Exchange or 50% in the form of a long term (3 years or more) fixed deposit with a bank on which the Exchange has an unencumbered and unconditional lien.

Provided that such Security Deposit or amount required to meet capital adequacy norms which may be required to be deposited by any member at any time as decided by the Council shall be deposited by him/it within such time as fixed by the Council and any member, who fails or refuses to make such security deposit or amount shall on default be suspended from trading on the floor of the Exchange until he/it has complied with the prescribed norms.

21(a) The Security Deposit made by any member shall be applied for the due repayment of all debts due by and all obligations of such member to the Exchange and the Clearing House and to all other members of the Exchange. All such debts and obligations due to the Exchange and the Clearing House shall have first charge and rank in priority to all other claims. Then the debts due to the members of the exchange by such member shall rank pari passu and be entitled to a second charge on the security deposit of such member. The residue thereof, if any shall be applied to all obligations due by such member to any person who is not a member under any award made in any arbitration proceedings held under these presents and any By-laws and Regulations.

(b) A member providing Security Deposit under these Articles Bye-laws and Regulations shall sign a Letter of Declaration in such form as the Council may from time to time prescribe.

(c) A member shall comply with such restrictions as may be stipulated by the Council on his business volume to meet the Capital Adequacy Norms and also shall furnish such information as may be required by the Council from time to time for monitoring his compliance with the Capital Adequacy Norms.

22(a) On the termination of membership or on the death of a member, all Security Deposits not applied under these Articles, Bye-laws and Regulations shall be repaid either to him or as he shall direct or in the absence of such direction, to his legal representatives.

(b) On the winding up of the corporate membership in terms of the provisions of the Companies Act, 1936 or on insolvency of Member Director, the official liquidator or a provisional liquidator or a receiver appointed by the competent court shall not be entitled to take over the affairs of the Company and carry on the business of a stock broker, but the membership shall vest with the Exchange. The Council in its absolute discretion, deal with the same and the proceeds, if any, realised will be utilised towards satisfaction of any dues of such corporate member(s). A transferee on sale would be bound by the terms and conditions of the Articles, Byelaws and Regulations. Provided further that if any proposed winding up proceedings of the corporate body is brought to the knowledge of the Exchange, it can immediately appropriate the amount standing to the credit of the security deposit account of the body corporate or its member directors.

REGISTER OF MEMBERS

23 A register of members shall be maintained by the Exchange in which shall be entered the names of all members together with their respective addresses and dates of their admission and the termination of membership by resignation, death, default or suspension and expulsion.

PARTNERSHIPS

24(a) No partnership shall be formed except between two or more members of the Exchange.

(b) No member shall at the same time be a partner in more than one partnership firm of members.

(c) No person who is not a member of the Exchange shall be admitted a partner of any partnership firm. A member of the Exchange entering into such partnership with any such person shall, on proof thereof, before the Council and upon resolution of the Council to that effect be liable to be expelled from membership of the Exchange.

25(a) A member shall not borrow money or securities from a non-member on terms that the lender shall receive a rate of interest varying with the profits or shall receive a share of the profits.

(b) No member who is a partner in any partnership firm shall assign or in any way encumber his interest in such partnership firm.

26. No member shall form a partnership or admit a new partner to an existing partnership or make any change in the name of an existing partnership without prior intimation and approval of the Council.

27. The member or members desirous of carrying on business on partnership or admitting any member or members as new partner or partners shall intimate and get the prior approval of the Council giving the details in the form prescribed by the Council.

28. Every such intimation relating to change in any partnership of members shall be accompanied by such information as may be required by the Council. Thereupon the Council may record the change in the constitution of the partnership.

29. Where any partnership firm is dissolved, the name of the firm shall be removed from the register of partnership and thereupon the members who are partners thereof may carry on business in their own individual names, but subject to the payment of the additional deposit if any, that shall be payable by him in accordance with the Articles, Bye-laws and Regulations.

30. The partnership firm shall not be liable to pay any separate annual subscription, but the individual partners of the firm shall pay the annual membership subscription as prescribed by the Council from time to time.

31. The members of the partnership firm must communicate to the Exchange in writing under the signatures of all the partners or surviving partners who are members of the Exchange any change in such partnership either by dissolution or retirement or death of any partner or partners.

32. Any notice of the Exchange intimating dissolution of a partnership shall contain a statement as to who undertakes the responsibility of settling all outstanding contracts and liabilities of the dissolved partnership firm but that shall not be deemed to absolve the other partner or partners of his or their responsibility for such outstanding contracts and liabilities.

33(a) Notice of the formation of a partnership, the names of partners and every change therein shall be pasted on the notice board of Exchange.

(b) Every partnership firm of members shall immediately on formation file with the Exchange a certified copy of the deed of partnership and whenever any change is made therein, a certified copy of the fresh deed of partnership shall be filed with the Exchange.

BODIES CORPORATE

34(a) The Council may admit to the membership or the Exchange, Companies incorporated pursuant to the provisions of Section 12 or Section 322 of the Act or public financial corporations as defined in proviso to Rule 8 of the Rules subject to the following terms and conditions :—

(b) In case of a company incorporated pursuant to Section 322 of the Act,

- The provisions of Rule 8(4) are complied with.
- The Office of the company is situated within the city limits of Coimbatore.

(c) In case of a company incorporated pursuant to Section 12 of the Act,

- The provisions of Rule 8(4A) are complied with.
- The Office of the company is situated within the city limits of Coimbatore.

(d) (i) The Council may admit to corporate membership and Company formed by one or more of the existing members of the Exchange desirous of converting their business into a Corporate entity and the provisions of these presents shall mutatis mutandis apply to such companies also.

The provisions of Article 16 of the Articles of Association of the Exchange shall not apply to the applicants converting their membership into corporate membership. However, the other director as required to be appointed under Rule 8 (4A) of the Rules shall be appointed subject to screening by the Council.

(ii) The member who has so converted his business into a corporate entity shall be the promoter director of the company admitted as corporate member.

(iii) The promoter director shall hold at least 40% of the paid-up share capital of the corporate body formed pursuant to the provisions of Section 12 of the Act.

(e) Admission to membership of a Company and its continuance as member shall be subject to the following further requirements and conditions :

- (i) The company or public financial institution undertakes to comply with such financial requirements and norms as may be specified by SEBI for registration of such company under sub-section (1) of section 12 of SEBI Act, 1992.
- (ii) The corporate body has not committed any act for which the company is liable to be wound up under the provisions of law.
- (iii) No official liquidator or provisional liquidator or receiver has been appointed for the company.
- (iv) No director of the company has committed any act of insolvency.
- (v) The company satisfies all other requirements under SCR Act and Rules as may be applicable from time to time for admission to membership.
- (vi) All the directors to be appointed on the Board of such corporate body shall be Indian Nationals.
- (vii) All the directors to be appointed on the memorandum should be confined only to Stock Broking and allied matters viz., acting as underwriter, broker to the issue, dealer in securities, financing purchase and sale of securities, buying and selling of shares and securities, merchant banking, market makers, registrars to the issue, share transfer agents, investment business portfolio management, investment counselling, fixed deposit brokers, financial consultants, financial and discount brokers, advisors to the issue and consultants to the issue.
- (viii) The Memorandum and Articles of Association of the Company shall contain provisions requiring continued compliance with the requirements of the Exchange/SEBI and authorising the Corporate Member to obtain from its Shareholders and furnish to the Exchange any information which the Exchange may require from time to time.
- (ix) In the event of any amendment proposed to be made in the provisions of the Memorandum and Articles of Association of the Company, particularly relating to the object clause of the Memorandum of Association prior approval of the Exchange shall be obtained before the relevant resolutions are tabled before the General Board of the company;
- (x) List of Shareholders shall be furnished to the Exchange as on the date of each Annual General Meeting of the Company and also as and when required by the Exchange. There shall be no alteration in the shareholding pattern without the prior approval of the Council of the Exchange; No person should be admitted to Membership of the Company without prior approval of the Exchange.
- No such approval shall be granted by the Council for a period of 5 years from the admission of the Corporate Member.
- (xi) No declared defaulter in respect of any stock exchange transaction by any recognised stock exchange in India shall be a director of the Company. No individual who is an Authorised Assistant or agent by whatever name called, of another member in a recognised stock exchange shall be a director of the Company. No person disqualified under clauses 1(a) and (b) of part (1) of Schedule XIII to the Act shall be the Managing Director or Whole-time director of the Company.
- (xii) Any change in the constitution, management or its amalgamation or merger with any other company or a transfer of controlling interest in such company shall require the prior approval of the Council and be subject to such conditions as the Council may specify for the admission of the transferee or successor company in the matter of discharge of outstanding dues and otherwise.
- (xiii) — Deleted —
- (xiv) The Exchange may require that the Directors of the Company should be persons who satisfy the eligibility criteria for admission membership as individuals under these presents and the SCR Act and Rules and the Exchange may further require the Directors to give personal guarantee to the Exchange in respect of the business transactions of the Company for such amount as may be prescribed for this purpose by the Council of the Exchange from time to time.
- (xv) Copies of the Annual Reports, Notices of General Meeting, Auditor's Reports, Returns filed with the Registrar of Companies shall be forwarded to the Exchange as also any such additional information or documents that the Exchange may require.
- (xvi) The books maintained by the corporate member including statutory books required to be maintained under the Act and as per the Rules shall be made available for inspection by the Exchange authorities and if at any point of time the Exchange finds that the books are not being properly maintained it is open to the Council to take such action as they deem fit and necessary.
- (xvii) On intimation being received from a company regarding change of any Corporate Member, the change shall be entered in the Register of Bodies Corporate and the person who has ceased to be a Director shall not be entitled to carry on business in the name of the Corporate Member. On the other hand, the Company shall be entitled to appoint another person in the place of the Outgoing Director.
- (xviii) The privileges of membership granted to a member director shall be deemed to be withdrawn on the expulsion of a corporate member from the membership of the Exchange.
- (xix) The requirements of admission specified in Articles 34(a), 34(b), 34(c) and 34(d) should be continued to be fulfilled with by the corporate members, failing which they shall be expelled from membership.
- (xx) Every corporate member shall be entitled to be represented in respect of the business as by one of its member directors or as provided in the Article No. 48 of these presents.
- (f) In conformity with the recommendation of the Central Government/SEBI, the Corporations/Companies/Institutions as specified in Proviso to Rule 8(4) of the Rules may be admitted to Membership by the Council,
- (g) (i) All business transactions done by the directors or Authorised Assistants or Representatives of any Corporate Member, shall be done only in the name of such Corporate member.
- (ii) A corporate member shall be represented in respect of business and other matters of the Stock Exchange by one of its promoter directors, designated and authorised for that purpose by the Board of directors of the corporate member. The person so designated shall be called as a Representative Corporate Member and shall be entitled to exercise all the rights and powers of the corporate member including, appointing authorised assistants, Constituted

Attorneys and representing the corporate member in the Council, Committees and general meetings of the Exchange.

(iii) The directors who are required to be shareholders in accordance with Article 34(b) or who are required to hold the minimum percentage of the paid up share capital in accordance with Article 34(c) shall qualify themselves in a written examination and in an interview conducted by the Screening Committee for the membership. The persons who have so qualified, shall not be removed from directorship of the corporate member nor their shareholdings be disposed off without the prior permission of the Council. Such persons should also not be required to retire by rotation as directors in accordance with the Section 255 of the Act. With the prior permission of the Council only, such directors can be replaced. The incoming directors should also fulfil the eligibility criteria as may be prescribed under Article 34(b) or Article 34(c).

REGISTER OF PARTNERSHIP/BODIES CORPORATE

35(a) The Exchange shall maintain a Register of Partnerships wherein shall be entered the names of partnerships recognised by the Exchange in accordance with these presents and the partners thereof together with their respective addresses, the date of recognition and any changes in the partnership and names together with the relevant dates.

(b) So long as the name of the firm is entered in the register of partnerships, the individual partners thereof shall not carry on business separately or issue a contract in their separate names. The partners of the firm shall do business only on account of the firm and jointly in the name of the partnership firm.

(c) On intimation being received from a partnership firm or any partner thereof, that any partner has retired from the firm, the change in the constitution shall, subject to the approval of the Council, be noted in the register of Partnerships. The member who has ceased to be a partner shall be entitled to carry on business in his own name and enter into contracts in his own name but subject to payment of any additional deposit payable under the provisions of the Articles, Bye-laws and Regulations.

(d) The Exchange shall also maintain a Register of bodies corporate/public financial corporations admitted as Members pursuant to Article 7 wherein shall be entered the name of Directors and their Authorised Assistants/representatives recognised by the Exchange to carry on business on behalf of the corporate member, together with their respective addresses, the date of recognition, etc.

So long as the name of the Company is entered in the Register of Bodies Corporate, the individual Directors thereof shall not carry on business separately or issue a contract in their separate names. The Directors of the Company shall do business only on account of the Company.

BUSINESS NAMES

36(a) Any member desirous of carrying on business under a name and style different from his own name shall apply to the Council for permission to do so.

(b) The Council shall refuse permission to a member to carry on business under a business name and style, which it considers misleading.

(c) A member who is a surviving or continuing partner of a partnership firm may, with the permission of the Council, continue business in the name of the firm of which he was a partner.

(d) Every member carrying on business under a business name as aforesaid shall state on all correspondence relating to transaction of business and all contract notes, in addition to the business name, the name of the member who is the sole proprietor thereof.

(e) A partnership firm shall state on all correspondence relating to transaction of business and on all contract notes the name of the firm and the names of all partners therein.

(f) Members who desire to carry on the shares and securities business as a corporate body shall apply to the Council for permission to do so before taking steps to register the company under the Act. The Council shall have the power to modify/alter the name or refuse permission to carry on the business under a name and style which it considers misleading.

REGISTER OF BUSINESS NAMES

37. Where any member has obtained the permission of the Council to carry on business under a business name and style, the particulars thereof shall be entered in the Register of Business Names.

TERMINATION OF MEMBERSHIP

38. Any person may cease to be a member :—

- by registration
- by death
- by expulsion by the Council for non-payment of any moneys due by him to the Exchange or to another member or to his clients in the course of trade in securities or for violations of any Articles, Bye-laws or Regulations.
- by being declared a defaulter by accordance with the Articles, Bye-laws and Regulations.
- by termination of the membership by Central Government after making necessary enquiries in this behalf and after giving an opportunity of being heard.
- termination of the membership by the Council for :
 - failure to meet the capital adequacy as may be laid down by the Council.
 - failure to furnish such information as may be required for monitoring the capital adequacy.
 - failure to comply with the restrictions on the volume of the business imposed on the member.
- By termination of the membership by the Council for not reaching an yearly turnover of atleast 15% of the annual average turnover per member of the Exchange and also for not being active atleast on 50% of the trading days in a year for three consecutive years after the "member completes 2 years of membership."

39.(a) A member who intends to resign from the membership of the Exchange shall serve on the Exchange a written notice to that effect, a copy of which shall be posted on the notice board of the Exchange.

(b) Any member of the Exchange objecting to any such resignation shall communicate the grounds of his objection to the Council by letter within fourteen days of the posting of such notice.

(c) The Council may accept the resignation of a member either unconditionally or on such conditions as it may think fit or may refuse to accept such resignation and in particular may refuse to accept such resignation until it is satisfied that all outstanding transactions have been settled.

(d) On the death of a member, his legal representatives and authorised assistants, if any, shall communicate due intimation thereof to the Council in writing.

NOMINATION

40. Every member shall be entitled to nominate another person as his successor to membership of the Exchange subject to the conditions and restrictions hereinafter set forth.

41. The legal representatives of a deceased member or his heirs may, with the sanction of the Council, nominate any person eligible under these Articles for admission to membership of the Exchange in the place of the deceased member.

42.(a) The nomination may be made by a member whether before or after his resignation and shall be in such form or forms as the Council may from time to time prescribe.

(b) A member who has resigned his membership shall be entitled to exercise the right of nomination only if he had been a member of the Exchange for a period of not less than five years. Provided further that this requirement as to membership for five years shall not apply in the case of death of a member.

(c) The Stock Exchange shall be entitled to 50 percent of the gains from the member who is transferring membership rights to nominee. The gains shall be considered as a difference between the price at which the member has acquired membership rights and the price at which he has transferred membership rights to his nominee or the market price as determined by the Stock Exchange on the date of the transfer, whichever is higher.

Provided this requirement shall not be applicable in case of nomination by way of succession on death of member. However, the Exchange may recover nomination fees from such successor(s) as may be prescribed by the Council from time to time.

43. The person so nominated by a member or by the nominating legal representative shall send in his application for membership in accordance with the foregoing Rules and application shall be dealt with on its own merits and no nominee shall be entitled to be admitted by reason only of his having been nominated unless otherwise he is duly qualified in accordance with these presents and he pays such admission fees and other contributions as may be prescribed by the Council from time to time.

44. The Council may decline to consider the nomination made by a member or legal representative of a deceased member unless all amounts due by the member or the deceased member to the Exchange and all liabilities and all obligations arising out of the contracts by the nominating member or deceased member made subject to the Bye-laws and Regulations of the Exchange shall have been paid and satisfied in full or paid in full within such further period as may be notified by the Council.

45. The Council shall recognise the executor or administrator of the estate of the deceased member as the person entitled to nominate in accordance with these Rules provided that where there is no executor or administrator of the estate of the deceased member, the Council may recognise the claim of any person to be the heir of the deceased member for the purpose of making the nomination as aforesaid on such evidence and subject to such conditions as to indemnity and security as the Council may consider satisfactory.

READMISSION OF DEFAULTERS

46.(a) A member's right of membership shall lapse and vest with the Exchange immediately he is declared a defaulter. The member who is declared a defaulter shall forfeit all his rights and privileges as a member of the Exchange, including any right to use of or any claim upon or any interest in any property or funds of the Exchange. In case the default is rectified within 6 months from the date of default announced by the Council, he can be considered for re-admission.

(b) No member who has been declared a defaulter by the Exchange or any other Stock Exchange will be admitted or readmitted as a member of the Exchange subject to (a) above.

47.(a) The right of nomination of the interest in the Exchange held by a member who has been declared a defaulter shall vest with the Exchange on the death of such a member and shall be exercised by the Exchange as detailed in these presents.

(b) After six months of declaring a member as defaulter the Exchange shall sell the interest and the membership in the Exchange of the defaulter member through auction and nominate to membership in the place of the defaulting member any individual who offers the highest bid at the said auction, provided such successful bidder is otherwise eligible to become a member of the Exchange.

(c) The admission fee payable by the successful bidder of the interest of the defaulting member shall be as per the provisions of Article 9.

(d) The terms and conditions of the action to be conducted pursuant to Article 47(b) herein shall be set out and laid down by the Council.

(e) The notice of the auction pursuant to Article 47(b) herein, detailing the terms and conditions of the auction, shall be put up on the notice board of the Exchange at least ten clear days between the day fixed for the auction.

(f) The net amount realised by the Exchange in the auction pursuant to Article 47(b) herein shall be charged with the due repayment of all debts due by and all obligations of such defaulting member to the Exchange, the Clearing House and to all other Members of the Exchange and to his clients. All such debts and obligations shall have the first charge and rank in priority to all other claims. Then the debts due to the members of the Exchange by such defaulting Member shall rank pari passu and be entitled to a second charge on the net amount realised in auction pursuant to Article 47(b) herein. The residue, if any, shall be applied to all obligation and dues of such defaulting member to any person who is not a member under any award made in any arbitration proceeding held under these presents and Bye-laws and Regulation. Any amount left after meeting the above said payments shall be paid to the defaulting member or to his nominee or to his legal heirs, as the case may be.

(g) In the case of default by a partnership firm, the individual membership of all the partners of the defaulting shall laps and the provisions of Article 46 and 47 shall apply to the interest of all the members who are partners of the defaulting firm.

REPRESENTATIVES

48. Subject to the provisions of these presents relating to the appointment of Constituted Attorneys, any Member of the Exchange shall be entitled to appoint Constituted Attorneys to attend to his business. However, the right to appoint Constituted Attorneys can be exercised only in case of absence from India or temporary physical disability of the Member/Partner/Representative Corporate Member to attend to business and any such appointment shall not be for more than 90 (ninety) days at a time and not more than twice in any financial year. The person appointed as Constituted Attorney should be either a relative as defined in the Act, or a person who is a whole time employee of the member, and should have the educational and experience qualifications prescribed for an individual member.

AUTHORISED ASSISTANTS

49. A member carrying on business on the Exchange shall be entitled to appoint authorised assistants in his or its own employment for entering into bargains on the floor of the Exchange for such member and such authorised assistants are deemed to be agents of the members. The authorised assistants should possess necessary qualification as prescribed by the Council/Central Government/SEBI from time to time.

50. The Council shall from time to time fix the maximum of authorised assistants a member shall be entitled to employ. Unless otherwise fixed by the Council the number of authorised assistants for any member or a partnership shall be a maximum of four.

51. A member may with the permission of the Council nominate a full time employee in his office as an alternate authorised assistant to act temporarily in the absence of an authorised assistant. All the provisions relating to Authorised Assistant shall apply to Alternate Authorised Assistant also.

52. No member shall employ an authorised assistant without first having such appointment approved by the Council.

53. No person shall be admitted as an authorised assistant who is under eighteen years of age.

54. No member shall without the special permission of the Council take into his employment an authorised assistant of a former member who has been suspended or expelled.

55. (a) A member desirous of obtaining admission to the Trading Hall for his authorised assistants shall apply for the permission of the Council in such form as the Council may from time to time prescribe.

(b) An application by a member to employ an authorised assistant who previously had been acting as an authorised assistant to another member must be accompanied by a discharge certificate from the former employer. Such discharge certificate shall be in a form prescribed from time to time by the Council and it shall show whether the authorised assistant has left his former employer or employers and whether his conduct while in that employment was satisfactory.

(c) When a discharge certificate is not attached to an application as required in sub-clause (b) the proposed authorised assistant shall submit an explanation therefor and the Council shall then decide whether and on what conditions the requirement relating to discharge certificate shall be waived.

56. The Council in its discretion may approve or reject any application for appointment of authorised assistant.

57. Where the Council is satisfied that the authorised assistant has acted fraudulently or dishonestly in any matter relating to transactions on the Exchange, the Council may at its discretion and at any time terminate the approval of the said authorised assistant whereupon the member shall discontinue the employment of the said person as an authorised assistant. Provided that the Council shall not exercise the power except after framing the charge against the authorised assistant setting out the misconduct and giving him the opportunity to be heard in answer thereto and after inquiry into the charges.

58. A member employing an authorised assistant or terminating the employment or withdrawing the authorisation of such assistant shall give notice in writing to the Exchange of the name of such assistant and of the date of the commencement or termination of his employment or the withdrawal of this authorisation and a notice of such employment, termination or withdrawal shall be posted on the notice board of the Exchange.

59. (a) A register of authorised assistant shall be maintained by the Exchange in which shall be entered the names of all authorised assistants together with the dates of their authorisation and discharge and the names of the members employing them.

(b) The Council shall have full power to refuse registration or to remove the name of any authorised assistant from the register without assigning any reason whatsoever.

60. (a) An authorised assistant shall be allowed admission to the floor of the Exchange and no assistant not so authorised shall be allowed.

(b) An authorised assistant shall be admitted to the floor of the Exchange only during good behaviour and shall be bound to observe the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

(c) The Council in its absolute discretion may refuse admission to the floor of the Exchange to the authorised assistant of any member and may at any time suspend the admission of such authorised assistant without assigning any reason whatsoever.

61. (a) An authorised assistant shall transact business only on behalf of his employer. He shall be liable to be immediately suspended or expelled by the Council or the President or the executive Director if he makes bargains in his own name or in any name other than that of his employer.

(b) An authorised assistant shall not sign contract notes in his own or any other name nor shall he sign on behalf of his employer unless appointed by such employer as his constituent attorney for that purpose.

(c) A member appointing an authorised assistant shall not be held answerable for money borrowed by such authorised assistant with or without security unless he shall have given special authority for that purpose.

62. (a) A member shall be liable for all bargains made in the market by any authorised assistant employed by him and he shall fulfil such bargains according to Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange in the same manner as if such bargains had been made personally by him.

(b) The responsibility of a member to other member for the bargains of his authorised assistant shall continue until the notice of the termination of his employment or the withdrawal of his authorisation shall have been received by the Exchange, and such termination of his employment or the withdrawal of his authorisation has been posted on the notice board of the Exchange.

63. The terms and conditions relating to the appointment of authorised assistant provided for under Article 49 to 62 shall mutatis mutandis be applied to the directors, authorised assistant(s)/representative(s) of a corporate member and the body corporate shall be bound by the terms and conditions attached thereto.

64. (a) The number of Authorised Assistants permitted for a member shall depend on the contribution made by the member for the infrastructure development.

(b) The Council may fix a processing fee for every application for appointment of authorised assistant.

(c) Every member employing Authorised Assistants shall pay an annual subscription as may be prescribed by the Council from time to time for each of the Authorised Assistants so employed.

(d) The Council may prescribe the quantum of Security Deposit to be placed with the Exchange by the member for each of the Authorised Assistants employed by him.

(e) An Authorised Assistant on whose behalf a member is providing Security Deposit under the provisions of these Articles, Bye-laws and Regulations shall sign a Letter of Declaration in the form prescribed to these Rules or in such other form as the Council may from time to time prescribe.

CONSTITUTED ATTORNEYS

63. (a) Any member may give a power of attorney to any non member to carry on or supervise his Stock Exchange business or to sign contracts on his behalf, in respect of transactions in securities provided the person so appointed is at least 21 years of age and in all other respects eligible and qualified to be admitted to the membership of the Exchange and his appointment as Constituted Attorney is previously approved by the Council.

(b) Any power of attorney granted by the member must be intimated to the Exchange and a copy of the power of attorney filed with the Exchange.

(c) A register of Constituted Attorneys shall be maintained by the Exchange in which shall be entered the names of the constituted attorneys and the names of the appointing members together with the dates on which the authority is granted and rescinded.

(d) Nothing contained in these Rules shall absolve the member granting the power of attorney from responsibility for the acts of his attorney.

(e) No person shall be entitled to admission to the floor of the Exchange by reason only that he holds a power of attorney from a member.

66. The terms and conditions in relation to the appointment of Constituted Attorneys provided for under Article 65 shall mutatis mutandis be applied to the directors, or any authorised representative of a corporate member and the body corporate shall be bound by the same terms and conditions.

GENERAL MEETINGS

67. The Exchange shall in addition to any other meetings hold a general meeting which shall be styled its Annual General Meeting at intervals and in accordance with the provisions of the Act.

68. The Council may at any time convene an extra-ordinary general meeting.

69. The Council shall on the requisition of such number of members of the Exchange as are specified in the Act forthwith proceed to call extra-ordinary general meetings of the Exchange.

70. The quorum for any general meeting shall be 10% of the total members of the Exchange (fractions to be rounded off to next number) present in person. Only members entitled to vote shall be counted for the purpose of the quorum.

71. If within half an hour from the time appointed for the meeting a quorum of members is not present the meeting if called on the requisition of the members shall be dissolved; in any other case it shall stand adjourned to the same day in the following week at the same time and place and if at such adjourned meeting a quorum of the members is not present within half an hour from the time appointed, the members present shall be competent to transact any ordinary business that could have been transacted if a quorum had been present, but not any special business.

72. The President of the Exchange shall preside over all general meetings and in his absence the Vice-President and in the absence of both, the members present shall choose some one from among themselves to be Chairman of that meeting. In the event of votes for and against any resolution being equal in number the Chairman shall have a casting vote in addition to his vote as a member.

73. The Chairman may with the consent of the members adjourn the meeting from time to time and from place to place but no business shall be transacted at any adjourned meeting other than the business left unfinished at the meeting from which the adjournment took place.

74. At any General Meeting unless a poll is demanded a declaration by the Chairman that a resolution has been carried or lost and entry to that effect in the books of proceedings of the Exchange shall be conclusive evidence of the fact without proof of the number or proportion of the votes recorded in favour of or against resolution.

75. (a) If a poll is demanded on the election of a Chairman, it shall be taken forthwith and the Chairman elected on a show of hands shall exercise all the powers of the Chairman for the said purpose. If some other person is elected as Chairman, as a result of the poll, he shall remain as the Chairman for the rest of the meeting.

(b) If a poll is demanded on a question of adjournment, it shall be taken forthwith.

(c) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty-eight hours from the time when the demand was made as the Chairman may direct.

VOTING

76. (a) Subject to the restriction set out herein below, every member shall have only one vote whether on a show of hands or on a poll except that in the case of a poll resulting in equal votes, the Chairman who presides over the meeting shall have a casting vote.

(b) No vote by proxy shall be allowed either on a show of hands or on a poll in respect of any matter.

(c) No member who has been suspended, expelled or declared defaulter shall be entitled to be present at a meeting or to take part in any proceedings or to vote there at.

77. Provided further that in the case of a corporate member including a public financial corporation referred to in Article 8 of Association shall exercise its vote through a named authorised representative in accordance with the Sections 187 or 187A of the Companies Act, 1956, along with the certified copy of the Board Resolution of the corporate body/public financial institution so naming such authorised representatives.

THE COUNCIL

78(1) Unless otherwise agreed to by SEBI, the Council shall normally comprise of 13 Members and shall be constituted as follows :

(a) Six Members of the Stock Exchange to be elected by the Members of the Stock Exchange;

(b) not more than three Members to be nominated by the Central Government or SEBI in accordance with the Act;

(c) Three Public Representatives to be nominated by SEBI;

PROVIDED that SEBI may at any time appoint Public Representatives more than three so that the total number of Members nominated under this Clause and Clause (b) above may not exceed the total number of elected Members under Clause (a) above;

(d) One Executive Director to be appointed by Council;

(2) (a) One third of the elected Members under Clause 1(a) shall retire at each Annual General Meeting and shall be eligible to offer themselves for re-election. Provided, that where a person has been a Member elected for two consecutive terms to the Council he shall not offer himself for re-election for a period of two years immediately thereafter;

(b) The Members to be appointed under Clause 1(b) above, shall not be subject to retirement by rotation and shall hold the office at the pleasure of the Central Government or SEBI as the case may be;

79.(a) Public Representatives to be nominated under Clause 78(1) (c) above shall be from amongst the persons of integrity having necessary professional competence and experience in the areas related to securities markets;

(b) For purposes of nomination as Public Representatives, the Council may forward the names of persons to SEBI for such nomination. SEBI shall, however have the right to nominate persons whose names have not been forwarded by the Council;

(c) The Public Representatives to be nominated to the Council shall hold the office for a period of one year from the date of assumption of the office or till the Annual General Meeting whichever is earlier;

80. Any General Meeting may at any time and from time to time fix the number of members of the Council to be elected at any annual general meeting other than the Government Member nominated by the Central Government, the Public Representatives nominated by the Council and the whole-time Executive Director appointed under these articles, provided that the number shall be within the limits fixed in Article 78 above.

81. The first members of the Council elected under Article 78(a) shall be :—

- (i) Sri K. G. Balakrishnan
- (ii) Sri D. Balasundaram
- (iii) Sri S. N. Varadarajan
- (iv) Sri N. Sankaran
- (v) Sri K. Rajamanickam
- (vi) Sri P. V. Nathan

82.(a) At the first annual general meeting of the Exchange all the first members of the Council shall retire but shall be eligible for re-election.

(b) At every subsequent Annual General Meeting one third of the elected Members of the Council for the time being under Clause 78(1) (a) shall retire from Office and shall not be eligible for re-election for period of two years immediately thereafter, if he has been a Member elected for two consecutive terms to the Council;

83. At the annual general meeting at which the members of the Council retire as aforesaid, the Exchange may fill up the vacancy by appointing the retiring member of the Council or any other member thereto, subject to the provision of Article 78.

84.(a) If the office of any member of the Council appointed by the Exchange in general meeting is vacated before his term of the Office will expire in the normal course the resulting casual vacancy may be filled by the Council at a meeting of the Council subject to the provisions of Article 78.

(b) Any person appointed shall hold office only upto the date which the member of the Council whose place he is appointed would have held office if it had not been vacated as aforesaid.

85. Notwithstanding any resolution of the Exchange at a general meeting fixing the number of members of the Council to be elected at an annual general meeting, the Council may from time to time appoint one or more members as additional members of the Council. Provided that such additional members of the Council so appointed shall hold office only upto the date of the next annual general meeting. Provided further that the number of members of the Council and additional members of the Council shall not exceed the maximum strength fixed by Article 78.

86. The appointment of members of the Council shall be voted upon individually.

87. No member shall be eligible to be appointed as a member of the Council :

- (a) Unless he satisfies the requirement prescribed in the Rules.
- (b) If any member of the Exchange is a partner with a member who is already a member of the Council, he shall not be eligible to be appointed as a member of the Council;
- (c) If he has at any time been declared as a defaulter or failed to meet his liabilities in ordinary course or compounded with his creditors;
- (d) If he had been expelled or suspended by the Council;
- (e) If one director or a corporate body or a public financial corporation is a member of the Council, no other director of that company or public financial corporation shall be eligible to become a member of the Council;
- (f) Unless such individual is a representative of a body corporate or public financial corporation which is a member of the Exchange.

Provided further that the corporate member shall not be eligible for election to the Council as only natural persons can be appointed as member of the Council.

Provided that the provisions of this Article shall not apply to the persons nominated by the Central Government under Article 79(a), the public Representative nominated under Article 79(b), or to the Executive Director appointed under Article 99(a).

88. The President or failing him the Chairman of the general meeting at which the members of the Council are elected shall, within a period of seven days from the date of the meeting convene a meeting of the Council for the election of office-bearers and shall preside over the said meeting, but unless he is a member of the Council he shall not be entitled to vote at the said election.

89. The Council may, meet together at least once in every two calendar months for the despatch of business, adjourn and otherwise regulate its meetings and proceedings as it thinks fit, and may determine the quorum necessary for the transaction of business.

90. The quorum for a meeting of the Council shall be one-third of the total strength of the Council, any fraction being rounded off as one, or five members whichever is higher. Provided that where at any time the number of interested members exceeds two-third of the total strength, then the number of remaining members, i.e., the number of members not interested shall be the quorum for the meeting.

91. The President, Vice President or the Executive Director or any two members of the Council may be at any time convene a meeting of the Council.

92.(a) Questions arising at any meeting of the Council shall be decided by a majority of the votes cast excepting in cases where a larger majority is required by any provision of these Articles. In the case of equality of votes on matters which can be decided by a majority of votes, the Chairman presiding over the meeting shall have a second or casting vote.

(b) The Council shall abide by the instructions issued by the Central Government in respect of all aspects of conduct and management of the Exchange.

93. At all meetings of the Council the President shall ordinarily preside and in his absence the Vice-President shall preside. If the Vice-President be not present at the time appointed for holding the same, the members of the Council present shall choose some one from among themselves to be Chairman of such meeting.

94. A meeting of the Council for the time being, at which no quorum is present shall be competent to exercise all or any of the authorities powers and discretion by or under the Articles of the Exchange for the time being vested in or exercisable by the Council generally.

95. The office of member of the Council shall be vacated if :—

- (i) he suspends payment;
- (ii) he is adjudged insolvent;
- (iii) he applies to be adjudicated insolvent;
- (iv) he is convicted by any Court in India of any offence and sentenced in respect thereof to imprisonment for not less than six months.
- (v) he absents himself from three consecutive meetings of the Council or for a continuous period of three months whichever is longer without obtaining leave of absence from the Council;
- (vi) he incurs any disqualification under the Companies Act, 1956, by which he vacates his office;
- (vii) he dies or ceases to be a member of the Exchange or is suspended or expelled;
- (viii) he resigns his office by notice in writing addressed to the Council;
- (ix) a resolution or a general meeting of the Exchange removes him from office;
- (x) he fails to maintain the Security Deposit with the Exchange as provided in these presents;
- (xi) he ceases to carry on business in securities on the Exchange provided this clause shall not be applicable to the subscriber to the Memorandum and Articles of Association of the Exchange;

Provided that the provisions of sub-clause (vii) to (xi) of this Article shall not apply to the persons nominated by the Central Government under Article 79(a), the Public Representatives nominated under Article 79(b) or the Executive Director appointed under Article 99(a).

OFFICE BEARERS

96.(a) The Council shall have the following Office Bearers viz., The President, Vice President, Executive Director and Treasurer;

- (b) The President of the Stock Exchange shall be elected from amongst the Members of the Council within ten days after the conclusion of the Annual General Meeting and no approval from the Central Government or SEBI would be required for appointment of any person as the President;
- (c) The President appointed as above shall hold his office for one year and shall be eligible for re-election.

PROVIDED that no member who has been elected to the office of the President for two consecutive terms shall be eligible to offer himself for re-election unless a period of one year has elapsed since he last held such office.

- (d) The Vice President of the Stock Exchange shall be elected from amongst the Members of the Council within ten days after the conclusion of the Annual General Meeting and no approval from the Central Government or SEBI would be required for appointment of any person as the Vice President.
- (e) The Vice President appointed as above shall hold his office for one year and shall be eligible for re-election: PROVIDED that no member who has been elected to the office of the Vice President for two consecutive terms shall be eligible to offer himself for re-election unless a period of one year has elapsed since he last held such office.

- (f) The appointment, the terms and conditions of service, the renewal of appointment and the termination of service of an Executive Director shall be subject to prior approval of SEBI. Besides the Council it shall be the duty of the Executive Director to give effect to the Directives, Guidelines and Orders issued by SEBI in order to implement the applicable provisions of law, rules, regula-

tions as also the rules of the Articles of Association, regulations and bye-laws of the Stock Exchange. Any failure in this regard will make him liable for removal or termination of service by the Stock Exchange with the prior approval of SEBI or on receipt of direction to that effect from SEBI, subject to the concerned Executive Director being given an opportunity of being heard against such termination;

- (g) The Council shall elect one among themselves as the treasurer;
- (h) In the event of any Casual Vacancy arising in the office of President by death, resignation or otherwise, the Vice President for the time being shall automatically be elected to the office of President. Any Casual Vacancy arising in the office of Vice President or Treasurer shall be filled up by election from amongst the Members of the Council. An Office Bearer elected in any Casual Vacancy shall hold office for the same period for which the Office Bearer in whose place he was elected would have held office if he had not vacated office earlier;

PRESIDENT AND VICE PRESIDENT

- 97.(a) The President and Vice President shall be ex-officio members of any Committee appointed by the Council.
- (b) The President may assume and exercise all such powers and perform all such duties as may be delegated to him by the Council from time to time as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.
- (c) In the absence of the President or on his inability to act, the Vice President shall assume all the functions and exercise all the powers and discharge all the duties of the President.
- (d) The President and in his absence the Vice President and in the absence of both, the Executive Director shall be entitled to exercise any or all of the powers exercisable by the Council whenever he be of the opinion that immediate action is necessary, subject to such action being confirmed by the Council before close of the next working day.

TREASURER

98. The Treasurer shall exercise such powers and duties appropriate to his office as Treasurer as may be delegated from time to time by the Council.

EXECUTIVE DIRECTOR

99.(a) The Council may, subject to the previous approval of the Central Government/SEBI, appoint a whole-time Executive Director who shall be an ex-officio Member of the Council and also a Member of every committee or sub-committee appointed by the Council. The terms and conditions of the appointment of the Executive Director shall be subject to the previous approval of the Central Government/SEBI under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1936. The person so appointed as Executive Director shall not engage himself in any business directly or indirectly, during the period he holds the office of the Executive Director and if a Member of the Exchange is appointed as Executive Director, he shall resign his membership thereof forthwith. The Executive Director so appointed shall not be liable to dismissal or removal from his office without the previous approval of the Central Government/SEBI and he shall not be liable to retire by rotation.

- (b) Subject to the overall management of the affairs of the Exchange being vested in the Council as per Article 78 :—

- (i) the Executive Director shall be vested with the executive powers of the Exchange to run the day-to-day administration and to enforce the Articles, Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and shall exercise such powers as are provided hereunder and as may be delegated or entrusted to him by the Council from time to time.

- (ii) the Executive Director shall be vested with the powers, rights, duties and functions of the President as provided in the Articles, Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange, save and except those contained in Articles 72, 73, 74, 75, 88, 92, 93, 97(a) and 97(c) and these shall be deemed to be the powers, rights, duties, functions of the Executive Director.
- (iii) subject to the control and supervision of the Council, the Executive Director shall have powers in matters which concern disciplining of Members in all its aspects and members trading activities on the Exchange and in relation to any or all their business dealings in securities, the settlement of all transaction in securities entered into by them with other members of the Exchange and with members of other Stock Exchanges with particular reference to and including transactions members with their clients enforcement of the Rules, Articles of Association, Bye-laws and Regulations of the Exchange in such matters with the authority and the power to impose penalty not exceeding Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only) and/or suspension of Member or Members from doing business for a period not exceeding seven days at a time in case of violation of any of the Rules, Articles, Bye-laws and Regulations of the Exchange and for non-compliance of any of his directions, orders, etc., provided the power impose such fine/suspension shall be exercised in consultation with the President of the Exchange and a non-broker member of the Council; subject to the member being given a prior opportunity to explain the charges against him.
- (iv) it shall be the duty of the Executive Director to implement all the directions and order of the Central Government or SEBI as the case may be to implement any provisions of law or rules, bye-laws and regulations of the Exchange. If the Executive Director fails to do so, SEBI may after giving the Executive Director an opportunity of being heard, direct the Council to remove him from the office. The Council shall on being so directed terminate the services of the Executive Director forthwith.
- (c) The President and/or the Executive Director shall represent the Exchange officially in all public matters.
- (d) In the absence of the Executive Director or in his inability to act, his functions and powers shall be exercised by the Secretary and in the absence of the Secretary by a senior officer of the Exchange under the directions of the Council.

SECRETARY

- 100.(a) The Council may appoint a Secretary for the Exchange.
- (b) The Secretary shall not be a member of the Exchange.
- (c) The Secretary shall not be a party to or concerned in any speculative dealing on the Exchange or with any member of the Exchange.
- (d) The Secretary shall also be the Secretary of the Council and each Committee of the Exchange.
- (e) The Secretary shall perform such duties as may be directed from time to time by the Council and or any standing or other Committees.

COMMITTEES

101. Subject to the Provisions of Section 292 of the Act, the Council may delegate any of its powers to committees consisting of such number of members not less than two in number as the Council may think fit. Any Committee so formed shall in the exercise of the powers so delegated conform to any regulations that may, from time to time, be imposed upon it by the Council.

STANDING COMMITTEES

- 102.(a) In addition to the Committees of the Council, if any referred to in the above clause, the Council shall every year and as early as convenient, after every annual general meeting, appoint the following committees, namely :—
 - (i) Arbitration Committee
 - (ii) Defaults Committee
 - (iii) Disciplinary Committee
 - (iv) Investors' Grievance Cell
 - (v) Committee for Supervision of Trading.
- (b) Each of such Committees shall consist of such members not being less than three and not being more than five.
- (c) Each Committee shall immediately after its appointment elect one of its own body as its Chairman. The Chairman shall be the convener of the respective committees.
- (d) All members of the Committees shall hold office from the date of their respective appointments till the first meeting of the Council held after the next annual general meeting. Provided that if at the said meeting of the Council, new members of the Standing Committees are not appointed the existing members shall continue until their successors are appointed by the Council.
- (e) The Council shall from time to time fill in any vacancy in the membership of any committee.
- (f) Any member of the Exchange whether a member of the Council or not and any public representative member of the Council shall be eligible for appointment to a Committee.
- (g) Any member of a Committee shall vacate office if he ceases to be a member of the Exchange or he is suspended or declared a defaulter or he is expelled.

"PROVIDED HOWEVER that in the Arbitration Committee, Default Committee and Disciplinary Committee not more than 40% of the Membership shall be nominated from the Members of the Exchange and the balance 60% shall be nominated from persons other than the Members of the Exchange with the prior approval of SEBI."

103. The quorum for every Committee shall be one-third of the total strength of each Committee or two, whichever is greater, fractions to be ignored.

104. Subject to the Rules and provisions contained in these presents or any Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange, the proceedings of the Committee shall be regulated by the same Rules as proceedings of the meeting of the Council.

105. Each Committee shall exercise such powers and duties and be subject to such Regulations if any as are set out in their respective behaves by the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and subject thereto to any directions, Bye-laws or Regulations that may be framed or made by the Council of Management from time to time in that behalf.

106. A Committee may meet and adjourn as it thinks proper. Questions arising at any meeting of a Committee shall be determined by a majority of votes of the members present, and in case of an equality of votes, the Chairman shall have a second or casting vote.

107. All acts done by any meeting of the Council or by a Committee or by any person acting as a member of the Committee shall notwithstanding that it shall afterwards be discovered that there was some defect in the appointment of the Council or such members or persons acting as aforesaid or that they or any of them were disqualified be as valid as if every such person had been duly appointed and was qualified to be a member of the Council or the Committee.

MINUTES

108. The Council shall cause minutes to be duly entered in books provided for the purpose;

- (a) of all appointments of officers;
- (b) of the names of the members of the Council present at each meeting of the Council and of any Committee;
- (c) of all resolutions and proceedings of general meetings and of meeting of the Council and Committees;
- (d) of all resolutions of the Council passed in Circulation. And any such minutes of any meeting of the Council or of any Committee, or of the Exchange, if purporting to be signed by the Chairman of such meeting or by the Chairman of the next succeeding, shall be receivable as *prima facie* evidence of the matters stated in such minutes.

POWERS OF THE COUNCIL

109. The Control of the Exchange and of the business of the Exchange shall be vested in the Council who in addition to the powers and authorities by these presents or otherwise expressly conferred upon them, may execute all such powers and do all such acts and things as may be exercised or done by the Exchange. Provided that the Council shall not exercise any power or do any act or thing which is directed or required whether by Companies Act, 1956 or any other Act or by the Memorandum or by the Articles of the Exchange or otherwise to be exercised or done by the Exchange in general meeting. Provided further that in exercising any such power or doing any such act or thing, the Council shall be subject to the provisions contained in that behalf in the Companies Act, 1956 or any other Act or in the Memorandum or Articles of the Exchange or in any regulation not inconsistent therewith and duly made thereunder, including regulations made by the Exchange in general meeting. No Regulation made by the Exchange in general meeting shall invalidate any prior act of the Council which would have been valid if that Regulation of the general meeting had not been made.

110. The Council may, from time to time, raise or borrow and may themselves lend and secure the payment of any sum or sums of money for the purposes of the Exchange.

111. The Council may with the like sanction, raise or secure the payment or repayment of such sums of money in such manner and upon such terms and conditions in all respects as it thinks fit and in particular by the issue of bonds, perpetual or redeemable debentures or debenture stock or any mortgage charge or other security charges upon all or any part of the property of the exchange both present and future.

112. Debentures, debenture-stock, and other securities may be made assignable free from any equities between the Exchange and the persons to whom the same may be issued.

113. Any debentures, debenture-stock, bonds or other securities, may be issued at a discount premium or otherwise and with any special privileges as to redemption, surrender and drawings.

RULE MAKING POWERS

114. Subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Rules framed thereunder, the Council shall be empowered to make Rules, Bye-laws and Regulations from time to time, for any or all matters relating to the conduct of the business of the exchange, the business and transactions of its members between members inter se as well as between its members and persons who are not members, and to control define and regulate all such Stock Exchange transactions and without prejudice to the generality of the foregoing to make Rules, Bye-laws and Regulations for all or any of the following matters, namely:

- (a) for the conduct of the business of the Exchange;
- (b) for the conduct of the business of the members of the Exchange with other members or with persons

who are not members, and to govern all matters relating to all contracts for the sale and purchase of shares, securities, debentures and all Stock Exchange securities of all kinds between members and any person who is not a member and all contracts which are or have been made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations, or usages of the Coimbatore Stock Exchange Limited;

- (c) for prescribing and defining at its discretion the consequences, and effect on any member of the Exchange being suspended or expelled or declared a defaulter under any of the provisions of the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange provided that no member so suspended, expelled or declared defaulter shall have the right to call in question the procedure followed or decision taken by the Council in this regard;
- (d) to prescribe and provide that in the event of any member being suspended, expelled or declared defaulter all pending contracts between such member and all other members of the Exchange be adjusted and closed irrespective of the performance for the said contracts not having expired, to provide and regulate and empower the Council or any Committee thereof to fix the prices and rates at which such contracts shall be adjusted and closed and to provide that all monies arising out of and becoming payable by other members no such adjustment and closing of contracts shall be payable to the Defaults Committee of the Exchange and shall be paid into a "special fund" and that such "special fund" shall stand charged with and shall be utilised for payment of all debts, claims and dues by such defaulter, expelled or suspended member to any member of the Exchange or to his clients in priority to all outside creditors.

- (e) Every member of the Exchange should take out an insurance policy as prescribed by Central Government for the benefit of his clients.

115. Notwithstanding anything to the contrary contained in these Rules, Articles and in any of the Bye-laws and Regulations of the Exchange for the time being in force, the Council shall be and is hereby invested with authority, power and discretion to take whatever steps it deems necessary from time to time.

- (a) to discipline members, authorised assistants, constituted attorneys of members;
- (b) to regulate the orderly trading in securities on the Exchange in all its aspects and from time to time take whatever steps or actions or measures deemed necessary by the Council to stabilise the market in securities in all its aspects;
- (c) to supervise, oversee and ensure orderly and timely settlement of contracts in securities, between members, *inter se*, and between members and their constituents, clients, investing public, by delivery and payment in terms of the contract issued and all consequential and follow-up actions for any or all matters relating to the conduct of the orderly business and functioning of the exchange, the business of members and transactions, contracts market obligations arising out of them, the due settlement of all such matters between members of the Exchange, *inter se*, as well as between members of the Exchange and any or all persons who are not members and to control and regulate all such Stock Exchange transactions any manner;
- (d) to fix and prescribe minimum floor price to securities whether listed on the Exchange or not and to fix and prescribe maximum ceiling prices for securities, or to take whatever steps or actions or measures to meet any situation when exigencies of the market prevailing or is likely to prevail so warrants in the view of the Council in its absolute and uncontrolled discretion for the effective and orderly functioning of the Exchange.

- (e) to terminate and compulsorily order squaring up of the contracts entered into between members, *Inter se*, and between members, and constituents/clients and persons who are not members even though the period of delivery and payment accordingly to the contract in terms of the Bye-laws and Regulations has not expired.
- (f) to prescribe cut off-dates for settlement of transactions to the contract in terms of the Bye-laws and opinion of the Council;
- (g) to introduce any time-bound or other programmes for settlement of any or all outstanding contracts at any time, whenever in the opinion of the Council such action is called for;
- (h) to discipline members in respect of all their Stock Exchange transactions;
- (i) to instruct and direct members to carry out any act for facilitating settlement of all contracts in securities as the Council in its discretion shall decide from time to time it is expedient and necessary to do so;
- (j) to take whatever measures are deemed necessary in the public interest for the smooth working of the Stock Exchange and in respect of settlement closing out, squaring up any or all transactions in securities between members and their constituents and clients.

116. Notwithstanding anything to the contrary contained in the Bye-laws and Regulations of the Exchange, the Council may, subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act 1956, make or amend any of the Bye-laws for the regulation of business in securities, settlement of contracts in securities and with regard to any or all other matters for the orderly functioning of the Stock Exchanges including discipline of the Members in respect of all transactions in securities, in addition to, or in modification or substitution of any of the Bye-laws and Regulations herein prescribed. In exercise of any of these powers conferred herein the Council shall be deemed to be vested with the fullest authority to take whatever steps are found necessary in times of emergency, corner or crisis or in any market situation wherein corrective measures are deemed necessary.

POWER TO AMEND RULES, ETC.

117. Subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Rules framed thereunder, the Council shall have the power, from time to time, to vary, amend or repeal or add to Rules, Bye-laws and Regulations framed in exercise of any powers conferred on the Council by these Rules and all such Rules, Bye-laws and Regulations shall come into force if the sanction of the Government, if any, required by the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Rules framed thereunder, has been previously obtained immediately on passing the same and otherwise immediately on such sanction being received.

118. Without prejudice to the general powers conferred by the last preceding Article, and other powers conferred by these presents, it is hereby expressly declared that the Council shall have the following powers that is to say power.

- (a) to pay the cost, charges and expenses preliminary and incidental to the promotion, formation, establishment and registration of the Exchange;
- (b) to purchase or otherwise acquire for the Exchange any property rights or privileges which the Exchange is authorised to acquire at such price and generally on which terms and conditions as it thinks fit; and subject to Section 293 of the Act to sell, let, exchange or otherwise dispose of absolutely or conditionally any part of the property, privileges and undertaking of the Exchange upon such terms and conditions and for such consideration as it may think fit;

- (c) Subject to the provisions of the Companies Act, 1956 at its discretion to pay for any property, rights, privileges acquired by or services rendered to the Exchange either wholly or partially in case or in bonds, debentures or other securities which may be specifically charged upon all or any part of the property of the Exchange;
- (d) to secure the fulfilment of any contracts or engagements entered into by the Exchange by mortgage or charge of all or any of the property of the Exchange for the time being, or in such other manner as it may think fit, but subject to the sanction, if any, required under Articles 110 to 113 above;
- (e) to appoint at its discretion suspend or remove Secretary, Accountant, Cashier, Registrars, Officers, Clerks and Servants permanent, temporary or special services as it may, from time to time, think fit, and to determine their powers and duties and fix their salaries or emoluments, if any, and to require security in such instances and for such amount as it thinks fit;
- (f) to appoint any person or persons (whether incorporated or not), to accept and hold in trust for the Exchange any property belonging to the Exchange or in which it is interested and to execute and do all such deeds, documents and things as may be requisite in relation to any such trust and to provide for the remuneration of trustee or trustees;
- (g) to institute, conduct, defends, compound or abondon any legal proceedings by or against the Exchange or its officers or otherwise concerning the affairs of the Exchange and also to compound with and allow time for payment in satisfaction of any debts due and of any claims or demands by or against the Exchange;
- (i) to make and give receipts, release and other discharges to arbitration and observe and perform the awards;
- (ii) to make and give receipts, releases and other discharges for money payable to the Exchange and for the claims and demands of the Exchange; it is hereby deilared that unless and until otherwise determined by the Council all cheques drawn on any banking account of the Exchange and all transfer of Government or other securities, promissory notes, drafts, hundies, bills of exchange, negotiable instruments and other documents shall be deemed to be sufficiently signed, drawn, accepted and endorsed or otherwise executed as the case may be for and or behalf of the Exchange. If signed by any one of the following namely the Secretary, official of the Exchange not below the rank of Deputy General Manager and by any one of the following namely the President the Vice President and the Treasurer for the time being of the Exchange;
- (j) to act on behalf of the Exchange in all matters relating to bankrupts and insolvents;
- (k) to appoint any person to be the attorneys or agents of the Exchange with such powers and upon such terms as may be thought fit;
- (l) Subject to Section 292 of the Act invest and deal with any of the monies of the Exchange not immediately required for purpose thereof upon such securities authorised by Law for investment of trust funds or in the first debentures of any reputable joint stock company or by deposit with any reputable bank as it may think fit, and, from time to time, to vary or realise such investments;

(m) subject to the provisions of the Companies Act, 1956 to execute in the name and on behalf of the Exchange in favour of any member or the Council or other person who may incur or be about to incur any personal liability for the benefit of the Exchange such mortgages of the Exchange's property (present and future) as it thinks fit and any such mortgage may contain power of sale and such other powers, covenants and provisions as shall be agreed upon;

(n) to enter into all such negotiations and contracts and rescind and vary all such contracts and execute and do all such acts, deeds and things in the name and on behalf of the Exchange as it may consider expedient for or in relation to any of the matters aforesaid or otherwise for the purposes of the Exchange;

(o) Subject to Section 293 of the Act to establish, maintain, support and subscribe to any charitable or public object and any institution, society or club which may be for the benefit of the Exchange or its employees or may be connected with any town or place where the Exchange carries on business; to give pensions, gratuities, or charitable aid to any member, members or to any person or persons who have served the Exchange or to the wives, children, or dependents of such member or members, person or persons that may appear to the Council just or proper, whether any such person, his widow, children or dependents have or have not a legal claim upon the Exchange, with the sanction of the general body of members by a resolution;

(p) to make and alter Rules and Regulations concerning the time and manner of payment of the contributions of the employees or others and the Exchange respectively to any such fund and the accrual, employment, suspension and forfeiture of the benefits of the said fund and the application and disposal thereof and otherwise in relation to the working and management of the said fund as the Council shall, from time to time, think fit;

(q) to appoint any advocate or attorney to be the standing council or specially for any case or matter and to pay such remuneration as it deems fit;

(r) subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and any Rules framed thereunder the subject to the provisions of any statutory enactment or of Rules thereunder, from time to time, vary and repeal Bye-laws and Regulations for the conduct of the business of the Exchange, its officers and servants and the relationships between members of the Exchange, and to make, vary and repeal Rules, Bye-laws and Regulations providing for the payment by members of recurring subscriptions, entrance fees and like contributions;

(s) to examine and investigate the financial condition, books, business conduct and dealings of members;

(t) to settle disputes, complaints, claims arising between members *Inter se* as well as between members and persons who are not members relating to any transaction in securities made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations and usages of the Exchange including settlement by arbitration in accordance with Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange in force from time to time;

119. Subject to Section 292 of the Act, the Council and any Committee thereof, may transact business and pass resolutions in circulation, provided that no resolution shall be deemed to have been duly passed by the Council or by a Committee thereof by Circulation, unless the resolution has been circulated in draft, together with necessary papers, if any, to all the members of the Council, or to all the members of the Committee, then in India (not being less in number than the quorum fixed for a meeting of the Council or Committee, as the case may be) and to all other members at their usual address in India, and has been approved by such of the mem-

bers of the Council or Committee as are then in India, or by a majority of such of them, as are entitled to vote on the resolution.

120. (a) No member of the Exchange shall continue as a member of the Exchange if he fails at any time to satisfy the eligibility criteria prescribed for membership or infringes any requirement prescribed in that behalf by the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or Rules.

(b) Where a member ceases to be a member under the provisions of the clause (a) hereof it shall be as if such member has been expelled by the Council and in that event the provisions relating to expulsion contained in these Articles and Bye-laws and Regulations shall apply to such member in all respects.

121. The Council may by a resolution passed by a majority of not less than two thirds of the members of the Council present subject to a minimum of six votes, fractions to be rounded off as one, expel any member from his membership in the following cases :

(a) Where a member fails or has failed to carry out any award made in arbitration proceedings held by the Exchange, or held under provisions of these presents, or under the Rules, Bye-laws and Regulations framed under any power conferred under these presents, within twenty one days of the making of the said award or such further period as the Council may extend on the written application of the party affected.

(b) Where a member has refused to submit to arbitration a dispute, which by the provisions of these presents, is required to be submitted to arbitration and institutes any suit or legal proceeding in contravention of the provisions of these presents.

122. Where any security deposit made by any member with the Exchange under Article 19 or any Rules, Bye-laws or Regulations has been attached by an order or any Court on behalf of any income-tax authority, Revenue Office, or by any authority or officer of the Government under any Law for the time being in force and if the member whose deposit has been so attached or encumbered fails to have such attachment canceled or removed within seven days or notice by the Exchange, notifying him of the service on the Exchange of such order of attachment and calling upon the member to have the said attachment removed or canceled the Council shall suspend the said member provided that any member whose deposit as aforesaid has been attached in the manner aforesaid pays into the hands of the Exchange within the said period of seven days a sum equal to the amount attached or the amount of the security deposit so attached, the Council shall not exercise its powers to suspend him under this clause so long as the said additional deposit so made is free of any attachment. The provisions of this clause shall apply to any attachment against the said additional deposit made in the like manner as to the original security deposit.

123. (a) The Council may, subject to the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Rules framed thereunder from time to time, make Bye-laws and Regulations for defining what acts or omissions constitute a member committing the same, a defaulter or what acts or omissions render him liable to expulsion, suspension, fine or withdrawal or suspension of rights and privileges of membership and other consequences.

(b) If any person becomes defaulter within the meaning so defined by the Bye-laws and Regulations made in that behalf as aforesaid, the Council shall declare him a defaulter and thereupon all the consequences and penalties arising therefrom as provided by the said Bye-laws and Regulations shall follow and be conferred.

(c) If any member is guilty of such conduct or act or omission that under the aforesaid Bye-laws and Regulations made in that behalf render him liable to suspension, expulsion or other consequences, the Council shall suspend, expel or impose other consequences on the member as the Council may deem fit.

(d) In exercising the said powers, the Council shall observe and follow the procedure respectively set out in that behalf in the aforesaid Bye-laws and Regulations.

124. The Council may expel or suspend and/or censure and/or warn and/or withdraw any of the membership rights of a member if he be guilty of contravention, non-compliance, disobedience, disregard or evasion of any of the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange or of any resolutions, orders, notices, directions or decisions or rulings of the Exchange or the Council or the President or the Executive Director or any Committee or officer of the Exchange authorised in that behalf or of any conduct, proceeding or method of business which the Council in accordance with the bye-laws and Regulations in force from time to time deems dishonourable, disgraceful or unbecoming a member of the Exchange or inconsistent with just and equitable principles of trade or detrimental to the interests, good name or welfare of the Exchange or prejudicial or subversive to its objects and purposes.

Provided that the Council, when it has found a member guilty of such conduct or acts as would entitle the Council to expel him may, at its discretion, instead of expelling, suspend him from all or any of the rights and privileges of a member for such period as the Council may deem fit or until the member has carried out or performed any lawful condition imposed by the Council in that behalf.

125. (a) No resolution of the Council expelling or suspending a member shall be passed or voted upon until and unless the member has been given an opportunity to explain the charges against him. Such member may appear at such meeting, or be represented by another member, or state his case in writing addressed to the Chairman of the meeting, who shall place it before the meeting.

(b) Any such resolution of the Council for expelling or suspending a member shall be passed by a majority of not less than two-thirds of the members of the Council present subject to a minimum of six votes, fractions to be rounded off as one.

126. The Council may expel or suspend and/or fine and/or censure and/or warn a member or his attorney, agent, authorised assistant or authorised clerk or employee for any act or omission which if done or omitted to be done by the member would subject him to the same penalties.

127. A member shall be fully responsible for the acts and omissions of his partnership firm and of his partners, attorneys, agents, authorised assistants, authorised clerks and employees and if any such act or omission be held by Council to be done which if done or omitted to be done by the member would subject him to any of the penalties as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange then such member shall be liable therefor to the same penalty to the same extent as if such act or omission had been done or omitted to be done by him personally.

128. A member shall appear and testify before and cause his partners, attorneys, agents, authorised assistants, authorised clerks, and employees to appear and testify before the Council or the President or the Executive Director or before a Committee or officer of the Exchange authorised in that behalf and shall produce and cause to be produced before the Council or the President or before a Committee or officer of the Exchange authorised in that behalf such books, correspondence, documents, papers and records or any part thereof which may be in his or their possession and which may be deemed relevant or material to any matter under inquiry or investigation or which the Council in its absolute discretion deems necessary in the interest of just and equitable principles of trade or in public interest and welfare of the Exchange and its members.

129. (a) The Council in its discretion may in any case suspend a member in lieu of the penalty of expulsion except cases covered by Article 120(b) or may withdraw all or any of the membership rights or impose a fine in lieu of penalty of suspension or expulsion and may direct that the guilty member be censured or warned or may reduce or remit any such penalty

on such terms and conditions as it deems fair and equitable.

(b) The Council may of its own motion or on appeal by the member concerned reconsider and may rescind, revoke or modify its resolution withdrawing all or any of the membership rights of fining, censuring or warning any member. In a like manner the Council may rescind, revoke or modify its resolution expelling or suspending any member.

(c) Provided any such resolution of the Council under clauses (a) and (b) hereof, shall be passed by a majority of not less than two-thirds of the members of the Council present, subject to a minimum of four votes, fractions to be rounded off as one.

(d) Provided that where any expulsion or other penalty as aforesaid is imposed in accordance with directions of the government or other authority issued in exercise of any powers conferred on them by the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or the Rules framed thereunder, then the Council shall not exercise the power, to rescind or revoke or modify the same except with the previous sanction of the authorities concerned.

130. If a member fails to pay any fine or penalty imposed upon him within fourteen days after notice in writing has been served upon him by the Exchange, he may be suspended by the Council until he makes payment and if within a further period of thirty days he fails to make such payment he may be expelled by the Council.

131. The suspension of a member shall have the following consequences namely,

(a) the suspended member shall during the term of his suspension be deprived of and excluded from all the rights and privileges of membership including the right to attend or vote at any meeting of the Exchange but he may be proceeded against by the Council for any offence committed by him either before or after his suspension and the Council shall not be debarred from taking cognisance of and adjudicating on or dealing with any claim made against him by other members;

(b) the suspension shall not affect the rights of the members who are creditors of the suspended member;

(c) the suspended member shall be bound to fulfil contracts outstanding at the time of his suspension;

(d) the suspended member shall not during the term of his suspension make any bargain on the floor of the Exchange or transact any business with or through a member provided that he may with permission of the Council close with or through a member the transactions outstanding at the time of his suspension;

(e) no member shall transact business for or with or share brokerage with a suspended member during the term of his suspension except, for the purpose of fulfilling or squaring outstanding positions, with the previous permission of the Council.

132. The expulsion of a member shall have the following consequences namely,

(a) the expelled member shall forfeit to the Exchange his rights of membership and all his rights and privileges as a member of the Exchange including any right to the use of or any claim upon or any interest in any property or funds of the Exchange but any liability of any such member to the Exchange or to any member of the Exchange shall continue and remain unaffected by his expulsion;

(b) the right of nomination shall vest in the Exchange and shall not be exercised by the expelled member;

(c) the expulsion shall create a vacancy in any office or position held by the expelled member;

(d) the expulsion shall not affect the rights of the members who are creditors of the expelled member;

(e) the expelled member shall be bound to fulfill transactions outstanding at the time of his expulsion and he may with the permission of the Council close such outstanding transactions with or through a member;

(f) no member shall transact business for or with or share brokerage with the expelled member except with the previous permission of the Council.

133. (a) The Council or the President or the Executive Director shall require a member to pay any additional security deposit that may be required from him under any Rules, Bye-laws or Regulations of the Exchange or otherwise and shall require a member to suspend his business when he fails to maintain or provide further security deposit as prescribed in these Rules, Bye-laws and Regulations and the suspension shall continue until he pays the necessary amount by way of security deposit.

(b) A member who is required to suspend his business under sub-clause (a) shall be expelled by the Council if he acts in contravention of the provisions of this Rule.

134. Notice shall be given to the member concerned and to the members in general by a notice on the notice board of the Exchange of the expulsion or suspension of or of the suspension of business by a member or of any other penalty imposed upon him or on his partners, attorneys agents, authorised assistants or authorised clerks or other employees. The Council may in its absolute discretion and in such manner as it thinks fit notify or cause to be notified to the members of the Exchange or to the public that any person who is named in such notification has been expelled, suspended, penalised or declared a defaulter or has suspended his business or ceased to be a member. No action or other proceeding shall in any or the Council or any member of the Council or the Executive Director or any officer or employee of the Exchange for the publication, or circulation of such notification and the application for membership or the application for registration as a partner, constituted attorney, or authorised assistant or authorised clerk or employee by the person concerned shall operate as licence and this Rule shall operate as leave to print, publish or circulate such advertisement or notification and be pleadable accordingly.

THE COMMON SEAL

135. The Council shall provide for a Common Seal for purposes of the Exchange and shall for the safe custody of the Common Seal shall never be used except by the authority of a resolution of the Council previously given and in the presence of two members of the Council at least, who shall sign every instrument to which the seal is affixed and every such instrument shall be countersigned by the Secretary or some other person appointed by the Council.

ACCOUNTS

136. The Council shall cause true accounts to be kept of the sums of money received and expended by the Exchange and the matters in respect of which of such receipts and expenditure take place and of the assets, credits and liabilities of the Exchange.

137. The books of accounts shall be kept at the registered office of the Exchange or at such other places as the Council may think fit.

138. The Council shall from time to time determine whether and to what extent at what times and places and under what conditions or regulations the accounts and books of the Exchange or any of them shall be open to the inspection of the members of the Exchange (not being members of the Council) and no member (not being a member of the Council) shall have any right of inspecting any accounts or books or documents of the Exchange except as conferred by law or authorised by Council or by the Exchange in general meeting.

139. (a) The Council shall lay before the Annual General Meeting of the Exchange a Balance Sheet and Profit and Loss Account or Income and Expenditure Account together with the report of the Auditors and the report of the Council in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956.

(b) (i) The income and property of the Exchange, whensover derived, shall be applied for the promotion of its objects as set forth in the Memorandum.

(ii) No portion of the income or property aforesaid shall be paid or transferred, directly or indirectly, by way of dividend, bonus or otherwise by way of profit to persons who, at any time, are, or have been, members of the Exchange or to anyone or more of them or to any person claiming through anyone or more of them.

(iii) No remuneration or other benefit in money or money's worth shall be given by the Exchange to any of its members, except payment of out-of-pocket expenses, reasonable and proper interest on money lent, or reasonable and proper rent on premises let to the Exchange.

(iv) No member shall be appointed to any office under the Exchange which is remunerated by salary, fees, or in any other manner not excepted by sub-clause (iii).

(v) Nothing in this clause shall prevent the payment by the Exchange in good faith of reasonable remuneration to any of its officers or servants (not being members) or to any other person (not being a member), in return for any services actually rendered to the Exchange.

AUDIT

140. Once at least in every year the accounts of the Exchange shall be examined and correctness of Profit and Loss, or Income and Expenditure Account and Balance Sheet certified by one or more Auditors. The provisions of the Companies Act, 1956 as to Auditors shall apply.

NOTICES

141. A notice may be given by the Exchange to any member either personally or by sending by post to him to his registered address.

142. Where a notice is sent by post, service of the notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the notice and unless the contrary is proved, to have been effected at the time at which the letter would be delivered on the ordinary course of post.

INDEMNITY

143. Subject to the provisions of the Companies Act, 1956, every member of the Council, Auditor, Executive Director, Secretary and other officer or servant of the Exchange shall be indemnified by the Exchange against and it shall be the duty of the Council out of the funds of the Exchange to pay all costs, losses and expenses which any such member of the Council, officer or servant may incur or become liable to by reason of any contract entered into or acts or things done by him as such member of the Council, officer or servant or in any way in the discharge of his duties including travelling expenses and the amount for which such indemnity is provided shall immediately attach as a lien on the property of the Exchange and have priority as between the members over all the other claims.

144. Subject to the provisions of the Companies Act, 1956, no member of the Council, Auditor, Executive Director, or other officer of the Exchange shall be liable for the acts receipts neglects or defaults of any other member of the Council, Executive Director or officer or for joining in any receipt of other acts for conformity or for any loss or expense happening to the Exchange through the insufficiency or deficiency of any security in or upon which any of the moneys of the Exchange shall be invested or for any loss, damage, etc., arising from the bankruptcy, insolvency or tortious act of any person with whom any moneys securities or effects shall be deposited or for any loss occasioned by any error of judgement omission, default or oversight on his part or for any other loss damage or misfortune whatever which shall happen in relation to the execution of the duties of his office or in relation thereto, unless the same happens through his own dishonesty.

WINDING UP

145. In the case of winding up or dissolution or merger or amalgamation of the Exchange with any other Stock Exchange, trade or commercial body, the net surplus assets of the Exchange after meeting all liabilities and the expenses of winding up or dissolution or merger or amalgamation shall not be paid to or distributed among the Members of the Exchange but shall be transferred or handed over to any other body or organisation or a company having objects similar to the objects of the exchange or to any body constituted mainly for the benefit of the public in the advancement of knowledge, commerce, or with objects beneficial to the advancement of any other of general public utility and the promotion of industry, commerce and art.

Sl. No.	Names, addresses, occupations and description of subscribers	Signatures
1.	K. G. BALAKRISHNAN, S/o Govindasamy, 134, Race Course, Coimbatore-641 018.	(Sd/-) K. G. Balakrishnan Industrialist President, The Indian Chamber of Commerce and Industry, Coimbatore.
2.	D. BALSUNDARAM, S/o V. Dorai Swamy Naidu, 139, Race Course, Coimbatore-641 018.	(Sd/-) D. Balasundaram. Industrialist.
3.	S. N. VARADARAJAN, S/o Narasimhan, 239, Alagesan Road, Coimbatore-641 011	(Sd/-) S. N. Varadarajan. Financial Consultant & Industrialist. Vice President, The Indian Chamber of Commerce and Industry, Coimbatore.
4.	N. SANKARAN, S/o Nagarathnam Iyer, 129, Sarojini Street, Ramnagar, Coimbatore-641 018	(Sd/-) N. Sankaran. Share Broker.
5.	K. RAJAMANICKAM, S/o Krishnasamy, 76, L. M. S. Street, Pappanaickenpalayam, Coimbatore-641 037	(Sd-) K. Rajamanickam. Share Broker.
6.	P. V. NATHAN, S/o Parameswaran, 241, Alagesan Road, Coimbatore-641 011	(Sd/-) P. V. Nathan. Share Broker.
7.	P. KRISHNAMOORTHY, S/o P. Kuppu Raimaya, 334-A, Thadagam Road, G. C. T. Post, Coimbatore-641 031	(Sd/-) P. Krishnamoorthy. Business. Secretary, The Indian Chamber of Commerce and Industry, Coimbatore.

Dated the Ninth Day of July, 1991 at Coimbatore.

(Sd/-)
P. R. VITTEL,
S/o P. N. Raghavendra Rao,
Chartered Accountant
33, Desabandhu Street,
Ramnagar,
Coimbatore-641 009.

For Coimbatore Stock Exchange Ltd.

Sd/- ILLEGIBLE
Director

BYE-LAWS
OF
COIMBATORE STOCK EXCHANGE
DEALINGS ON THE EXCHANGE

Business Days

1. The Stock Exchange shall be open on all days except on public holidays under the Negotiable Instrument Act, 1881 and such Exchange holidays as the Council of Management may declare in advance from time to time.

Alteration or Cancellation of Exchange Holidays

2. The Council of Management may from time to time alter or cancel any of the Exchange holidays fixed in accordance with these provisions.

Closure of Market

3. The Council of Management may by a resolution and for reasons to be recorded close the market on days other than or in addition to holidays.

Provided that the market shall not be so closed at any time continuously for a period exceeding three days except with the approval of the Central Government.

Provided further that when information regarding closure of the market is so conveyed as to reach the Central Government in the normal course within twenty-four hours the Council of Management may close the market as aforesaid continuously for any period exceeding three days without the approval of the Central Government till such time as the decision of the Central Government is communicated to the Exchange.

Closure of Market by President

4. The President may at any time close the market for twenty-four hours.

Trading Sessions on the Floor of the Exchange

5. Meetings of members for trading purpose to be called trading sessions shall be held on the floor of the Exchange on the days and during the hours prescribed in the relative Regulation or on such other days or during such other hours as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Altering Time of Trading Session

6. The Council of Management or the President may reduce, extend or otherwise alter the time of any trading session or sessions on the floor of the Exchange on any particular day.

Over-the-counter Business

Members may enter into bargains off-the-floor (over-the counter) before or after the hours of the trading sessions fixed in accordance with these provisions.

Trading Sessions Outside Prescribed Hours and Street Trading Forbidden :

8. Meetings of members for trading purposes shall not be held either on or off the floor of the HOUSE before or after the hours of the trading sessions fixed in accordance with these provisions and no calling out of prices, bids, or offers or trading in the street or at the enterances to or in the vicinity of the Stock Exchange shall be allowed.

Certified True Copy

For Coimbatore Stock Exchange Ltd.

V. DEVARAJU

Secretary

For Coimbatore Stock Exchange Ltd.

Sd/- ILLEGIBLE
Director

Who May be Admitted :

9. A member shall be entitled to admission to the floor of the HOUSE. An authorised assistant appointed by a member may also be allowed admission with the permission of the Council of Management. Unless the Council of Management otherwise allows no other person shall be admitted to the floor of the Exchange.

Who May not be Admitted :

10. A member who has not complied with the Capital Adequacy Norms or has not furnished such information as may be required by the Council or has not complied with the restrictions imposed by the Council on his volume of business or who has been suspended or expelled or declared a defaulter and his partners, authorised assistants, remisiers shall not be allowed admission to the floor of the Exch

Visitors :

11. A visitor may be allowed to visit the floor of HOUSE with the permission of the President or an offic

Admission to the Floor of the HOUSE

12. No person shall be admitted to the floor HOUSE unless he complies with the requirements in the relative Regulation or such other requir. Council of Management may from time to ti addition thereto or in modification or subst

Admission During Good Behaviour :

13. A person shall be admitted to Exchange only during good behaviour and observe the Rules, Bye-laws and Regulat. The HOUSE may in its absolute discreti to the floor to any person and may at terminate the right of admission of any assigning any reason whatever.

Management on the Floor of the E

14. The management on the floor regulatioin of the entrances thereto the employees of the HOUSE acting the Secretary.

Unit of Trading :

15. The unit of trading in number or for such amount may from time to time sp the unit of trading shall b lative Regulation or in s Management may from or substitution thereof.

Odd Lots :

16. All bargai unless an

marketable amount of the security has been done by actual purchase and sale at the rate or by and offer to sell or a bid to purchase a marketable amount of the security. Quotations of special or odd lots shall be marked as such.

Marketing When Expunged :

18. A price having been marked shall not be expunged except by order of the Council of Management or the President who may after calling for the names of the members who made the bargain and making the necessary inquiries withdraw a quotation which is considered to be inconsistent with the market value of the security or not the result of a bonafide bargain.

Daily Official List :

19. A Daily Official List of prices shall be issued by the Exchange.

Certified True Copy

For Coimbatore Stock Exchange Ltd.

V. DEVARAJU

Secretary

For Coimbatore Stock Exchange Ltd.
Sd/- ILLEGIBLE
Director

DEALINGS IN SECURITIES

Permitted Dealings

20. Dealings in securities shall be permitted on the Exchange as provided in these Bye-laws and Regulations. Save so provided no other dealings are allowed.

The Council of Management may Prohibit Dealings

21. The Council of Management may prohibit dealings in any security or securities for any cause.

Provided that except in cases of proposed increase or reduction of capital or payment of calls or other monies or conversion or sub-division or consolidation of securities or construction or reorganisation of the Company concerned such or similar other circumstances dealings shall not be prohibited at any time continuously for a period exceeding e days except with the approval of the Central Gov-

led further that when information regarding prohibited dealings is so conveyed as to reach the Central Govt. in the normal course within twentyfour hours the Management may prohibit dealings as aforesaid con for any period exceeding three days without the of the Central Govt. till such time as decision Central Government is communicated to the Exchange.

it Securities

tings are permitted in Government Securities term for purposes of these Bye-laws and Re ms denotes securities issued by the Govern India, State Governments, Port Trusts, Muni and similar other bodies.

ment Securities Deemed to be Admitted to om Date of Issue.

curities shall be deemed to be admitted to Exchange from the date on which

ment' Securities) Admitted to the Exchange

in securities (other than Gov from time to time admitted y the Council of Management ons in that behalf prescribed ns.

its discretion and Exchange per m for pur

pose to these Bye-laws and Regulations denotes Coupons, Fractional Certificates, Letters of Renunciation or transferable Letters of Allotment, Acceptance or Application or options or other rights or interests in securities issued or to be issued by a Company or other similar documents in respect of a Company whose securities are admitted to dealings or in whose securities dealings are permitted on the Exchange.

Dealings in Securities Dealt in on other Stock Exchanges

25. The Council of Management may in its discretion and subject to such conditions as it may deem proper permit dealings in any security or securities admitted to dealings on other Stock Exchanges or regularly dealt in on such Stock Exchange.

Specific Bargains

26. The Council of Management may permit specific bargains to be made in the case of securities of public Companies or corporate bodies not admitted to dealings on the Exchange.

Applications in respect of New Issues or Offers for Sale

27. Except when otherwise allowed by the Council of Management in any particular case and subject to compliance with such conditions as it may impose tenders or applications for subscription or purchase in respect of any floatation or new issue or offer for sale of any security shall not be submitted by or through members unless the issuer or offerer or the underwriter (or underwriters) or broker (or brokers) engaged by such issuer or offerer offers to all a fair and equal opportunity for subscription or purchase and the same terms as to brokerage to all the members of the Exchange and unless it is provided that all tenders and applications for subscription or purchase shall rank alike for allotment or sale irrespective of whether they be subject to brokerage or commission or not.

Underwriting, Placing and Preliminary Arrangements

28. (a) Except when otherwise allowed by the Council of Management in any particular case and subject to compliance with such conditions as it may impose a member shall not enter into an underwriting contract shall he contract either as principal or agent subscribe or purchase or to procure whether it the market or otherwise subscribers or pur nor shall he act or agree to act as broker or writer in connection with any floatation or any security of a nominal value exceeding five lakhs unless the issuer conforms or agrees to the listing requirements prescribed by these Bye-laws and Regulations and undertake to apply for admission of such security to dealing on the Exchange.

Placing Distinguished from Dealings

(b) Arrangements entered into either agent to subscribe or purchase or through the market or otherwise subscribers for a security as provided shall be deemed to be "placing" from "dealings" which term provision denotes transaction in dealing on the

Dealings Subject to

(c) Dealings or arrangements for admission to dealing

Placing not

(d) Except for specification of the Corporation as provided in the Bye-laws which deals

Arbitrage

29. Subject to any prohibition the Council of Management may impose in respect of any security or securities arbitrage is allowed in a security in which dealings are permitted. For the purpose of this provision arbitrage denotes the business of buying or selling securities in one market with the intention of reversing such transactions in another market in order to profit from price differences between such markets and which business is not casual but contains the element of continuity.

Dealings in Prospective Dividends Void

30. Dealings in prospective dividends are not permitted and all contracts for the purchase and sale of prospective dividends shall be deemed void.

Options in Securities Illegal

31. Options in securities are not permitted and all such dealings are illegal.

Application for Admission to Dealings

32. Applications for admission of securities to dealings on the Exchange shall be made to the Exchange in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Notice of Application for Admission to Dealings

33. A notice of any application for admission to dealings on the Exchange shall be posted on the notice board of the Exchange for the information of members at least one week previous to its consideration by the Council of Management.

Grant or Refusal of Admission to Dealings

The Council of Management shall consider and may in its discretion approve subject to such terms as it deems proper or reject any application for admission of the Company to dealings on the Exchange.

Listing Conditions and Requirements

The Council of Management may not grant admission of the Exchange to the securities of a Company with the listing conditions and requirements relative Regulation or such other conditions as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or in addition to the listing requirements Securities Contracts (Regulation) Rules incorporated in the aforesaid Regulation.

In particular case the Council of Management may waive or dispense with the strict listing requirements prescribed in the (Regulation) Rules 1957 to the extent that it may also by a resolution waive strict enforcement of any or all of the and requirements prescribed in the

registered Outside India

on the Exchange shall not be issued by a body corporate unless

public interest in such securi-

taining a place of busi-

to maintain a regis-

uirements

securities of such body corporate are admitted to dealings on any Stock Exchange outside India or the Council Management is satisfied otherwise.

Vendor's Securities

37. Admission to dealings on the Exchange shall not be granted to the securities issued by a Company to vendors and credited as fully or partly paid until six months after the date of issue. For the purpose of this provision securities issued as fully or partly paid to any person or persons or firm or corporation in consideration of the sale or transfer of property or business or in consideration of services rendered in the formation or promotion of the Company shall be deemed vendor's securities.

Fees

38. Companies whose securities are granted admission to dealings on the Exchange shall pay such fees as the Council of Management may from time to time determine.

Suspension of Admission to Dealings on the Exchange

39. Subject to provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act 1956 and the Securities Contracts (Regulation) Rules 1957 the Council of Management may suspend at any time the admission to dealings on the Exchange granted to any security for such period or periods as it may determine. At the expiration of the period of suspension the Council of Management may reinstate such security subject to such conditions as it deems fit.

Withdrawal of Admission to Dealings on Redemption or Conversion

40. The Council of Management may, if necessary withdraw admission to dealings granted to securities which are about to be exchanged or converted into other securities as a result of any scheme of reorganisation or reconstruction or which being redeemable or convertible securities are about to fall due for redemption or conversion.

Withdrawal of Admission to Dealings on Liquidation or Merger

41. If any Company be placed in final or provisional liquidation or is about to be merged into or amalgamated with another Company, the Council of Management may withdraw the admission to dealings on the exchange granted to its securities. The Council of Management may accept such evidence as it deems sufficient of such liquidation, merger or amalgamation. Should the merger or amalgamation fail to take place or should any Company placed in provisional liquidation be reinstated and an application be made for readmission of the securities to dealings on the Exchange the Council of Management shall have the right of approving, refusing or deferring such application.

Withdrawal of Admission to Dealings on the Exchange

42. Subject to the provision of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Securities Contracts (Regulation) Rules 1957 the Council of Management may by a resolution and where deemed necessary after giving an opportunity to the Company to explain, withdraw the admission to dealings on the Exchange granted to its securities either for breach of or non-compliance with any of the listing conditions or requirements or for any other reason whatsoever to be recorded in the minutes.

Readmission to Dealings on the Exchange

43. The Council of Management in its discretion may by a resolution readmit to dealings on the Exchange the securities of a Company whose admission to dealings has been previously withdrawn.

BARGAINS

Bargains, Transactions, Dealings and Contracts

44. For purposes of these Bye-laws and Regulations the terms 'bargain', 'transaction', 'dealing' and 'contract' shall have one and the same meanings unless the context indicates otherwise.

Listed & Permitted Securities

45. For purposes of bargains the securities in which dealings are permitted on the Exchange shall be distinguished as under:

- (i) Listed Securities, i.e., Securities admitted to dealings on the Exchange and placed by the Council of Management on the Listed Securities List, and
- (ii) Permitted Securities, i.e., Securities other than Listed Securities but are listed at least in any one of the Exchanges.

Conditions of Admission to the Listed Securities List

46. The Council of Management shall from time to time specify the securities admitted to dealings on the Exchange which shall be included in the Listed Securities List but no securities shall be so included unless the following conditions are satisfied, namely—

- (i) The securities are fully paid-up equity shares of a company other than a banking company.
- (ii) The securities have been admitted to dealings for atleast three years on any Stock Exchange recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, or in the case of a merger company the securities of the principal merging companies had been so admitted to dealings for atleast three years previous to the date of merger.
- (iii) The securities are not included in the Cleared Securities List of any other Stock Exchanges recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.
- (iv) The Company is of sufficient magnitude and public importance and the subscribed capital represented by the Securities is atleast Rs. 25 lakhs and their aggregate value at the ruling market price is at least one crore of rupees.
- (v) There is adequate public interest in the Company and atleast 49% of the capital represented by the securities is held by the public and such holdings are broadly and evenly distributed among a larger number of shareholders without any undue concentration in the hands of few persons.

Explanation : For purposes of sub-clause (v) of this provision the word 'Public' shall be deemed to exclude Directors, Managing Directors, Managing Agents, Secretaries and Treasurers and where the Managing Agents or Secretaries and Treasurers are a Partnership Firm or a private limited company the partners of such firm and members of such Company; the nominees and the husband, wife, brother, or sister of the person aforesaid and any private or public limited company in which such persons have a controlling interest or which is under their management or supervision.

Addition to or Suspension or Removal from the Cleared Securities List

47. The Council of Management may by a resolution from time to time add a security to the Cleared Securities List and may in like manner at any time suspend or remove any security from the List.

Bargains

48. Save as otherwise provided bargains in securities may be of the following kinds :

- (i) for "Spot Delivery", i.e., for delivery and payment on the same day as the date of the contract or on the next day;
- (ii) for "Hand Delivery", i.e., for delivery and payment within the time or on the date stipulated when entering into the bargain which time or date shall not be more than fourteen days following the date of the contract;

"Provided however that in the case of such shares as may be designated by the Governing Board as specified shares delivery and payment may be extended or postponed by the Governing Board by further periods of 14 days each, so that the overall period does not exceed 90 days from the date of the contract".

- (iii) for the "Clearing", i.e., for clearance and settlement through the Clearing House in the manner prescribed in these Bye-laws and Regulations;
- (iv) for "Special Delivery", i.e., for delivery and payment within any time exceeding fourteen days but not exceeding two months following the date of the contract unless extended by the Council of Management or the President, as provided in these Bye-laws and regulations.

Bargains for Spot Delivery, Hand Delivery and Special Delivery in all securities

49. Bargains for Spot Delivery, Hand Delivery and Special Delivery may be made in any security in which dealings are permitted on the Exchange.

Bargains for the Clearing in Non-Cleared Securities Void

50. Bargains for the Clearing shall only be made in Cleared Securities. All bargains for the Clearing in any other securities shall be deemed void.

Bargains in Government Securities and Debentures

51. (a) Bargains in Government Securities and in bearer and registered debentures admitted to dealings on the Exchange may be for spot delivery or for hand delivery or for special delivery.

Bargains in Government Securities and Debentures Deemed to be for Hand Delivery.

(b) Unless otherwise stipulated when entering into the bargain all bargains in Government Securities and in bearer and registered debentures admitted to dealings on the Exchange shall be deemed to be for hand delivery falling due for delivery and payment within the time or on the day or days prescribed in the relative Regulation or within such time or on such other day or days as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof provided that such time or day or days shall be not earlier than two business days and not more than fourteen days following the date of the contract.

Bargains in Cleared Securities Deemed to be for Current Clearing

52. (a) Bargains in Cleared Securities may be for spot delivery or for hand delivery or for special delivery or for the Clearing but unless otherwise stipulated when entering into the bargain all bargains in Cleared Securities shall be deemed to be for the current Clearing:

Provided however that when bargains in Cleared Securities are subject to any special stipulation or in other than the prescribed trading unit or multiples thereof such bargains shall be deemed to be for hand delivery.

Clearing Days

(b) The Council of Management shall fix in advance the first and the last business day of each Clearing and the various clearing days. The first business day of a Clearing shall not be more than 2 business days previous to and including the last business day of the preceding Clearing.

Bargains Beyond Ensuring Clearing Void

(c) No bargains in Cleared Securities made for a period beyond the current and ensuring Clearings shall be recognised and all such bargains shall be deemed void.

Carry-Over Bargains Deemed to be at Making-up Price

(d) Carry-over bargains in any Cleared Security shall be deemed to be at the making-up price fixed for the Security for the current clearing.

Performance of Bargains in Cleared Securities

(e) Bargains in Cleared Securities entered into during a Clearing may be closed by purchase or sale during the Clearing or carried-over to the ensuing clearing. All bargains entered into during the Clearing that remain outstanding at the close of business on the last business day shall be performed by delivery and payment on the days fixed for the purpose.

bargains in specified shares will be performed in the following manner.

Bargains in Specified Shares

52. A. Unless otherwise determined by the Governing Board, bargains in specified shares will be performed in the following manner.

- (a) All bargains shall be settled every 7 days hereinafter called a "settlement period" by delivery and payment or as the Governing Board may from time to time prescribe in addition thereto or in modification thereof.
- (b) The Governing Board shall fix in advance the first and last business day for each Settlement Period.
- (c) The bargains may be for spot delivery or for hand delivery or for special delivery or for the settlement but unless otherwise stipulated when entering into the bargain, all bargains shall be deemed to be for the current settlement.
- (d) Bargains in other than the prescribed trading unit or multiples thereof shall be deemed to be for hand delivery as defined in Bye-Law 48 (ii).
- (e) Bargains made for a period beyond the current and ensuing settlement periods shall be void.
- (f) Bargains carried over from one settlement to another shall be at the making-up price fixed for any security by the Executive Director or in his absence by the Secretary.
- (g) Bargains entered into during the settlement period may be closed by purchase or sale or carried over to the next settlement period. All other bargains which remain outstanding must be performed by delivery and payment on the days fixed for the purpose.
- (h) All the provisions in these bye-laws and regulations which are at present applicable to the settlement of bargains in cleared securities and which are not in conflict with the above will apply mutatis mutandis to the settlement of bargains in specified shares.

Bargains in Non-Cleared Securities (other than Government Securities and Debenture)

53. (a) Bargains in Non-Cleared Securities (other than Government Securities and bearer and registered debentures) admitted to dealings on the Exchange may be for spot delivery or for hand delivery or for special delivery.

Bargains Deemed to be for Hand Delivery

(b) Unless otherwise stipulated when entering into the bargain all bargains in Non-Cleared Securities (other than Government Securities and bearer and registered debenture) admitted to dealings on the Exchange shall be deemed to be for hand delivery falling due for delivery and payment within the time or on the day or days prescribed in the relative Regulation or written within such time or such other day or days as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof provided that such time or day or days shall be not earlier than two business days and not more than fourteen days following the date of the contact.

Bargains in Provisional Documents

54. Bargains in Provisional Documents shall be made and settled as determined from time to time in each case by the Council of Management.

Bargains in Non-Cleared Securities Other than Provisional Documents and Securities Admitted to Dealings on the Exchange

55. Bargains in Non-Cleared Securities other than Provisional Documents and securities admitted to dealings on the Exchange shall be made and settled in accordance with the provisions relating to Non-Cleared Securities (other than Government Securities and debentures) admitted to dealings on the Exchange in the manner and to the extent and subject to such modifications as may be from time to time specified by the Council of Management.

Bargains for Special Delivery

56. Bargains for special delivery may be entered into case of new issues or when securities are sent for renewal, subdivision, consolidation, conversion, exchange or registration or when securities are lodged for collection of interest, dividend, bonus or rights or when securities have to be received from abroad or when securities cannot be delivered for any other reason within fourteen days following the date of the contract provided the period of delivery does not exceed two months unless extended by the Council of Management or the President. All such bargains shall be reported to the Exchange in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form as the Council of Management may from time to time prescribe in modification or substitution thereof.

Specific Bargains

57. (a) Specific bargains may be entered into with the permission of the Council of Management or the President and applications for such permission shall be made in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form as the Council of Management may from time to time prescribe in modification or substitution thereof.

Specific Bargains Deemed to be for Spot Delivery

(b) All specific bargains entered into subject to these provisions shall be deemed to be for spot delivery.

Bargains Due on Other Than Business Days

58. All bargains other than for the Clearing which fall due on a day other than a business day shall mature on the succeeding business day unless otherwise agreed.

Extension or Postponement of Contracts by the Council of Management

59. Notwithstanding anything to the contrary contained in these Bye-laws and Regulations the Council of Management may by a resolution and for reasons to be recorded from time to time extend or postpone the time for performance of contracts in any security or securities whenever in its opinion such action is called for in the public interest or by just and equitable principles of trade or when circumstances beyond the control of either or both of the contracting parties make such action desirable.

Provided that except with the approval of the Central Government the time for performance of contracts shall not be so extended or postponed at any time for a period exceeding the period of one Clearing in the case of Cleared Securities and for a period exceeding fourteen days in the first instance and thereafter for a period exceeding seven days in the case of Non-Cleared Securities.

Extension of Postponement of Contracts by the President

60. Notwithstanding anything to the contrary contained in these Bye-laws and Regulations the President may in his discretion extend or postpone in any particular case the time for the performance of a contract in any Cleared Security or Securities from any one Clearing to the ensuing Clearing and in any Non-Cleared Security or Securities by a period not exceeding fourteen days.

Alteration of Clearing and Clearing Days

61. The Council of Management may by a resolution and for reasons to be recorded at any time curtail, extend, alter or postpone from time to time to any other date or dates the entire Clearing or any or all of the various clearing days in respect of any or all of the Cleared Securities:

Provided that except with the approval of the Central Government such extension or postponement shall not be at any time for a period exceeding the period of one Clearing:

Provided further that if in the case of Cleared Securities the Pay-in Day notified for any Clearing is extended or postponed by a period beyond one week the Council of Management shall fix a contango payable by the purchaser to the seller for such securities on the basis of the contango of the preceding Clearing.

For Coimbatore Stock Exchange Ltd.
V. DEVARAJU
Secretary

BARGAINS SUBJECT TO CAPITAL ADEQUACY AND MARGIN REQUIREMENTS**Margin Requirement**

62. Bargains in any security or securities shall be subject to the margin requirements prescribed in the relative Regulation or such other requirements as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Form of Margin Deposit

63. The margin to be furnished by a member under these Bye-laws and Regulations shall be provided by a deposit of cash or it may be provided in the form of a deposit receipt of a bank approved by the Council of Management or in Securities approved by the Council of Management subject to such terms and conditions as the Council of Management from time to time impose. Deposits of cash shall not carry interest and the securities deposited by a member valued at the ruling market price shall exceed the margin amount for the time being covered by them by such percentage as the Council of Management may from time to time prescribe.

Value of Margin Deposit to be Maintained

64. The member depositing margin in the form of securities shall always maintain the value thereof at not less than the margin amount for the time being covered by them by providing further security to the satisfaction of the Council of Management which shall always determine the said value and whose valuation shall conclusively fix the amount of any deficiency to be made up from time to time.

Margin Deposit to be held by the Clearing House

65. The margin deposits shall be held by the Clearing House and when they are in the form of Bank Deposit Receipts and securities, such receipts and securities shall be transferred to the names of the Trustees of the Exchange or to the name of a Bank approved by the Council of Management. All margin deposits shall be held by the Clearing House and/or by the Trustees of the Exchange and/or by the approved Bank solely for and on account of the Exchange without any right whatever on the part of the depositing member or those in his right to call in question the exercise of such discretion.

Letter of Declaration

66. A member depositing margin under the provisions of these Bye-laws and Regulations shall when required to do so sign a Letter of Declaration in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Lien on Margin Deposits

67. The monies, Bank Deposit Receipts and other securities and assets deposited by a member by way of margin under the provisions of these Bye-laws and Regulations shall be subject to a first and paramount lien for any sum due to the Exchange or to the Clearing House by him or by the partnership of which he may be a member and for the due fulfillment of his engagements, obligations and liabilities or of the partnership of which he may be a member arising out of or incidental to any bargains, dealings, transactions and contracts made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange or anything done in pursuance thereof.

Suspension on Failure to Deposit Margin/Capital

68. (a) A member failing to deposit margin/capital as provided in these Bye-laws and Regulations shall be required by the Council or the President or the Executive Director or the Secretary to suspend his business forthwith.

A member failing to deposit Capital/Margin as may be prescribed by the Council or failing to report reaching the 80% level of his prescribed volume of business or exceeding the prescribed volume of business in relation to his capital, shall

be required by the Exchange to suspend his business forthwith and shall not be permitted to enter the floor of the Exchange.

A notice of such a suspension shall be immediately posted on the notice board of the Exchange and the suspension shall continue so long as the default in this regard continues.

Penalty for failure to report on reaching 80% level of prescribed volume or failure to comply with Capital Adequacy/Margin Requirements

(b) Any member who has been required to suspend his business three times in a financial year in accordance with Bye-laws 68(a) shall be compulsorily referred to the Disciplinary Committee for deterrent disciplinary action and penalties.

Evasion of Margin Requirements Forbidden

69. A member shall not directly or indirectly enter into any arrangement or adopt any procedure for the purpose of evading or assisting in the evasion of the margin requirements prescribed under these Bye-laws and Regulations.

BARGAINS SUBJECT TO EMERGENCIES

Bargains in Securities Subject to Emergencies

70. All bargains in securities shall be deemed subject to the provisions relating to emergencies contained in these Bye-laws and Regulations.

Measures to Meet Emergencies

71. If in the opinion of the Council of Management an emergency exists or has arisen or is likely to occur or if in its opinion the conditions are such as to make free trading in securities extremely difficult the Council of Management made by a resolution take such action as it deems fit for stabilising the market. Without in any way limiting or derogating from the generality of this provision the Council of Management may proceed in such cases in the manner hereinafter provided.

Corner

72. (a) Whenever the Council of Management is of the opinion that a corner has been created in any security or securities or that a single interest or group has acquired such control of any security or securities that the same cannot be obtained for delivery on existing contracts except at prices or on terms arbitrarily dictated by such interest or group the Council of Management may by a resolution prohibit further dealings in such security or securities while allowing dealings for closing out or liquidation of existing contracts in such security or securities subject to such restrictions as it may determine notwithstanding anything to the contrary contained in these Bye-laws and Regulations.

Provided that further dealings shall not be so prohibited at any time continuously for a period exceeding seven days except with the approval of the Central Government.

Provided further than when information regarding prohibition of dealings is so conveyed as to reach the Central Government is the normal course within twenty-four hours the Council of Management may prohibit dealings as aforesaid continuously for any period exceeding three days without the approval of the Central Government till such time as the decision of the Central Government is communicated to the Exchange.

Suspension of Buying-In

(b) If the due date of delivery and payment fall during the pendency of the emergency the Council of Management may by a resolution suspend buying-in of the security or securities in which further dealings are prohibited under sub-clause (a) and in that event the Process of Tickets as prescribed in these Bye-laws and Regulations or such other process as the Council of Management may determine shall

apply to all existing contracts in such security or securities.

Suspension of Buying-In to Continue Till Emergency Abates

(c) The Council of Management may from time to time by a resolution suspend buying-in till the emergency abates whereafter further dealings in such security or securities may be allowed for spot or hand delivery subject to such restrictions as the Council of Management deems fit to impose:

Provided always that if any such security be a Cleared Security it shall be removed from the Cleared Securities List and shall not be readmitted to the Cleared Securities List till there is a proper distribution.

(d) If in the opinion of the Governing Board an emergency of the type referred to above has arisen in any security it may by a special resolution regulate the backwardation charges payable to the buyer by the seller.

Crisis

73. (a) In a crisis or in the cases of a panic or bear raid or of reckless heavy sales or when it appears that prices are unduly depressed or that a crisis is at hand or that a fair or normal market does not or may not exist the Council of Management may by a resolution for such period or periods as it may from time to time determine which period or periods shall not except with the approval of the Central Government at any time continuously exceed three days :—

(i) prohibit short selling in any security or securities; and/or

(ii) fix minimum prices below which sale or purchase of any security or securities shall not be made; and/or

(iii) close the market in whole or in part; and/or

(iv) prohibit further dealings in any security or securities while allowing dealings for closing-out or liquidation of existing contracts in such security or securities subject to such restrictions as it may from time to time determine notwithstanding anything to the contrary contained in these Bye-laws and Regulations.

Provided that when information regarding prohibition of short selling or fixing of minimum prices or closure of the market or prohibition of further dealings is so conveyed as to reach the Central Government in the normal course within twenty-four hours the Council of Management may prohibit short selling or fix minimum prices or close the market or prohibit further dealings as aforesaid for any period exceeding three days without the approval of the Central Government till such time as the decision of the Central Government is communicated to the Exchange.

Suspension of Selling out

(b) If the due date of delivery and payment fall within a period during which further dealings are prohibited in any security or securities or the market continues to be closed in whole or in part as provided in sub-clause (a) the Council of Management shall suspend selling-out in respect of all existing contracts in the security or securities in question till the market reopens. However the buyer shall be entitled to enforce delivery. In the event of the security or securities in question being on the Cleared Securities List the following additional provisions shall take effect namely :

(i) The Council of Management shall during the suspension of selling-out extend the time for payment from Clearing to Clearing till such time as the market reopens and the liabilities of intermediaries shall continue during the sus-

pension of selling-out. The buying member shall be entitled to enforce delivery in any of such Clearings and for that purpose the Process of Tickets as prescribed in these Bye-laws and Regulations or such other process as the Council of Management may prescribe shall apply. If the buying member after calling for delivery fails to take up and pay for such security on the due date he shall be liable to pay a penalty of two per cent irrespective of any other liability.

- (ii) The Council of Management shall fix the making-up prices for such security or securities in each Clearing and the contango for carrying over such security or securities from Clearing to Clearing on the basis of the ruling market rate of interest and the contango of the previous Clearing. For the first Clearing the making-up prices shall be slightly higher than the prices of such securities prevailing in the market prior to the suspension of business. For each subsequent Clearing the Council of Management may reduce the making-up prices as it may deem fit in the cases of each security. All contracts remaining unsettled at the end of each Clearing shall be carried over to the following Clearing at such making-up prices. All accounts shall be adjusted at such making-up prices and the difference shall be payable on the Pay-In Day so fixed extended for the Clearing.
- (iii) If a member be declared a defaulter during the closure all other members having dealings with him shall determine all outstanding contracts by closing-out against him at the prices fixed by the Council of Management on the day of the reopening of the market for dealings either for the Clearing or otherwise.
- (iv) If a constituent fails to pay on the Pay-in Day the differences due by him to his member broker, the latter shall determine all outstanding contracts by closing out against the constituent in the open market on or after its reopening for dealings either for the Clearing or otherwise. Such closing-out may be subject to stipulation for delivery in the course of the Clearing and any balance due on such closing-out shall be immediately payable by such constituent to his member broker.
- (v) If a member be declared a defaulter or fail to pay the difference due by him to his constituent on the day following the Settling Day the constituent may on or after the reopening of the market either for the Clearing or otherwise determine all outstanding contracts by closing them out in the open market against the defaulting member after giving him a notice in writing to that effect at any time during the period he continues to be in default. Such closing-out may be subject to a stipulation for delivery in the course of the Clearing and any balance due on such closing-out shall be immediately payable by the defaulting member to his constituent.

COMPARISON OF BARGAINS

Comparison of Contracts

74. It shall be the duty of members with a view to preventing mistakes to compare each contract on the business day following the one on which the bargain is made. But nothing in this provision shall be construed to justify a refusal by a party to compare a bargain at his office during reasonable hours on the day on which it is made if so desired by the other party.

Duty to Compare

75. It shall be the duty of either party to a contract to investigate each transaction which has not been compared in due time.

Methods of Comparison

76. Comparison of contracts shall be made according as the Council of Management directs either by the method of signing the entries in the transaction or contact books or by the method of Comparison or Confirmation Memos in accordance with the provisions prescribed in the relative Regulation or by such other method or methods as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Procedure for Comparison

77. The procedure to be followed for comparison of contracts and the regulation of all matters connected therewith shall be in accordance with the provisions contained in that behalf in the relative Regulation or such other provisions as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Failure to Compare

78. If a member fails to compare his contracts as provided in these Bye-laws and Regulations and if a difference which would have been discovered on such comparison is subsequently discovered the defaulting member shall not be entitled to call for performance of the contract except as it appears in the books of the other party to the transaction.

Discrepancies in Bargains

79. If during comparison a dispute arises as to whether a bargain has been entered into or not or if a difference in the respective contracts of the parties be discovered and if such dispute or difference be not immediately adjusted by mutual agreement the party intending to make a claim against the other must forthwith close-out the transaction in the open market by purchase or sale as the case may be so as to determine the amount of damages to be claimed and the dispute or difference shall then be referred to the Arbitration Committee for its adjudication.

PROCEDURE FOR SETTLEMENT OF BARGAINS

Settlement by Hand Delivery

80. All bargains in securities other than for the Clearing shall be settled outside the Clearing House by delivery and payment between the contracting parties in accordance with the provisions in that behalf contained in the relative Regulation or such other provisions as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Cross Deliveries

81. The selling member who has sold securities under the provisions of these Bye-laws and Regulations is to deliver the same to the buyer who is entitled under these Bye-laws and Regulations to receive from him delivery of securities of a like kind.

Settlement Through the Clearing House

82. All bargains for the Clearing in Cleared Securities shall be settled through the Clearing House by the process of making-up prices prescribed in the relative Regulation or by such other process or processes as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof. The Bye-laws and Regulations relating to the Clearing House shall be deemed to form a part of any settlement process so prescribed.

Delivery and Payment Through the Clearing House

83. Delivery and payment in respect of all bargains for the Clearing & Cleared Securities shall be made through the Clearing House.

All bargains entered on the floor of the Exchange must be delivered and paid for as per the settlement programme approved by the Council.

Provided, however, that any member who holds for account of his different constituents contracts both for sale and purchase in the same Clearing that offset each other shall be entitled to offset such contracts and in that case he shall be entitled to give and take delivery outside the Clearing House.

Delivery and Payment in Cleared Securities When Outside the Clearing House

84. It shall be competent to the Council of Management to order that delivery and/or payment in respect of all bargains entered into or to be entered into in any Cleared Security or Securities shall be effected outside the Clearing House.

Alteration of Making-up Prices

85. When the process of making-up prices is in-force the Council of Management may in the event of a member being declared a defaulter or in exceptional circumstances which shall be fully set out in the minutes alter the making-up prices at which all accounts in Cleared Securities are required to be temporarily adjusted and payment made or received. When the making-up prices are so altered all accounts shall be readjusted and payment shall be made or received at the altered making-up prices. In case of default however such readjustment of accounts shall be only between the parties having transactions with the defaulter.

Change in Settlement Procedure

86. It shall be competent to the Council of Management to order at any time that all contracts entered into or to be entered into in any security or securities shall be settled by any suitable process through the Clearing House instead of by hand delivery and vice versa.

Process of Tickets

87. When buying-in or selling out has been suspended and/or delivery postponed or in any other circumstances when the Clearing House and the resolutions, notices, directions it shall be competent to the Council of Management to order that all bargains in any Cleared and Non-Cleared Security or Securities shall be settled by the Process of Tickets in accordance with the provisions in that behalf contained in the relative Regulation or such other provisions as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof. In that event delivery and payment shall be made through or outside the Clearing House as the Council of Management directs.

Settlement Bye-laws and Regulations Form Part of Contracts

88. The Bye-laws and Regulations from time to time in force relating to any procedure for settlement of bargains and to the Clearing House and clearance of bargains through the Clearing House and the resolutions, notices, directions and decisions of the Council of Management or the President thereunder for the time being in force and posted on the notice board of the Exchange shall be a part of the terms and conditions of every contract in any Cleared and Non-Cleared Security or Securities.

Contracts Subject to Change in Settlement Procedure

89. The Council of Management may at any time resolve and through a notice in that behalf posted on the notice board of the Exchange bring into effect in respect of any bargains entered into or to be entered into in any Cleared or Non-Cleared Security or Securities any substitution of or any additions to, deletions from or variations, alterations or amendments in any settlement procedure or in any clearing process or in the time or the forms prescribed therefor.

Change in Scheduled Time

90. The scheduled time and hour to be observed in connection with the clearing and settlement of bargains in Cleared and Non Cleared Securities shall be as prescribed in the relative regulation for such other time and hour as the Council of Management may from time to time notify in modification or substitution thereof.

CLEARING HOUSE

Functions of Clearing House

91. The Exchange shall maintain a Clearing House which shall be under the control of the Council of Management. The Clearing House shall act as the common agent of the members for clearing contracts between members and for

delivering securities to and receiving securities from members and for receiving or paying any amounts payable to or payable by such members in connection with any of the contracts and to do all things necessary or proper for carrying out the forgoing purposes.

Liability of Clearing House

92. The Clearing House shall not be deemed to guarantee the title, ownership, genuineness, regularity of validity of any security, transfer deed or any other document passing through the Clearing House and the only obligation of the Clearing House in this matter shall be to facilitate the delivery and payment in respect of securities, transfer deeds and any other documents between members.

Liability of the Exchange

93. No liability shall attach either to the Exchange or the Council of Management or any Member of the Council of Management by reason of anything done or omitted to be done by the Clearing House in the course of its operations nor shall be Exchange or the Council of Management or any Member of the Council of Management be liable to answer in any way for the title, ownership, genuineness, regularity or validity of any securities, transfer deeds or any other documents passing through the Clearing House nor shall any liability attach to the Exchange, the Council of Management or any Member of the Council of Management in any way in respect of such securities, transfer deeds and any other documents.

Liability of Member

94. No liability shall attach to any member of the Exchange for any delay on the part of the Clearing House in the course of its operation.

Clearing Particulars

95. The Exchange shall submit to the Central Government as soon as may be after each Clearing all or any of the following particulars as the Central Government may from time to time require namely :

- (i) the total number of each category of security carried over from one Clearing to another.
- (ii) the total number of each category of security contracts in respect of which have been squared up during the course of each Clearing; and
- (iii) the total number of each category of security actually delivered at each Clearing.

The Exchange shall arrange for the publication of all or any of the above particulars according as the Central Government from time to time directs.

Clearing House to Deliver Securities at Discretion

96. (a) The Clearing House is entitled at its discretion to deliver securities which it has received from a member (or to instruct a member to give direct delivery of securities which he has to deliver) under these Bye-laws and Regulations to another member who is entitled under these bye-laws and Regulation to receive delivery of securities of a like kind.

(b) Member giving and receiving delivery as provided in sub-clause (a) shall be deemed notwithstanding that no direct contract exists between them to have made a contract with each other as sellers and buyers. However the rights and liabilities of such members in relation to their immediate contracting parties shall not be deemed to be affected thereby except that the selling member who is the immediate contracting party of the receiving member shall be (unless he be himself the delivering member) released from all responsibility in regard to the title, ownership, genuineness, regularity and validity of the documents received by the receiving member and in regard to the loss and damages arising therefrom which shall be dealt with in accordance with the Bye-laws and Regulation relating to Documents and Registration.

Release of Intermediaries

97. If a member delivers securities outside the clearing House except when so provided in these Bye-laws and Regulations or so directed by the Council of Management members making and accepting such delivery shall release all intermediate parties from all liabilities. The deliverer shall alone remain responsible to the receiver.

Council of Management Trustees

98. All sums of money paid into the Clearing House and all credits appearing in the books of the Clearing House on account of any member entitled thereto shall be held by the Council of Management on behalf of the Exchange as agents and in trust for such member. The making of such payment or credit entry shall be deemed and taken to be a payment credit to such member. No other member shall be entitled to levy any attachment or execution thereon and neither the Exchange nor any member thereof nor any other person shall subject to any law for the time being in force be deemed to have right, title or interest in or to any such money or credit.

Authority to Pledge

99. (a) The Council of Management shall have the right to borrow money against and pledge for the payment thereof all or any part of the securities held by the Clearing House for the account of any member who fails to take up and pay for such securities on the Pay-in-Day.

Amount of Loan

(b) The amount for which securities may be pledged as provided in sub-clause (a) shall not exceed their value at the ruling market price and it shall be paid to the members who delivered such securities to the Clearing House in accordance with these Bye-laws and Regulations.

Selling Out

(c) The securities not taken up and paid for shall be sold-out by the Council of Management in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to closing-out.

No Lien on Constituent's Securities

100. When a member is declared a defaulter neither the Exchange nor the creditors of the defaulter shall be entitled to any lien on the securities delivered by him to the Clearing House on account of his constituents. A constituent shall on offering proof considered satisfactory by the Council of Management or the President that such securities were so delivered on his behalf be entitled to receive from the Clearing House, according as the Council of Management or the President directs either such securities or the value thereof at the altered making-up price subject to payment or deduction of the amount if any due by him to the defaulter.

Sub-Division of Certificates, Split Receipts and Certified Transfer Deeds

101. In respect of securities so specifically designated by the Council of Management the Clearing House may act for its members in procuring sub-divided certificates or provisional documents or split receipts or certified transfer deeds and may in such cases also issue its own Split Receipts and where the company agrees to certify the transfer deeds.

Sub-Division

102. When the delivering member has a certificate or a provisional document of a larger denomination than the amount of securities to be delivered or only one certificate representing securities conveyed by two or more transfer deeds the certificates or provisional documents may be deposited with the Clearing House. Thereupon the Clearing House shall at the depositor's risk forward them to the office of the Company and either certify the transfer deeds to that effect or procure the sub-divided certificates or provisional documents or split receipts or certified transfer deeds from the Company.

Clearing House Split Receipts

103. (a) In respect of securities so specifically designated the Clearing House may on a member depositing a certificate or provisional document of large denomination issue its own Clearing House Split Receipts in the form contained in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Title to Clearing House Split Receipts

(b) Title to the Clearing House Split Receipts is transferable with the same effect as in the case of original certificates or provisional documents.

Exchange of Clearing House Split Receipts

(c) The Clearing House shall deliver the new certificates or provisional documents or split receipts or certified transfer deeds issued by the Company on presentation and surrender of the Clearing House Split Receipts duly discharged by the members to whom they have been issued.

Procedure to be Prescribed by the Council of Management

104. The Council of Management shall from time to time prescribe the fees to be paid and the procedure to be followed for sub-division of documents certification of transfer deeds and issue of Clearing House Split Receipts.

No Responsibility in regard to Sub-Division and Certification

105. The Exchange, the Council of Management, the Clearing House and their officials shall not be liable or responsible for the due or accurate performance of any duties in connection with the issue of Split Receipts or certification of transfers nor for the verification of documents presented to them for sub-division or certification nor for any duties in connection with the transmission of certificates or other documents to the Company nor for any loss arising from the certification of forged transfers or from issue of Clearing House Split Receipts or certification of transfers against forged certificates or forged documents nor for the execution, mis-execution or non-execution of the duties in question.

Clearance by Members Only

106. Members only shall be entitled to clear and settle contracts through the Clearing House.

Delivery and Payment through Clearing Member Banks

107. The Clearing House shall maintain a list of Banks, Trust Companies and other firms approved by the Council of Management (hereinafter called Clearing Member Banks) which may act for members and their constituents in giving and taking delivery of securities, transfer deeds and any other documents and in making and accepting payment for the same in the manner prescribed in these Bye-laws and Regulations.

Clearing Member Banks to Observe Bye-laws and Regulations

108. Clearing Member Banks must agree to abide by the Bye-laws and Regulations relating to delivery, payment and the clearing and settlement of transactions through or as directed by the Clearing House and the resolutions, orders, notices, directions and decisions of the Council of Management or the President thereunder.

Inclusion in or Removal from Approved List

109. The Council of Management may at its sole discretion from time to time add names to the list of Clearing Member Banks and remove names therefrom.

Notices and Directions

110. All members and Clearing Member Banks shall comply with the instructions, resolutions, orders, notices, directions and decisions of the Council of Management in all matters connected with the operations of the Clearing House.

Clearing House Procedure to be Prescribed by the Council of Management

111. The procedure to be followed by members and Clearing Member Banks for transaction of all business necessary to be transacted in all matters connected with the operations of the Clearing House and the fees, fines and penalties to be paid shall be in accordance with the provisions prescribed in the relative Regulation or such other provisions the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Prescribed Banks

112. The Council of Management may from time to time prescribe the bank or banks with whom all members shall maintain an account for the purpose of clearing operations.

Clearing Forms to be Prescribed

113. All Clearing Forms (which term shall include Clearance Lists, Delivery and Receive Orders, Statements Sheets, Balance Sheets, Claim Notes, Vouchers and other forms and documents) used for the purpose of the Clearing House shall be in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Penalty

114. The Council of Management or the President may from time to time prescribe the penalty to be imposed in every case of failure by any member to comply with the Bye-laws and Regulations relating to the Clearing House and the clearance and settlement of transactions through the Clearing House and the resolutions, orders, notices, directions and decisions of the council of Management or the President thereunder or for any error or omission or illegible entry in filling up any form or other documents required by the Clearing House in the course of its operations or for any delay in submitting any such forms or documents to the Clearing House.

False of Misleading Statements

115. The Council of Management may fine, suspend or expel and the President may fine or suspend a member who makes any false or misleading statement in the Clearing Forms required to be submitted to conformity with these Bye-laws and Regulations or any resolution, orders, notices, directions and decision of the Council of Management or the President thereunder.

Charges of Clearing

116. The Council of Management shall from time to time prescribe the scale of clearing charges for the clearance and settlement of transactions through the Clearing House.

Clearing House Bills

117. The Clearing House shall periodically render bills for the charges, fees, fines, and other dues payable by members to the Exchange as well as the charges, fines and other dues payable on account of the business cleared and settled through the Clearing House and debit the amount payable by members to their accounts. All such bills shall be paid within a week of the date on which they are rendered.

INTEREST, DIVIDENDS, RIGHTS AND CALLS

Buyer and Seller

118. For purposes of these Bye-laws and Regulations unless the context indicates otherwise the term "buyer" includes the buying constituent and the buying member acting as his broker and agent and denotes the buying member when he is dealing on his own account as a principal. Similarly unless the context indicates otherwise the term "seller" includes the selling constituent and the selling member acting as his broker and agent and denotes the selling member when he is dealing on his own account as a principal.

Interest, Dividends and Rights

119. The buyer shall be entitled to receive all vouchers, coupons, dividend, cash bonus, bonus issues rights and other privileges which may appertain to securities brought cum

voucher, cum coupon, cum dividend, cum cash bonus, cum bonus cum rights etc. and the seller shall be entitled to receive all vouchers, coupons, dividend, cash bonus issues right and other privileges which may appertain to securities sold ex-voucher ex coupon, ex dividends, or ex cash bonus, ex bonus, ex rights etc.

Bargains in Government Securities and Debentures Not to Include Accrued Interest

120. (a) Bargains in Government Securities and bearer or registered debentures shall be deemed not to include the accrued interest in the price and such bargains shall be subject to the accrued interest being accounted for between buyer and seller. Provided that when interest has not been paid the issuer on any bearer or registered debentures within thirty days from the due date or such other shorter period from the due date as the Council of Management may determine bargains in such debentures shall be deemed to include the accrued interest in the price and the seller shall not be entitled to claim from the buyer interest either for the current period or for the earlier periods remaining unpaid unless it is expressly stipulated otherwise when entering into the bargain.

Payment of Accrued Interest

(b) When the accrued interest is not deemed to be included in the bargain price the seller shall be entitled to receive from the buyer the interest accrued to the day of payment less the amount of Income tax including surcharge if any deductible at source.

Accrued Interest When Not Payable

(c) When the seller fails to deliver the securities on the due date of delivery interest shall cease and the buyers shall not be liable to pay the accrued interest after the date on which the delivery should have been made.

Accrued Interest or Interest at Bank Rate

(d) When the buyer fails to pay for the securities on the date on which the contract falls due the seller shall be entitled to claim either the interest accrued upto the date on which the payment is actually made or interest at the Bank Rate for the days between the day on which payment should have been made and the day on which the payment is actually made whichever of the two is higher.

Government Securities and Bearer Securities When Cum and Ex Voucher or Coupon

121. Bargains in Government Securities and bearer securities shall be ex-voucher and ex-coupon when so stipulated at the time of the bargain. In the absence of any such stipulation such bargains shall be deemed ex-coupon from the date on which the interest becomes payable.

Members When Liable for Vouchers and Coupons

122. In respect of cum voucher and cum coupon bargains in Government Securities and bearer securities the buyer shall be entitled to receive from the seller Government Securities with the interest due for the period undrawn and bearer securities with the coupon sheet attached. When such securities are delivered after collecting the interest for the period or without the vouchers or without the coupons due for encashment the full amount of Income-tax deducted on the vouchers or coupons shall be paid by the seller to the buyer in lieu of the missing vouchers or coupons.

Bargains When Cum and Ex Dividend or Cash Bonus

123. (a) "RESOLVED that with effect from 1st January 1968 unless it is otherwise notified all bargains in non-cleared securities shall be ex-dividend and ex-cash bonus from the date on which the Register of Members is closed for the purpose or when the Register of Members is not so closed

from the record date fixed for the purpose and all bargains in cleared securities shall be ex-dividend or ex-cash bonus from the first day of the clearing commencing from or following such date".

Delay When Information Not Available

(b) If information regarding the dividend or cash bonus be not available to the Exchange for the security to become ex dividend or ex cash bonus as provided in sub-clause (a) all bargains in Non-cleared Securities (other than Government Securities and debentures) shall be ex dividend or ex cash bonus from the date following the date on which the dividend or cash bonus is known and all bargains in Cleared Securities shall be ex dividend or ex cash bonus from the first day of the Clearing commencing from or following such date.

Members Responsible for Adjustment In respect of Ex Dividend or Ex Cash Bonus Bargains

124. On receipt of official information by the Exchange cancelling or altering the declaration of a dividend or cash bonus all ex dividend or ex cash bonus bargains entered into before such date shall be subject to modification. If the declaration of a dividend or cash bonus be cancelled the ex dividend or ex cash bonus price shall be increased by the amount of the dividend or cash bonus and if there be a decrease or increase in the dividend or cash bonus declared the ex dividend or ex cash bonus price shall be increased or decreased by a corresponding amount. The difference in respect of ex dividend or ex cash bonus bargains entered into and settled before such date shall be immediately adjusted between the buyer and the seller and the members shall be personally responsible between themselves and to their constituents for effecting such adjustment. Ex dividend or ex cash bonus bargains which have been entered into but not settled before such date shall be completed on the footing of the revised prices.

When Bargains Cease to be Ex Dividend or Ex Cash Bonus

125. On receipt of official intimation by the Exchange cancelling the declaration of a dividend or cash bonus all bargains thereafter shall be entered into as if the security had not become ex dividend or ex cash bonus.

Deduction from Cum and Dividend or Cum Cash Bonus Purchase Price

126. (a) In respect of a cum dividend or cum cash bonus transaction the buyer may deduct from the purchase price the dividend or cash bonus recommended or declared to which he is entitled provided the securities are delivered to him by the seller or by the clearing House on the seller's behalf less than five days before the record date or date of closure of the Transfer Books for the purpose of dividend or cash bonus in the case of Companies whose registered offices are situated in India and less than fourteen days before such date in the case of Companies whose registered offices are situated outside India. When the dividend or cash bonus is not known the buyer may provisionally deduct from the purchase price the amount of dividend or cash bonus paid in respect of the corresponding proceedings period by the Company or such other amount as the Council of Management or the President may fix and notify in the behalf.

Members Responsible for Adjustment in respect of Cum Dividend or Cum Cash Bonus Bargains

(b) If securities in respect of which the amount of dividend or cash bonus has been deducted from the cum dividend or cum cash bonus price by the buyer are lodged for registration with the company before the Record date or date of closure of the Transfer Books of the Company for the purpose of dividend or cash bonus or if the actual dividend or cash bonus subsequently declared or paid by the company be different from the

amount deducted from the cum dividend or cum cash bonus purchase price the dividend or cash bonus or the difference (as the case may be) shall be immediately adjusted between the buyer and the seller and the members shall be personally responsible between themselves and to their constituents for effecting such adjustment.

Claim Within Four Months

127. All claim in respect of vouchers, coupons, interest, dividends or cash bonus shall be adjusted as provided herein within four months from the date of payment of the interest, dividend or cash bonus and members shall not be personally responsible between themselves or to their constituents thereafter.

Bargains in Cleared Securities When Cum and Ex Bonus or Rights

128. All bargains in Cleared Securities shall be ex bonus or ex rights from such date as the Council of Management or the President may fix and notify in that behalf. All transactions before that date shall be deemed to be cum bonus and cum rights.

Bargains In Non-Cleared Securities When Cum and Ex Bonus or Rights

129. (a) All bargains in Non Cleared Securities (other than Government Securities and debentures) shall be ex bonus or ex rights from the date of declaration of bonus issue of rights by the Company or the receipt of statutory sanction therefor where necessary or from the date on which the Transfer Books of the Company reopen after the closure for the purpose of bonus issue or rights or from the date following the record date fixed for the purpose whichever is later : provided that the Council of Management or the President may fix and notify any other date from which bargains shall be ex bonus or ex rights. All transactions before such date shall be deemed to be cum bonus or cum rights.

When Ex Bonus or Rights If Information Non Available

(b) If information regarding the bonus issue or rights be not available to the Exchange for the security to become ex bonus or ex rights as provided in sub-clause (a) all bargains in Non-Cleared Securities (other than Government Securities and debentures) shall be ex bonus or ex rights from the date following the date on which such information becomes available to the Exchange.

Temporary Settlement

130. (a) In respect of a cum bonus or cum rights transaction when the securities are delivered to the buyer by the seller or by Clearing House on the seller's behalf on or after the record date or date of closure of the Transfer Books for the purpose of bonus issue or rights the buyer may deduct from the purchase price an amount equivalent to the proportionate value of the bonus issue or rights to which he is entitled or such other amount as the Council of Management or the President may fix and notify in that behalf and retain such amount with himself as a deposit in the case of Non-Cleared Securities or deposit it with the Clearing House in the case of Cleared Securities. The buyer may also make such deduction and in respect of both Cleared and Non-cleared Securities he shall deposit the amount with the Clearing House or the Exchange when the securities are delivered to him during the period of five days preceding the record date or date of closure of the Transfer Books for the purpose of bonus issue or rights in the case of Companies whose registered offices are situated in India and during the period of fourteen days preceding such date in the case of Companies whose registered offices are situated outside India.

Payment of Deposit

(b) The amount retained as a deposit by the buyer or deposited with the Clearing House or the Exchange representing the balance due on the contract as provided in sub-clause (a) shall be paid to the seller when he delivers the bonus issue or rights at any time on or before the date fixed

by the Council of Management or the President for the purpose.

Buying-In

(c) If the seller fails to deliver the bonus issue or rights within the prescribed time the buyer shall be entitled to buy-in against him in accordance with the Bye-laws and Regulations relation to closing-out.

Letters of Renunciation

131. Bonus issues and rights shall be letters of renunciation when such letters are issued by the Company. When proper letters of renunciation are delivered or tendered to the buyer on or before the fifth day preceding the date fixed for the receipt of applications by the Company or before such other date as the Council of management or the president may fix and notify in that behalf the seller shall be relieved of all further liability in respect of such bonus issues or rights. A member shall not be bound to accept letters of renunciation not tendered within the prescribed time.

Non-Delivery of Letters of Renunciation

132. If the settlement of claims to bonus issues or rights be not made by letters of renunciation by reason of the failure of the seller to deliver such letters within the prescribed time the seller shall be responsible for obtaining the bonus issues or rights and the buyer shall not be under any obligation to pay for the rights in advance. The seller shall also be responsible to the buyer for the extra expense of transfer if any.

Application for Rights

133. (a) In respect of a cum rights transaction when the buyer is entitled to the new securities issued in respect of old the buyer shall unless otherwise ordered by the Council of Management or the President specially claim them in writing from the seller on or before the fifth day preceding the date fixed for the receipt of applications by the Company.

Seller's Liability and Duty

(b) Notwithstanding what contained in sub-clause (a) if the seller be in possession of the new securities he shall be responsible for them to the buyer if claimed by the buyer on the date following the last day fixed for the receipt of applications by the Company. Should the seller not be in possession of the new securities he shall be bound to render every assistance to the buyer in tracing them.

Payment in respect of Rights

134. (a) When letters of renunciation are not issued all payments as and when required by the Company in respect of rights are to be advanced to the seller by the buyer.

Selling Constituent Trustee for the Buying Constituent

(b) The amount in respect of rights shall be paid by the buyer to the seller in sufficient time from the amount to be paid to the Company and the buyer may demand a receipt for the same. In such cases members shall not be personally responsible and the selling constituent shall be deemed a trustee for the buying constituent in respect of such payments.

Buyer to Bear Transfer Expenses

(c) When letters of renunciation are not issued by the Company the expense of transferring the rights to the name of the buyer shall be borne by the buyer.

Members When Liable for Dividend or Rights

135. (a) In respect of cum dividend, cum cash bonus or cum bonus or cum rights bargains members shall be personally responsible for the dividend cash bonus issue or rights on the securities only when such securities are delivered to the buyer by the seller or by the Clearing House on the seller's behalf less than five days before the record date of date of closure of the Transfer Books for the purpose of dividend, cash bonus, bonus issue or rights.

Rights and Obligations of Buying and Selling Constituents and Transferrors

(c) Members shall not be liable between themselves or to their constituents for dividend, cash bonus, bonus issue or rights save as provided in sub-clause (a) but nothing contained therein shall affect the rights and obligations of the buying and selling constituents (which terms shall where the buying members and/or selling members have dealt on their own account as principals include such members) between themselves as principals or the liability of the transferrors in respect of such dividend, cash bonus, bonus issue or rights.

Payments of Calls by Seller Where Obligatory

136. If securities have been purchased on condition that they should be paid up in respect of a particular call (with interest or other charges if any) and the selling constituent has not paid the same the buyer may claim from the seller the call money so payable and shall be entitled to set off such call money against the price.

Payments of Calls by Seller Where Optional

137. (a) A seller of partly paid securities may previous to delivery pay any call made on the securities though the last day fixed for payment of such call may not have expired. The seller shall be entitled to claim the call money so paid from the buyer and may add the same to the purchase price.

Seller to Bear Extra Stamp Duty

(b) When the seller has paid a call before the expiry of the last day fixed for payment the extra stamp duty to be paid as a result thereof shall be borne by the seller and the buyer may deduct the same from the purchase price.

Payments to Calls by Buying Constituent

138. The buying constituent shall pay every call on contribution which becomes payable after delivery of the certificate and transfer. However he shall not be obliged to pay such call contribution if the Company refuses to register the transfer on account of lien. In any other case if the buying constituent fails to make such payment and the selling constituent is compelled to pay the same the selling constituent shall be entitled to recover the same from the buying constituent notwithstanding that the buying constituent applied to the Company to transfer the shares and that the Directors of the Company refused to transfer.

Members Non Liable for Calls

139. Save as provided in those Bye-laws and Regulations no member shall in respect of any bargain made by him on behalf of a constituent and as broker only be deemed personally liable or responsible in any way to any party for the payment of calls made by a Company.

Company in Liquidation

140. If a Company be wound up at the date of the contract or between the date of the contract and the due date of delivery the buyer shall nevertheless pay to the seller the purchase money and the seller shall be entitled to recover from the buyer any contribution or call required to be paid even though the liquidator refuses to consent to the transfer. If the buyer or his nominee cannot get the securities transferred to his name the seller shall if required to do so by the buyer and at the buyer's cost arrange for the assignment of the transferor's title to and the rights in the securities to the buyer or his nominee and for the execution of an irrevocable Power of Attorney in favour of the buyer or his nominee to enable him to recover any return of capital and dividends becoming payable after the date of the contract in respect of the securities bought.

Delivery of Equivalent Securities

141. In respect of a contract in securities which shall become or are exchangeable for new or other securities under a scheme of reconstruction or reorganization the seller shall

deliver to the buyer according as the Council of Management directs either the securities contracted for or the equivalent in securities and/or cash and/or other property receivable under such scheme of reconstruction or reorganization.

DELIVERY OF SECURITIES

Place of delivery and Payment

142. The delivery of all documents and papers and the payment in respect of all contracts to which these Bye-laws and Regulations apply shall be within the jurisdiction of the city of and the parties shall be bound and deemed to give and take delivery in Coimbatore.

Which Documents Good Delivery

143. The documents specified in the relative Regulation or such other documents as the Council of Management may from time to time specify in addition thereto or in modification or substitution thereof shall constitute good delivery when tendered in fulfillment of contracts to which these Bye-laws and Regulations apply.

Delivered in Prescribed Lots and Renewal Fees

144. The lots in which documents are to be delivered in settlement of contracts and the renewal fees payable by the seller to the buyer for renewal of documents shall be determined in accordance with the provisions contained in that behalf in the relative Regulation or such other provisions as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Transfer Stamp and Registration Fees

145. Unless otherwise directed by the Council of Management transfer stamp duties payable to Government and fees charged by Companies for registering transfers of securities and known as transfer fees shall be paid by the buyer but where transfer deeds have been given in lots other than the prescribed lots the extra stamp duty, transfer fees and consolidation charges to be paid as a result thereof shall be paid by the seller to the buyer.

Delivery in Part

146. The buyer is entitled to refuse and may not pay for securities unless the documents tendered in performance of a bargain are regular, genuine and valid but he shall accept such portion of the securities as may be in order provided it is in lots of trading unit and may buy-in the undelivered portion in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to closing out.

Closing-out on Refusal to Accept Delivery

147. When documents which are regular, genuine and valid are duly tendered in performance of a bargain and not accepted by the buyer the seller shall be entitled to sell-out the same against him in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to closing-out.

Disputed Documents

148. (a) When documents tendered for delivery in settlement of contracts are considered by the buyer to be defective in their title, ownership, genuineness, regularity or validity or not in order for any other reason and the objection is not accepted by the seller the documents shall be returned by the buyer to the seller and disputes relating thereto decided by arbitration in accordance with the provisions in that behalf contained in the relative Regulation or such other provisions as the Council of Management may from time to time prescribed in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Delivery When Complete

(b) If the disputed documents are held by the arbitrators to be in order the buyer shall accept them as good delivery and failing such acceptance the seller shall be entitled to sell-out the same against the buyer in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to closing-out.

Delivery When Not Complete

(c) If the disputed documents are held to be defective by the arbitrators delivery shall not be complete and when such documents have been delivered through the Clearing House the seller shall immediately (irrespective of whether he intends to proceed in appeal or not) refund to the buyer their value at the ruling market price. The seller shall then remove the defect or in the alternative deliver to the buyer other regular, genuine and valid documents in place of the defective documents within seven days of the decision of the arbitrators or when an appeal has been preferred within seven days of the decision in appeal or within such further period or periods as may be from time to time allowed by the Council of Management or the President.

Buying-in

(d) If the seller fails to remove the defect or in the alternative deliver to the buyer other regular, genuine and valid documents in place of the defective documents within the period prescribed in sub-clause (c) the buyer shall be entitled to buy-in such securities against the seller in accordance with the Bye-laws and regulations relating to closing-out.

Delivery of Partly Paid Securities

149. In all transaction for partly paid securities entered into subject to the stipulation that the buyer shall have the securities registered in the name of the transferee the procedure to be followed for delivery and registration shall be in accordance with the provisions in that behalf contained in the relative Regulation or such other provisions as the Council of Management may from time to time prescribed in addition, thereto or in modification or substitution thereof. If registration or delivery be not completed in the manner prescribed the seller shall be entitled to sell-out the securities against the buyer in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to closing out.

V. DEVARAJU
Secy.
For Coimbatore Stock Exchange Ltd.

DOCUMENTS AND REGISTRATION

Documents When Deemed to be Defective

150. For purpose of these Bye-laws and Regulations documents shall be deemed defective if there is a defect in their title, ownership, genuineness, regularity or validity or if they are under any lien on account of any debt or liability of the transferor or if they are subject to any attachment or injunction or other legal proceedings or order of Court or other statutory authority for which the seller may be held responsible and the defects shall be deemed to be removed when the title is cleared and/or the ownership, genuineness and validity of the documents established and/or irregularly rectified and/or the documents released from lien, attachment, injunction or other legal proceedings or order of Court or other statutory authority.

Members When Non Liable for Defective Government and Bearer Securities

151. Members acting as brokers shall not be in any manner personally responsible for defective documents delivered in respect of contracts in Government Securities and bearer Securities to which these Bye-laws and Regulations apply when the documents do not pass through their hands at the time delivery is effected but are delivered direct by the selling constituent or his agent to the buying constituent or his agent. But nothing herein contained shall affect the rights and obligations of the buying and selling constituents between themselves as principals in any action at law or in any other proceeding and the buying and selling members shall be bound to render every assistance to the buying constituent in any action at law or other proceedings he may take against the selling constituent who receives payment against delivery of the defective documents.

Member When Liable for Defective Government and bearer Securities

152. In respect of Government Securities and bearer securities delivered in fulfilment of contracts to which these Bye-laws and regulation apply to selling member acting as a broker who receives payment against delivery of the defective documents shall be personally responsible for them to the buyer to whom the same are delivered provided the documents pass through the hands of the selling member or his agent when delivery is effected and provided further the buyer gives intimation in writing to the selling member within twentyone days of the date on which the documents are delivered to him by the selling member or by the Clearing House on the selling member's behalf and establishes to the Satisfaction of the Arbitration Committee (from whose decision an appeal shall lie to the Council of Management) that the documents are defective.

Original Selling Member When Liable for Defective Securities (other than Government and Bearer Securities)

153. (a) In respect of securities other than Government Securities and bearer securities delivered in fulfilment of contracts to which these Bye-laws and Regulations apply the original selling member (i.e., the member who is the first to deliver defective documents in the market on or after or less than five days before the record date or date of closure of the Transfer Books of the Company for the purpose of interest, dividend, bonus, rights or any other benefit accruing to the shareholders or for the purpose of the Annual General Meeting of the Company) acting as a broker who receives payment against delivery of defective documents shall be personally responsible for them to the buyer to whom the same are delivered or any subsequent buyer provided one of the following conditions is fulfilled namely :

- (i) the documents are lodged with the Company for registration at any time prior to the first record date or date of closure of the Transfer Books of the Company (for the same purpose as aforesaid) subsequent to the fourth day following the date on which the documents are delivered by the original selling member or by the Clearing House on the original selling member's behalf and the buyer or any subsequent buyer gives intimation in writing to the original selling member as soon as it comes to his knowledge that the Company refuses to register the transfer on the ground that the documents are defective; or
- (ii) the documents are lodged with the Company for registration on or before the twenty first day after the date on which the documents are delivered by the original selling member or by the Clearing House on the original selling member's behalf or should the Transfer Books of the Company be closed on such twenty first day the documents are lodged for registration on or before the second working day after the date on which the Transfer Books reopen and the buyer or any subsequent buyer gives intimation in writing to the original selling member as soon as it comes to his knowledge that the Company refuses to register the transfer on the ground that the documents are defective; or
- (iii) the buyer or any subsequent buyer gives intimation in writing to the original selling member at any time prior to the first record date or date of closure of the Transfer Books of the Company (for the same purpose as aforesaid) subsequent to the fourth day following the date on which the documents are delivered by the original selling member or by the Clearing House on the original selling member's behalf or at any time within twenty one days of the date on which the documents are so delivered whichever of the two periods is longer and establishes to the satisfaction of the Arbitration Committee (from whose decision an appeal shall lie to the Council of Management) that the documents are defective.

Subsequent Selling Member When Liable for Defective Securities

(Other than Government and Bearer Securities)

- (b) In respect of securities other than Government Securities and bearer securities delivered in fulfilment of contracts to which these Bye-laws and Regulations apply if the original selling member who is responsible for defective documents as provided in sub-clause (i) fails to meet his liability any of the subsequent selling members acting as a broker who receives payment against delivery of such documents shall be personally responsible for them to the buyer to whom the same are delivered or any subsequent buyer provided one of the following two conditions is fulfilled namely;
- (i) the documents are lodged with the Company for registration on or before the twenty first day after the date on which the documents are delivered by such subsequent selling member or by the Clearing House on such subsequent selling member's behalf or should the Transfer Books of the company be closed on such twenty first day the documents are lodged for registration on or before the second working day after the date on which the Transfer Books reopen and the buyer or any subsequent buyer gives intimation in writing to such subsequent selling member as soon as it comes to his knowledge that the Company refuses to register the transfer on the ground that the documents are defective; or
- (ii) the buyer or any subsequent buyer gives intimation in writing to such subsequent selling member within twentyone days of the date on which the documents are delivered by such subsequent selling member or by the Clearing House on such subsequent selling member's behalf and establishes to the satisfaction of the Arbitration Committee (from whose decision an appeal shall lie to the Council of Management) that the documents are defective.

Members When Not Liable

154. If the documents be not lodged within the prescribed period or if intimation in writing that the documents are defective be not given by the buyer to the original and subsequent selling members as provided in these Bye-laws and Regulations then except in the case of fraud or bad faith on their part such selling members shall not be personally liable for the defective documents either to the buying members or to the constituents of the buying members and the liability of such selling members to the buyer as also the liability of the buying members to their constituents shall cease in all respects.

Liability in Event of Unforeseen Circumstances

155. In circumstances not specifically covered by these Bye-laws and Regulations the Council of Management may determine the liability of the parties on equitable considerations.

Rights and Liabilities of Buying and Selling Constituents

156. Nothing contained in these Bye-laws and Regulations shall affect the rights and obligations of the buying and selling constituents (which terms shall when the buying members and/or selling members have dealt on their own account as principals include such members) between themselves as principals in any action at law or in any other proceedings and the buying and selling members shall be bound to render every assistance to the buying constituents in any action at law or other proceedings they may take against the selling constituents who receive payments against delivery of the defective documents.

Liability of Selling Constituents to Selling Members

157. The selling constituents who receive payment against delivery of defective documents shall be liable for the same in all respects and when selling members are personally responsible for such documents under the provisions of these Bye-

laws and Regulations they shall be fully indemnified by such constituents as agents acting on behalf of principals.

Rectification or Replacement of Defective Documents

158. The selling member responsible for the defective documents shall within fifteen days from the date of the intimation of the objection remove the defect or in the alternative deliver to the buyer other regular, genuine, and valid documents in their place :

Provided however that the Council of Management in its discretion and subject to such conditions as it deems fit to impose may by a resolution from time to time enlarge the aforesaid period of fifteen days in special circumstances and in particular it may so do in the manner following that is:

- (i) when the documents are suspected or alleged to be forged or reported or alleged to be stolen or have passed into police custody for purposes of investigation the time may be enlarged till the fact that the documents are forged or stolen property is conclusively established to the satisfaction of the Council of Management or proved in a Court of Law;
- (ii) when an attachment, injunction or similar other order of Court or other statutory authority has been served on the issuer of the security restraining it from transferring the documents the time may be enlarged till an application for setting aside such order has been finally rejected by the proper authority.
- (iii) when the security is by or pursuant to some special law ostensibly placed under any disability not applicable to all other securities of the same issue and the documents are not transferred on the ground of such ostensible disability or when the issuer of the security or the agent of such issuer of the security or the agent of such issuer declines for any reason peculiar to that security as compared with other securities of the same issue to transfer documents the time may be enlarged till the legal point has been decided by the proper authority.

In such and similar cases when the time is enlarged the selling member shall be bound to comply with such conditions as the Council of Management may impose and shall also place such amount (if any) in deposit with the Exchange as the Council of Management on the application of the buyer or of its own accord directs.

Refund of Money

159. If the selling members responsible for the defective documents fails to remove the defect or in the alternative to deliver to the buyer other regular genuine and valid documents in their place as provided in these Bye-laws and Regulations the buyer shall be entitled to claim from the selling member refund of their value at the then ruling market price.

Documents to be Returned and Power of Attorney to be Executed on Refund

160. When claiming the refund the buyer shall return to the selling member the defective documents if they have not been impounded and shall procure for the selling member and at the selling member's expense an irrevocable power of attorney executed by the transferee in favour of the selling member or his nominee entitling the selling member or his nominee to institute any suit or legal proceedings on behalf and in the name of the transferee and to litigate the dispute and to have the objection to the title or documents cleared and to obtain the return of the documents in question if they have not been already returned to him and also to sign and execute all transfer deeds and other writings and do all such other acts and things as may be necessary for effectually transferring the documents to the selling member or his nominees if they be subsequently registered by the issuer of the security in the name of the transferee.

Rectification or Replacement after Refund

161. A refund of monies relating to defective documents shall not operate as cancellation of the contract. The selling member shall within thirty days from the date of such refund or within such further time as the Council of Management or the President may from time to time allow either remove the defect or in the alternative deliver to the buyer other regular, genuine and valid documents in place of the defective documents and the buyer shall be bound to accept such rectified or substitute documents in fulfilment of the original contract and return to the selling member the monies refunded to him.

Responsibility of Selling Member for Dividend, Bonus and Rights

162. If the selling member fails to rectify or replace the defective documents and deliver them to the buyer at least five days before the record date or date of closure of the Transfer Books of the Company for the purpose of interest, dividend, bonus rights or any other benefit accruing to the shareholders of the Company the selling member shall be responsible to the buyer for the interest, dividend, bonus, rights or other benefits declared by the Company and for the income-tax deduction certificates if any respect of the interest, dividend or cash bonus or for the equivalent in cash of the amount of income-tax if any deducted at source. The selling member shall also be responsible to the buyer for the extra expense of transfer if any.

Buy-in

163. If the selling member fails to make refund of monies or to remove the defect or replace the defective documents within the prescribed period the buyer shall be entitled to buy-in the securities against him in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to closing-out.

Apportionment of Loss and Damages

164. If the selling member responsible for the defective documents fails to refund the money, and/or to hand over the interest, dividend, bonus rights or other benefit declared by the Company and the income-tax deduction certificate if any or the equivalent in cash of amount of income-tax if any deducted at source and/or to pay the damages if any arising from buying-in as provided in these Bye-laws and Regulations he shall be liable to be declared a defaulter. In the event of the defective documents having passed through the Clearing House the Clearing House shall assess such loss and damages pro rata among the original contracting parties with whom such defaulter had outstanding sale transactions in such securities as shown in his Clearing Forms. Each such party shall pay the amount of loss and damages to the buyer through the Clearing House on receipt of notice of the amount of such assessment. If a contracting party fails pay his share of the pro rata loss and damages he shall be declared a defaulter and thereupon the procedure to be followed shall be the same as if he were the selling member who has been declared a defaulter. This procedure shall be repeated as many times as may be necessary in relation to each succeeding party in interest until the loss and damages are fully recovered.

Sale Not Conditional on Transfer

165. A sale of securities is not conditional on the Company transferring the securities to the name of the buyer. On the sale of securities the only obligation on the seller is to tender documents that are not defective and he shall not be deemed to guarantee that the Company will transfer the securities to the name of the buyer nor shall he incur any liability by reason of the refusal of the Company to do so.

Fresh Transfer on Refusal of Company

166. When a Company objects to a transferee and refuses to register a transfer on the ground of such objection the transferor shall on request and on the original transfer being presented to him for cancellation of his signature sign a fresh transfer.

Dispute after Registration

167. When a transfer has been accepted by the Company and the certificate or an official receipt in the form of a Pucca Transfer Receipt or Transmission Receipt or such other receipt in favour of the transferee has been issued by the Company neither the buying member nor the selling member shall be personally responsible to the buying constituent or the transferee for any subsequent dispute as to the title, ownership, genuineness, regularity and validity of the documents unless bad faith or fraud be proved against such member. But nothing herein contained shall affect the liability of the transferor or of the selling constituent who has received payment against delivery of securities in any action at law or in any other proceedings. The provisions herein shall apply only to the rights and obligations of members.

CLOSING-OUT OF CONTRACTS

Closing-out

168. (a) A contract in securities made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange may be closed-out by buying-in or selling-out against a member on his failure to comply with any of the provisions relating to delivery, payment and settlement of bargains or on any failure to fulfil the terms and conditions subject to which the bargain has been made.

Closing-out When Effected

(b) Without prejudice to the generality of the provision contained in sub-clause (a) closing-out may be effected in cases specified in the relative Regulation or in such other cases as the Council of Management may from time to time specify in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Application for Closing-out

169. (a) A member shall be entitled to make an application to the Exchange for closing-out against the party in default either on the day of failure or on any day thereafter but not later than the fifteenth day following the date of such failure.

Forfeiture of Right of Recourse

(b) If closing-out be not effected within the period prescribed in sub-clause (a) the damages against the party in default shall be determined on the basis of the closing prices ruling on the fifteenth day following the date of failure and the party entitled to close-out and the party in default shall forfeit all further right of recourse against each other unless it appears that the party entitled to close-out has not exercised his right on the written request of the other.

Closing-out of Contracts with Defaulter Member

(c) If closing-out be not effected within the period prescribed in sub-clause (a) and the member entitled to close-out buys-in or sells-out at a later date and satisfies the Arbitration Committee that it was impossible to close-out earlier than he did the Arbitration Committee may allow damages on the footing of the rates at which the securities were bought-in or sold-out or at such other rates as the Arbitration Committee may deem proper.

Closing-out Contracts with Defaulter Member

170. If a member be declared a defaulter all members having dealings with him in any security shall determine all outstanding contracts by closing-out against him in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to default.

Closing-out of Contracts with Deceased member

171. On the death of a member having transactions outstanding in the market in any security the Council of Management may at its discretion give permission to his heirs

or legal representatives to settle such transactions according to the terms thereof. In the event of such permission not being applied for or granted members shall be notified accordingly and they shall forthwith determine all outstanding contracts by closing out against the deceased member either in the open market or as principals at prices then current in the market. The loss if any on such closing-out shall be claimed from the heirs or legal representatives of the deceased member and the profit if any shall be paid to them after obtaining the sanction of the Council of Management. If the heirs or legal representatives of the deceased member fail to pay the amount claimed from them it shall be as if such deceased member had been declared a defaulter and in that event the Bye-laws and Regulations relating to default shall apply.

Closing-out Against Defaulting or Deceased Member or Constituent

172. A member may effect closing-out against a member who has been declared a defaulter or a deceased member or a defaulting or deceased constituent either by himself buying-in or selling-out the securities in the open market or by buying or selling such securities on his own account as a principal provided that the price is fair and justified by the condition of the market.

Closing-out on Member's Responsibility

173. Save as otherwise provided closing-out by buying-in or selling-out shall be effected under the authority of the Secretary but the member at whose instance the buying-in or selling-out is done shall be responsible for the contract made on his behalf. No liability or responsibility shall attach to the Exchange or its employees for any contract made in pursuance of any application for closing-out.

Notice of Closing-out

174. On an application for closing-out being made by a member and on payment of such fees in respect thereof as the Council of Management may from time to time prescribe a notice in writing of the purposed buying-in or selling-out shall be given by the Exchange to the member against whom the closing-out is to be effected and the securities shall then be bought-in sold-out on the following day.

Re-transmission of Notice

175. (a) Where necessary notices of closing-out bearing serial numbers shall be issued by the Exchange in lots of trading unit. Such notices shall be passed in the Settling Room from member to member against whom the closing out is proposed to be effected and the passing of such notices shall commence on such day and at such hour as may be fixed in that behalf by a notice on the notice board of the Exchange. Each intermediate member in succession to whom the notice of closing-out is transmitted shall endorse thereon the name of his party and pass it on to him after taking a note of his name and the relative serial number of the notice. Such notices shall be so circulated until they reach the original member against whom the closing-out is proposed to be effected or upto such time as may be fixed by the President or in his absence by the Secretary.

Automatic Closing-out

(b) The closing-out of a contract pursuant to the provision contained in sub-clause (a) shall be for the account and liability of each succeeding party to whom the notice is transmitted and such closing-out shall automatically close-out at the buying-in or selling-out rate all contracts with respect to which such retransmitted notice has been passed.

Closing-out Bargains Settled Through the Clearing House or by Process of Tickets

176. (a) In respect of bargains settled through the Clearing House or by the Process of Tickets closing-out shall be effected on the advice of the Clearing House or the Issuer of Tickets as the case may be. In

such cases notice of closing-out shall be given to the member against whom the closing-out is to be effected but a notice shall be posted on the notice board of the Exchange showing the total quantity of each kind of security to be bought-in or sold-out.

Closing-out Without Notice

(b) Without prejudice to the generality of the provisions contained in sub-clause (a) closing-out without notice may be effected in cases specified in the relative regulation or in such other case as the Council of Management may from time to time specify in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Closing-out in case of Off-setting Contracts

(c) When a member holding for the account of his different constituent contracts both for sale and purchase in the same Clearing that offset each other has offset such contracts the closing-out of such contracts against the defaulting constituent may be effected by the member directly instead of through the Clearing House. In such cases a member may either himself buy-in or sell-out the securities in the open market or may buy the securities from or sell the securities to the defaulting constituent on his own account as a principal provided that the price is fair and justified by the condition of the market.

Tender Before Closing-out

177. If the member against whom closing-out is to be effected tenders compliance in accordance with the provisions of the Bye-laws and Regulations relating to delivery, payment and settlement of contracts or the terms and conditions subject to which the bargain has been made at any time before the securities have been actually bought-in or sold-out (as the case may be) the member entitled to close-out shall accept the same and fulfil his obligations.

178. (a) Save as otherwise provided in these Bye-laws and Regulations closing-out by buying-in or selling-out shall be effected in the open market but when securities of the same kind are to be bought-in as well as sold-out closing out may be effected by adjusting the one against the other at the average closing-out rate for such securities recorded on that day or when there has been no such closing-out at the open market rate on that day. In the case of a defaulter or whenever the Council of Management or the President so directs closing-out may be effected not in the open market but by inviting tenders or by any other method which the Council of Management or the President deems desirable.

Bids and Offers

(b) Members other than those against whom the closing-out is effected may make a bid or offer during such closing-out. The Council of Management or the President shall be at liberty in its or his sole discretion to refuse any bid or offer given.

Postponement by President

179. When during closing out there is no sellers or buyers of securities at a price which on a reference to the President deems reasonable or when on a reference to the President it appears to him that such securities are not obtainable or saleable in the open market the closing out shall be postponed to the following day and shall be so postponed from day to day until a seller or buyer is found until such defaulter shall not relieve the party in default of any resulting damages.

Non-Cleared Securities when not Bought-In

180. When in spite of continuous efforts a Non-Cleared Security cannot be bought-in and when the Council of Management is satisfied that such security cannot be obtained except at an arbitrary price the Council of Management may by a resolution determine a price

(which shall not be less than the highest price touched at any time during the preceding six months) at which the outstanding contract in such Non-Cleared Security shall be deemed to be closed-out. Thereupon the defaulting party shall pay to the party entitled to buy-in the difference between the contract price and the closing-out price.

Postponement by the Council of Management

181. The Council of Management may defer closing-out in any particular case if in its opinion a fair market to close-out is not available or if it is satisfied that the securities are out of the control of the seller for payment of calls or the receipt of interest, dividends, bonus or rights or if it determines that the default is due to the existence of a special situation but no such deferral shall relieve the party in default of any resulting damages or free the intermediate parties of their liabilities.

Suspension or Postponement of Closing-out

182. The Council of Management may by a resolution and for reason to be recorded suspend or postpone buying-in or selling-out in respect of any security or securities and from time to time extend or postpone the period of such extension or postponement when circumstances appear in its view to make such suspension or postponement desirable in the general interest. The liability of intermediaries in respect of contracts in such securities settled through the Clearing Houses shall continue during the period of such suspension or postponement.

Provided that except with the approval of the Central Government buying-in or selling-out shall not be suspended or postponed at any time for a period exceeded the period of one Clearing in the case of Cleared Securities and for a period exceeding fourteen days in the first instance and thereafter for a period not exceeding seven days in the case of Non-Cleared Securities.

Securities Bought-in but Undelivered

183. Securities bought-in and not delivered on the next business day may be again bought-in for immediate delivery without further notice and any loss and damage resulting therefrom shall be paid by the member causing such further buying-in.

Securities Sold-out but not Paid for

184. Securities sold-out and not paid for on the next business day may be again sold-out for immediate payment without further notice and any loss and damage resulting therefrom shall be paid by the member causing such further selling-out.

Closing-out at the instance of a Member

185. (a) The member at whose instance closing-out is effected shall give intimation to the member in default within two days of the closing-out and claim the loss and damages if any arising therefrom.

Claims in Case of Retransmitted Notice of Closing-out

(b) When notices of closing-out have been transmitted from member to member as provided in these Bye-laws and Regulations intimation of the closing-out and the claim for damages shall be immediately given by each party to the succeeding party in whose name the notice of closing-out has been endorsed. Statements of money differences and damages, if any, shall be rendered immediately and the claim duly settled.

Defaulting Party Entitled to Profit

(c) The party against whom the closing-out is effected shall notwithstanding that he is in default be entitled to the difference or profit which may arise from the closing-out against him.

Loss on Closing-out on Advice of Clearing House on account of Discrepancy.

186. (a) If there be a loss when closing-out is effected on the advice of the Clearing House a result of any discrepancy in the Clearing Forms lodged with the Clearing House by a member it shall be paid forthwith to the Clearing House by the member responsible for the discrepancy.

Difference Arising from Closing-out

187. (a) When closing-out is effected on the advice of the Clearing House on account of a member failing to give or take delivery of all or any of the securities according to the Clearing Forms lodged by him with the Clearing House the resulting difference (if any) due by such member shall be paid by him forthwith to the clearing House and the difference (if any) due to such member shall be credited to his account by the Clearing House.

Closing out Against Defaulter

(b) When closing-out is effected as provided in sub-clause (a) and the member concerned is declared a defaulter, the difference arising from closing-out shall be recovered from or distributed amongst the parties with whom such defaulter had transactions in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to default.

Changes for Closing-out

188. When closing-out is effected on the advice of the Clearing House the member against whom the closing-out takes place shall pay to the Clearing House commission at such rate as the Council of Management may from time to time prescribe.

Penalty for Failure to Give or Take Delivery

189. When closing-out is effected on the advice of the Clearing House on account of a member failing to give or take delivery of all or any of the securities according to the Clearing Forms lodged by him with the Clearing House and Council of Management may in its discretion impose on such member a penalty not exceeding two per cent of the market value of such securities. Such penalty shall be in addition to any loss such member may suffer on account of such closing-out and shall be in addition to the commission chargeable in that behalf.

Default if Closing-out Loss and Damage not Paid

190. If any member against whom a transaction is closed out under the provisions of these Bye-laws and Regulations fails to make payment of the money difference between the contract price or the making-up price (as the case may be) and the closing-out price and of the damages if any within twenty four hours of receiving notice thereof he shall be declared a defaulter.

DEALINGS BY MEMBERS

Members Only Parties to Bargain

191. The Exchange does not recognize as parties to any bargain in the market any parties other than its own members and every member is directly and primarily liable to every other member with whom he effects a bargain for its due fulfilment in accordance with the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange whether such bargain be for account of the member effecting it or for account of a principal,

All Bargains Subject to Rules, Bye-laws and Regulations

192. All bargains in securities in which dealings are permitted shall in all cases be deemed made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange which shall be a part of the terms and conditions of the such bargains and they shall be subject to the exercise by the Council of Management and the President of the powers with respect thereto vested in it or him by the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Inviolability of Bargains

193. (a) An application to annul a bargain on the Stock-Exchange shall not be entertained by the Council of Management except upon a specific allegation of fraud or wilful misrepresentation or upon prima facie evidence of such material mistake in the bargain as in the judgement of the Council of Management renders the case fit for its adjudication.

Annulment by Resolution

(b) The annulment of a bargain under sub-clause (a) shall be only by a resolution of the Council of Management and a resolution so passed shall be final and shall come into force forthwith.

Bargains by Members

194. Members carrying on business on the Exchange shall be entitled to make bargains in the market in their own name.

Business Placed Between Non-Members

195. When a member has an order to buy and an order to sell the same kind of security he may complete the transaction between the non-members concerned and he may, at his discretion deliver the securities which he receives from the selling constituent either to the buying constituent who is the direct contracting party in respect of such securities or to any other buyer who is entitled under these Bye-laws and Regulations to receive from him delivery of securities of a like kind.

Carry-Over Transactions

196. Carry-over transactions may be put through between two non-members but whether so put through or not the seller shall not be entitled to claim a return of the identical securities delivered by him.

Member as Principal

197. When executing an order a member may buy or sell securities for his own account as a principal provided he has obtained the consent or authority of his constituent thereto if such constituent be a person other than a member of a Stock Exchange recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act 1956 and provided that the price is fair and justified by the condition of the market.

Provided further that where the member has secured the consent or authority of such constituent otherwise than in writing he shall secure written confirmation by such constituent of such consent or authority within three days from the date of the contract:

Provided further that no such written consent or authority of such constituent shall be necessary for closing out any outstanding contract entered into by such constituent in accordance with the provisions of these Bye-laws and Regulations.

Havalas

198. When a member has been given instructions by another member or by a non-member to receive or give delivery of security from or to another member or non-member and all the parties agree so or give or take delivery (as the case may be) a member may enter into Havalal contracts in accordance with such

instructions. Such contracts shall operate as performance of the transactions in respect of which such Havala contracts have been entered into and they shall have the same force and effect as any ordinary contract of sale or purchase.

Havalas for Constituents

199. Havala contract confirmed by both members on behalf of a constituent at the rate agreed by signing the relevant entries in their transaction or contract books or by exchanging confirmation Memos shall not be cancelled or modified by any subsequent default of the constituent but each shall be responsible, to the other for due fulfillment of the contracts.

Modification of Havalas for Constituents

200. (a) Havala contracts on behalf of a constituent may be entered into subject to a specific stipulation that the prices shall be modified on the subsequent default of the constituent. In the event of such default the prices binding on both the parties shall be the opening prices current in the market on the date of which the contract falls due for fulfillment which in the case of Cleared Securities shall be the Settling Day and in respect of Havala contracts in Cleared Securities such modification may be made by one party serving on the other a notice in writing at any time before payment is made by the Clearing House on the Settling Day.

Debits and Credits to be Offset

(b) When Havala contracts have been modified as provided in sub-clause (a) the resulting credit (if any) at the foot of the constituent's account with one member and the resulting debit (if any) at the foot of the constituent's account with the other member shall be offset against one another upto an amount not exceeding the difference between the modified Havala price and the respective contract prices. The member holding the credit shall on behalf of the constituent make such payment in adjustment of the other member and the constituent shall be entitled to claim only the balance remaining if any.

Constituent's Responsibility for Havala in case of Member's Default

201. Where a member accepts havala on behalf of his constituent it shall be unless otherwise agreed upon by them in writing at the risk and on account of the constituent who shall be deemed to indemnify the member accepting such Havala against any loss suffered by either or them by reason of the default of the other. In the event of such default the amount in adjustment to be received from or paid to the constituent by a member shall be determined at the altered making-up prices when the Havala is in respect of Cleared Securities and at the opening prices current in the market on the day following the date of default when the Havala is in respect of Non-Cleared Securities.

Havala Among Members

202. Contracts for Havala among members themselves in Cleared Securities shall be at the making-up price only. In the event of default Havala contracts in respect of Cleared Securities shall be deemed to have been made at the altered making-up price and in respect of Non-Cleared Securities at the opening market price immediately after the declaration of default.

Certified True Copy
For Coimbatore Stock Exchange Ltd.,
V. DEVARAJU
Secretary

BROKERAGE AND CONTRACT NOTES

Brokerage

203. Save as otherwise provided brokerage shall be charged and collected by members upon the execution of all orders for non-members in respect of purchase or sale or carry-over securities. Members are entitled to charge brokerage at rates not exceeding the official scale prescribed in the

relative Regulation or such other scale as the Council of Management may from time to time prescribe in modification or substitution thereof.

The members shall indicate in the contract(s) note executed between them and the non-members, the brokerage charged and the rates at which the buying or selling of securities, as the case may be, were done, separately.

Brokerage in case of Compulsory Carry-Over

204. A member is entitled to charge brokerage at rates not exceeding one-eighth of the official scale when a transaction is required to be compulsorily carried-over from Clearing to Clearing in accordance with the provisions of these Bye-laws and Regulations.

Brokerage on Calls

205. A member buying securities on which calls have been prepaid by the seller may charge brokerage on the purchase price with the amount of such calls added.

Brokerage on Bargains between Non-Members

206. A member may charge brokerage to more than one constituent on a transaction carried through directly between two non-members.

Brokerage of Arbitrage Transactions

207. A member shall charge brokerage to a non-member's arbitrage account.

Underwriting Commission and Brokerage on New Issues and Offers for Sale

208. Unless otherwise determined by the Council of Management a member may in his discretion charge such brokerage or commission for underwriting or placing or acting as a broker or entering into any preliminary arrangement in respect of any floatation or new issue or offer for sale of any security as he may agree upon with the issuer or offerer or with the principal underwriters or brokers engaged by such issuer or offerer.

Brokerage on Applications

209. Unless otherwise determined by the Council of Management brokerage or commission on all tenders or applications by or through members for submission or purchase in respect of any floatation or new issue or offer for sale of any security shall be on the terms offered by the issuer or offerer or by the underwriters or brokers engaged by such issuer or offerer.

Rebate not Allowed

210. No allowance, rebate, return or division of brokerage or commission of any nature or character shall be made by a member to any constituent in respect of any bargain or to any applicant whose tender or application for subscription or purchase has been submitted by or through him or to any other person except as hereinafter provided.

No Special or Unusual Advantage

211. For purposes of these provisions a member shall not act as a principal or enter into any agreement or arrangement with a non-member whereby special and unusual rates are given with intent to give special or unusual advantage to such non-member for the purpose of securing his custom or business.

No Brokerage in Cases of Charity

212. A member may relinquish his brokerage in cases of charity.

Brokerage of Members of Other Stock Exchanges

213. A member may share brokerage with members of other Stock Exchanges in respect of whom business is permitted under the provisions of the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Brokerage Provisions not Applicable to Dealings between Members

214. Provisions relating to brokerage contained herein do not apply or lay down any restrictions as to dealings between members.

With Whom Brokerage may be Shared

215. (a) A member may share brokerage as provided in sub-clause (b) with a remisier, authorised assistant or employee in his own exclusive employment. He may similarly share brokerage with any other person introducing a constituent provided such person.

- (i) is not one for or with whom members are forbidden to do business under the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange;
- (ii) is not a remisier, authorised assistant or employee in the employment of another member;
- (iii) does not advertise in the public press or in any other manner that he is acting as a broker;
- (iv) does not act as a broker within a distance of fifty miles of the city of Coimbatore;
- (v) does not pass contracts in his own name or issue price lists or pamphlets or circular in respect of business in securities if working within a distance of fifty miles in the city of Coimbatore.
- (vi) does not issue price lists or pamphlets or circular in respect of business in securities to other than his own constituents if acting as a broker beyond the distance of fifty miles from the city of Coimbatore.

Percentage Share of Brokerage

(b) A member may pay him remisier or authorised assistant a share not exceeding 50 per cent and any other employee or other person sharing brokerage as provided in sub-clause (a) a share not exceeding 40 per cent of the brokerage charged to the constituent introduced by him.

Rebate or Return Disallowed

(c) A remisier, authorised assistant, employee or other person sharing brokerage shall not make any allowance, rebate or return of such brokerage directly or indirectly to the constituent introduced by him or to any other person or agent.

Indemnity

(d) In the absence of an agreement in writing to the contrary a remisier, authorised assistant employee or other person sharing brokerage shall be deemed to have agreed to give a full and complete indemnity to the member with whom he shares brokerage for any loss which such member may sustain by the default of the constituent (provided such constituent is not a member of the Exchange) introduced by him in fulfilling his obligations.

Default by Constituent

(e) In the event of any default by a constituent the amount due shall be paid forthwith to the member by the remisier, authorised assistant, employee or other person introducing the defaulting constituent.

Liability of Remisier, Authorised Assistant, Employee or Other Person

(f) If the remisier, authorised assistant, employee or other person sharing brokerage fails to pay the amount due by the defaulting constituent introduced by him then at his risk and cost the member shall be entitled to take such proceedings against the defaulting constituent and/or make such settlement or compromise with him as he in his discretion deems advisable. The acceptance of a promissory note from the defaulting constituent for the whole

or part of the amount due from him shall not release the remisier, authorised assistant, employee or other person sharing brokerage from his liability to pay to the member the original amount due from the defaulting constituent nor shall any settlement or compromise with the defaulting constituent diminish the liability of the remisier, authorised assistant, employee or other person sharing brokerage who shall pay to the members the unrealized balance of the original amount due from the defaulting constituent and the costs and expenses incurred in the course of realisation.

Arbitration

(g) Any dispute between a member and a remisier, authorised assistant, employee or other person sharing brokerage with him in respect of any matter to which sub-clause (d), (e) and (f) apply shall be referred to arbitration and decided in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to arbitration of disputes other than between members. All other disputes between them shall also be referred to arbitration in the same manner but if the remisier, authorised assistant, employee or other person sharing brokerage so desires such disputes may be with the permission of the Council of Management of the President referred to arbitration and decided in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to arbitration of disputes between members.

Contract Notes

216. The contract notes rendered by members to non-members shall state that the contract is subject to the Rules, Bye-laws, Regulations and Usages of the Exchange and subject to arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and subject to the jurisdiction of the Courts in Coimbatore. The contract notes shall not contain any provision inconsistent with the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange. The name or members in respect of bargains made for an or behalf of partners or the sole proprietor of a firm shall be printed on the contract notes. The contract notes shall also be in such form as will provide that the words "Member of the Coimbatore Stock Exchange," shall immediately follow the signature.

Contracts by Members as Agents

217. The contract notes rendered by members to non-members in respect of bargains made for an or behalf of such non-member's account may be in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof. Such contract notes shall state that brokerage at rates not exceeding the official scale of brokerage has been charged and allowed for in the price.

Contracts by Members as Principals

218. (a) The contract notes rendered by members to non-members when buying for themselves as principals the securities of their constituents or selling as principals their own securities to their constituents in accordance with the provisions of these Bye-laws and Regulations may be in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof. Such contract notes shall disclose that the member is acting as a principal.

Written Consent or Authority Necessary

(b) Members shall not enter into contracts as principals with persons other than members of Stock Exchanges recognized under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, unless they have secured the consent or authority of such persons and when such persons and when such consent or authority is otherwise than in writing they shall secure written confirmation by such persons of such consent or authority within three days from the date of the contract;

Provided however that no such written consent or authority shall be necessary for closing-out any outstanding contracts entered into by such person in accordance with these Bye-laws and Regulations.

Carry-over Contracts

219. (a) The contract notes rendered by members to non-members in respect of carry-over transactions may be in one of the forms prescribed in the relative Regulation or in such other form or forms as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

(b) Save as otherwise provided in these Bye-laws and Regulations carry-over contract notes rendered by members to their constituents shall be at the special making-up price fixed as prescribed in the relative Regulation notwithstanding that the corresponding bargains have been entered into at a price other than such special making-up price. Carry-over contracts between members and their constituents either as agent to principal or as principal in respect of which contract notes are not rendered as prescribed herein shall be deemed void.

Signing of Contract Notes

220. A contract note shall be signed by the member or by his constituted attorney.

Contract Notes issued by Firms

221. In the case of a firm recognized under the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange every contract shall be signed only in the name of the firm and no contract note shall be issued in the name of an individual partner or the sole proprietor of the firm.

RIGHTS AND LIABILITIES OF MEMBERS AND CONSTITUENTS

All Contracts Subject to Rules, Bye-laws and Regulations
222. (a) All contracts made by a member for or with a non-member for the purchase or sale of securities in which dealings are permitted on the Exchange shall in all cases be deemed made subject to the Rules, Bye-laws, Regulations and Usages of the Exchange which shall be a part of the terms and conditions of all such contracts and they shall be subject to the exercise by the Council of Management and the President of the powers with respect thereto vested in it or him by the Rules Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Performance of Contracts in Coimbatore

(b) The delivery of all documents and papers and the payment in relation to all contracts referred to in sub-clause (a) shall be within the city of Coimbatore and except when delivery is taken and given and payment made and received from and to the Clearing House through Clearing Member Banks as provided in these Bye-laws and Regulations the parties to all contracts shall be bound to take and give delivery and make and receive payment at the office of the member concerned within the City.....of Coimbatore.

Contracts Subject to Coimbatore Jurisdiction

(c) In case of all claims (whether admitted or not), differences and disputes arising out of or in relation to all contracts referred to in sub-clause (a) the parties concerned shall be deemed to have agreed and acknowledged that such contracts have been entered into and are to be performed within the City of Coimbatore that they subject to arbitration in accordance with the provisions relating to arbitration other than between members contained in these Bye-laws and Regulations and that they are subject to the jurisdiction of the Courts in Coimbatore.

Broker's Lien

223. (a) Whenever and so often as a constituent is indebted to a member all securities and other assets from time to time lodged with the member by such constituent or held by the member for and on behalf of such constituent and any cash lying to the credit of such constituent with the member shall be subject to the lien to the lien of such member for any general balance of account or margin or other monies that may be due at any time by such constituent singly or jointly with another or others to such member in respect of any business done subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and shall be deemed a general security for payment to such member of all such monies (including interest, commission, brokerage and other expenses) as may be due by such constituent in such manner:

Right to Sell

(b) A member entitled to lien or security as provided in sub-clause (a) shall be at liberty to sell, pledge or borrow money against such securities and assets in such manner and on such terms and at such time as he may deem advisable and may pay to himself or to any other any such money due to him by or due by him on behalf of such constituent in respect of business done subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Constituent to Indemnify

224. Every member entering into any contract for the purchase or sale of any security or doing any act in relation thereto on the instructions of any constituent and on such constituent's account or request shall be entitled to be indemnified by such constituent as an agent acting on behalf of his principal.

Contracts by Members as Principals

225. A member shall not enter into any contract for the purchase or sale securities as a principal with any constituent (other than a member of a Stock Exchange recognized under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956) unless he has secured the consent or authority of such constituent and discloses in the note, memorandum or agreement of purchase or sale that he is acting as a principal.

Provided that where the member has secured the consent or authority of such constituent otherwise than in writing he shall secure written confirmation by such constituent of such consent or authority within three days from the date of the contract.

Provided further that no such consent or authority of such constituent shall be necessary for closing-out any outstanding contract into by such constituent in accordance with these Bye-laws and Regulations if the member discloses in the note memorandum or agreement of purchase or sale in respect of such closing out that he is acting as a principal.

Members not Bound to Accept Instructions and Other

226. A Member shall not be bound to accept all or any of the instructions or orders of constituents for purchase, sale havala or carry-over of securities. He may in his absolute and uncontrolled discretion decline to accept any such instructions or orders for execution wholly or in part and shall not be bound to assign any reason therefore:

Provided that when a member is not prepared to carry out such instructions or orders either wholly or in part he shall immediately inform his constituent to that effect.

Margin

227. A member shall have the right to demand from his constituent the margin deposit he has to provide under these Bye-laws and Regulation in respect of the business done by him for such constituent. A member shall also have the right to demand an initial margin in cash and/or securities from his constituent before executing an order and /or to stipulate that the constituent shall make a margin deposit or furnish additional margin according to changes in market prices. The constituent shall when from time to time called upon to do so forthwith provide a margin deposit and/or furnish additional margin as required under these Bye-laws and Regulations in respect of the business done for him by and/or as agreed upon by him with the member concerned.

Constituent in Default

228. (a) A member shall not transact business directly or indirectly or execute an order for a constituent who to his knowledge is in default to another member unless such constituent shall have made a satisfactory arrangement with the member who is his creditor.

Deposit of Defaulting Constituent's Monies and Securities Pending Arbitration

(b) On the application of a creditor member who refers or has referred to arbitration his claim against the defaulting constituent as provided in these Bye-laws and Regulation the Secretary shall issue orders against any member or members restraining him or them from paying or delivering to the defaulting constituent any monies or securities upto an amount or value not exceeding the creditor member's claim payable or deliverable by him or them to the defaulting constituent in respect of transactions entered into subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange. On receipt of such order the member or members concerned shall forthwith deposit and the defaulting constituent shall be deemed to have authorised the member or members concerned so to deposit with the Exchange such monies and securities after satisfying his or their own dues if any arising out of transactions made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange. Such deposit shall release the depositing member or members from all further liability and obligation to the defaulting constituent in respect of the monies and securities deposited by him or them. The application of the creditor member pursuant to which the monies and securities are deposited with Exchange shall be deemed to form a part of the aforesaid reference to arbitration of his claim against the defaulting constituent. The monies and securities deposited shall be disposed of in terms of the award in arbitration pending a decree shall be deposited with the Court when filling the award unless the creditor member and the defaulting constituent mutually agree otherwise.

Delivery by Constituent

229. (a) In respect of a member selling securities on behalf of or buying securities from a constituent whether residing in the City of Coimbatore or outside the date on which he receives delivery of such documents from the selling constituent direct from his bankers agents in Coimbatore shall be deemed to be the date of delivery by the selling constituent.

Delivery by Non-resident Constituent

(b) If the constituent resides outside the City of Coimbatore and requests the member to take delivery of the documents outside the City of Coimbatore and the member complies with the constituent's request the documents shall be deemed to have been delivered only when the documents are actually received in the City of Coimbatore notwithstanding that the constituent may deliver the documents to some branch office or agent of the member or of the member's Bank. If sent by post by documents shall be deemed to have been delivered on the day when the documents reach the member in the City of Coimbatore.

Delivery to Constituent

230. (a) In respect of a member buying securities on behalf of or selling his securities to a constituent whether residing in the City of Coimbatore or outside the date on which he delivers such documents to the buying constituent direct or to his Bankers or agents in Coimbatore or draws a bill on the buying constituent through a bank or sends an advice by post stating that the documents are ready for delivery shall be deemed to be the date of delivery to the buying constituent.

Delivery to Non-resident Constituent

(b) If the constituent does not reside within the City of Coimbatore and request the member to give him delivery of the documents outside the City of Coimbatore and the member complies with the constituent's request the delivery shall be deemed to be complete as soon as the member delivers the documents to his own or the constituent's bankers or agents in the City of Coimbatore. Such banker

or agent shall be deemed to receive the documents for and on behalf of the constituent. The contracts shall be deemed to be performed on the due date if the member has within the due date delivered the documents to or drawn against them through the banker or agent in the City of Coimbatore or posted the same in the City of Coimbatore addressed to the constituent or advised the constituent by post that the documents are ready for delivery.

Constituent to Deliver Securities Sold

231. A constituent whether residing in the City of Coimbatore or outside shall deliver to the member in the City of Coimbatore by the due date any security which the member has sold for him or bought from him. The documents delivered must be valid regular and in proper form and the delivery of any security sold for a constituent which the member is liable to deliver must be made in the Office of the member in the City of Coimbatore in time to enable the member to comply with the provisions in these Bye-laws and Regulations relating to such delivery.

Constituent to make Payment

232. A constituent whether residing in the City of Coimbatore or outside shall pay to the member in the Office of the member in the City of Coimbatore by the due date all sums which the constituent is bound to pay and when a member is liable to pay such sums on behalf of the constituent the payment must be made in the Office of the members in the City of Coimbatore at least one business day previous to the date on which the member is required to make payment compliance with the provisions in these Bye-laws and Regulations relating to such payment.

Constituent's Failure to Deliver or to Pay

233. A constituent who fails to give delivery or make payment in accordance with these provisions shall forthwith pay any loss or damages which the member may sustain as a result or on account of such failure.

Member When to Close-out Constituent's Account

234. (a) On the failure of a constituent to pay the loss or damages sustained on closing-out effected against him by the member or to pay differences in due time in conformity with the provisions of these Bye-laws and Regulations the member may close-out his account either for with or at any time thereafter in his discretion during the time such constituent is in default

Closure of Market During Default

(b) If the market be closed at the time of or subsequent to default the member may closeout against the defaulting constituent on or after the re-opening of the market for dealings in such security or securities either for the Clearing or for hand delivery. In the case of Cleared Securities the closing-out may be subject to a stipulation for delivery in the course of the Clearing.

Notice of and Payment on Closing-out

(c) When the defaulting constituent's account is closed-out as provided in sub-clauses (a) and (b) the member shall immediately send notice of such closing-out to his constituent and any balance due on such closing-out shall be immediately payable by the defaulting constituent to the member.

Death of Constituent

235. A member may forthwith or at the earliest practicable date close-out all open transactions on account of a constituent who has died and the balance due on such closing-out shall be payable on the ensuing due date of payment in respect of such contracts.

Closing-out in Case of Bankrupt

236. A member may forthwith or at the earliest practicable date close-out all open transactions on account of constituent who becomes bankrupt or insolvent or makes or attempts to make a composition with his creditors or with any or them or who shall have given any admission or

intimation or indication of the fact that he will be unable to fulfil his obligations and the balance on such closing-out shall be payable on the ensuing due date of payment in respect of such contracts.

Closing-out Constituent's Account How Effectuated

237. When closing-out the account of a constituent under the provisions of these Bye-Laws and Regulations a member may assume or take over such transactions to his own account as a principal at prices which are fair and justified by the condition of the market or he may close-out in the open market and any expense incurred or any loss arising therefrom shall be borne by the constituent. When the closing-out has been effected as a principal the contract note in respect of such closing-out shall disclose that the member is acting as a principal.

Member Not Liable to Attend to Registration of Transfers

238. A member shall not be deemed to be under any obligation to attend to the transfer of securities and the registration thereof in the name of the constituent. If he attends to such work in the ordinary course or at the request or desire or by the consent of the constituent he shall be deemed to be the agent of the constituent in the matter and shall not be responsible for loss in transit of for the Company's refusal to transfer nor be under any other liability or obligation other than that specifically imposed by these Bye-Laws and Regulations. The stamp duty, the transfer fees and other charges payable to the Company, the fee for attending to the registration of securities and all incidental expenses such as postage incurred by the members shall be borne by the constituent.

239. When the time available to the constituents of member is not sufficient for them to complete transfers and lodge the securities for registration before the closing of the transfer books and where the seller is not liable for the interest, dividend, cash, bonus, or rights which the Company may have announced or declare the member may register the securities in his or his nominee's name and recover the transfer fee, stamp duty and other charges from the buying constituent. The member shall give immediate intimation thereof to the buying constituent and shall stand indemnified for the consequences of any delay in delivery caused by such action.

Closing-out by Constituent on Failure to Perform a Contract

240. If a member fails to complete the performance of a contract by delivery or payment in accordance with the provisions of these Bye-Laws and Regulations the constituent shall after giving notice in writing to the member close-out such contract through any other member of the Exchange within fifteen days from the date of default and any loss of damage sustained as a result of such closing-out shall be immediately payable by the defaulting member to the constituent. If closing-out be not effected as provided herein the damages between the parties shall be determined on the basis of the closing prices ruling on the fifteenth day following the date of default and the constituent and the member shall forfeit all further right of recourse against each other.

Constituent When to Close-out Account

241. (a) If a member be declared a defaulter or fail to pay the loss or damages sustained on closing-out effected against him by constituent or to pay differences due by him to his constituent on the day following the settling Day such constituent may be giving notice in writing close-out through any member of the Exchange all outstanding contracts either forthwith or at any time thereafter in his discretion during the time such member is in default.

Closure of Market During Default

(b) If the market be closed at the time of or subsequent to default the constituent may close-out against the defaulting member on or after the reopening of the market for dealings in such security or securities either for the Clearing or for hand delivery. In the case of Cleared Securities the closing-out may be subject to a stipulation for delivery in the course of the Clearing.

Notice of and Payment on Closing-out

(c) When the defaulting member's account is close-out as provided in sub-clauses (a) and (b) the constituent shall immediately send notice of such closing out to the member and any balance due on such closing-out shall be payable immediately by the defaulting member to his constituent.

No Lien on Constituent's Securities

242. If a member be declared a defaulter after delivering securities to the Clearing House on account of his constituent, the constituent shall be entitled to claim and on offering proof considered satisfactory by the Council of Management or the President receive from the Clearing House according as the Council of Management or the President directs either such securities or the value thereof at the altered making-up price subject to payment or deduction of the amount if any due by him to the defaulter.

Complaint by Constituent

243. When a complaint has been lodged by a constituent with the Council of Management that any member has failed to implement his stockbroking transactions the Council of Management shall investigate the complaint and if it is satisfied that the complaint is justified the Council of Management may suspend the member for such period or periods or take such other disciplinary action as it deems fit.

ARBITRATION OTHER THAN BETWEEN MEMBERS

Reference to Arbitration

244. (a) All claims (whether admitted or not), differences and disputes between a member and a non-member or non-members (the terms "non-member" and "non-members" shall include a remisier, authorised assistant or employee or any other person with whom the member shares brokerage) arising out of or in relation to dealings, transactions and contracts made subject to the Rules Bye-laws and Regulations of the Exchange or with reference to anything incidental thereto or in pursuance thereof or relating to their construction, fulfillment or validity or relating to the rights, obligations and liabilities of remisiers, authorized assistants, employees or any persons with whom the member shares brokerage in relation to such dealings, transactions and contracts shall be referred to and decided by arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Contract Constitute Arbitration Agreement

(b) An acceptance whether express or implied of a contract subject to arbitration as provided in sub-clause (a) and with this provision for arbitration incorporated therein shall constitute and shall be deemed to constitute an agreement between the member and the non-member or non-members concerned that all claims (whether admitted or not), differences and disputes of the nature referred to in sub-clause (a) in respect of all dealings, transactions and contracts of a date prior or subsequent to the date of the contract shall be submitted to and decided by arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and that in respect thereof any question whether such dealings, transactions and contracts have been entered into or not shall also be submitted to and decided by arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Appointment of Arbitrators

245. (a) All claims, differences and disputes required to be referred to arbitration under these Bye-laws and Regulations shall be referred to the arbitration of two members of the Arbitration Committee of the Exchange one to be appointed by each party.

Appointment of Arbitrators by Parties Jointly or by Partnership Firm

(b) When the claim is against or the different or dispute with two or more parties jointly or in the alternative or

against or with a partnership firm such parties or partners (as the case may be) shall concur in the appointment of one arbitrator and failing such concurrence they shall be deemed to have failed to make an appointment as required in sub-clause (a).

Appointment of Arbitrators by the Council of Management or President

246. On payment in advance the minimum fees of arbitrators prescribed under these Bye-laws and Regulations by any party to a claim, difference or dispute the Council of Management or the President shall appoint an arbitrator —

- (i) if, after one party has appointed an arbitrator ready and willing to act, there is failure, neglect or refusal on the part of the other party or parties to appoint an arbitrator (ready and willing to act) within seven days after service of written notice of that appointment or within such extended time as the Council of Management or the President may allow; or
- (ii) if either of the arbitrators dies or fails or neglects or refuses to act or becomes incapable of acting as an arbitrator before an award is made by them.

247. The arbitrators appointed by the parties or by the Council of Management or the President shall have the power to appoint a member of the Exchange as an umpire at any time and they shall do so if and when they differ as to their award.

Appointment of Umpire by the Council of Management or the President

248. The Council of Management or the President shall appoint an umpire —

- (i) If from any cause the arbitrators appointed fail within the time (or extended time) prescribed in these Bye-laws and Regulations either to make an award or to appoint or to concur in the appointment of an umpire; or
- (ii) if from cause the umpire fails to make his award within the time (or extended time) prescribed in these Bye-laws and Regulations; or
- (iii) if the umpire dies or fails or neglects or refuses to act or becomes incapable of acting at anytime before making his award.

Umpire When to Hear Reference

249. The umpire shall forthwith enter on the reference in lieu of the arbitrator if the arbitrators —

- (i) allow the time (or extended time) prescribed in these Bye-laws and Regulations for making an award to expire without making an award; or
- (ii) deliver to the umpire or to the Exchange a notice in writing stating that they cannot agree.

Award by Arbitrators

250. The arbitrators shall make their award within four months after entering on the reference or after having been called upon to act by notice in writing from any party or within such extended time as the arbitrators may fix with the consent of the parties to the reference or as the Council of Management or the President may allow.

Award by Umpire

251. The umpire shall make his award within two months after entering on the reference or within such extended time as the umpire may fix with the consent of the parties to the reference or as the Council of Management or the President may allow.

Publication of Award

252. After making the award the arbitrators or umpire shall sign such award and a notice shall be given to the parties of the making and signing thereof.

Award Binding on Parties and their Representatives

253. The parties to the reference shall in all things abide by and forthwith carry into effect the award of the arbitrators or umpire which shall be final and binding on the parties, and their respective representatives notwithstanding the death or legal disability occurring in any party before or after the making of the award and such death or legal disability shall not operate as a revocation of the reference or award.

Further Award

254. Whenever an award made under these Bye-laws and Regulations directs that a certain act or thing be done by one party to the reference and such party fails to comply with the award the other party may make a fresh reference to arbitration as provided in these Bye-laws and Regulations for a further award for determining the dispute outstanding or the amount of damages or compensation payable by reason of such failure and the award therein may be filed separately or together with the original award.

Filing of Award

255. The arbitrators or umpire shall at the request of any party to the reference or any person claiming under such party or if so directed by the Court and upon payment of the fees and charges due in respect of the reference and award and of the costs and charges of filing the award cause the award or a signed copy of it together with any depositions and documents which may have been taken and proved before the arbitrators or umpire to be filed in Court.

Fresh Reference on Annulment of Award

256. Whenever an award given under these Bye-laws and Regulations is set aside by the Court the matter shall be again referred to arbitration as provided in these Bye-laws and Regulations and the claims, differences and disputes shall be decided by arbitration only.

Extension of time for Making the Award

257. The Council of Management or the President may if deemed fit whether the time for making the award has expired or not and whether the award has been made or not extend from time to time, the time for making the award by a period not exceeding one month at a time from the due date or extended due date of the award.

Appointment from Members of the Exchange Only

258. The arbitrators and umpire appointed under these Bye-laws and Regulations shall in all cases at the time of appointment be members of the Exchange.

Council of Management to Prescribe Arbitration Fees, Forms and Procedure

259. The fees to be paid, the forms to be used and the procedure to be followed in connection with a reference to arbitration under these Bye-laws and Regulations shall be such as are prescribed in the relative Regulation or such other as Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

Fees and Charges

260. The fees in arbitration and the charges from submitting and regulating the proceedings of the reference prescribed in the relative Regulation shall be payable in advance and when there is failure, neglect or refusal on the part of a party or parties to pay accordingly the other party shall be responsible for making such payment in advance without prejudice however to his right if any to recover the same from such party or parties failing, neglecting or refusing to pay. It shall be a condition precedent to the hearing of any reference that the prescribed fees and charges shall have been paid in advance to the Exchange by the party or parties to the reference. The Exchange shall collect all such fees and charges and make the necessary payments provided always that no larger sum shall be paid than actually collected.

Decision on Written Statements or by Hearings

261. A reference may be decided by the arbitrators or umpire on the written statements of the parties. However any party may require of the arbitrators or umpire that he be given a hearing. In that event he shall be so heard and the other party or parties shall have a similar privilege.

Proceedings

262. The arbitrators or umpire may proceed with the reference notwithstanding any failure to file a written statement within due time and may also proceed with the reference in the absence of any or all the parties who after due notice fail or neglect or refuse to attend at the appointed time and place.

Adjournment of Hearings

263. The arbitrators or umpire may adjourn the hearings from time to time upon the application of any party to the reference or at their or his own instance : Provided however that when the adjournment is granted at the request of one of the parties to the reference the arbitrators or umpire may if deemed fit require such party to pay the fees and cost in respect of the adjournment hearing borne by the other party and in the event of such party failing to do so may refuse to hear him further or dismiss his case or otherwise deal with the matter in any way the arbitrators or umpire may think just.

Legal Advisors and Evidence

264. During a hearing the parties to the reference may with the permission of the arbitrators or umpire appear by counsel, attorney advocate or a duly authorised representative and where one party is so permitted a similar privilege shall be afforded to the other party or parties. But no party shall be so entitled without the permission of the arbitration or umpire nor shall he be entitled to insist on or require the arbitrators to hear or examine witness or receive oral or documentary evidence other than what is deemed necessary by the arbitrators or umpires.

Consideration of Recorded Proceedings and Evidence

265. If the time prescribed in these Bye-laws and Regulations for making an award has been allowed by the arbitrators or umpire to expire without making an award or if an arbitrator or umpire dies or fails or neglects or refuses to act or becomes incapable or acting as an arbitrator or umpire the substitute arbitrators appointed by the Council of Management or the President and the other arbitrator or the substitute umpire appointed by the Council of Management or the President shall be at liberty to act upon the record of the proceedings as then existing and on the evidence if any then taken in the reference or to commence the reference *de novo*.

Reference to Court of Law

266. No reference shall be made by the arbitrators or umpire to any Court of Law on any matter arising out of or relating to any reference without first obtaining the permission of the Council of Management.

Set-off and Counter-claim

267. On a reference to arbitration by one party the other party or parties shall be entitled to claim a set-off or make a counter-claim against the first party provided such set-off or counter-claim arises out of or relates to dealings, transactions and contracts made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and subject to arbitration as provided therein and provided further such set-off or counter-claim is presented together with full particulars at or before the first hearing of the reference but not afterwards unless permitted by the arbitrators or umpire.

Award to Adjudge Interest

268. Where and insofar as an award is for the payment of money the arbitrators or umpire adjudicate in the award the interest to be paid on the principal sum adjusted for any period prior to the institution of the arbitration.

tion proceedings and may also adjudge the additional interest on such principal sum as is deemed reasonable for the period from the date of institution of the arbitration proceedings to the date of the award and further interest on the aggregate sum so adjudged at such rate as is deemed reasonable from the date of the award to the date of payment or the date of the decree.

Costs

269. The costs of reference and award including costs, charges, fees and other expenses shall be in the discretion of the arbitrators or umpire who may decide and direct proportion such costs, charges, fees and other expenses or any in the award to and by whom in what manner and in what part thereof shall be borne and paid by the parties and pay tax and settle the amount to be so paid or any part thereof. Failing any direction in the award the costs, charges, fees and other expenses shall be borne by the parties to the reference in equal proportion. A party refusing to carry out an award shall pay the costs between attorney and client in connection with the filing of the award in the Court and its enforcement unless the Court otherwise directs.

Operation of Contracts

270. All dealings, transactions and contracts which are subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and every arbitration agreement to which the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange apply, shall be deemed in all respects to be subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and shall be deemed to be and shall take effect as wholly made, entered into and to be performed in the City of Coimbatore and the parties to such dealings, transactions, contracts and agreements shall be deemed to have submitted to the jurisdiction of the Courts in Coimbatore for the purpose of giving effect to the provisions of the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Notices and Communications How to be Served

271. Notices and communications to a member or non-member shall be served in any one or more or all of the following ways and any such notice or communications under (i) to (v) below shall be served at his ordinary business address and/or at his ordinary place of residence and/or at his last known address.

- (i) by delivering it by hand;
- (ii) by sending it by registered post;
- (iii) by sending it under certificate of posting;
- (iv) by sending it by express delivery post;
- (v) by sending it by telegram;
- (vi) by affixing it on the door at the last known business or residential address;
- (vii) by its oral communication to the party in the presence of a third person;
- (viii) by advertising it atleast once in any daily newspaper published in Coimbatore;
- (ix) by a notice pasted on the notice board of the Exchange if no address be known.

Service by Hand Delivery When Complete

272. A notice or communication served by hand shall be deemed to have been received by the party on the production of a certificate to that effect signed by the person delivering the notice or communication.

Service by Post or Telegram When Complete

273. A notice or communication served by post or telegram shall be deemed to have been received by the party at the time when the same would in the ordinary course of post or telegram have been delivered. The production of a letter of communication from the post office or of the post office receipt for the registered letter or telegram or of a certificate of posting shall in all cases be conclusive proof of the posting or despatch or such notice or communication and shall constitute due and proper service of notice.

Refusal to Accept Delivery Does not Affect Service

274. In no case shall any refusal to take delivery of the notice or communication affect the validity of its service.

Service by Advertisement, or by Notice on Notice Board When Complete

275. A notice or communication published in a newspaper or posted on the notice board of the Exchange shall be deemed to have been served on the party on the day on which it is published or posted.

Ministerial Duties

276. The Secretary or an employee or employees of the Exchange acting under his authority shall :—

- (i) maintain a register of references;
- (ii) receive all applications for arbitration, references and communications addressed by the parties before or during the course of arbitration or otherwise in relation thereto;
- (iii) receive payment of all costs, charges, fees and other expenses;
- (iv) give notices of hearing and all other notices to be given to the parties before or during the course of the arbitration or otherwise in relation thereto;
- (v) communicate to parties all order and directions of the arbitrator or umpire;
- (vi) receive and record all documents and papers relating to the reference and keep in custody all such documents and papers except such as the parties are allowed to retain;
- (vii) publish the award on behalf of the arbitrators or umpire;
- (viii) cause the award to be filed on behalf of the arbitrators or umpire; and
- (ix) generally do all such things and take all such steps as may be necessary to assist the arbitrators or umpire in the execution of their functions.

Indemnity

277. No party shall bring or prosecute any suit or proceedings whatever against the Exchange the Council of Management, the President, the Secretary or any employee or employees of the Exchange acting under the authority or against the arbitrators or umpire for or in respect of any matter or thing purporting to be done under these Bye-laws and Regulations nor any suit or proceedings (save for the enforcement of the award) against the other party or parties to the reference.

ARBITRATION BETWEEN MEMBERS

Reference to Arbitration

278. All claims, complaints, differences and disputes between members arising out of or in relation to any bargains, dealings, transactions or contracts made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the exchange or with reference to anything incidental thereto or anything to be done in pursuance thereof and any question or dispute whether such bargains, transactions or contracts have been entered into or not shall be subject to arbitration and referred to the Arbitration Committee as provided in these Bye-laws and Regulations.

Legal Proceedings with Permission of the Council of Management

279. In respect of any claim, complaint, difference or dispute required to be referred to arbitration under these Bye-laws and Regulations no member shall commence legal proceeding against another without the permission of the Council of Management. If a member institutes such proceedings without permission and recovers any money or other relief he shall hold the same in trust for the Exchange and shall pay the same to the Exchange to be dealt within the manner directed by the Council of Management.

Application for Arbitration

280. Whenever a claim, complaint, difference or dispute which under these Bye-laws and Regulations must be referred to the Arbitration Committee arises between members any member who is a party to such claim, complaint, difference or dispute may apply to the Arbitration Committee to inquire into and arbitrate in the dispute.

Arbitrators

281. Whenever a reference is made to the Arbitration Committee it shall be headed by two of its members acting as arbitrators in regard to such reference.

Notice

282. Save as otherwise provided not less than two days' notice of the time and place appointed for the hearing shall be given to both the parties to the reference.

Both Parties Present

283. If both the parties to the reference are present at the appointed time and place the arbitrators shall proceed to hear the reference and to give the award.

Ex-Parte Decision and Summary Disposal

284. If the party against whom the reference is filed be not present at the appointed time and place the arbitrators may hear and decide the reference ex parte and if the party filing the reference be not present the arbitrators may dismiss the reference summarily.

Disagreement Between Arbitrators

285. If the arbitrators hearing a reference are not agreed as to the award to be made they shall refer the subject matter of the reference or such part thereof in respect of which they cannot agree to a third member of the Arbitration Committee and the three members shall then together arbitrate in the reference and the award of any two of them shall be deemed to be the award in arbitration.

Appeal to Arbitration Committee

286. A party to a reference who is dissatisfied with any award of the arbitrators may appeal to the Arbitration Committee against such award within seven days of the receipt by him of such award.

Deposit and Statement of Objection

287. (a) The Party appearing to the Arbitration Committee may state in writing the objections to the award of the arbitration and shall unless exempted in whole or in part by the Council of Management or the President deposit with the Exchange in cash the full amount ordered to be paid or the securities or the value at the ruling market price of the securities ordered to be delivered in the award. The party placing the deposit shall be deemed to have agreed that such deposit be handed over by the Exchange to the other party in accordance with the terms of the decision in appeal.

Deposit Certificate

(b) A Certificate from the Exchange showing that the deposit if any as required by sub-clause (a) has been lodged shall be attached to the appeal and the Arbitration Committee shall not entertain an appeal to which such certificate is not annexed.

Hearing of Appeal

288. When the deposit certificate is annexed to the appeal the Arbitration Committee shall itself proceed to hear the appeal and arbitrate in the reference.

Certain Members May Not Vote

289. The members of the Arbitration Committee who have made any award against which an appeal is made to the Committee may attend the meetings of the Committee at which the appeal is heard but shall not be entitled to vote.

Award of Arbitration Committee When Final

290. The award of the Arbitration Committee in a reference shall be final and shall be deemed binding on the parties to the reference if the sum involved in dispute is less than one thousand Rupees.

Appeal to the Council of Management

291. If the sum involved in dispute is one thousand Rupees or more the party dissatisfied with the award of the Arbitration Committee may appeal to the Council of Management against such award within seven days of the receipt by him of such award.

Written Objections and Certificate

292. (a) The party appearing to the Council of Management may state in writing the objections to the award of the Arbitration Committee and shall unless exempted in whole or in part by the Council of Management or the President deposit with the Exchange in cash the full amount ordered to be paid or he securities or the value at the ruling market price of the securities ordered to be delivered in award. The party placing the deposit shall be deemed to have agreed that such deposit be handed over by the Exchange to the other party in accordance with the terms of the decision in appeal.

Deposit Certificate

(b) A certificate from the Exchange showing that the deposit if any as required by sub-clause (a) has been lodged shall be attached to the appeal and the Council of Management shall not entertain an appeal to which such certificate is not annexed.

Decision of the Council of Management Final

293. When the deposit certificate is annexed to the appeal the Council of Management shall proceed to hear the appeal and the decision of the Council of Management shall be deemed final and binding on the parties to the appeal.

Signing of Award

294. An award made by the arbitrators or the Arbitrators Committee or the Council of Management shall be in writing and may be signed on behalf of the arbitrators or the Arbitration Committee by the Secretary or in the alternative the Chairman of the Arbitration Committee and on behalf of the council of Management by the President of the Exchange and by not other member and may be countersigned by an official of the Exchange.

Members Interested Not to Attend

295. A party to a reference who is a member of the Arbitration Committee or the Council of Management shall not attend any meeting of the Arbitration Committee or of the Council of Management at which an inquiry into the reference or appeal is made or appeal is made or at which a reference or appeal is heard.

Adjourned Meetings

296. It shall be no objection to an award on the Arbitration Committee or of the Council of Management that the Meeting at which an inquiry into reference or appeal was inquired into or a reference or appeal was heard was adjourned from time to time or that the inquiry was not completed or that the reference or appeal was not finally heard at one meeting.

Change in Composition

297. It shall be no objection to an award of the Arbitration Committee or of the Council of Management that the composition of the Arbitration Committee or the Council of

Management changed during the inquiry or reference or appeal.

Provided, however that no member of the Arbitration Committee or of the Council of Management as the case may be who shall not have been present at every meeting at which inquiry into the reference or appeal was made or the reference or appeal was heard shall participate in giving the final decision.

Summary Dismissal

298. If a party to a reference who has appealed to the Arbitration Committee or to the Council of Management against an award be not present at the time fixed for hearing the appeal the Arbitration Committee or the Council of Management as the case may be may dismiss the appeal summarily.

Appeal Ex parte

299. If a party to a reference in whose favour an award has been made be not present at the time fixed by the Arbitration Committee or the Council of Management for hearing the appeal against such award the Arbitration Committee or the Council of Management may proceed to hear the appeal ex parte.

Rehearing Ex parte Award

300. On sufficient cause being shown the Arbitration Committee may set aside an ex parte award made by the arbitrators or the Arbitration Committee and the Council of Management may similarly set aside any ex parte award and in any case the Arbitration Committee or the Council of Management may direct that the reference or the appeal be again enquired into or heard.

Remission of Award

301. The Council of Management in its discretion may within fifteen days of an award remit the award or any matter referred to arbitration to the arbitrators or the Arbitration Committee upon such terms as it thinks fit and thereupon the arbitrators or the Arbitration Committee shall reconsider the matter and either confirm or revise the previous decision.

Fresh Reference on Non-compliance with Award When Allowed

302. Whenever an award directs that certain acts or things be done by the parties to the reference and a party fails to comply with such direction the other party may make a fresh reference for a further award for determining the dispute outstanding or the amount of damages or damages or compensation payable by reason of such failure.

Late Claims Barred

303. The Arbitration Committee shall not take cognisance of any claim, complaint, difference or dispute which shall not be referred to it within three months of the date when it arose.

Extension of Time

304. The Council of Management may for special reasons extend the time within which a reference to arbitration or an appeal against any award of the arbitrators or the Arbitration Committee may be made whether the time for making the same has expired or not.

Extension of Time Making an Award

305. The Council of Management may if deemed fit whether the time for making the award has expired or not and whether the award has been made or not extend from time to time the time for making an award.

Remedies at Law

306. The Arbitration Committee or the Council of Management may decline to hear a reference or on appeal or may dismiss any reference or appeal at any time during the proceedings and refer the parties to their remedies at law and if shall so refer them upon the joint request of the parties.

Penalty on Failure to Submit to or Abide by Award in Arbitration

307. A member who fails or refuses to submit to or abide by or carry out any award in arbitration between members as provided in these Bye-laws and Regulations shall be expelled by the Council of Management and thereupon the other party shall be entitled to institute any suit or legal proceedings to enforce the award or otherwise assert his rights.

Arbitration Fees

308. The parties desiring to make a reference to arbitration or proceed in appeal shall pay in advance the fees prescribed in the relation of such fees as the Council of Management may from time to time prescribe in modification or substitution thereof.

Payment Fees

309. Unless otherwise directed in the award the party against whom the award is finally made shall pay all fees paid by the other party to the reference in connection with the arbitration proceedings.

Legal Advisors

310. During a hearing the parties to the reference may with the permission of the Arbitration Committee or the Council of Management appear by council, attorney, advocate or a duly authorised representative. Where one party is so permitted a similar privilege shall be afforded to the other party or parties.

Complaint by Non-member

311. (a) Notwithstanding anything to the contrary in these Bye-laws and Regulations in special cases when the permission of the Council of Management or the President has been previously obtained a complaint by a non-member against a member or any claim, difference or dispute between a non-member and a member may be referred at the instance of the non-member to arbitration in accordance with the Bye-laws and Regulations relating to arbitration between members and thereupon the member concerned shall submit to such arbitration.

Form of Reference

(b) The Council of Management or the President in its or his sole discretion grant or refuse permission applied for as provided in sub-clause (a) and an application for this purpose shall not be considered unless the non-member first signs and submits the Form of Reference prescribed in the relative Regulation or such other Form of Reference prescribed in the relative Regulation or such other Form of Reference as the Council of Management may from time to time prescribe in modification or substitution thereof.

DEFAULT

Declaration of Default

312. A member shall be declared a defaulter by direction of the Council of Management or the President or in the absence of the President by direction of any two Members of the Council of Management:—

- (i) if he unable to fulfil his engagement; or
- (ii) if he admits or discloses his inability to fulfil or discharge his engagements, obligations and liabilities; or
- (iii) if he fails or is unable to pay within the specified times the damages and the money difference due on a closing-out effected against him under these Bye-laws and Regulations; or

(iv) if he fails pass Claim Notes to members (provided that fact is reported to the Exchange by the member not receiving the Claim Note before the Pay-in Day fixed for that Clearing) or to pay any sum due to the Clearing House or to submit or deliver to the Clearing House on the due date the Delivery and Receive Orders, Statement Sheets of Differences and Securities, Balance Sheet and such other Clearing Forms at the Council of Management may from time to time determine provided that in any such case the declaration of default may be delayed if deemed proper upto but not beyond the Settling Day fixed for that Clearing; or

(v) if he fails to pay or deliver to the Defaults Committee all monies, securities and other assets due to a member who has been declared defaulter within such time of the declaration of default of such member as the Council of Management or the President may direct.

Failure to Fulfil Obligation to Non-members

313. The Council of Management may order a member to be declared a defaulter if he fails to meet an obligation to a member or non-member arising out of a Stock Exchange transaction.

Insolvent a Defaulter

314. A member who has been adjudicated an insolvent shall be ipso-facto declared a defaulter although he may not be at the same time a defaulter on the Exchange.

Member's Duty to Inform

315. A member shall be bound to notify the Exchange immediately if there be a failure by any member to discharge his liabilities in full.

Compromise Forbidden

316. A member guilty of accepting from any member anything less than a full and bona fide money payment in settlement of a debt arising out of a transaction in securities shall be suspended for such period as the Council of Management may determine.

Notice of Declaration of Default

317. On a member being declared a defaulter a notice to that effect shall be posted forthwith on the notice board of the Exchange.

Defaulter's Books and Documents

318. When a member has been declared a defaulter the Defaults Committee shall take charge of all his books of accounts, documents, papers and vouchers to ascertain the state of his affairs and the defaulter shall hand over such books, documents, papers and vouchers to the Defaults' Committee.

List of Debtors and Creditors

319. The defaulter shall file with the Defaults' Committee within such time of the declaration of his default as the Council of Management or the President may direct a written statement containing a complete list of his debtors and creditors and the sum owing by and to each.

Defaulter to Give Information

320. The defaulter shall submit to the Defaults' Committee such statement of accounts, information and particulars of his affairs as the Defaults' Committee may from time to time require and if so desired shall appear before the Committee at its meetings held in connection with his default.

Inquiry

321. The Defaults' Committee shall enter into a strict inquiry into the accounts and dealings of the defaulter in the market and shall report to the Council of Management anything improper, un-businesslike or unbecoming a member in connec-

tion therewith which may come to its knowledge.
Defaulters' Assets

322. The Defaulters' Committee shall call in and realise the security and margin money and the securities deposited by the defaulter and recover all monies, securities and other assets due, payable or deliverable to the defaulter by any other member in respect of any transaction or dealing made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and such assets shall vest in the Defaults' Committee for the benefit and on account of the creditor members, the amount so vested being called the "Special Fund".

Payment of Defaulters' Committee

323. All monies, securities and other assets due, payable or deliverable to the defaulter must be paid or delivered to the defaults' Committee within such time of the declaration of default as the Council of Management or the President may direct. A member violating this provision shall be declared a defaulter.

Fraudulent Preference

324. A member who shall have received a difference on an account or shall have received any consideration in any transaction prior to the date fixed for settling such account or transaction shall in the event of the member from whom he received such difference or consideration being declared a defaulter refund the same to the Defaults' Committee for the benefit and on account of the creditor members. Any member who shall have paid or given such difference or consideration to any other member prior to such settlement day shall again pay or give the same to Defaults' Committee for the benefit and on account of the creditor members in the event of the default of such other member.

Preferential Difference

325. A member who receives from another member during any Clearing a Claim Note or Credit Note representing a sum other than a difference due to him or due to his constituent which amount is to be received by him on behalf and for the account of the constituent for that Clearing shall refund such sum if such other member be declared a defaulter within seven days after the Settling Day. Such refund shall be made to the Defaults' Committee for the benefit and on account of the creditor members and it shall be applied in liquidation of the claims of such creditor members whose claims are admitted in accordance with these Bye-laws and Regulations.

Distribution

326. The Defaulters' Committee shall at the risk and cost of the creditor members pay all assets received in the course of realisation into such bank and/or keep them with the Clearing House in such names as the Council of Management may from time to time direct and shall distribute the same as soon as possible pro rata upto one hundred paisa in the Rupee but without interest among the creditor members whose claims are admitted in accordance with these Bye-laws and Regulations.

Confirmed or Altered Making-up Price and Hammer Prices

327. On a member being declared a defaulter the Council of Management shall fix hammer prices on the basis of the prices recorded in the closing-out if any against the defaulter and/or the average of the prices ruling in the market within half an hour of its opening after the declaration of default. The making-up prices in respect of the current Clearing in which the member was declared a defaulter shall be either confirmed or altered by the Council of Management keeping in view the hammer prices.

Adjustment at Confirmed or Altered Making-up Prices

328. (a) Members having transactions with the defaulter in the current Clearing in which his default was declared shall adjust their accounts at the confirmed or altered making-up prices.

Closing-out At Hammer Prices

(b) Members having open transactions with the defaulter in the ensuing Clearing i.e. in the Clearing following the one

in which his default shall be deemed to have closed-out such transactions at the hammer prices.

Closing-out in Open Market

(c) Members having open transactions with the defaulter in Non-Clearing Securities shall close-out such transactions in the open market immediately after the declaration default.

Adjustment of Accounts with Defaulter

329. Members having transactions with the defaulter shall adjust their accounts with the defaulter at the confirmed or altered making-up prices, hammer prices and closing-out prices as provided in these Bye-laws and Regulations. The difference arising from such adjustment shall as the case may be either claimed from the defaulter or paid to the Defaults' Committee for the benefit of members who are creditors of the Defaulter.

Claim Against Defaulter

3.30 Within such time of the declaration of default as the Council of Management or the President may direct every member carrying on business on the Exchange shall according as he may require, do either compare with the Defaults' Committee his accounts with the defaulter duly adjusted and made up as provided in these Bye-laws and Regulations or furnish a statement of such accounts with the defaulter in such form or forms as the Council of Management may prescribe or render a certificate that he has no such account. Delay in Comparison or Submission of Accounts

331. Any member failing to compare his accounts or send a statement or certificate relating to a defaulter within the time prescribed shall be called upon to compare his accounts or send such statement or certificate within such further time as may be specified.

Penalty for Failure to Compare or Submit Account

332. The Council of Management may fine, suspend or expel any member who fails to compare his accounts or submit a statement of his accounts with the defaulter or a certificate that he has no such account within the prescribed time.

Misleading Statement

333. The Council of Management may fine, suspend or expel a member if it is satisfied that any comparison statement or certificate relating to a defaulter sent by such member was false or misleading.

Accounts of Defaults' Committee

334. The Defaults' Committee shall keep a separate account in respect of all moneys, securities and other assets payable to a defaulter which are received by it and shall defray therefrom all costs, charges and expenses incurred in or about the collection of such assets or in or about any proceedings it takes in connection with the default.

Report

335. The Defaults' Committee shall every six months present a report to the Council of Management relating to the affairs of a defaulter and shall show the assets realised, the liabilities discharged and dividends given.

Inspection of Accounts

336. All accounts kept by the Defaults' Committee in accordance with these Bye-laws and Regulations shall be open to inspection by any creditor member.

Scale of Charge

337. The charges to be paid to the Exchange on the assets collected shall be 5 per cent on the first Rs. 5,000 collected or part thereof and 2 per cent on any sum in excess of Rs. 5,000 or such other as the Council of Management may from time to time prescribe.

Application of Assets

338. The Defaults' Committee shall apply the net assets remaining in its hands after defraying all such costs, charges and expenses as are allowed under these Bye-laws and Regulations in satisfying first the claim of the Exchange and the Clearing House and then reately such admitted claims of members against the defaulter arising out of contracts entered into in the market in accordance with the provisions of the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

Certain Claims Not to be Entertained

339. The Defaults' Committee shall not entertain any claim against a defaulter—

- (i) which arises out of a contract in securities dealings in which are not permitted or which are not made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange; or the claimant has either not paid himself or colluded with the defaulter in the evasion of margin payable or bargains in any securities;
- (ii) which arises out of contract in respect of which comparison has not been made in the manner prescribed in these bye-laws and regulations or when there has been no comparison if a contract note in respect of such contract has not been rendered as provided in these Bye-laws and Regulations and receipt thereof obtained either on the duplicate or on the counterpart of such contract note rendered or by comparison of memos in members officers;
- (iii) which arises from bargains not settled by delivery and payment within the time prescribed by these Bye-laws and Regulations;
- (iv) which arises from any arrangement for settlement of claims in lieu of bona fide money payment in full on the day when such claims become due;
- (v) which arises from any outstanding balance or any outstanding difference upon previous transactions which has not been claimed at the proper time and in the manner prescribed in these Bye-laws and Regulations;
- (vi) which is in respect of a loan with or without security;
- (vii) which is not filed with the Defaults' Committee within such time of the date of declaration of default as may be prescribed by the Council of Management.

Differences Due

340. Any difference due to or from a defaulter in the current Clearing shall be allowed to be set off against that due in the ensuing Clearing.

Claims Defaults' Committee

341. A claim of one defaulter whose estate is represented by the Defaults' Committee against another defaulter shall not have any priority over the claims of other creditor members but shall rank with other claims.

Assignment of Claims on Defaulters' Estate

342. A member being creditor of a defaulter shall not sell, assign or pledge his claim on the estate of such defaulter without the consent of the Council of Management.

Proceedings in Name of Defaulter

343. The Defaults' Committee with the consent of the members who are creditors of a defaulter shall be entitled to take any proceedings in a Court of Law either in its own name or in the name of the defaulter as it may be advised for recovering any assets of the defaulter.

Payment to Defaulters' Committee

344. If any member takes any proceedings in a Court of Law against a defaulter whether during the period of his defaulter or subsequent to his readmission to enforce any claim against the defaulter's estate arising out of any trans-

action or dealing in the market made subject to the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange before he was declared a defaulter and obtains a decree and recovers any sum of money thereon he shall pay such amount or any portion thereof as may be fixed by the Council of Management to the Defaults' Committee for the benefit and on account of the creditor members having claims against such defaulter.

General Notice of Dividend

345. A notice of any dividend declared by the Defaults' Committee shall be posted on the notice board of Exchange.

Payment of Dividend

346. Dividends declared shall be paid to each creditor member either by crediting his account with the Clearing House or in such other manner as the Council of Management or the President directs. Creditor members who do not maintain an account with the Clearing House shall be paid such dividends on application.

Unclaimed Dividend

347. If any dividend which has been declared on claims admitted by the Defaults' Committee but which the member entitled (except in the case of a member who shall have died) has failed or neglected to claim remains with the Defaults' Committee unclaimed for more than one year or where after paying a final dividend any assets of the defaulter remain unclaimed or undistributed the same shall be dealt with or disposed of by the Council of Management on behalf of the creditor members.

Deceased Creditors

348. If any member who is a creditor of a defaulter be dead the dividend due to such member shall be paid to his legal representative or heirs on application even when the right of nomination has been exercised in respect of such deceased creditor member. But if such deceased creditor be himself and defaulter the dividend due shall be paid to the Defaults' Committee for the benefit and on account of the creditor members.

PROHIBITIONS AND PENALTIES

Void Contracts

349. (a) A member shall not enter into the following contracts and any such contracts if entered into in contravention of the provisions in that behalf contained in these Bye-laws and Regulations shall be void :

- (i) contracts for the Clearing in other than Cleared Securities;
- (ii) contracts for a period beyond the current and ensuing in Cleared Securities;
- (iii) contracts for hand delivery for a period beyond fourteen days save as provided in these Bye-laws and Regulations;
- (iv) contracts (other than specific bargains) for purchase and sale of securities dealings in which are not permitted on the Exchange;
- (v) contracts for the purchase and sale of prospective dividends.
- (vi) Carry-over contracts between Member and their constituents either as agent to principal or as principal to principal in respect of which contract notes are not rendered to constituent at the special making-up price as provided in these Bye-laws and Regulations.

Options Illegal

(b) a member shall not enter into options in securities and any such contracts if entered into shall be illegal.

Penalty for Breach of Bye-laws and Regulations

350. (a) Every member shall be liable to expulsion or suspension or withdrawal of all or any of his membership rights and/or to payment of fine and/or to be censured, reprimanded or warned for contravening, disobeying, disregarding or wilfully evading any of these Bye-laws and Regulations or any resolutions, orders, notice, directions, decisions or ruling thereunder of the Exchange or the Council of Management or the President or any Committee or any Officer of the Exchange or for any disreputable or fraudulent transactions or dealing with any person whether a member or not or for any conduct, proceedings or method of business which the Council of Management in its absolute discretion deems unbecoming a member of the Exchange or inconsistent with just and equitable principles of trade.

Penalty for Misconduct, Unbusinesslike Conduct and unprofessional Conduct

(b) In particular and without in any way limiting or prejudicing the generality of the provisions in sub-clause (a) a member shall be liable to expulsion or suspension or withdrawal of all or any of his membership rights and/or to payment of a fine and/or to be censured, reprimanded or warned for any misconduct, unbusinesslike conduct or unprofessional conduct in the sense of the provisions in that behalf contained herein.

Misconduct

351. A member shall be deemed guilty of misconduct for any of the following or similar acts or omissions, namely :

Fraud

(i) if he is convicted of a criminal offence or commits fraud or a fraudulent act which in the opinion of the Council of Management renders him unfit to be a member;

Improper Conduct

(ii) if in the opinion of the Council of Management he is guilty of dishonorable or disgraceful or disorderly or improper conduct on the Exchange or of wilfully obstructing the business of the Exchange;

Breach of Rules, Bye-laws and Regulations

(iii) if he shields or assists or omits to report any member whom he has known to have committed a breach or evasion of any Rule, Bye-laws or Regulation of the Exchange or of any resolution, order, notice, or direction thereunder of the Council of Management or of the President or of any Committee, or Officer of the Exchange authorised in that behalf;

Failure to Comply with Resolutions

(iv) if he contravenes or refuses or fails to comply with or abide by any resolution, order, direction, decision or ruling of the Council of Management or the President or of any Committee or Officer of the Exchange or other person authorised in that behalf under the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange;

Failure to Submit to or Abide by Arbitration

(v) if he neglects or fails, or refuses to submit to arbitration or to abide by or carry out any award, decision or order of the Council of Management or the Arbitration Committee or the arbitrators made in connection with a reference under the Rules Bye-laws and Regulations of the Exchange;

Failure to Testify or Give Information

(vi) if he neglects or fails or refuses to submit to the Council of Management or to the President, or to a Committee or an Officer of the Exchange authorised in that behalf, such books, correspondence, documents and papers or any part thereof as may be required to be produced or to appear and testify before or cause any of his partners, attorneys, agents,

remissaries, authorised assistants or employees to appear and testify before the Council of Management or the President or such Committee or Officer of the Exchange;

Failure to Submit Special Returns

(vii) if he neglects, fails or refuses to submit to the President within the time notified in that behalf special returns in the form prescribed in the relative Regulation or in such other form as the Council of Management may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof together with such other information as the Council of Management or the President may require whenever circumstances arise which in the opinion of the Council of Management or the President make it desirable that such special return or information should be furnished by any or all the members;

Failure to Compare or Submit Accounts with Defaulter

(viii) if he neglects or fails to compare his accounts with the Defaults' Committee or to submit to it a statement of his accounts with a defaulter or a certificate that he has no such account or if he makes a false or misleading statement therein;

False or Misleading Returns

(ix) if he neglects or fails or refuses to submit or makes any false or misleading statement in his Clearing Forms or returns required to be submitted to the Exchange or to the Clearing House under these Bye-laws and Regulations;

Vexatious Complaints

(x) if he or his agent brings before the Council of Management or the President or a Committee or an Officer of the Exchange or other person authorised in that behalf a charge, complaint or dispute which in the opinion of the Council of Management is frivolous, vexatious or malicious;

Failure to Pay Dues and Fees

(xi) if he to pay his subscription, fees arbitration charges or any other money which may be due by him or any fine or penalty imposed on him.

Unbusinesslike Conduct

352. A member shall be deemed guilty of unbusinesslike conduct for any of the following or similar acts or omissions, namely :—

Fictitious Names

(i) if he transacts his own business or the business of his constituents in fictitious names;

Fictitious Dealings

(ii) if he makes a fictitious transaction or gives an order for the purchase or sale or securities the execution of which would involve no change of ownership or executes such an order with knowledge of its character;

Prejudicial Business

(iii) if he makes or assists in making or with such knowledge is a party to or assist in carrying out any plan or scheme for the making of any purchases or sales or offers of purchase or sale of securities for the purpose of upsetting the equilibrium of the market or bringing about a condition of demoralisation in which prices will not fairly reflect market values;

Rumours

(iv) if he directly or indirectly and in any manner whatever circulates or causes to be circulated rumours of a sensational character;

Unwarrantable Business

(v) if he engages in reckless or unwarrantable or unbusiness-like dealings in the market or effects purchases or sales for his constituent's account or for any account in which he is directly or indirectly interested, etc which purchases or sales are excessive in view of his constituent's or his own means and financial resources or in view of the market for such security;

Compromise

(vi) if he connives at a private failure or a member or accepts less than a full and bonafide money payment in settlement of a debt due by a member arising out of a transaction in securities;

Dishonoured Cheque

(vii) if he issues to any other member or to his constituent a cheque which is dishonoured on presentation for want of funds;

Failure to Carry out Transactions with Constituents

(viii) If he fails in the opinion of the Council of Management to carry out his stockbroking transactions with his constituents.

Unprofessional Conduct

353. A member shall be deemed guilty of unprofessional conduct for any of the following or similar acts or omissions, namely :—

Street Dealing

(i) if he calls out prices makes bids or offers or trades in the street or at the entrances to or in the vicinity of the Stock Exchange;

Business in Securities, in which Dealings Not Permitted

(ii) if he enters into bargains in securities in which dealing are not permitted.

Business for Defaulter Constituent

(iii) if he deals or transacts business directly or indirectly or executes an order for a constituent who has within his knowledge failed to carry out his engagements relating to securities and is in default to another member unless such constituent shall have made a satisfactory arrangement with the member who is his creditors;

Business for insolvent

(iv) if without obtaining the consent of the Council of Management he directly or indirectly is interested in or associated in business with or transacts any business with or for any individual who has been bankrupt or insolvent even though such individual shall have obtained his final discharge from an insolvency Court;

Business Without Permission When Under Suspension

(v) if without the permission of the Council of Management he does business on his own account or on account of a principal with or through a member during the period he is required by the Council of Management to suspend business on the Exchange;

Business for or With Suspended, Expelled and Defaulter Members

(vi) if without special permission of the Council of Management he shares brokerage with or carries on business or makes any bargain for or with any member who has been suspended, expelled or declared a defaulter;

Business for Partners

(vii) if he transacts any business or makes any bargain for and on behalf of a Member who is a partner of a partnership firm in his individual capacity;

Business for Employees of Other Members

(viii) if he transacts business directly or indirectly for or with or executes an order for a remisier, authorised assistant or employee of another member without the written consent of such employing member;

Business for Exchange Employees

(ix) if he makes a speculative transaction in which an employee of the Exchange is directly or indirectly interested;

Business for or with Non-Member Broker

(x) if in the purchase or sale of securities he shares brokerage with or transacts business as principal with or acts as a broker for or enters into any business with a non-member if such non-member be a member of or a partner, agent or employee of a member of any other association dealing in securities within a distance of fifty miles of the City of Coimbatore or if such non-member within that distance either acts as a broker or passes his own contracts or advertises as broker or dealer in share and security business or issues price lists or circulars respecting such business or permits such advertising or issues or is associated directly or indirectly with any company, association, firm or undertaking which so advertises or makes such issue;

Advertisement

(xi) if he advertises for business purposes or issues regularly circulars or other business communications to persons other than his own constituents, members of the Exchange, Banks and Joint Stock Companies or publishes pamphlet, circulars or any other literature or report or information relating to the stock markets in the public prints with his name attached;

Evasion of Margin Requirements

(xii) if he wilfully evades or attempts to evade or assists in evading the margin requirements prescribed in these Bye-laws and Regulations;

Brokerage Charge

(xiii) if he wilfully deviates from or evades or attempts to evade the Bye-laws and Regulations relating to charging and sharing of brokerage.

Offences by Partners, Agents and Employees of Members

354. The Council of Management may expel or suspend and/or fine and/or censure and/or warn a member or his attorney, agent, remisier, authorised assistant or employee for any act or omission which if done or omitted by the member would subject him to the same penalties.

Suspension on Failure to Provide Margin Deposits

355. The Council of Management or the President shall require a member to suspend his business when he fails to provide the margin deposit as provided in these Bye-laws and Regulations and the suspension of business shall continue until he furnishes the necessary margin deposit. The Council of Management may expel a member acting in contravention of this provision.

Suspension of Business

356. (a) The Council of Management may by a resolution require a member to suspend his business in part or in whole—

Prejudicial Business

(i) when in the option of the Council of Management he conducts his business in a manner prejudicial to the Exchange by making purchases or sales of securities or offers to purchase or sell securities for the purpose of upsetting the equilibrium of the market or bringing about a condition of demoralisation in which prices will not fairly reflect market values; or

Unwarrantable Business

(ii) when in the opinion of the Council of Management he engages in unwarrantable business or effects purchases or sales for his constituent's account or for any account in which he is directly or indirectly interested which purchases or sales are excessive in view of his constituent's or his own means and financial resources or in view of the market for such security; or

Unsatisfactory Financial Condition

(iii) when in the opinion of the Council of Management he is in such financial condition that he cannot be permitted to do business with safety to his creditors or the Exchange.

Removal of Suspension

(b) The suspension of business under sub-clause (a) shall continue until the member has been allowed by the Council of Management to resume business on his paying such depo-

sit on doing such act or providing such thing as the Council of Management may by a resolution require within the time prescribed by such resolution.

Penalty for Contravention

(c) A member who is required to suspend his business shall be expelled by the Council of Management if he acts in contravention of the provisions.

SECURITY DEPOSIT**Additional Security Deposit Payable by Members**

In every case, where a member is carrying on business individually or as the sole proprietor in a trading name, he shall, in addition to the Security Deposit of Rs. 5,000/- required under Article 20 of the Exchange, furnish an additional Security Deposit of Rs. 5,000/- provided that if at any time, he becomes a partner with another member such additional Security Deposit shall be refunded to him.

REGULATIONS**Amendments to Regulations**

Any amendments, addition or alterations to any Regulations made by the Council of Management in pursuance of the powers conferred by these Bye-laws together with a reference to the Bye-law or By-laws to which such Regulations relate shall be communicated to the Central Government by post within twentyfour hours. The Council of Management shall forthwith amend, alter or withdraw any such Regulation if so desired by the Central Government.

